REGISTERED NO. D -(DN)-73

# Hitch an University University of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩• 31] •. 31)

नई दिल्ली, शनिकार, अनस्त 3, 1985 (श्रावण 12, 1907)

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 3, 1985 (SRAVANA 12, 1907)

इस भाग में भिरत पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संसलत के क्य में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be died as a reparate compilation)

#### भाग III-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेचा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा कारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ध्रयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 श्रप्रैल 1985 सं ० ए०-19011/3/85-प्रशा० - संघ लोक सेवा श्रायोग श्री ए० एन० वर्मा, भा० प्र० से०, को 25 अर्प्रैल, 1985 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक श्रायोग के सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं

एस० पी० जैन श्रवर सचिव (प्रणा०) कृते अध्यक्ष संघलीक सेक्स आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1985

सं० ए०-32103/1/85-प्रणा० I—सं० लो० सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० म० से० के स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री मुकूल चटजीं जिन्हें के० स० से० के ग्रेड-1 की वर्ष 1984 की चयन सूची में ऋ० सं० 9 में सम्मिलित कर लिया गया है, को राष्ट्रपति द्वारा 6-5-1985 से श्रागामी श्रादेशों तक श्रायोग के कार्यालय में श्रवर मिख के पद पर नियमित श्राधार पर कार्मिक एवं प्र० सु० विभाग के का० ज्ञा० सं० 4/15/84-सी० एस० (1) दिनांक 18-4-1985 के पैरा 2 के श्रध्यधीन सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० ए०-38013/10/84-प्रशा० III—कार्मिक और प्रशासनिक मुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की णतौं के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापज अनुभाग अधिकारी श्री० श्रार० के० गौड को 30 जून, 1985 के अपराह्म से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष श्रनुमित प्रदान की जाती है।

सं० पी०-1790/प्रशा०-III-दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान से बहिर सेवा की णतौं पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन होने के कारण श्री कैलाण चंद्र ने संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में 14 जून, 1985 के श्रपराह्म से श्रनुभाग श्रधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० पी**० जैन** श्रवर स**चिव** संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, विनांक 21 मई 1985

मं० ए०-32014/1/--85-प्रणा० III-संघ लोक सेवा श्रायोग के कि के कि म० से० के निम्निखित सहायकों

(26349)

को राष्ट्रपृति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:——

कम स ०	नाम	ग्रवधि
1	2	3
1.	कुमारी भारती नरसिम्हा	1-5-85 से 30-6-85 तक
2.	श्री वीर इन्दर	1-5-85 से 30-6-85 तक
3.	श्रीमती मौली तिवारी	30-6-85 से 30-6-85 तक
4.	श्री एच० सी० शर्मा	30-6-85 से 30-6-85 सक
5.	श्री पहलाद सिंह	1-6-85 से 1-4-7-85 तक
6.	श्री ए० एस० वेदी	16-5-85 से
7.	श्री एस० की० गुप्ता	29-6-85 तक 16-5-85 से
8.	श्रीतारासिंह (भ्र० जा०)	29-6-85 तक 16-5-85 से 14-6-85 तक

### दिनांक 17 जून, 1985

सं० ए० 32014/1/84-प्रशा० III—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा भाषोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्विष्ट भवधि के लिए तथा भ्रागामी भ्रादेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ भाभार पर भनुभाग श्रिष्ठकारी के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए सहयं नियुक्त करते हैं ।

कम सं०	नाम	पदोन्नति की ग्रवधि	
1	2	3	
1.	श्री के० वी० सिवानी	10-6-85 र 25-7-85 तर	
2.	श्रीतारासिंह (ग्र०जा०)	15-6-85 र 12-7-85 तर	

एस० बैनर्जी भ्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंस्रालय

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 11 जून, 1985

सं० 15011/20/85-स्थापना—-टेक्नीकल ग्रुप ई० एम० ई० मुख्यालय, दिल्ली केन्ट-110010 से भारमुक्त होकर ग्राप्टिकल कमरामैंन श्री बी० ग्रार० के० मुरली, ने 1 जून, 1985 पूर्वाह्म से स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस ग्रकादमी, हैदराबाद में फोटोग्राफिक श्राफिसर के पद का कार्यभार सम्भाला।

श्री मुरली, श्रकादमी में दिनांक 1-6-1985 से तीन वर्षं की श्रविध की प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे श्रौर केन्द्रीय सरकार के नियमाधीन समय समय पर देय भत्तों के साथ 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1200 ६० के वेतनमान में वेतन पायेंगे।

#### दिनांक 21 जून 1985

सं० 15011/16/85 स्थापना—3री बटालियन, भार० ए० सी० जयपुर (राजस्थान) के कम्पनी कमांडर श्री रुस्तम भली ने 9 जून, 1985 पूर्वाह्म से भकावमी में मुख्य-कवायद भनुदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।

श्री रुस्तम श्रली ग्रकादमी में 9-6-1985 से मुख्य कवायव भनुदेशक (पुलिस उपाधीक्षक) के रूप में पहली बार तीन वर्ष की श्रवधि की प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे तथा 650-30-740-35-810 वं रो०-35-880-40-1000-वं रो०-40-1200 ६० बेतनमान में तथा विशेष वेतन 100 रुपये मासिक पायेंगे।

> जी० सी० सिषवी निदेशक

महानिवेशालय, केन्द्रोय रिजर्थ पुलिस बल नई विल्ली-110003, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० डी०-1-6/85 स्थापना-1--श्री बलवीर सिंह, पुलिस उप-प्रधीक्षक, 62 वाहिनी, कें० रि० पु० बल की सेवाएं 01 जून, 1985 (धपराह्म) से गृह मंत्रालय को सौपी जाती है।

> श्रशोक राज महिपति सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिर्देशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं०. ६०-32015/(4)/17/85-कार्मिक-1—-राष्ट्रपति, श्री धार० डी० पाल को प्रोन्नति पर, 18 मई, 1985 के पूर्वाह्म से 24-9-1985 तक के लिए या इस ख़बधि में नियमित नियुवितयां किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तबर्थ और धस्थाई ख़ाधार पर के० औ० सु० ब० यूनिट, एच० जैड० एल० टुन्डू में सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

#### विनांक 12 जुलाई 1985

सं० ६०-32015/(4)/19/85-कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री के० के० निरंजन को, प्रोन्नति पर, 16 मई, 1985 के पूर्वाह्म से 24-9-85 तक के लिए या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां क्किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थं श्रीर श्रस्थाई श्राधार पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, नालको, श्रंगूल में सहायक कमाउँट के रूप में नियुक्त करते हैं।

महानिदशक/के०औ०सु०ब०

#### विस्त मंत्रालय

# श्रार्थिक कार्य विभाग प्रतिभूति कागज कारखाना

हौशंगाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985 सं० 7(59)/2985—इस कार्यालय की श्रधिसूचना क्रमांक 7(59)/7707 दिनांक 8-11-984 का श्रधिक्रमण करते हुए, श्री राजकुमार फोरमैंन (उत्पादन) को दिनोक 1-1-1984 से नियमित रूप से सहायक मुख्य रसायनज्ञ के पद पर

नियुक्त किया जाता है। वे दो वर्ष तक परीवीक्षाधीन रहेंगे।

ण० रा० पाठक महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षक विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक

सं० 17-वा० ले० प०/167-69—सदस्य लेखां परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा नई दिल्ली के श्री पी० एन० गुप्ता लेखा परीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) श्रपनी श्रधिवार्षिता श्रायु पूरी करने पर दिनांक 30-6-1985 (अपराह्म) में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

#### दिनांक 9 जून 1985

सं० 18-वा० ले० प० 1/200-69—प्रपर उप नियंत्रक महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) ने महालेखाकार, म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के कार्यालय में कार्यरत श्री एम० ए० सिद्धीकी, लेखा-परीक्षा श्रधिकारी (वा०) को के०सि०से० (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48 के उपबन्ध के श्रधीन तारीख 1-6-1985 (पूर्वाह्र) से सरकारी सेवा से स्वैच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की भ्रनुमति दे दी है।

के० पी० लक्ष्मण राव सहायक नियंत्रक-महालेखा परीक्षक(वा)

महालेखाकार (लेखा) $^{-I}$ , बिहार का कार्यालय रांची $^{-2}$ , बिनांक  $^{10}$  जुलाई,  $^{1985}$ 

का०आ०सं०-प्रशा०-स्था०/229—महालेखाकार (लेखा)-1 बिहार, रांचि ने निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा श्रीक्षकारियों को पहली जून, 1985 से उसी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करने की क्रुपा की है।

सर्वश्री

- 1. क्षिति रंजन गुप्ता
- 2. सुशील कुमार मुखर्जी
- 3. नगेन्द्र किशोर मंडल
- 4. भेरव चन्द्र दरत
- हरिपद राग

समीर बनर्जी वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)

# कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-2, बिहार राँची, विनांक 11 जुलाई '1985

सं० एल० ए०/प्रशा० 1-स्था० I/ए० भो० (पदोनती)-1370 — महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-2 बिहार, रांचि भपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण शाखा के श्री भोला प्रसाव, सहायक लेखा परीक्षा पदाधिकारी को 8-7-1985 (पूर्वाह्र) से भगले भावेश सक लेखा परीक्षा पदाधिकारी के पर पर वेतनमान 840-40-1000-व० रो०-40-1200 रुपये में स्थानायन्त रूप से सहवं पदोन्तत करते हैं।

है० मुखर्जी स्थानीय लेखा परीक्षक

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) कर्नाटक बैंगलोर-560001, दिनांक 30 मई, 1985

सं० म० ले० (ले० प०)-1/प्रशा० 1/ए० 1/85-86/131— महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-1 निम्नलिखित दो (2) सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों को ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेसनमान में केवल अस्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले श्रागामी भादेश तक उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से लेखापरीक्षा श्रधिकारी के रूप में सहुर्षं पदोश्रति करते हैं।

सर्वश्री

- 1. जी० बी० नागराज
- 2. टी० एस० कृष्ण राव

दिनांक 1 जून, 1985

सं० म० ले० (ले० प०) 1/प्रशा० 1/ए०-1/85-86/136— महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-1 निम्नलिखित दो (2) सहायक लेखा-परीक्षा श्रिष्ठकारियों को ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में केवल श्रस्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले आगामी आदेश तक उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

#### सर्वश्री

- 1. एस० नरसिंहन
- 2. एम० सी० श्रीधर मृति

उनके लेखापरीक्षा ग्रधिकारी के पदोन्नति होने के फलस्वरूप स्वामी संकलन (त्यां संस्करण) के एफ०ग्रार० 22 सी० के नीचे दिए गए भारत सरकार के निर्णय (15) भा० स० गृ० मं०, कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक (सुधार विभाग के ज्ञा० सं० एफ० 7/1/80 स्था० पी० सु० दिनांक 26 सितम्बर, 1981) के ग्रनुसार उन्हें पदोन्नति होने के दिनांक से एक महीने के अन्दर विकल्प प्रकट करना होगा।

#### दिनांक 10 जून 1985

सं० म० ले० (ले० प०) 1/प्रशासन/2/ए०-1/85-86/——156महालेखाकार (ले० प०)-1 ने श्री जी० सी० शिवराम शर्मा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी को रु० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में केवल श्रस्थायी क्षमता में उनके विरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले आगामी आदेश तक उनके कार्यभार श्रहण के दिनांक से सहर्ष पदोग्रति किये हैं।

उनके पदोश्नित होने के फलस्वरूप स्वामी संकलन ( 7वां संस्करण) के एफ० धार० 22 सी० के नीचे दिए गए भारत-सरकार के निर्णय (15) (भा० सं० गृ० म० तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, ज्ञाप संख्या एफ० 7/1/80-रथा० पी० ए० दिनांक 26 सितम्बर, 1981) के श्रनुसार पदोश्नित होने के दिनांक से एफ महीने के श्रन्दर अपने विकल्प प्रकट करना होगा।

भ्रपठनीय ह० /उप महालेखाकार

कार्यालय महालखाकार (लेखांपरीक्षा) प्रथम, म॰ प्र० क्वालियर, दिनांक 11 जुलाई 1985

क्रमांक प्रशासन 11/समूह-2/स०ले० प० प्र०-प्र० प्र०/ 85-86—-प्रमो० गजट/12/113/231—महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम, मध्य प्रदेश, ग्वालियर ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 में उनके नाम के श्रागे दर्शाये दिनांक से पदोन्नति किया है।

ऋमांक	नाम	स्थायी क्रमांक	स० ले० प रूप में पदे दिन	न्निति का
सव	 रिश्री		<del></del>	
1. जी	⊽ एल <b>० जै</b> न	0.2/1.506	26-3-85	पूर्वाह्न
2. एफ	० सी० देवगण	02/513	15-4-84	"
3. एस	० सी० गुप्ता	02/545	17-5-85	"
4. मोह	नवास	02/1567	17-5-85	3)
5. एच	० पी० श्रीवास्तव ——————	02/1790	10-6-85	,,

(ह०) अपर्र्नाय उप महालेखाकार (प्रशासन) वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० 6/1074/75-प्रशासन (राज०)/3424—इस कार्यालय के श्री निरोती लाल, उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात एवं निर्यात, सेवा-निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर, 30-6-85 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/1434/83-प्रशासन (राज०)/3435—— इस कार्यालय के श्री बी० के० मेहरा, नियंत्रक, श्रायात तथा निर्यात, सेवा-निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1985 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

> से० कुजूर उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई, 1985

सं 17011/191/81/प्र०-6—निर्देशक, निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (अभियांतिकी) श्री कि घोप का 12 जून, 1985 की निधन हो गया।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

सं० ए-17011/158/79-प्र०-6—राष्ट्रपति, निरीक्षण अधिकारी (बस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-III (बस्त्र णाखा) श्री सुन्दर लाल को दिनांक 27 ग्राप्रैल, 1985 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी भादेशों के दिए जाने तक, 1100 (छठा वर्ष भ्रथवा इससे कम)-50-1600 रुपये के वेतनमान में नियमित ग्राधार पर उप निदेशक, निरीक्षण (बस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-II) (बस्त्र शाखा) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री सुन्दर लाल ने '26-4-1985 के श्रपराह्म से, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रिधकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 27-4-1985 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक, कानपुर के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

#### दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० ए-17011/177/80-ए-6--राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अभ्यार्थी श्री आर० एन० दत्ता को दिलांक 20-5-1985 के पूर्वाल्ल से आगामी तक भारतीय निरीक्षण सेवा (प्रुप-ए) के ग्रेड-3 की घातु-कर्म शाखा में सहायक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त किया है।

2. श्री आर० एन० दत्ता ने निरीक्षण निदेशक, जमग्रेबपुर के कार्यालय में दिनांक 20-5-1985 के पूर्वाह्म से सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद का कार्यभार छोड़ दिया थ्राँप उसी कार्यालय में दिनांक 20-5-1985 के पूर्वाह्म में सहायक निदेशक निरीक्षण (धात्) के पद का कार्यभार संभाल निया है।

#### दिनांक 10 जुलाई 1985

सी-18011/5/79-ए-6--पूर्ति तथा निप्धान महा-निदेशालय की दिनांक 4-2-1982 की अधिसूचना संख्या ए-6/247(388) का अतिक्रमण करते हुए राष्ट्रपित ने यह निर्णय लिया है कि श्री एस० सी० आनन्द की भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ''ए" (इंजीनियरी शाखा) में उप निदेशक निरीक्षण (इंजीनियरी) के पद पर पदोन्नित की तारीख 10-3-1970 (पूर्वाह्न) मानी जाएगी।

2. यह अधिसूचना श्री एस० सी० आनन्द द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की गई सिविल रिट याचिका संख्या 403/85 के 14-3-1985 के निर्णय में दिए गए निदेशों के अनुसरण में जारी की गयी है।

सोहन लाल कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात , खान ग्रीर कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग)

लोहा भ्रौर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० ई०I-2(1)/85(.)-अधौहस्ताक्षरकर्ता एतद् हारा श्री एस० सी० मुखर्जी को इस कार्यालय में दिमांक 1-7-1985 के पूर्वाह्न में अवकाण रिक्ति पर अस्थायी रूप में स्थानापन्न सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दीपर कुमार घोष, लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 10 जुलीई 1985

#### श्रुद्धि-पत्र

सं०6961बी/ए-19012(1-एन० एम०)/83/19ए---इस कार्यालय के दिनों के 16-11-84 की अधिमूचना संख्या 7728 बी/ए-19012(1-एन० एम०) 8319ए के श्रंतर्गत अधिसूचित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री एन० मरान की नियुक्ति-तिथि 16-8-84 (पूर्वाह्न) के स्थान में 12-9-84(पूर्वाह्न) पढ़ा जाए ।

#### दिनांक 12 जुलाई 1985

सं०7103बी/ए-19012(प्रो० एस०)/81/19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सर्वेक्षण)
श्री एम० घोष को अधिकारी सर्वेक्षक के रूप में उसी
विभाग में, नियमानुसार 650-30-740-35-810द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
क० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता में,
आगामी आदेश होने तक 20-5-1985 के पूर्वाह्न से
पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुणारी, निदेशक (कार्मिक)

# भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० ए-19012(164)/84-स्था० एं० पी० पी०-विनांक 1 जुलाई 1985 (पूर्वाह्न) को एन्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री आर० ए० मेंधानी , स्थायी भण्डार पाल ग्रांगर स्थापान्न सहायक भण्डार अधिकारी को एनद हारा 1 जुलाई 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यसे भार से मुक्त किया गया है। ग्रांग तदनुमार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट विया गया है।

# दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० ए-19011(56)/84-स्था०ए०-राष्ट्राति, श्री टी० आर० शेषाद्री, स्थायी वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो सें क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनां र 19 जून 1985 के पूर्वाह्म से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या नियमित रूप से भर जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करने हैं।

> पी० पी० वादी प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

#### आकाषावाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली; दिनांक 2 जुलाई 1985

सं017/17/85-एस०-4--- दोन्नित होने के परिणाम-स्वस्प निम्निलिखत वरिष्ठ इंजीनियरिंग सहायकों ने प्रत्येक के नाम के आगे लिखी नारीख से अगले आदेशों त्क आकाण-वाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों/कार्यालयों में अस्थाई

ऋ० सं० नाम केन्द्र/कार्यालय पदभार सम्भालने की
নিখি
1. श्री वी॰ पी॰ सहगल आ॰, सूरतगढ़ 6-5-85
(पूर्वाह्न)
2. श्री पी० भास्करन नायर दूरदर्शन केन्द्र, 20-5-85
गोहाटी (पूर्वाह्न)
<ol> <li>श्रीमती सुशीला कृष्णा- आ०, मद्रास 5-6-85</li> </ol>
मृतिः (पूर्वाह्न)
4. श्री जवाहर लाल सिंह उ० ग० प्र०, आ०, 30-4-85
अलीगढ़ (पूर्वाह्न)
5. श्री पी० वीरैया एल० पी० टी० वी० 10-6-85
आर० सी०, डिब्रुगढ़ (पूर्वाह्न)
6. श्री टी० बी० वैद्यनाथन      दूरदर्शन केन्द्र,
राजकोट (पूर्वाह्न)
7. श्री कें ० एस० प्रकाश राव एल० पी० टी० 31-5-85
आर०सी०, बलारी (पूर्वाह्न)
8. श्री नरेश भान साध आकाशवाणी, लखनऊ 10-6-85
(पूर्वाह्न)
बी० एस० जैन
प्रणासन उपनिदेशक
<b>कृते</b> महानिदेशव

#### नई दिल्ली, दिमांक 9 जुलाई 1985

सं० 4(33)/84-एस०-क--विवाह के फलस्वरूप कुमारी एम० कलावती, कार्यक्रम निष्पाद्दक, आकाशवाणी, मब्रास ने अपना नाम "श्रीमती कला रिव" रख लिया है भीर भविष्य में वह इसी नाम से जानी जाएगी।

> (ह०) अपठनीय प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# भारतीय वन सर्वेक्षण बेहरादूम, दिनांक 9 जुलाई 1985

क्रमाक 4-2/81-प्रशासन — श्री भूपित मोहन देव, तिपुरा वन विभाग के सहायक वन संरक्षण, जो कि भारतीय वम सर्वेक्षण, पूर्वी श्रंचल, कलक्षा में सहायक निदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 1,4 जून 1985 की अपराह्य से कार्यमुक्त कर दिया गया है तथा उनकी सेवाएं तिपुरा सरकार को सौंप दी गई हैं।

देवेन्द्र भूषण मिश्र, निदेशक

# भाभा परमाणु ग्रनुसन्धान केन्द्र

#### कार्मिक प्रभाग

# बम्बई-85, विनांक 9 जुलाई 1985

सं० पी० ए०/73(7)85 - ख्रार०-4/687—नियंक्षक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र डा० भानुदास गोविन्व रानिपसे को निवासी चिकित्सा धिधकारी के पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में 24 जून, 1985 (पूर्वाह्म) से तीन वर्ष की श्रवधि तक अस्थायी रूप भें नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/73(7)/85-श्रार०-4/688--नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्त्र डा० मुकेश दोदेजा को निवासी चिकित्सा श्रधिकारी केपद पर भाभा परमाणु श्रनु-सन्धान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में 17 जून, 1985 (पूर्वाह्र) से तीन वर्ष की श्रवधि तक श्रस्थायी रूप में नियुक्त कर है।

म० द० गाइगील, उप स्थापना श्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग कय श्रौर भण्डार निवेशालय

बमाई-400001, विनांक 10 जून 1985

सं० डी० पी० एस०/41/17/85-प्रशा०/4654--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष श्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल श्री श्रब्धुल सत्तार हैदर शैंख, को इसी निदेशालय में दिनांक 14-5-85 (पूर्वाह्न) से 12-6-85 (श्रपराह्न) तक रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा श्रिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

# दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० ऋ० भंति/41/2/85-प्रशा०/3903--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय ग्रौर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री पी० बी० वाडके को इसी निदेशालय में दिनांक 13-5-85 (पूर्वाह्म) से 21-6-85 (प्रपराह्म) तक रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35+880-40-1000 -द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त, किया है। यह नियुक्त सहायक भण्डार ग्रधिकारी श्री एल० एच० बागवे के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

सं० ऋं० भंनि/41/18/85-प्रशा०/4615--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भण्डार निवेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री टी० जी० गिववानी को इसी निदेशालय ं दिनांक 6-5-1985 (पूर्वाह्न) से 7-6-1985 (प्रपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भण्डार प्रधिकारी के पद पर तदर्य प्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भण्डार प्रधिकारी, श्री सदानन्द के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अविध के लिये छुट्टी प्रदान की है।

सं० ऋभंति/41/2/85-प्रशा० 4621--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी, श्री जी० कुप्पुस्वामी को इसी निदेशालय में दिनांक 6-5-85 (पूर्वाह्न) से 7-6-85 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में सहायक भण्डार श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक भण्डार श्रिकारी, श्री एले मैथ्यू के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त श्रवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

पी० गोपालन प्रशासन भ्रधिकारी

# निर्माण एवं सेवा वर्ग सम्बद्ध-400094, दिनांक 4 जुलाई 1985

सं० सी० ई० डी०/ए०/2(16)/4387—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० वी० मोहनन्, श्रस्थायी सहायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग को श्री एन० पाथिपन, सहायक लेखा श्रिधकारी, जो छुट्टी पर गए हुए हैं, के स्थान पर दिनांक 10-6-85 (पूर्वाह्न) से 10-7-85 तक श्रस्थायी रूप से सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

एस० के० कपूर प्रशासन ग्रंधिकारी

# विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

सं० ए-32013(मेट-1)/7/83-स्था० 1---राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानी श्रेणी-1। सहायक मौसम विज्ञानी को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से श्रगला श्रादेश मिलने

तक,	स्थानापन्न	मौसम	विज्ञानी	श्रेणी-1	के	रूप में नियुक्त
करते	हैं:					•

<ol> <li>श्री के० रामचंद्रन</li> <li>श्री लेखमी सिंह</li> <li>श्री के० रतनम</li> <li>श्री के० रतनम</li> <li>श्री के० के० चक्रवर्ती</li> <li>श्री बी० के० होजरा</li> <li>डा० बी० के० बासु</li> <li>श्री श्रार० डी० विष्ठा</li> <li>श्री बी० बी० सिंह</li> <li>श्री दी० बी० मजुमदार</li> <li>श्री वी० पी० वर्मा</li> <li>श्री बी० पी० वर्मा</li> <li>श्री श्रार० के० बंसल</li> </ol>	10-9-1984 1-10-1984 29-6-1984 25-2-1985 25-2-1985 25-2-1985 25-2-1985 25-2-1985 29-4-1985 27-2-1985 21-3-1985 26-2-1985

एस० के० दास मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1965

सं० ए-32013/7/83-ई० सी०-इस विभाग की श्रिधसूचना सं० ए-32013/7/83-ई० सी०, दिनांक 26 नवम्बर, 1984 के कम में राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित दो सहायक तकनीकी श्रिधकारियों को प्रत्येक के सामने वी गई तारीख से छः मास की ग्रविध के लिए तकनीकी श्रिधकारी के ग्रेड में तदर्थ शाधार पर नियुक्त करते हैं और प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात करते हैं:--

ऋम सं०	नाम	तैनाती का वर्तमान	स्टेशन जिस पर तैनात किया गया	
		सदेशन	है	की तारीख

#### सर्वश्री

- एस० एस० वैमानिक रेडियो निर्माण श्रोर 8-3-85 क्या संचार स्टेशन विकास ए क्क, श्रमुतनर नई विस्ती
- 2. एच० सी० वैमानिक वैमानिक संचार 20-5-85 सचदेवा संचार स्टेशन, स्टेशन, नई दिल्ली जम्मू

उपर्युक्त प्रधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी प्रधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति हो जाने में वे इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे और तदर्थ प्राधार पर की गई सेवा नागर विमानन विभाग में न तो तकनीकी प्रधिकारी के ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए और न ही ग्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पान्नता के लिए ग्रिनी जाएगी।

वी० जयचन्द्रन सहायक निदेशक (प्रशासन)

#### नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० ए-32013/2/82-ई० एस०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी के ग्रेड में तवर्थं नियुक्ति को विनांक 1-5-84 से 31-8-85 तक एक वर्ष चार मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें मे जो भी पहले हो, जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं।

- 1. श्री एस० एस० नट
- 2. श्री एस० एस० कृनेर
- 3. श्री भ्रानुपम बागकी
- .4. श्री पी० एम० गोयल
- 5. श्री एच० एम० फुल
- श्री मोहम्मद मुस्तफा
- 7. श्री एल० ए० महालिंगम
- 8. श्री देव प्रसन्ना घोष
- 9. श्री एल० एम० माथुर
- 10. श्री डी० पी० घोष

2. राष्ट्रपति, श्री एस० एल० बोहरा की वरिष्ठ उड़न-योग्यता श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को विनांक 1-5-84 से 30-11-84 तक सात मास की श्रवधि के लिए जारी रखने की श्रनुमति प्रदान करते हैं।

> एम० भट्टाचार्जी सहायक निवेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुरुक समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 21 जन 1985

सं० 2/85—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित वर्ग ''ख'' ग्रधिकारी ग्रधिवर्षता की ग्रायु पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से मेवा जिन्हा हो गये हैं:---

क्रम		ग्रधिक	ारी का	दिनांक
सं०		नाम	व पद	
		<del>-</del> -		
	सर्वश्री			
1.	शान्ति स्वरूप	श्रधीक्षक	केन्द्रीय उत्पाद	31-1-84
			णुरुक मुख्यालय,	
			कानपुर	
2.	्रमाई०एम०के С	o ,,	केन्द्रीय उत्पाद	31-1-84
	<b>शिवपु</b> री		<b>गु</b> ल्क, का्नपुर-1	
2	- D-		मंडल <del>२०</del> ०० ———	
3.	एम० एन० <del>स्टस्</del>	"	केन्द्रीय उत्पाद	31-3-84
	कटरू		शुरुक, बरेली मंडल	
1	<b>जो</b> ० पी०		मङ्ल केन्द्रीय उत्पाद	
721	श्रीवास्तव	"	गण्याय उत्पाद गुल्क, कानपुर–	31-5-84
	114(()4		सुरकः, कासपुर— मं <b>ड</b> ल	1
5.	जी० भ्रार०		ुकेन्द्रीय उत्पाद	31-5-84
0.	श्रानन्द	"	श्राप्त उत्पाद श्राहक, सीतापुर	31-3-84
			मंडल मंडल	
6.	पी० एस०	,,	केन्द्रीय उत्पाव	30-6-84
	श्रवस्थी	//	शुरुक मुख्यालय,	0,, 0, 0,
			कानपुर	
7.	पी० एस०	,,,	केन्द्रीय उत्पाद	30-6-84
	व्यास		<b>शुरुक,</b> श्रागरा	
	_		मं <b>ड</b> ल	
8.	एस० जैंड०	"	केन्द्रीय उत्पाद	31-8-84
	प्रली]		<i>मु</i> ल्क, सीतापुर,	
	•		भं <b>ड</b> ल	
9.	एच० सी० ——	"	केन्द्रीय उत्पादन	31-8-84
	दास ग्रम्बा		<b>शुल्क, भ्रागरा</b>	
	en a efer-		मंडल	
	ए० पी० सिन्हा	1)	केन्द्रीय उत्पाद	31-10-84
	।सन्हा		ण् <b>रक मुख्यालय</b> ,	
1 1	सी०एल०		कानपुर केन्द्रीय उत्पाद	21 10 04
1 1.	<u>द</u> बे	"	गण्याय उत्पाद शुरुक, ग्रालीगढ	31-12-84
	۵,		म्डल मंडल	
1 2.	एस० के०	,,	केन्द्रीय उत्पाद	31-1-85
	घोगाल	,,	ग् <b>ल्क, कानप्र</b> −1	
			मंडल	
1 3.	पी० एस०	"	वहीं	28-2-85
	सक्सेना		,	

जी० एस० मैंगी समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद **शुरुक** 

#### नागपुर, विभाक 10 जुलाई 1985

the second control of the second of the seco

सं० 5/85—समाहतालय, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक नागपुर के श्री एन० डी० मेश्राम, सहायक समाहता, समूह "क" निवर्तन की श्राय प्राप्त करने पर दिनांक 30 चूम, 1985 श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत हुए। श्रार० के० श्रादिम

उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्थापना)

# नौबहन श्रौर परिवहन मंत्रालय नौबहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं011-टी० म्रार०(2)/85(.)—राष्ट्रपति, श्री एस० के० मज्मदार को 10 जून, 1985 (पूर्वास्त्र) से भामामी म्रादेशों तक तदर्थ माधार पर, मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में इंजीनियर म्रधिकारी के कप में नियुक्त करते हैं।

सं० 11-टी० भार०(3)/85(.)—राष्ट्रपति, श्री भ्रमिताय बनर्जी को रीन इंजीनियरी प्रणिक्षण निदेशालय, कलकता में तारीख 1-6-85 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेशों तक, तदर्थ भाधार पर, इंजीनियर श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### विनांक 9 ज्लाई 1985

सं० 7-दी० धार० (8)/85-राष्ट्रपति, भारतीय नौवहन निगम, बम्बई के कप्तान ए० के० मल्होला को दिनांक 15 जून 1985 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष की ध्रवधि तक प्र० पो० राजेन्द्र बम्बई पर नाटिकल श्रधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त करते हैं।

> श्रमिताभ चन्द्र नौवहन उप महानिदेशक

> > The state of the s

#### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई विस्ली-110066, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० ए-19012/1103/85-स्थापना पांच--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग, श्रीमती रेनु मल, ग्रीभकत्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200-रुपये के वेतनमान में 24-5-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई श्रीर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में निय्यत करते हैं।

मीनाक्षी श्वरोड़ा श्रवर मचिव केन्द्रीय जल श्वायोग उचीग भौर कम्पनी कार्य यंज्ञानय

(कम्पनी कार्य विभाग) अम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिक्ट्ट्रार का कार्यालय कम्पनी प्रधिनियम, 1956 प्रौर रमाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, विनांक 24 जून 1985

सं० 2203/560/85—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर रमाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशांत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उनत कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर पि० वि० ई० ट्रान्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में मद्राम, दिनांक 24 जून 1985

सं० 4682/560/85— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के ग्रवसान पर पि० वि० ई० ट्रान्सपोर्टमं प्राइवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो
रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित
कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर साइकिरान पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 24 जून, 1985

सं० 7624/560/85—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मादकरान पेपसे प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह्० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर कैरली रबड़ फैक्टरी प्राडवेट लिमिटेड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 26 जून 1985

सं० 3345/लिक/560(3)——कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3)के मनुसरण में एतद्दारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अबसान पर करेली रबड़ फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> ए० विजयन मेनन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर जनपदश्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० 16085/560(5)— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जनपदश्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर गोसेन एंड कम्पनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, विनांक 5 ज्लाई 1985

सं० 17646/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि गोसेन एंड कं० (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर<sup>्</sup>ग्लास सिडिकेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलंकता, दिनांक 5 जुलाई, 1985

सं० 17683/560(3)— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जातीहै कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर ग्लास सिंडिकेट प्राईबेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर पाल बदर्स (स्रामद्रेला)

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 223/6/560(5)--कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्शरा सूचना दी जाती है कि पाल अदर्भ (भ्रामब्रेला) प्राइविट निमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर में काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर मिल्म काफ्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 24568/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिल्म काफ्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर एवरेस्ट वुड प्राडक्ट्स एंड एलाईड इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांकं 5 जुलाई 1985

सं० 30228/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसाम पर एवरेस्ट बुड प्राडक्ट्स एंड एलाईड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा शौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भलकनत्वा इंजिनियर्स प्राक्ष्येट लिमिटेड के विषय में । कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

षं० 30776/560(5)—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ग्रलकनन्दा इंजिनियर्स प्राईवेट लिमिट इका नाम ग्राज रिजस्टर में काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर साइन्टिफिक माफ्टब्ये र प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 32375/560(5)—कस्पर्नः अधिनियम, 1955 क्री धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि साइन्टिफिक साफ्टब्येर प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रटिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

# कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर ईस्टर्न कनसेसियनस लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1985

सं० 9552/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न कनसेसियनम प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० दास गुप्त कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के मामले में मै० शीला सिने कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड-----वालियर के विषय में। ग्वालियर--474009, विनांक 9 जुलाई 1985

सं० 2337/पी०एस०/सी०पी०/1627—कम्पनी श्राध-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतर्दारा मूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के बिनांक संतीन मास की समाध्ति पर, मैं०शीला सिने कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, खालियर का नाम, दि इसके विषद्ध कोई कारण न दर्शामा गया तो, रजिस्टर में काट विया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स श्यामलाल जनकराज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

ग्वालियर, दिनांक 12 जुलाई 1985

क्रमांक 1024/पी० एस०/सी० पी०/1041—कम्पनी प्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० भ्यामलाल जनकराज प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० करमारकर कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर चांदी प्रोडक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 10 जुलाई 1985

सं० स्टेट/560/3127/3296---कम्पनी श्रिभिनियम, 1956की धारा 560की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना वी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवसान पर चांदी प्रोडक्शन प्राईवेट लिमिबेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर सनगोल्ड फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, विनांक 10 जुलाई 1985

सं० स्टेट/5228/3298—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 मी धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सनगोल्ड फाइनेन्स एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर लखनीर फाइनैसर्स ट्रेडर्स श्रीर एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, विनांक 10 जुलाई 1985

सं० स्टेट | 560 | 4538 | 3300 — कम्पती प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवसान पर लखबीर फाइनैंसर्स ट्रेडर्स और एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर वी० डी० चिट फण्ड एण्ड फाइनेन्सर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 10 जुलाई, 1985

सं ० स्टेट/560/3090/3302—कम्पनी श्रधिनिय 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतवृक्षारा सूचना दी जाती है कि बी०डी० चिट फंड एण्ड फाइनेन्सर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> बी० एम० जैन कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कटक

कटक, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० एस० भ्रो०/एक्जीसव/कटक/85-86/ 342-48--अत: मुझे, आर० सी० वठी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5203 है तथा जो मौजा बाखराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाधक अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित ई), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटफ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख 7--11--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल के एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विजय कुमार सिंह पिता श्री भावप्राही सिंह, जयामाही पोस्ट बक्शी बाजार, जिला जटक (उड़ीसा)।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रोहीताण सिंह पिता रामधन सिंह, घाटणेर पोस्ट जिला पुलिस स्टेशम मांगल चौधरी। जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)।

- 2. श्री एस० के० आवुजाकर पिता मृत एस० सरीफेंद्दीन सैयदपुर पोस्ट/शाना बक्सी बाजार जिला कष्टक (उड़ीसा)।
- 3. श्री वीरसिंह पिता उमराउसिंह गांव नंगल पोस्ट रसुलपुर धाना कनीना जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा )।
- 4. श्री प्रताप सिंह पिता प्रभाती सास गांच नांगल पोस्ट रमुलपुर थाना कनीना जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)।
- 5. श्री वादरा आलम पिता एस० के० अवुजाफर सैयदपुर पोस्ट थान । विझारपुर जिला कटक (उड़ीसा) ।
- 6. श्री हुसनरा बेगम पुत्री मृत मुहम्मद एस० एस० अली पोस्ट धुदाकुलाट थाना पहामुन्टी जिला कटक (उड़ीसा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति थों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुस्घी

मौजा बाखराबाद, टाउन विशीनावर, राउसपाष्टना के नाम से पहचाना जाता है । थाना न० 204 सी० एम० खाता नं० 1599 प्लाट नं० 1833 एरिया एसीफो 383 डिसमिल और सी० एस० खाता नं० 1610, प्लाट नं० 1835 ए० सी० थ्रो० 217 डिसमिल मौज ए० सी० थ्रो० 300 डिसमिल माझ ६० 3.50/- श्रीर मकान उसका होलडींग नं० 182/ए, डीड नं० 19 कप्टक म्युनिमपैलिटी ।

आर० सी० सेठी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, भूक्तेश्वर

तारीख: 3-7-1985

मोहर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वस (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिमांक 10 जुलाई 1985 निदेश सं० 3/973/अर्जन/85-86--अत: मुझ, प्रबोध

हमार दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० हो० नं० 5 जुझली रोड, थाला विस्ठुरपुर, जमशेदपुर में स्थित है और वेलडीद ट्रैफिंग एरिया जमशेद पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत हैं). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 13-11-85

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिहा में बास्तिक हम के की थत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मोहराव फिरोज दारोगा वल्द स्व० फिरोज जमणेद दारोगा निवासी न० 5 ब्लाक नं० 5-ए, कोरामंगल बंगलौर-560034।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री याजेद सम क्वपाड़िया बल्द सम सीर बजी कपाड़िया बेलडीह लेख थाना बिस्टुपुर जमशेदपुर
  - श्री नासीर अरदेशित पिरोसावे निवासी नं 12 वेलडीह लेख जमगोदपुर
  - श्री दोराय माभिक साव मिस्त्री बल्द स्व० माभिक साव दोरावजी मिस्त्री 12 हिल भिवरोड, जमगेदपुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यधाहियां कराए हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्लाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्धं
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रय्वत कव्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम:, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन सय दो मंजिला मन्तान जिसका रकवा 312 एकड़ है तथा जो छी० नं० 5 जुबली रोड बेलडीह ट्रैगिल एरिया तथा थाना बिस्ठुरपुर जमशेदपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण क्य में बसिका सं० 6519 दिनांक 13-11-84 में विणित है तथा जिसका निबन्धन अवर निबन्धक जमशेद पुर द्वारा सम्पन्न हुआ। है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटमा

तारीख : 10--7-1985

माहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 11 जुलाई 1985

तिदेण सं० 3/974/अर्जन/85-86--अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० होत्डिंग नं० 169/290 सी, टाइप सी, ब्ला ह-सी, प्लाट नं० 29, बार्ड नं०-3 हैं, तथा जी कंछड़ बाग पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्नी श्रिधकारी के कार्यालय क्ल हता में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1998 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-11-84

को पृष्टिक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जमके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पंद्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्चित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाधत, उक्त नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/पा
- (स्त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधोन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—

(1) श्री भरेन्द्र शर्मा, गाकिम—घरारी, थाना---धोसी जिला—गया।

(अन्तरकः)

(2) श्री दुधेश्वर नाथ गाण्डे, सा०—पावार, थाना—संदेश, जिला—भोजपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाध्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधान में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अनुसूची

तीन कहा ने अधिक जमीत अय एक मंजिला मकान के जो संक्टर-सी, मोहल्ला-कंकड़बाग, डाकघर-लोहियानगर, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1-13699, दिनीक 16-11-84 में विणित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार ऑफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना ।

नारी**ख** : 11-7-35

माहर :

(1) श्री एन० ए० एस० जाहावर सजिक,2. श्री ए० नुर्जाहाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० पातुमाल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1985 निदेश सं० 168/नवस्वर/84:---अत: मुझे, के० वेणुगोपाल

राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं छोर सं 11, मोर स्ट्रीट, मद्राय—1 है, जो मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंड अनुसूची में ऑप पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर डाकुमेंट सं 2311/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं और मूझे गह विश्वास कर , ा कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक स्प स कांध्य नहीं किया गया हैं:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन., निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्साक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः ---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 11, मोर स्ट्रीट, मद्रास- 1 एम० आर० मद्रास उत्तरहाक्त्मेंट मं० 3211/84.

कें० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 12-7-1985.

मोहर :

प्रस्ता आह . ती, एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० 169/नवम्बर 84 ---अतः मुझे के० वेणुगोताल राष्

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकास 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशास करने का कारण हैं कि स्थायर संगीत जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० डोर सं० 3, है तथा जो सुन्कुराम चेटी स्ट्रीष्ट मद्रास—1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णे रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस्तावेज सं० 3182/8,4 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984 को पूर्वोक्षत संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के छरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसक द्ध्यमान प्रतिकल को लंदह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, एक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिट व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती वारीजातम नागराज,

(अन्तरक)

- (2) एस० ए० एम० एम० अमिमाङ्क् रहुमा,
  - 2. एस० ए० एस० एच० क्षिति भद्यस्ति।,
  - 3. ए० अयअत विजिहा,
  - ए० के० एम० सिति नागिरा ।

(अन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---ध्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियस, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसुची

भूमि और निर्माण खोर मं० ३ हुन्तु पवर चैडी हट्टीड, वदा र -एम० आर० मदास, उत्तर, दस्तावेज सं० 3182/84

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिमांक : 12-7-1985

महिर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

द्यार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1985 निदेश सं० 172 नवम्बर 84/—अतः मुझे के० वेणुगोपाल

राजू आयकर लिशिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 39/2 है तथा जो तिस्वहीपुर गांव में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस्तावेज सं० 2998/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1984

को पूर्विक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रियमान प्रतिफल में, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नीलिखत उद्देश्य में उचत अन्तरण निम्नीलिखत प्रदेशिय के किया गया है:——

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त आधितियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

(1) एम० एन्ड के० आर० सुन्दरम, इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रा० लि०,

(अन्तरक)

(2) पी० गीविन्द स्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि यद में समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्वेक्त . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निसिद में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि श्रौर निर्माण तिदवहीपुर गांव (सर्वे नं० 39/2)

कें० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अबं, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 12-7-1985

मोहर :

आयकर अदिकाम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, म**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जून 1985

निदंश एं० एं० पीं० नं० 5817—श्रत मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात जिसे अपित अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन राधन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सप्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,0∂0∕- रः. से अधिक है

और जिसकीं वस जैसा कि श्रनुसुची में लिखा है तथा जो जा रनवर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसुची में और पूर्ण क्या से याँगत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारीं के कार्यालय जाननवर में रिवस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीवीत नारीख नंशम्बर 1984

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिएल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिनिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि नियमितिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के लिए।

अतः अव, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, कात अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कि अधीन, निम्हिलिखन व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) ब्हल्तू राम पुत्र श्री श्रासा नन्द
 वासी डब्ह्यु जी-480, मोहल्ला सुराज गंज,
 जानन्धर् ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री गुरघरन सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह, श्रीमती बलजीत कौर पन्नी गुरचरन सिंह, वासी 338, गुरुतेगबहादुर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 32714 दिनां : नवम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्ध ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

हिनांक : 28 6-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस. !----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5820----श्रतः मुझे जे० एल० श्राहुलियालिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रापी ए जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकों सं० जैसा कि श्रनुसुधी में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधींन तारीख नवम्मेर 1984

वा पूर्विका संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त् क रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अप, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो कस्तूरीं लाल, राम नारायण धानन राम. पुत्र गौरीं दस पुत्र तुलसीं राम, धासीं कोटकपुरा, जिला फरींदकोट

(天下十八十)

(2) श्रीमतीं शीला देवीं पुत्री चानन राम पुत्र रोहमता, पत्नी ओम प्रकाश बन्सल पुत्र सदापाम बासी बन्दत स्ट्रीट, कोर्ट कपुरा जिला फरीदकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु सं 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख में 244 दिनांक नवम्बर 1984 को रजिस्ट्रींकर्ता श्रिधकारी फरीदकोट ने लिखा जै० ए स श्राहनूथाला सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज, जालन्धर

विनांक : 11-7-1985

मोहर:

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऐ० पीं० नं०5821 और 5822---श्रतः मुझे. जे० एस० श्रहसुवालिया

आयकर जांधनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक ह<sup>3</sup>

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसुची में लिखा है (और जिसकीं सं० जैसा कि श्रनुसुचीं में लिखा है) तथा जो बुढ़लाडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय बुढ़लाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारींख नवम्बर व दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संम्पास के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसक स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मनी देवी विधवा जस्सी राम, (विलेख नं० 976) और दिनेश कुमार, पुत्र शिवचरन दास<sup>4</sup> (विलेख नं० 1125), ग्रार० ओ० बुढ़लाडा, जिला भटिण्डा

(प्रन्तरकः)

(2) जगरूप सिंह पुत्र चेतन सिंह, वासी मेन मार्कीट, बुढलाडा, जिला भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुरत्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि घिलेख नं० 976 दिनांक, 11/84 और 1125 दिनाक 12/84को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बुढलाड ने लिखा ।

> जेस० ए० शहलुबालिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

िवनॉक 12-7-1985 मो**ह**र ⊯

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातया, सहायक आर्येकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्द

बस्बई, दिनांक 11 जलाई 1985 निदेण् सं० श्रई-4/37ईई/13232/84--85---श्रतः मुझे १० प्रशात

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लंट नं० 133, जो अथीं मिणिल, "हारका प्रपार्टमेंटम" जय पाली हिल, शांती प्राश्रम के पास, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित हैं (और इनसे उपाबड अनुमुनी में पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा ध्रायंकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, के अधींन बम्बई स्थित सक्षम प्रायंधारी के पार्यांचार में रिजम्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- व्यप्सा विविधाः

(प्रन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र, सुरेन्द्र राजपूरकर ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं 133, जो 4 थीं मंजिल, द्वारका अपार्टमेंटस अस पाली हिल, णांती ब्राश्रम के पास, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनसुची जैसा कि क्रम सं० श्रई-4/37ईई/13223/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनाक 1--11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बर्ड

दिन्तिः : 12-·7--1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्र**ई**- 4/37ईई/13127/84-85--ग्रत मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैटनं 1407, जो, 14वी मंजिल, इमारत नं० 57/58, योगी नगर प्लाट नं० 57/58, एच० नं० (अंश), 5, 3, 14 और 17 सर्वें नं० 66, एक्सार रोड़, बोरिजली (प), वम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिस्ता अरारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम के अधीन बम्बई स्थित सक्षम 1961 की धारा 269म, प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1--11--1984 को पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति मो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, "उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन<sub>ार</sub> निर्म्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मेसर्स विजय नगर कार्पोरेशन ऽ

(अन्तरक)

(2) श्रीं रामलाल मुंधा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमं प्रयासत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हौं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पर्लंड नं 1407, जो 14वी मंजिल, इमारत नं 57/58, योगी नगर प्लाट नं 57/58, एच न् (अंग), 5, 3, 14 और 17, एक्सार रोड़, बोरिचलीं (प), ६म्बई-92 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि कम सं ऋई-4/37ईई/13127/ 84-85 और जो सक्षम प्राधाकरीं, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां कं 1⊶7→1985 मोहर ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, अम्बई अम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रई-4/37ईई/13428/84-85--श्रतः मुझे, ए० त्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज प्लाट नंज 41, जो 4थीं मंजिल, दत्तानी नगर इमारत नंज 4, एसज विज रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमुचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरारतामा आयकर अधिनियम 1961 कीं धारा 269 जख, के अधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिषत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त. अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्मिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित :-- (1) श्रीमती माधुरी भाटिणा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री णांतीकुमार एस० क्ष्पाडिया और श्रन्य । (अन्तरिती)
- (3) मेनर्स दत्तानी इंटरप्रायजेम ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अनुसुची

पलैट नं 41, जो 4थीं मंजिल, दत्तानी नगर, इमारत नं 4, एस वि रोड़, बोस्विली (प), बम्बई- 92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि फ्रम मं फ्रई- 4/37ईई/13428/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4. बम्बर्ष

হিনাক : 12-7-1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, बिनांक 12 जुलाई 1985 निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/13342/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, जो, ए-विंग, बोरिवली गोदावरी को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, पहली कार्टर रोड, बोरिवली (पू०), वस्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कु,ख के ग्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलि<u>बित</u> व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्री मुरलीधर गंगाराम कालरा।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश्चंद्र चिमणलाल शहा श्रीर श्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, जो, ए-विंग, बोरिवली गोदावरी को-धांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ाली काटर रोड, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋष्सं० अई-4/37-ईई/13342/84-85 अौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखाः 12-7-1985

मोहर 🛨 🗆

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, वस्बई वस्बई, दिनांर 12 जुलाई 1985

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपार अधिनियम' कहा रया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 32, जो, ए-इमारत, पूनीता फ्लेट श्रीनर्स को-आप० हाउनिम सोगाइटी लि०, एस०वि० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थिन है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्रा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, तार्गिख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ले ए में दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह शितशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयां) के बोच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंग नथीं किंग गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई फिली आब्ज की बाबत, उक्त ऑर्थनियम के अधीन कर इस के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय सा िन्सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अप्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उन्न अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना को हिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उबल अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, क्रिक्टिन व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वि० एम० दोशी।

(अन्सरक)

(2) श्री श्रार ०एन० मोदी।

(अन्तरिती)

(3) श्रीवी० एम० दोशी।

(वह ध्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्कृत जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्विकरणः---इसमें प्रयुक्त अब्दौ और पदौं का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

फ्लेंट नं० 32, जो, ए-इमारन, पूनीता फ्लेंट ग्रोनर्स को-म्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एल०वि० रोड, कांदि-वली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०मं० ग्रई-4/37-**ईई**/13535/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, बम्बई

नारीख : 12-7-1985

मोहर ;

#### मुक्त बाह्र . हते . हत् . एक .--------

भागकर बाभागयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में अभीन स्चना

#### बारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्शक्तिक)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985
निवेश सं० श्रई-4/37-ईई/13409/84-85—श्रतः मुझे,
ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ब्लॉक नं० 15, जी, विग-बी, विरा सदनं, सबेर बाग, एस०कि० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवयस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- अक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त धीपनिवय के अभीन कार दोने के जन्तरक के दावित्य में आसी कारने वा उच्चसे स्वाने में सुविका के शिक्ष: न्यूर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, शिक्ष आस्तीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, डिपाने में विका की किया

जतः जव, उक्त विभिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्धीन हु—

- (1) श्री मुक्ला श्रनीलकुमार चंद्रकांत । (ग्रन्तरिक)
- (2) श्री हेमंत रमनलाल पाध्य । (श्रन्तरिती)

को बहु सुबता हारी करके प्याप्ति सम्मीता के वर्षत के विष् कार्यशाहियां करता हूं।

बच्छ सुम्परिष्य के सर्वन में सम्बन्ध में स्वोध' भी वासांप हण्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो श्री सवधि वाद में समाप्त होती है, के शीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीष्ठस्ताक्षरी के पास सिख्त में किए वा सर्वोंगे।

स्थादिकरण्डः इसमें प्रयुक्त स्थादं जॉर वक्षं का, वां अक्त विभीनुबंध के वश्याय 20-के में वरिधावित है, बहुी वर्ष होता को उत्त वश्याय में विभागया है।

#### श्रनुसूची

ब्लांक नं० 15, जो, विग-बी, विरा सदन, झवेर बाग, एस०वि० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/13489/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-7-1985

मोधुर 🤢

वरून बाइं.टी.एन.एस. -----

नायकर गणिविजय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को स्थीद स्थान

#### WIND WIND

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्स (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई सम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० धई-4/37-ईई/13158/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परणात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बज्जित. विश्वका जीवत बाबार मूख्य 1,00,000/- उ. ये विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 117, जो, 4थी मंजिल, "द्वारका श्रपार्टमेंट", जय पाली हिल, शांती श्राश्रम के पास, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर 'पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

क्षे पूर्वोक्ष संपृत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित् बाजार मृख्य, उसके अवसान प्रतिफल से, एसे अवसान प्रतिफल आ पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एने अन्तरक के सिए तब पासा नवा प्रति-क्ष्म विक्रासितियां उच्चोक्त से उसक अन्तरक सिधित में बार्ल्यक स्था से करियन सहीं किया कम हैं:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाग का नानत, उन्तर विभिन्नश्च के यूपीन कार दोने के अन्तरक के दास्त्रिक्ष में कानी कहने वा समुद्ध वचने में यूनिया के विकार खोट/या
- (क) एंसी किसी बार का किसी वस या बन्ध वास्तियों की, दिनमूं भारतीय बाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मिनियम, या वय-कर याचिन्यक, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनानं नंदरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविभा ने सिक्षा

बव: लब, उन्नत कांचीनयम की घारा 269-म के अनुसर्थ में, में, सकत विधिनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) जय पाली बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रविनाश एस० कुलकर्णी।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करकों पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के सिष् कार्यनाहियां करता हूं।

चनव सन्पत्ति में नर्चन में सम्मन्ध में कोई भी माक्षेप हः---

- (क) इस सूचना के ग्राचपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को धी नविभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (क) इत स्थान के राव्यम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवयुष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए वा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः:-इतने प्रवृत्तः वन्ते वृत्ति पद्यो का, वर्षे अवव वृद्धितिवन, के वृत्ताम् 20-क में पृत्तितिवव हैं, यही वर्ष होगा वो उस वश्वाव वें दिवा वना हैं।

#### नन्स्ची

फ्लेट नं० 117, जो, 4थी मंजिल, "द्वारका श्रपार्टमेंट; जय पाली हिल, शांती श्राश्रम के पास, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०मं० श्रई-4/37-ईई/13158/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-7-1985

मोहरू ह

प्ररूप थार्ड ्टी एन एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14860/84-85—- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लट नं० 5 जो, चंद्र दर्शन को-श्रांप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, 148, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भायकर भिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण ही

कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिता (अंतरितयों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में लागी करने या उसस बचने भी स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री श्रर्रविव सुमार के० सोलंकी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० भ्रार० शहा ाँ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अथंह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'जो जनत अधिनियम', क अध्याय ? 0 क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्चो

फ्लैंट नं० 5, जो, चंद्र दर्शन को-प्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 148, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-3/37-ईई/14860/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

तारीख : 2-7-1985

मोहर :

म्**रूप बार्ट**्ट दी, प्तः एत<sub>ः</sub>--------

नावकर निर्माननन, '1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-च (1) के नभीन स्थना

#### धारत सरकाह

कार्यासयं, सहायक जायकर जामुक्त (नि<u>र्</u>दक्षिण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० भई-3/37-ईई/14076/84-85—भतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 201, जो, इमारत नं० 18 गोकुलधाम हाउसिंग कॉम्प्लंक्स, व्हिलेज डिडोशी भौर निचोली, गोरेगांव, बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उष्यत बाजार मूल्य से कम के स्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच श्रेसे अंतरण के लिए तय पाना स्था प्रतिकल, निम्नलिचित उद्योग्य से उसत अन्तरण लिचित भे पास्तिकल रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औड/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा को हैतह;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं ते, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै ११५ मु, निक्सनियिक व्यक्तियों के वर्षात् रू— (1) श्री जकब पेसि एलिजाह।

(भ्रन्तरक)

(2) कॉनवूड इंटरीग्रर डेकोरेटर्स प्रायवेट लि॰। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई प

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी जाओप :----

- (का) इस सुमान की राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीश से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 विन की अविधि, जो भी जबरीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान्न निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरणः ---- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क सा परिभाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या ही क्षे

धनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो, इमारत नं० 18-बी, गोकुलधा हाउसिंग कांम्प्लेक्स, व्हिलेज डिन्डोशी श्रौर चिंचोली, बोरि-वली तालूका, गोरेगांव-मुलूंड लिंक रोड, बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/14076/84-8 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 बस्बर्ध

तारीख: 12-7-1985

मोहर 🗈

प्रकप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नभीन सूचना

#### नारत परकार

#### कार्यामयः, सहायक वायकर वाय्क्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, ऐरणाकुलम

ऐरणाकुलम, कोन्चिन, धिनांक 24 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 759/8486——प्रतः मुझे, सची चौधरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट् कोरपेरेशन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेस्ट हिल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन तारी । 12-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्त यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेय्य से उकत अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई कियों जाव की बावत अक्ट कि-अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे व्यव में सुरुवधा के लिए; और/या
- (वं) एसी किसी बाय या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ष्टिमाने में सुनिधा को सिए;

शतः जब, उक्त श्रीभीनयमं, की भारा 269-ग में अनुतरण में, में, उक्त श्रीभीनयमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के स्थीन, विक्लीलियतं व्यक्तिसमें, स्थीतं डिल्ल

- (1) श्री ग्रम्बालि माधवी के लिए ए० कार्तिकेचन्। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रफीक् के लिए ग्रायिशु ग्रांर रफीना के लिए रंला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृत्रांक्त सम्मित को अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पेक्त बुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य स्थावर यापा स्थाहस्ताक्षणी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

रचक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### वर्ज्यी

तारीख 12-11-1984 उपरिजिस्ट्रिकार्यालय वेस्ट हिल के दस्तवज सं० 998 में सलंगन भनुसूची के भनुसार कालीकट् कोरपरेशन् सर्वे सं० 19-21-605 में 41.09 सेन्ट भूमी के साथ दो मकान की 1/20 भाग ।

> सची चौद्यरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

सारीख: 24-6-1985

मोह्य ४

प्रकर्म बाह्री 🕫 ठी तु पुन 🗸 पुत्र पुन्य पुन्यवस्थान

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

#### धारक सडकार

#### कार्याक्षय, सङ्गाजक अध्यक्त आयुक्त (भिरीक्षण)

म्रर्ज न रेंज, एरणाकुलम

एरणाकूलम, कोच्चिन 16 दिनाक 24 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 760/8586--- मृतः मुझे सची घोधरी

जासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

- (क) अंतरण ते हुई किती आय की बाबत, उक्त अभिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जतः अवः, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अभाषाः—

- (1) श्रीमति ग्रम्बालि माधवी के लिय ए० कारिकेयन। (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी रफीक ग्रीर रफीना के लिए श्रायिशु ग्रीर अन्य।

(श्रन्तरिसी)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚐

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की हाराज्ञ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के भास किसी के में किए पा सकर्य।

स्पर्धाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

तारीख 14-11-1984 उपरजिस्ट्रि कार्यालय, वेस्ट हिल के दस्तावेज सं० 1002 में सलंगन् श्रनुसूची के अनुसार कालिकट् कीरपोरेशन् सर्वे सं० 19-12-605 में 41.09 सेन्ट भूमी के साथ दो मकान की 19/20 भाग ा

> सची **चौ**धरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रज न रेंज, एरणाकुलम

नारीख: २4-6-1985

मोहर:

#### प्रथम् भाष्ट्रं टी, यम्, प्रच्⊹ ----

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

#### शारक उक्कर

# कार्यानन, सहानक जानकर नामृत्यः (रिनरीकाण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, कोचिन 16, दिनांक 24 जून 1985 निर्वेश सं० एल०सी० 761/85/86-श्रतः मुझे, सची चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० धनुसूची के ध्रनुसार है, जो कालिकट कोरपरेशन में स्थित है (धौर इससे उपाबक्क धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय वेस्ट हिल में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, 12-11-1984 धौर 14-11-

को पूर्णिक तुम्पीत से विश्वत बाबार मुख्य से कव के व्यवमान प्रतिकास के निष्यू अंतरित की नहीं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्णिक सम्मित्य का उपित बाकर भूग्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एखे व्यवमान प्रतिकास का प्रमुख् प्रतिकाद से अधिक है और वन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के नीच एखे अन्तरम से किए तम् पाका क्या महित्यम, विम्निक्षित स्कृदक्यों से उच्च क्लरम विविद्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्द्रहर्ष्य हो हुए किसी बाद की वाल्यु, बन्द्र विश्विष्ठात की वर्षीय कड़ देने के सम्बद्धक की शांकित्य में कभी कड़ले या उत्तर्ध व्यन में सुविधा की सिंग्ट; शांध/वा
- (क) प्रेची किसी भाव या किसी थन या अन्य अपित्यमें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् अधितियम, या चन-अर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रसंद नहीं किया नवा वा वा किसा अमा था, कियाने में सुनिधा के किए;

(1) श्रीमित श्रम्बालि माधवी के लिये ए० किंतकेथन्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रफीक के लिये ग्रायिश और रफीना के लियें श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आधेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकारन की तारीब के 45 बिन के भीतर उन्तर स्थापर सम्प्रीत में हित्बब्ध किसी जन्म स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निम्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रकेश्वरभः -- इसमें प्रधुषत कर्यों और पर्यों का, जो तथर क्रिजियमं के कथ्यायं 20-क में परिकाणित हाँ, वहीं अर्थ होना जो इस अध्याय में विया भया हाँ।

#### श्रनु**स्**ची

तारीख 12-11-84 श्रीर 14-11-1984, उपरजिस्ट्रि कार्यालय वेस्ट हिल के दस्तवेज सं० 998 श्रीर 1008 में सलंगन अनुसूची के श्रसनुार कालिकट् कोरपरेशन सर्वे सं० 19.21.605 में 41.09 सेन्ट भूमी के साथ वो मकान के 1/20 श्रीर 19/20 भाग।

> सची चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख : 24-6-1985

ं मोहरः

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, कोच्चिन 16, दिनांक 21 जून 1985

निर्वेश सं० एल०सी० 747/85-86—म्ब्रतः मुझे, सची चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अनुस्ची के श्रनुसार है, जो मट्टाण्चेरी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, 12-11-1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उल्के दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुउँ किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ जी उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों . अर्थात ं— 5—176 GI|85 (1) श्री ई० एन० विलयन्।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर एम०सी० प्रभाकर, सर्विता प्रभाकर, प्रवीण् प्रभाकर ग्रीर प्रतन्ना प्रभाकर ''मैनेटर'' के लिये डाक्टर एम० सि० प्रभाकर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

#### अनुसूची

तारीख 12-11-1984, उपर्जिस्ट्रि कार्यालय कोच्चिन के दस्तवेज सं० 3316 में सलंगन श्रनुसूची के श्रनुगार मट्टाच्यचेरी गांव सर्वे सं० 728/1 में 181/2 सेन्ट भूमी के साथ एक मकान सं० 12/1203, श्रीर चार दूकान कमरे सं० सीसी, 12/1301, 12/1302, 12/1305।

सची चौधुरी लक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण) श्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीखा: 21-6-1985

मोहर ::

प्ररूप आहाँ . की . एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासद, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम एरणाकुलम, कोच्चिन-16, दिनांक 21 जून 1985

निर्देश सं० एल०सी० 756/85-86—-ग्रतः मुझे, सभी चौधरी

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जा कोच्चिन कौरपरेणन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोच्चिन् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, 14-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः वाय, जक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण वो, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिम्नितिसक व्यक्तियों, व्यक्ति :— (1) श्रीमति शारवा

(भ्रन्तरक)

('2) श्रीमति ई० के० पञ्चायनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### मनुत्रनी

तारीख 14-11-1984, उपरजिस्ट्रि कार्यालय कोण्चिन के दस्तवेज सं० 3353 में सलंगन अनुसूची के अनुसार कोण्चिन् कोरपरेशन् में 8.375 सेन्ट भूमी के साथ एक मकान् सं० VIII /1229।

> सची चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणांकुलन

तारीख: 21-6-1985

मोहर:

एकव कार्य . ठी . एव . एव . --------

भायकर जीभानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे नधीन स्वना

#### भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकुजम,

एरणाकुलम कोन्चिन 16,तारीख 21 जून 1985

निर्देश सं० एस० सी० 757/85—88—-श्रतः मुझे सची बोदरी

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोच्चिन कोपरेशन में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और हैं पूर्ण इप से विश्वत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रविनयम 1908 (1908 का 16)के प्रधीन, तारीख 14-11-1984

का वृत्रीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विकास करनें का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय वामा गया प्रतिफल, निम्निसिश्चत उब्बेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरभ से हुई किसी बाध की बायत, उचत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी जाद या किसी पन या अन्य कारिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविशा के सिए;

वर्षः सर्व, उक्त विधि में, में उक्त विधिनयम व के अधीच, निस्तनिचित स्य

269-मं सै सनुसरभ मं की उपधारा (1) (1) श्रीमति ई० के० पञ्चायनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ई० एन० विजयन् ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### शक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त हालों हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारों है है 45 दिन के भीतर उक्त प्रश्नावर सम्परित में हिंश-मब्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राहित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# **मनुसू**ची

तारीख 14-11-1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय कोच्चिन के दस्तावेज सं० 3394 में संलगन प्रमुखी के प्रमुखार कोच्चिन कार्षोरेशन में 3 सेंट भूमि के साथ एक मकान सं० 14/628।

> सदी चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणामुलम

दिमोक : 21-6-1985

योहर 🛭

प्रकप आहा. टी. एन. एसा.

(1) श्रीमति ई० के० पञ्चायनी।

(भन्तरक)

(2) श्री ई० एन० विजयन्

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणायुलम, दिनांक 21 जून 1985

निर्देश सं० एल० सी०758/85-86--अतः मुझे सची चौध्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें एक्स (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धास 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निक्लास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाकार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० प्रमुस् के प्रमुसार है, जो कोच्चिन कार्पोरेशन में स्थित है (और इससे उपायक प्रमुस्नी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रक्षितियम 1908 (1908 का 16) के प्रक्षीन, तारीख 21-11-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल सा पन्तर (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविक्ति उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्य में अभी अरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अरु: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण कों, मीं, उक्क अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निकासिका, व्यक्तियों, अभीतृ :--- को अन्ह अपना बारी करके पूर्वीक्स सम्प्रील के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उन्द सन्दर्शित के अर्थन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इब सूचका के राजकत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि भा तत्सम्बन्धी क्यांनितमां पर सूचना की ताजीश से 30 दिन की नवधि, को भी अवधि नाद में तजाका होती हो, के नीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय कुशरा;
- (च) इत त्यान के राजधन को प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उधत स्थानर सम्पत्ति को हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित को से किए जा सकोंगे।

स्थलानिश्यः — इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं जर्भ होता जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### वन्स्ची

तारीख 21-11-1984, उप रिजस्ट्री कार्यालय कोच्चिन के दस्तयेन सं० 3450 में संलगन अनुसूची के अनुसार कोच्चित कार्योरेकन में 8.900 सेंट भूमि।

> सभी भौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 21-6-1985

महेर 🖫

प्ररूप् आइ. डी. एन . एस . -----

जायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन तुम्ना

#### भारतं सरकार

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 18 जून 1985

निर्देश सं० एल० सी० 754/85-86-श्रतः मुझे सची चौदरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रनुस्ची के श्रनुसार है जो कालीकट टोण कललिलकन्यू में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय कालिकट मेंर भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रक्षित्तयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहबमान प्रतिफल से, एसे दहबमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-५ की उन्हार (,) के अधीन, निम्निसित स्थितसों, अधीत है— (1) श्रीमति मात्युोद फेल जोव और ग्रन्तमा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंबिच्चि पान्तुम्मा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्मितिक के अर्जन के लिए कार्बवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपाल के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीका से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यनसर्ची

तारीख 29-11-1984 उप राजिस्ट्री कार्यालय कालिकट के दस्तावेज सं 1056 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कालिकट टाउन कालाथिलकुन्तु केश सर्वे नं ० ृं6-8-170 में 2,99 सेंट भूमि के साथ पांच मकान कमरे।

> सची चौधरी सक्षम प्राधिकारी महायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 18-6-1985

बोहर 🛭

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

### कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 18 जून 1985

निदेश सं० एल० सी०/755/85-86--- झतः मुझे, सची कोधरी

नायकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के व्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

कीर जिसकी सं० ध्रनुसूची के घ्रनुसार है तथा जो एरणाबुलम गांव में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रक्षिकारी के कार्यालय एरणाबुलम गांव में र्राजस्ट्रीकरण ग्रांधिनयम 1908 (1908 का 18) के ग्रधीन तारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित वाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान श्रीत्मकल के लिए अन्दर्गरत की गर्ब हैं आर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार भूत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक सन निम्निलिखत उद्योग्य से उस्त अन्तरण निचित में वास्तिक हम प्रे स्थित नहीं किया गया हैं:---

> (क) जंतरण ते हुई किती साय की बाबत, सकत कार के प्रशिव अध्यक्षिये संस्तरक के दावित्य में अभी कारने का सत्तवे क्षत्र में मृतिभा के विव्ह: और/वा

ए भी ित्सी कार का विकास वा का काय आसित को का जिल्हों नारशीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोक्सार्थ अन्तरिती द्वाहा प्रकट नहीं किया चवा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविका के जिए;

कतः तम, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के जभीन, निम्नलिखिट व्यक्तियाँ, अभौत् : - (1) श्री तंबि शोमस अलियास चौहान ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती माया गोपालन ।

(मन्तरिती)

को वह सूचना भारी करके पृथिक्त गम्पत्ति, के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं
  45 दिन की अविधि या उत्संबंधी स्वीक्तवों पर
  बूचना की दासीस से 30 दिन की वचीथ, को भी
  अविध दात्र में उनापत होती हो, के भीतर पूर्वांबद्ध
  स्वीक्तयों में से जिसी स्वीक्त ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी चे पास निस्तित में किए का सकेंगे।

स्थलकरणः ---इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्यों का, जो उपत जिल्लामा, के अध्यास 20-क में परिजाणित है बढ़ी पर्य डोगा नो उस प्रश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

तारीख 28-11-1984, उप रजिस्ट्री कार्यालय एरणाकुलम के दस्तावेज सं० 3797 में संलग्न सं० अनुसूदी के अनुसार एरणाकुलम गांव सर्वे नं० 343/1 नं 6.537 सेंट भूमि के साथ एक डबल स्टोरी मकान ।

> सची चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहावरु आयशर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज, एरणाकुलम

विनांक : 18~6-1985

### प्रक्य काई, टी. एन. एस. ----

कारवकर अभिनियम, 1951 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कावालय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/14/20/85-86--अतः मुझे, मी० च० जोशी

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

1,00,000/- र. स अरथक हुं भीर जिसकी सं० मं० 152/5 हैं तथा जो मौजा सोमकवाडा त० जिला नागपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय (डाकुमेंट सं० 7631 (पी) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिला बाजार मूस्य से कम के श्रथमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अवके द्वयमान प्रतिफल के, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्यह प्रविद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया थड़ा प्रतिफल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरम् सं हुइ किसी बाय की बाबत, उसत जिसीनयम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमे वचने में स्विधा कै लिए; और/या
- (क) एसं किसी आय या किसी धन प्राप्तिय आगितया को, अन्ति बारकीय लायकर अग्रिमियम, अन्ति (1972 मा 11) पा उका अभिग्रियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजन जी निर्दाण शिक्षा जाती (किया का वानी धाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

बद: अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अत्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के के बधीन, निक्तलिखित व्याकतयों, अधिम (----

- (1) 1. श्रीमती शकुन्तलाबाई चन्दनखेडे
  - 2. श्रीम् श गिरजा बाई ग्रडवाणी चन्दनखेडे,
  - 3. श्री सुधीर देवराय चन्दनखेडे,
  - 4. श्री संजय देवराव चन्दनखेडे,
  - श्री पोखर देवराव चैंन्दनखेडे, तस्करी बाग, नागपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) दी मोडनें को ओपरेटिब हाउसिंग मोसायटी, तरफे श्री पी० एम० इंगोफे, बजाज नगर, नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

को मह तृचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्चना हुना शुरू करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के वंगीय में फोर्ड भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राइस इंदारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकती।

स्थक्यकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

#### अनुसूची

3.00 एकड़ गैर कास्तकारी खेत जमीन जिसका खानं० 152/5 है और जो मौजा सोम हवाद्या तः जिला नागपुर में स्थित है।

> मो० चं० जोशी सक्षम प्राधिकारी ..हायक्ष<sup>र</sup> श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रज्ञैय रेंज, नागपुर

विनांक : 1-7-1985

प्ररूप बार्षः टी. एन. युस. -----

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० आ२० ए० सी०/एवय०/15/21/85-86---म्रतः मुझे, मो० चं० जोशी

शत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गण है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का लाटचाहै कि स्थापर सम्पत्ति, जिल्हा उचित गाणर जल्य 1,00,000 ∕ - रुः. हे अधिक हैं।

 $% {\bf y}$ ोरं जिसकी सं० 200+0+2 है तथा जो नागपुर में स्थित है (श्रीर इनसे उपायद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1998 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-11-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मृल्य से कम के रुपयमान र्गालक्त्र के लिए अन्तरित की गई है जोर शक्ते यह विक्रमान करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मिका उचित बाजर मत्य, उसके दश्यमान पतिफल से एसे सम्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) जौर अन्तरिसी (अन्तरितिएए) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यामत, उक्त लिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व के कभी करने या उससे अवने के समिशा डे लिए: तौर/या
- (स) एंगी किसी भाग का किलो पन या गन्य अधिकाती को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 🚊 11) ा. उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाता चाहिए था छिणाने में स्विभा को लिए;

- (1) श्री शरफदीन करीम चव्हान श्रानन्द भंडार के सामने, श्रमपेठ, नागपूर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र रामदाक्षजी गुप्ता, टीमकी बाजार, नागपूर।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सुचना कारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सुचना कर्ततामील से 30 दिन की शबधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खे 45 दिन को भौतर उक्त स्थाबर सम्यक्ति मा हित्रबद्ध **किसी** अन्य न्यक्ति बुवास अभोहस्ताक्षरी के पार्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम् के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूचा

मकान नं० 200 + 0 + 2 को टीमकी नागपूर में स्थित है।

मो० चं० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

**अत**ः वयः, स्वतः विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 3-7-1985

### श्रहण कार्य . हो एन . एस . - - - - - - - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

#### बारत सडकाड

कार्याक्षयः, सष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं अार ० ए० सी ० /एक्यु ० / 1 3 / 20 / 85 - 86 -- प्रतः मुक्ते, मो ० चं ० जोशी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

सीर जिसकी सं०नं० 152/5 है तथा जो मौजा सोमकवाडा, त० जिल्लागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1984

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मत्य में कम के दृष्यमान श्रीतफल को लिए कन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकृत कल निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्ति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १७२२ (1922 का 11) या उत्तम अधिनियम, पा धनकर अधिनियम (1957 , 257 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकार नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री फकीरचन्द रघुनाथ घन्दनखेड़े,
 श्री सुनीफ रघुनाथ चन्दनखेड़े,
 घन्दन नगर, नागपुर
 श्रीमती घितल्याबाई यणवन्त जिबने,
 ऊंटखाना, नागपुर
 श्रीमती यांगोनाबाई नरेश सोनरकरे,

धरमपेठ, नागपुर ।

(मन्तरक)

(2) वी माडन को० आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, तरफे, श्री पी० एम० इंगोले, प्रेसीडेंट, बजाज नगर, मागपुर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी काक्षेप उ-

- (क) 'इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तिवों 4 स्माचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रविवा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विद्या गया है।

#### ग्रनुसूची

3.00 एकड गैर कास्तकारी अमीन जिसका ख० नं ० 152/5 है और जो मौजा सोमकवाडा त० जिला नागपुर में स्थित है।

> मो० चं० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, नागपुर

विनोक : 1-7-1985

योहर ः

त्ररूप आहें. बी. एग. एस. ------

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 **अब 43) की पारा** 269-म (1) के बभीन सूचना

#### प्राप्त सम्बद्धाः

# कार्यालय, सहायक आयकर मानुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एवकी/12/20/85-86---यत:, मृक्षे, एम० सी० प्रेमी,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उपत मिधिनियम' कहा गया हु"), की पारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका स्थित बाजार मृत्य

1,00 000/- फ. से अधिक है

और जिसकी संव 4 ख नंव 119 है, तथा को बैरामकी टाऊन नागपुर में स्थित है (और इस उपावक अनुसूची में कोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रद्धिकारी के कार्यालय नागपुर हाबू मेंट सं ० 5861) में रजिस्द्रीकरण प्रदिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 19 नवस्वर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य **ते जन** के **अस्त्रमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड मभ्रे वह विश्वास करने का कारण कि दथा पूर्वे क्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, **उसके धरयमान** प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिचत से अधिवा और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित इदोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कवित हीं किया गया है :---

- (क) लमारण में हुई किसी लाध की लामत. अच्छ अधिनियम के अधीय कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे उचने के मुर्विधा के सिक्ष. शेर/या
- (था) देशी किसी बाब या किसी बन या अन्य वास्तियाँ करे, जिन्हों भारतीय बायक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अभिनियम, या धन-अरु अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्रोजनार्थ अन्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमः कौ धारा 269-ए के अन्सरक कौ, मी, उक्त अधिनियम की यारा 260-व की उपधरण (१) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों अभीत् ए---

- श्री रक्तकीय कोझापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी बंद तर्फें श्री ही ० ६म० १९ हा प्रेसिकेन्ट श्रोख कालोनी, नागपुर (शन्तरक)
- 2. श्री पृक्षी पाल सिंह अवतार सिंह कैरामज टाऊन, नागपुर (अन्तरिती)

को वह सूचना धारी काइने पूर्वोन्छ सम्पत्ति ने नवीन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जस्थ सम्पन्ति के वर्षत के शबन्य में कोर्ड भी बाक्षेप :----

- (स्कुं इस सूचना को उपलब्ध में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की नवीं था। तत्संबंधी क्यांक्तवों पर सूचना की तानीय से 30 दिन की नवीं को भी नवीं वाद में सनाय होती हो के भीतर पूर्वों के क्यांक्त क्यांक्त क्यांक्त स्वारा;
- (स) इस स्वया की राजपन में प्रकाशन की तारी है से 45 वित्र की मीशर सकत स्थायर सम्पत्ति में हितनकृष किसी सम्य व्यक्ति कृताया, स्थाहरताकारी की पास सिक्ति में किस् वा बकोंने।

स्थळीकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदी का, को उनक जीवनिवन के कथ्वाय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में विका श्या है।

#### वन्त्या

पसंह न० 4 भीर उसके ऊपर बना मकान औ खार्ज में 119, बैरामजी टाउन, नागपुर।

> एम० सी० जोशी सङ्गम प्राधिकारी सह्याक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, नामपुर

सारी**ख**: 1-7-1985

महिर 🛭

धक्य नाहरे. टी. एन. एक. """"

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के बचीन त्वना

#### धारत सरकार

कार्याशव. सहायक बामकार बायुक्त (जिस्किक) धर्जन रेंज, नागपुर नागपुर दिनांक 10 जुलाई 1985

निवेश सं धाई ए सी | (यक्षी | 19 | 2 | 85-88 । महे, एम सी ा जोती,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्थात् 'उक्त निधिनियम' कहा नवा ही, की धारा 269-स के अधान गक्षम प्राधिकारी कां, गए जिल्लाम काने का फारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिल्ला उचित नामार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसको सं 237 250 है, तथा भो भोजा झिगबाई ठाकुक नागपुर में स्थित है) और इससे उपाद्धव धनुसूची में और पूर्णक्य से वणित है) रिस्ट्रीकित ग्रींधकारी के कार्याय, नागपुर (डाक्मेंट कं 6744) में कारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रींधिमयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीम, 14-11-1984

का प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कन के क्यामान विकास के सिए अंतरित की गई हैं जोर नृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वीक्त सम्पत्ति का कविता बासार मृत्य, उसके क्यामान प्रतिफाल से, ए'से क्यामान प्रतिफाल का वन्नाई प्रतिकात से अधिक हैं और अंकरक (बंतरका) और बंतरिता (अटारिशिया) के बीच एस अतरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफाल निम्निवात उद्वेषिय से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक क्या से किथत नहीं किया गमा है :---

- (क) बंतरण से शुर्द फिसी बाव की बावस, उपत बंधिनियन के बंधीन कर देने के बंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बंबने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (भा) शंनी किसी जान या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिल्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उच्छ अधिनियम की भारा 269-न को जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिया व्यक्तियों, अर्थाव्:---

- (1) श्री भवंषान राव/दमुर्जन राजन,
  - (2) लक्ष्मण,
  - (3) श्रीमाति श्रलपूर्ण कर्ड,
  - (4) श्रीमति जी जाबाई क्रुष्णराव धोबटे,
  - (5) श्रीमति दीराबा ईमनोहर राव भांगे,
  - (6) किगाबाई ठाककी, नागपुर

(भ्रन्तरक)

(2) राजाराम को०-म्रापरेटिव हार्जीक्षण सोसाइटी बि०, सर्फे श्री टी० जी० मानकर, अध्यक्ष, सिक्ष्मिल लाइन, नागपुर।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिक करता है।

उपन राम्परित के अधान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इव तृषका के राजपण में प्रकाशन की सारीय थे 45 दिन की नविभ सा तल्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सृष्मा की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकल स्थितियों में से लिक्सी स्थितित द्वारा;
- (क) क्स शुनना त गाया गिया प्रकाशन की ताशाय र 45 किन के भीतर उक्त स्थावर स्थापित में हिल्बक्ष किसी जन्म स्थाप्त क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में स्थित जा सक्या

स्वक्रिकरण:--- इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदों का, को उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिकर नवा है।

### वन्सूची

9.00 एकड़ कत जमीन जिसका खनं 237, 250 है और जो भौजा किगबाई टाक्सी, त० जिं नागपूर में स्थित है,

> एम० सी० जोशी सक्षम प्रार्किकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 10-7-1985

वोहर:

### राजन बार्स<sub>ा</sub> को<sub>ट</sub> पुर<sub>ं</sub> पुर<sub>ं</sub> प का करना

# आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूजना

#### FRE TRUE

### कार्याजन, श्रक्कानक जायकर नामुक्त (हिनरीकान)

**प्रअं**न रेंज, नागपुर

मागपुर, दिनांक 9 जुलाई, 1985

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका उचित्र बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं म्यु का मकास 4880 है तथा यो फ्लेट नं 43 पर चक्रभर नगर, नागपुर में स्थित है. (और इससे उपावक सनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाब्सेट सं 2403) में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, फ908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-11-1984

को प्रशिवन संपरित के उचिन नानार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षण के सिए जन्तरित की गई है जार मुक्ते यह निश्वास अरने का स्मारण है कि यथाप्तित संपत्ति का उचित नाजार मृत्य , उसके क्यमाण प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और जन्तरिक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितिनों) के नीच एसे अन्तरण के सिए त्रम पामा गया प्रतिकृत्य , निश्मितिनत उद्देश्य से उस्त जन्तरण कि निश्मित को स्मार्थ के सम्मार्थ के समार्थ के समार्य के समार्थ के समार्थ के समार्थ के समार्थ के सम

- (क) बन्तरण सं शुर् किसी नाय की बाबस, उपस वीधीनवम के नभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; बॉड/बा
- (क) क्ती किसी बाब या किसी बन या बन्य आस्तियों की किसी बाद का प्रतियं कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खें सिंध।

बत: बब, उक्त अभिनियम की भाग 269-भ के अनुस्तरण को, की उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीय, निस्निनिवित स्थितिकारों, अभीत् :--- (1) श्री दासोक्षर लक्ष्मगराव कतमकर, 43, चत्रक्षर नगर, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भीताक्षी सुरेश धोर्णेकर, 43, चक्रद्धर नगर, नागपुर।

(ध्रश्वरिती)

को महस्वना भारी करके पृत्रोंक्त संपक्ति के अर्थन के निष् कार्यभाहियां करता हुं।

ष्ठक्त सम्परित के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ड--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्स किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में फिए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधारयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ब्रोगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अन्स्घी

मकान जिसकी म्यु०का० सं० 4880 है तथा को पलैट नं० 43 पर, चक्रधर नगर, नागपुर में स्थित है।

> ६म० सी० पोशी सक्षम प्रक्रिकारी सहायक भायकर ग्राद्क्त (निरीक्षण) धर्दन रें ज्रुनागपुर

तारीख: 9-7-1985

मोहर ः

प्रकप आई. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त (निक्रीक्रण) धर्णन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 जुलाई, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

हौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 10, ासका विश्विम नं० 541 है, हौर फ्लेट नं० 2 है धतः जो वार्यन नं० 70 वेस्ट हाईकोर्ट रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण स्प से विजित है), रजिस्ट्रीकर्दा धिंदकारी के कार्यालय माग पुर (डाकू मेंट सं० 2329/84) में धारतीय रजिस्ट्रीकरण धिंदनियम, 1908 (1908 का 16) के सकीन, तारीक, 15-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य चे दृष्ते अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से क्रिथत नहीं किया प्रा क्षे

- (क) अन्तरण से सुई किसी आय की बावत, खनत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सूनिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी भन या बच्च असिन्तयों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था. या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविका के लिए;

अतः अध, उक्द अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (t) के अधीन, निम्निजिबन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री माध्य राव नारायण राव हाडे, (2) श्री श्रीक्षर राव माध्य राव हाटे, सिविल लाईन, नागपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जानराव जामराव श्री सावरकर जक्मी भवन, चीन गोतमारे विस्डिंग धरमपेठ, मागपुर।

(असर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

खबत संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि से बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर संपत्ति में हितककृष किसी जन्म स्थावित कृतारा अभोहस्ताक्षरी के कृत विवित में किए का सकींगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्ख अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया पया है।

# काल्बी

पनेट मं 10, जिसका बिल्डिंग मं 541 है घतः प्लेट मं 2 है जो बार्ड मं 70 में विस्ट हाई बोर्ट रोडपद स्थित है जिसका एरिया 77,899 स्कवें भी है।

एम० ती० घोती, सक्षय प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीकण) बर्जम रेंज, नागपुर

तारीच : 10-7-1985

रोहर .

प्रकप बार्ड .टी . एव . एक . ------------

नायकर वीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### भारत चरकाह

कार्यांचय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजन रें ज, नागपुर

नागपुर, दिनोक 9 जुलाई, 1985

निर्वेश सं०आई ए सी/एक्वी 17/21/85-86-शतः मुझे, एम० सी० जोशी,

भामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका विचित्र अवार भूक्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं ० पलेट नं ० 2, है तथा को पलेट नं ० 291 पर, लक्की नगर, नागपुर में स्थित है (और ६ससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय, नागपुर (हाक्मेंट सं० 5806) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रक्षित्तयम, 1908 (1908 का 16) के प्रक्षीन, तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान इतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृश्य, उसके ब्रथ्यमान प्रतिफल से एसे ब्रथ्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपल अभिनियम को बभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार/या
- (च) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्म वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

भता अब उक्त विभिनियमं की भारा 269-न के ; अमुबरन में, में, उक्त मिथिनियमं की धारा 269-न की उपधारा (१) में क्ष्मीन जिम्मिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति श्राशा नारायन, नवनगुण (2) श्री नारायण, नवनगुरू कोल्हा पुर्र (म० स्टे०)

(मन्तरक)

(2) कु० सुजाता कमलाकर, कुल हणीं 11, शंकर नगर, नागपुर।

(भन्तरिती)

को यह स्वमा बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षम के सिक् निए कार्यवाहियां कारता हुं।

अक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीच सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी
  जर्वाभ बाद में समाप्त होती हुई, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में सं किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, वो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-कं में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा वदा हैं।

### प्रनुसूची

पनेट नं 02 को पनेट नं 291 पर नक्सीनगर, नागपुर में स्थित है।

> एम० सी० ओकी, सक्षम अधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 9-7-1985

प्रकृत वार्षः ही । एव । ए४ : अन्यास्तरणः

बावबार विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बंधीन स्वता

#### बारड शहरार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रेंज, कलकसा

कलकता, विनोगक 19 भून, 1985 निवेश सं० ए० सी०-23/रेंज-2/कलकता/85-86 ---: यत: मुझे, शेख मईस्ट्रीन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षकों परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-व के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 1,00,000/- का से जिथक हैं

बौर जिसकी सं० 3, है तथा को विधान शिषा सरिन, कलकता-54 में स्थित है (और इसे उपानक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्क्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1984,

को प्रवेशन संपरित को उचित बाबार मृश्य से कम के क्षममाय प्रतिकान को सिए जन्तरित को गई है जरि मृश्वे यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थापनेक्त सम्मरित का उचित बाबार मृश्य उसके क्षममान प्रतिकार से, एस क्षममान प्रतिकार स्थापनेक्ष स्यापनेक्ष स्थापनेक्ष स्थापनेक्य स्थापनेक्ष स्थापन

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावता, उच्च अधिपियम के बधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वे विधर; औद/वा
- (क) एसी किसी बार या सिनी धन मा अन्य प्रक्रियां कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर सिप्तिसम्म 1922 (1922 को 11) या उक्त जिन्सिम या घरकर विधिनयम, या घरकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ सन्तरिती द्वार प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना पाष्टिए था स्थिपने में स्विधा के लिए;

भतः स्था, अक्त विधितियमं की धारा 269-४ में अवसरक मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च रही रहशास (1) के अधील, निम्नीलिकतं व्यक्तियों अर्थात् :— (1) एलाईट को॰ भाप॰ हार्जसग सोसा६टी लि॰, (भन्तरक)

the latest the latest the second the second

(2) श्रीविनय कुमार पाल।

(भन्तरिती)

काँ वह सूचना बारी करके प्याँक्त संपत्ति के कर्तन के किस् कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षीप .----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस ते 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी स्ववित्तयों पह सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्केक्त व्यक्तियों में से किसी स्ववित्त द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी श शै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दित्त ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहश्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

न्यस्टोकरण:----- इसमं प्रयुक्त शब्दों और यदाँ का, जां स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

1130 वर्ग पि.ट प्लाट नं० 3, बिद्धान शिशु सरिन प्लाट नं० 123, ब्लाफ नं०-1, फलकरा-54 में अब स्थित है। वलील सं० —एस० झार० ए० कलकला का 1984 का झाई 13734।

> शेख नईरुद्दीत, सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंप-2 कलकक्ता

सा**ीय**: 19-6-1985

प्रकार वाहाँ ही. एवं. स्था. - a - a -

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ंट0 269-भ (1) के वधीन सुभाग

#### STEEL STREET

कार्याभय, सहायक वायकर बायुक्त (निर्दाक्क)

प्रर्णन रेंज-2 कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 19 जून, 1985

निदेश सं० ए० सी० -22/ब्राप्त-॥/कलकता/85-86---अतः मुक्ते, शेख नईमुद्दीन,

नायकर मिश्नियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पर्वचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मुख्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

कोर जिसकी सं० 3 है तथा को विधान शिषु सरिन, कलकरा-54 में स्थित है (घोर ६ससे उपावक मनुसूची और पूर्णक्प से विजित है) र्राजस्ट्रीकरी ध्रिकारी के कार्यालय, एस० भार० ए०, कलकरा में र्राजस्ट्रीकरण ध्रिकियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीक 17-11-1984,

को पूर्वे उस सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान इतिफल के जिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाबार भूस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्ती राज्यों) के बीच एसे अस्तरण के न्लिए तय पाया गवा प्रतिफल निश्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित ,में बास्त्रविक रूप से कचित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरम् ते हुई किश्रों नाम् की नाम्तः, उपतः विधिनन के वधीन कर दोने के मृत्युरकः वी अधियत्व में क्ष्मी करने या उश्रद्धे वस्ते में सुविधाः के सिए; बरि/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा आहिए था स्थिपने में स्विधा अभिन्ह,

जतः जब् उथतः अधिनियमं की बारा 269-व से अव्ययम् वो, वो, अक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीतः, निम्निसिंबतं व्यवितयों, वर्षात् हु----

- (1) प्लाइट को०-घापरिष हाउसिंग सोसाइटी जिं०। (अन्तरक)
- (2) भी समरेश सेनगुप्त।

(प्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ्र--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तिया
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को गस सिक्ति में किए जा सकोंगे।

रिकारण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, वसी कर्ण श्रोगा, जो उस अध्याय माँ विमा गया है।

### मनुसूची

1130 वर्गपिट, प्लाट 3, विधान भिशु सरित, प्लाट नं• 601, कलकका-54 . स्थित है।

दलील सं० एस० मार० ए० लककता का 1984 का माई० 13737।

> मेख मुईहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेज-2 कलकता

ता**रीच**: 19-6-1985

मोहर 😘

प्रचम् वाद् . टी . एन् . एस , ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

#### वारत वरकाइ

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 भून , 1985

निदेश सं० ए० सी०-21/ब्राप-॥/कलकत्ता-85-86----अतः मुझे, शेख नईस्ट्रीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ि श्रीर डिसकी रें 3 है तथा जो विधान शिष्कु सरिन कलकता-54 में स्थित है, (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए० कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1984

को प्लेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतारितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल इस, निम्नसिचित उद्यंस्य से उज्त बन्तरण निचित में बास्तिविक अध्य से किंचन नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी नाम की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दरिवस्य में कनी करवें या उसते अपने में स्विधः के निम्ह बॉर/मा
- (क) एली किसी आए या किसी भन वा बन्य आसियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिएम या अवकर अभिनिएम या अवकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में हिवका के तिय;

- (1) एलाईट को० भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाक्टी लि०। (भ्रन्तरक)
  - (2) विमान चन्द्र मुखर्जी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इत ब्रंपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 रिंग की बयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्वित दवारा;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व है
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पश्चिम कितमक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा स्थाहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिआवित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

1130 वर्ग फिट प्लाट 3, विधान शिशु सरिन कलकत्ता, प्लाट नं० 413, कलकत्ता-54 में स्थित है।

दलील सं० -एस० ग्राप्त० ए० कलकत्ता का 1984 का ग्राई 13827।

> शेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 19-7-1985

प्रकम कार्यः ही. एन. एस.,-----

भागकर भौधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) चै मधीन स्थान भारत सरकार

कार्यात्व, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षक)

प्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 19जून 1985

निर्देश सं० ए० सी०-20/म्रार-2/कलकसा/85-86---यतः, मुझे, शेख नईम्हीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवदास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बंट्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है, तथा जो विधान शिशु सरिन, कलकत्ता-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17 नवम्बर, 1984

को पृथीं कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उचके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिवात से अभिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया भना प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण लिखित जैं बारतिक स्था से किया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरण वं हुई किसी नाम की बावस उत्तत अरेफ नियम के बमीन कर दोने के अन्तरक के शांवित्य में क्की करने वा बनसे बचने में स्तिवा के लिये; नींक्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय शायकर कींधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनियम, या बन-कर संधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ सन्दर्शित व्यास प्रकट नहीं किया क्या वा वा किया जाना चाहिए था, सिपान में मृतिका विद्या विद्या की किया जाना चाहिए था, सिपान में मृतिका विद्या की किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- एलाइट को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (भ्रन्तारक)
- 2. श्री बिमान पाल

(भ्रन्तरिती)

कोर यह पूचना जारी करके पूजेंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्यत कमिति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी साम्रोप ह-

- (क) इब त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी कावित्यों पर स्थान की तात्रील ते 30 दिन की अवधि, को भी वयधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स कावित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस ब्र्यना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1130 वर्ग फुट प्लाट 3, बिधान शिशु सरिन, ब्लाक नं०-2, प्लाट नं०-223, क्लकत्ता-54 में अब स्थित है।

दिलिल संख्या--एम० श्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का श्राई 13735।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 19-6-1985

# प्रकृष वार्ष्<sub>ः</sub> टी<u>. एष्. एष्. हक्ष का का</u> वायकार विधितिवय, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-ए (1) के वधीन बुचना

भारत सरकार

# कार्यातम, बहुायक मानकर मायुक्त (निद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० ए०सी० 2/रेंज-4/कस/85-86--श्रतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० है, तथा जो हुगली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हुगली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28 नयम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तम बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्डविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी जाय की बाब्त, उक्त कृष्टिपित्वच के क्यीन कर दोने के बन्दरक के स्वित्य को कसी करने वा उससे क्याने में त्विधा के सिए; कीर/वा
- (क) इंदी किसी भाव वा किसी धन या जन्य शस्तियां को, जिन्हों भाइतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजभार्थ जन्मिरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या वा का किया जाना जाहिए था, कियाने में सृत्या के जिस्ह

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सुक्ति गोस्वामी

(ग्रन्तरक)

2 श्री रामेन्द्र, सुन्द्र, रामेन्द्र किशोर, रामेन्द्र रतन गांगुली (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के शिष् कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सन्पत्ति में भर्जन के सन्वन्थ में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविच्य स्वित्यों में से किसी स्वय्ति ब्रागरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है, 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितवहुक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक्ष सिवित में किए वा क्केंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो अक्ट विभिन्निम् के वश्याय 20-क में प्रिशानिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा वक्ष हैं।

# धनुसूची

जमीन 4 काठा जमीन का साथ मकान । पता---मौजा बालागढ़, थाना चुचुडा, जिला--हुगली दिलल सं०---1984 का 7215।

> णंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, कलकला

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🛭

# प्रकृत नार्षं . ही . एत् . एव् . -------

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-म (1) के नभीन सुचना

#### SEED BROWN

# कार्यान्य, ब्रह्मायक नायकार मानुन्त (निरीक्तण)

धर्जन रेंज-2, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ए० सी०-25/धार-2/कलकता। 85-86—यतः मुझे, शेख नईसुद्दीन,

नावकर विभूतिनम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रचात् 'उनत अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारत 269-च के नभीन सकाम प्राधिकारी को यह निश्चात करने का क्रारण हैं कि स्थानर तस्पत्ति, विश्वका स्थिता माजार मूल्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं

मोर जिसकी सं0\_5/7 है, तथा जांबुड शिय तला मेन रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के स्वित बाबार मृश्य से क्रम के स्वयमान रितफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित्र बाजार मून्य, ससके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिकृत के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) श्रीर अंतरिती (अंतर्सितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योग से स्मृत स्वत्रण विचित में वह्न्कृष्टिक रूप से क्रिक्त नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण र हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बुलारक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी वाय या किसी धन या करूप आस्तियों को, जिन्हों मारतीय नायु-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धन-कार वृद्धिम्बन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिकी स्वारा प्रकट नृहीं किया गया बा या किया धाना वाहिए था, कियान में शुम्बक के किस;

जतः भव, व वतः वीभिनवन की भारा 269-ग वी अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निल्लित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. ग्रोएसटारन इण्डिया कर्माभयल कम्पनि लिमिटेड ( इन्तरक)
- 2. डानबार मिल्स लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके ५वें क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

### बच्च प्रेयश्चित के बर्चन के बंबंध में कोई भी नालंग :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विष की सर्वीय या तृत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्याराः
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: - इसमें प्रयुक्त कार्यों जीर पदों का, को अवध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंवा है।

#### अनुसूची

11 बिघा 4 कठा जमीन का साथ मकान, 5/7, बुडोशिबतजा मेन रोड, थाना—बेहाला, कलकत्ता में भ्रव स्थित हैं। जम प्राधिकारी के कार्यालय में 20-11-84 तारीख में रजिस्ट्री ई रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या 31।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ख्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, कलकत्ता

सारी**ख** : 12-7-1985

महिर ः

# THE RIGHT RES RES AND SHAPE THE PARTY OF THE

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत बद्धकाड

### कार्वाभय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० एसी-24/श्रार-2/कलकता/85-86---यत:, मुझे, शेख नईम हीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रापये वे विध्यक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 162 है, तथा जो जी-ब्लाक, न्यू म्रालिमपुर, कलकत्ता-53में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, ग्रार ० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 20-11-1984

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिफल के एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्ध्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए बाह्य-वा
- (क) एती किसी भाग या किसी धन या जन्म आस्तियों की जिन्हीं भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुलिथा से विक्रा

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्कित अधीकता मुधीन ह——

1. श्री प्रयुत क्मार मुखर्जी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती आशा राजदेव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूच्य करता हूं।

# उस्त सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई' मी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सें 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की शामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्यक्तियों में से फिसी स्थक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्वा सदा हैं।

#### वन्स्यी

1389 वर्ग फुट प्लाट, नं०-162, जी-ब्लाक न्यू श्रालिपुर, कलकत्ता-53 में श्रव स्थित हैं।

विलल संख्या---श्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का आई 13849।

> शेख न**ई**मुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 10-7-1985

नोहुद्र 🛭

### प्रकृष बाह्<sup>र</sup> . टी . युद्ध <u>, पुर</u>्व , --------------

# सायकर स्थितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

#### नारत चरकार

### कार्यासय सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विमांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए०सी० 5/रेंज-4/कलकत्ता/1985-86-प्यत: मुझे शंकर के० बनर्जी,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उस्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचयस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 49 है तथा जो लाडानडा रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे इंउपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 28 नवस्बर 1984

का पूर्विता सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार भून्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्निसित उच्चेच्य से उच्च क्यारण मिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नशरण वं हुई फिली नाय की नायछ, उनस् विश्वित्व के नवीय कर दोने से नृत्युरक के शायरण में कमी कड़ने या उन्हों वचने में सुविधा में सिक्; बॉप/भा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा नन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 को 11) या उन्त निभिन्यम, या श्वकर मुभिन्यम, या श्वकर मुभिन्यम, या श्वकर मुभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोधनार्थ बन्दरिती हुनारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया थाना जाहिए ना, जिनाने के स्विधा से किए।

चरुः चन, अक्त विधिनियम, की भारा 269-तु के बनुबारण वृं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-द की व्यथारा (1) को अधीन, निम्नसिद्धित व्यक्तिों, वर्णात ड— (1) इमि लियोनोरा पटन

(अन्तरक)

(2) ग्रिन्डलेज बैंक

(अन्तरिती)

को वह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति वै वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

### क्षक कम्पतिक के वर्णन के कम्पन में कोई भी वासीए :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसनद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सक्षेत्रे।

### अनुसूची

जमीन—3 का॰ 12 छ: 3 स्के॰ फिट जमीन का साथ मकान पता: 49, लाडामडा रोड, सार्जिलिंग दलिस सं०—1984 का 14266

> एस० के० बमर्जी, सक्षम प्राधिकारी, आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

विमांक: 12-7-1985

मोहर 🗈

प्रकृष बाह<sup>‡</sup>्टी. एन्. एस<sub>. -----</sub>

शायफर विभिनियभ, 1961 (195; का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिमांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या शी०-130/एक्यू०---यतः मुझी, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० तिमंजला मकाम है तथा जो गोला पर० हैदराबाद, जिला सीतापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिभांक मुबम्बर 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंता प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के एसे दश्यमान प्रतिकल के पश्चित के विद्यासान प्रतिकल के पश्चित के विद्यासान प्रतिकल के विद्यासान के प्रतिकल के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयु मा किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना आहिए था स्थिपाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गंकुन्तला गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल कोडिया

(अन्तरिती)

की शह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य कार्यित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए वा सकेंगे।

तिमंजिला मकाभ स्थित गोला पर० हैदराबाद, तह० मुहम्मदी, जिला-सीतापुर जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी सीतापुर के कार्यालय में दिभांक मवम्बर 1984 को किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5573 में बर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिमांक: 2-7-1985

### प्रकम बाही, ही, एस, एस, \*\*\*\*\*\*

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्पना

#### भारत चहुकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, लखभऊ

लखभऊ, दिमांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या सी-46/एक्यू०---यतः मुझ, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मुस्य 1,00,000/-क से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि नं० 445/1 है तथा जो ग्राम-देवर-खेडा, नह्० बिनारी मुराादाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूस्य से कम को क्यमान
प्रतिफल को सिए अंतरित को नहां हाँ और मृश्वे यह विश्वास
करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूक्त, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का
बण्ड्र प्रतिकत से अधिक हाँ और अंतरक (अंतरका) बीर अंतरिक्त
(अन्तरितिमा) को बीच एसे अन्तरम के किए तब बावा
प्रतिकत, निम्नतिचित उद्देश्य से स्मत बन्दरन जिल्हित में
वास्त्रिक क्य से अधित नहीं किया चना हाँ हु

- (क) अन्तरण से हुई किशी अप की वायत, उनसे अधिनित्य के अधीय कहा दोने के अन्तरक के दायित्य में केसी भरने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औष/मा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया बाना बाहिए था, छिपान में सुविधा औ सिक्;

कतः कव, उक्त निधीनयम की पारा 269-ग के जनसरण जैं, जैं उक्त विधिनयम की पारा 269-म की उपधारा (1) की अधीम, निम्नतिषित व्यक्तियों, वर्षातु:—

- (1) 1. श्री सीता गम
  - 2. श्री मान सिंह

(अन्तरक)

(2) मेसर्स चन्दौसी इण्डल्ट्रियल कोआपरेटिव द्वारी चेयरमैंस, श्री कमलेश चन्द्र

(अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के निए कार्यवाहियां करता हुतं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीच सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यवितयों में से किन्नी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बहुभ किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण : --- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वजा है।

#### नन्सूची

भूमि नं० 445/1, पैमाईसी 2-01 डिसमिल, स्थित प्राम-देवरखडा, परगना और तह० बिलारी जिला-मुरादाबाद जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी संख्या 2625 में बर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-7-1985

# त्ररूप बार्षः टी. एम. एवः;-----

वाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से वभीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, विनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एच-56/एक्यू०---यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्राँर जिसकी सं० भूमिधरी आराजी नं० 58, 60 भ्राँर 61 है नथा जो ग्राम धानीपुर, पर० खैराबाद जिला—सीतापुर में स्थित है (भ्राँर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 14 मवस्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंत-रिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योक्यों से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किचा महीं किचा गया है प्र---

- (का) अन्तरण से हुई किसी नाय की शानत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के जायिन्य में कभी करने या उससे अभने में सविधा-के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धाकर अधिनियम या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने वा सुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री गोपाल चन्द
  - 2. श्री शधेश्याम

(अन्तर्क)

(2) श्री हरी चन्द गुप्ता

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां कारता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं श्रुट दिन की अविधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के रामपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-, बब्ध किसी जन्य स्यक्ति द्वारा नधाहस्ताक्षरी के यस निवित में किए वा सकती।

स्यस्थिकरणः ----इसर्जे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### सगतची

भूमिवारी आराजी नं० 58, 60 ग्रांर 61 पैमाईसी 1.31 एकड़ स्थित ग्राम धानीपुर पर० खेराबाद जिला सीतापुर, जिसका पंजीकरण रिजल्ट्री ज्ञां अधिकारी सीतापुर के कार्यालय में दिनांक 14-11-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3641 में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीजाल, सक्षम प्राधिकारी, हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक: 2-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

मिर्देश सं० जी० आई० आए० संख्या के-154/ एक्यू०—यतः सहे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 560-ल के उधीन मक्ष्म पाधिकारी को यह विश्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पिति, जिसका उचित थानार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि नं० 101ए है तथा जो ग्राम--मिहार गोट, तह० खटीमा, जिला--नैनीनाल में स्थित है (श्रीर इसमें लपाबद्ध अनसची में ग्रीर पर्ण रूप में विणित है), रिजस्टी क्ली अधि हारी के कार्यालय रितारगंज में रिजस्ट्रीडरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 नवम्बर 1984 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापयोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार सल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्र प्रतिफ्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्तित में बक्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसय बचने में स्विधा के निरा; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थिक्तयों, अर्थात् :— (1) श्री कलम सिंह मियान

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स खैनान रेफरैक्ट्रीज (प्रा०) लि॰ लखनऊ (अन्तरिती)
- (3) फेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्त क्षरी के पास जिस्ति मों से किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# भ्रनुसूची

भूमि नं 101ए, पैमाईसी । बीया 18 बिस्वा 11 बिस्वान्सी भ्रौर भूमि नं 100 पैमाईसी 3 बीवा 3 बिस्वा भ्रौर 1/2, बिस्वान्सी, टोटल 5 बीवा 1 बिस्वा 11/1/2 बिस्वान्सी स्थित ग्राम-मिलहार गोट, तह बटीमा, जिलानैनीताम जिसका पंजीकरण रजिस्ट्री क्ली अधिकारी सितारगंज के कार्यालयम दिनांक 26-11-1984 को हिया जा चका है।

श्रीमती यू० जान्जीलाल, नक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयन्त्र (गिरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-7-1985

मोहर 🚁

### प्रकप बाह् . दी , हव , हव , , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

#### भारत सरकार

### राज्य १५७ - ब्राह्मकाक रहामाकार साम्राक्क (विवरीकाण)

, अर्जन रेंज, लखनऊ

ल्यनंज, दिनांच 2 जुलाई 1985

निर्देश मं० जी० नाई० भार० संख्या के-155/एक्यू०-यतः मुक्ते, श्रीमनी युक्तान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह जिस्सास करने का फारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र्फार जिसकी संव दो मंजिला मकान नंव 59 तथा जो जलकटर गंड जिला-फतेहपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनसूची में ब्रांग पूर्ण एम से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय फतेहपुर में एजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनांक 15 अवस्वर 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण हो कि स्थाप्नोंक्स संपत्ति का सचित बाजार मृत्य, उरुके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रवमान प्रतिफल का पंचा प्रतिक्रत का पंचा प्रतिक्रत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिविद्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा नया प्रतिक्र कल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उच्त अन्तरण विद्यास्त में वास्त्विक ख्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) महरूर १ हुई विकास कांच वर्ड बामस्य, उभक्क जांकिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने केशी कर्यने वा उन्हें बचने वे स्क्रीम्या के लिए, और/मेंग
- ्या ऐसी किसी जाम या किसी धन या कस्य आस्तियों कां, एकक् भारतीय आयक्त अधिवियम, 1922 (1922 ा 11) या उक्त अधिवियम, या यन-यर आविनियम, 1957 (1957 का 27) य प्रभावनाथ अन्तिरिती स्वयस प्रकृत एवं किया गुधा था या किसा जाना चाहिए जा, जिना में सविवा के जिल्हा;

भरा जन अवस विधिनियम की धारा 269-म भी वनुसुक्त भी, भी, अबस विधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के नधीन, जनमितिसस स्वित्यों, नथीत 4---

(1) श्री मदन लाल रस्तोगी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कुंज बिहारी सिंह 2. श्रीमती कतकी देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई माक्षेप :--

- (का देश संभाग के राजपंत्र में प्रकाशन की तरिश्व स 45 विश्व की अविधि या तरसवधी व्याप्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर शेक्त स्थापितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पात्त माहतज्ञक् किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकाँग।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिमा स्था हैं।

#### क्तर सं

दो मंजिला मकाम नं० 59, स्थित कलक्टर गंज जिला फतेहपुर, जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फतेहपुर के कार्यालय में दिलांश 15-11-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3357 में विणत है) ।

श्रीमती पू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-7-1985

# प्रकप् भाषं, दी, प्रन, प्रस, ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिशांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-223/एक्यू०--यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसक पर्वेशन 'उकत आंधानयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित गणार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रार जिनकी मं० महान है तथा जो मोहल्ला-दीलतबाग, मुरादाबाद में स्थित है (श्रार इससे उपावत्र अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्मा अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीहरण अधिकायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्विक्त सम्परित के उजित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य अपन दश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की भागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करों भिन्हों भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम किसा किया किया विभाग प्रकट नहीं किया गया भा दा किया जाना किया जाना किया जाना किया जाना की किया विभाग से किया जाना की किया था.

श्रुतः सक, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थतः :—

- (1) 1. हाजी आशक हुमैन
  - 2. मो० फारूक
  - 3. हाजी मो० यामीम
  - हाजी मो० इरफान
  - श्रीमती नूरजहां बेंगम

(अन्तरक)

(2) श्री मो० मुलेमान खां

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना पारी करके पृत्राक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के गुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिधक जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्पृतिस्यों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ण) इस स्थान के याजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण:---इसमें प्रयुवस शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>1</sup>, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिया भूका है।

### अनसूची

एक किता मकान पैमाईसी 214-26 वर्ग मीटर स्थित मोहल्ला दौलतबाग मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 8173 में विणित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में भवम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू॰ कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-7-1985

मोहर '

#### श्रुक्य बार्ड. टी. एन्., एस.: ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सुप्ता

#### नारत सहसार

कायालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखमऊ, दिशांक 2 जुलाई 1980

ार्देण सं० जी० आई० आर० संख्या एन-95 /एक्यू०--यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्तीलाल जां,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्तमें ध्तमें ध्रसे परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्जार जिसकी सं० भूमि है तथा जो मीजा बमेटा बंगर खीमा पर० भरभर खाता तह० हल्ह्वानी जि० नैनीताल में िथत (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), र्जाब्झीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रिजर्झी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशांक 29 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाब प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विश्वत अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल विश्वत अन्तरण कि बिचत अन्तरण कि विश्वत के वास्तिक कर से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की शब्द, उक्क अभिनिश्म के अधीन कर कोने के जन्तरक के धायिस्थ मों कमी करने या उससे बचने मों स्विभा के लिए; बाँड/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जारितयों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ कन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, ज्यिपने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त जिमिनयम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्मितस्यों, अभात ह—

- (1) 1. श्री तरसेम सिंह
  - 2. श्री सर्वजीत सिंह
  - हरजेन्द्र सिंह

(अन्तर्क)

(2) नगनल लैम्पत इन्डस्ट्रीज लि० रजि० आफिम डी-38 इण्डस्ट्रियल एरिया मरठ रोड गाजियाबाद-3।

(अन्तरिती)

(3) ऋता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में प्रस्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अजन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुर्

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांध्र भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधाहस्ताक्षरां के पाद निष्टित में बिग्र जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबद अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा चो उस अध्याय में दिया नवा है।

### श्रनुसूची

भूमि स्थित मीजा बमेठा बंगर खीमा पर० भरबर चखाता तह० हल्दुानी जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 2304 में विणित है जिसका पंजी उरण रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी हल्दुानी के कार्यालय में दिनांक 29-11-1984 को क्रिया जा चुका है।

> श्रीमत्ती यू० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, सखनऊ

**दिनां**क: 2-7-1985

मोहर 🛭

# ब्ररूप बाइं.सी.एन.एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक बायकार वाधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

ল্ডান্ড, **বিনা**য় 2 জুলা**ই** 1985

निर्धेश सं० जी० आई० आ४० संख्या एस--369/एक्य०---यतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

बायकर जिम्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रींग जिल्ला संवदों मंजिला मकाम नंव 102/44 है तथा जो श्रियाजी मार्ग, थाना केमरबाग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसल उपाइड अतुभूची में श्रीर पूर्ण घप से वर्णित है), रिजिल्ह्री तर्ना जिल्ला के कार्यालय सखनऊ में रिजिल्ह्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांन नवम्बर 1984

का पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्दरित की गर्ध और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाग गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वं हुर्द किसी भाय की बायत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्सरण के बायित्व को कभी करने वा उससे सचने में सुनिधा को लिए; और/धा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर सिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के सिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण अं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारी (1) के सचीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, वर्धात् (1) श्रीमती हर प्यारी देवी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शेख अब्दुल मुस्तिलब 2. श्रीमती अभारफ जहां

(अन्सरिती)

(3) विश्वेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की ताराज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अर्था भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति मों हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोह्स्ताक्षरी के पास निकित मों किए जा सकींगे।

स्थव्योकरण: --- इसमे प्रगुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त जिथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होग्रः, को उस अध्याय में विया गया है।

#### वरस्या

दो मंजिला मकाम नं 102/44, पैमाईसी 1700 वर्ग-फिट स्थित शिवाजी मार्ग थाना कैंसरबाग लखनऊ/जिसका पंजीकरण रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में नवम्बर, 1984 को जिया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी संख्या 9939 में विणित है)।

> श्रीनती पू० कान्नीनाल, संजम आधि हारी, सहायक आधकर आयुवत (निजिण), अर्जन रेंज, लखनऊ

· दिनांक: 2-7-1985

मोहर ३

# प्रस्थ बार्च . टी. इन्, एक्, क्कान्स्य स्टब्स

आधरार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

#### भारत उरकार

कासांसर, सहायसः वायकार **शायमतः (विरास्तिर)** अर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिमांक 2 ज्लाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आग० संख्या एस-370/एसयू०—यतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

शास कर अधिनित्तम. 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें अपने परणार 'रास्त अधिनित्तम' कहा गया है'), की धारा 269-क को अधान इक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का घरण ही कि व्यापन सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० मकान नं०, 352 है तथा जो हरिहर गंज, जिला-फोतपुर में व्यित्र है, (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विजित्र है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के अर्थान्य फीलपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधितिसम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांच 13 नवम्बर 1984।

को पृशेषित रहाति के जीवत बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रतिक्र हो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्ते)) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया विश्वत अन्तर्भ सिक्त अन्तर्भ सिक्त स्वार्थिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (शार संभी फिनो अस का खिली वन या अन्य वास्तियों 13 फिनो भारतीय काय-कर किपिनियम, 1922 (1922 का 11) या सम्त विविद्यम, या भजकर किपिनियम, या भजकर किपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासियों अन्तरिती बुवारा अकर नहीं विद्या । भग का का किए प्राप्त के प्रवास के प्रव

शत: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की लगधारा (1) ो अभीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात इ~~ (1) श्री दया गंकर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुम।र सिंह चौहान

(अस्तिश्ती)

(3) विकेता

(यह व्यक्ति जिन्नके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को पह स्वना भारी करणे पृत्रांतित संपरित के अर्थन के लिए कार्यपादियों करता हो।

मकत राम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालीय ...

- (क) इस स्थान के राजपण में अकासन की तारी करें 45 दिन की जनकि वा तत्स्वकानी व्यक्तिमों एर बुचना की सामील से 30 दिन की समिद, जो भी अधिक वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों तक म्यूनियमों में से किसी स्वतित बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र भी पत्रकान की नारगीय भी 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो जिलबक्ष जिल्ही अन्य भावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास विविक्त में किए का सजाने।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्रापित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्स थी

मकान नं० 352 डी स्थित हरिहर गंज जिला-फतेहपुर, पैमाईसी 2334 वर्ग-फिट जिल्लका पंजीकरण रिजिस्ट्रीकर्ता अधि हारी फतेहपुर के कार्यानन में जिला जा चुका है। (जैसा फार्म संख्या 370 में बर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलालः सक्षम श्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (िरीक्षण), अजीर रेज, लखनक

दिनांक: 2-7-1985

# त्रक्य आर्च-टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई०यआर० संख्या एस-371/एक्यू०---यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह रिष्याम करने का कारण है कि स्थावर संगित्त जिसका उण्जित नामार प्रमा 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिशकी संव मकान है तथा जो मोहल्ला बक्सारिया, जिला—ग्राहजहांपुर में ल्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में नुश्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्री उर्ना अधिकारी के क्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

कार पूर्णवित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्वृद्देश्य से उक्त जंतरण सिक्ति में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की अधित, उक्त जिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी मिली आय वा किसी भन या अन्य आसिखों को किसी आर वा किसी भन या अन्य आसिखों को किसी भारतीय नावकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता जिभिनियम, को धन-अद अविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ कर्तिरही स्वाद्य प्रकट नहीं किया नवा का किया जाना नाहिए था, कियान को मुनियम के बिए;

(1) श्री बालक राम रस्तोगी

(अन्तर्क)

(2) 1. श्री ग्याम सुन्दर कपूर 2. श्री बिनोद कपूर

(अन्तरिती)

को वह शूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति की अर्थन के सिन्ध् कार्यवाहिया करता हु"।

ाक्त सम्मस्ति को बर्चन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासीच से 30 विन की अविध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्ति विक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति विक्ति व्यक्ति विक्ति विक्ति
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित- वक्षा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के प्रस निचित में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरण :-- दुससे प्रयुक्त सन्तां और पदों का, को स्वस् विश्वनिवयं के अध्याय 20-क को परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस मध्याय में द्विका नवा है।

### नन्स् ची

एक किता मकान मय भूमि पैमाईसी 140 वर्ग-भीटर स्थित मोहल्ला बकसरिया जिला-णाहजहांपुर, जिसका पंजीकरण रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी णाहजहांपुर के कार्यालय में नवम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-7-1985

मोहर 🖫

THE PARTY OF THE P

प्ररूप बार्ड.टी.एतं.एसं.,~~~~~

1 कु० रशमी सिंह

(अन्तरक)

2 श्रीमती सत्यवती देवी

(अन्तरिती)

बाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एप-372/एक्यू०--यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

माक्फर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गका हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

क्रांर जितकी सं० आराजी है तथा जो राश, ५४० गोपामऊ, तह० व जिला-हरदोई में स्थित है (ग्रीर इसमे उसाबड अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री बर्ला अधिकारी के कार्यालय हरदोई में र्शजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, दिनां रु 23 नवम्बर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मृत्य सं कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बावन, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने तो अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ङ) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्यारा प्रकट नक्षीं किया गया था या किया जान किस था, क्षिण में महिल्ल में सिला

अत: अद, अवत अधिनियम की भारा १६०-१ के अनसरक में. में, उन्नत अधिरियम की धारा 260-ए की उपधारा (१) ने कभीन भेगा विधित व्यक्तियों, अर्थात :---9--176 GI/85

को यह सुधना आरी करके पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षाप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन ही अविधि, जो भी व्यविध बाद मा समाप्त होती हैं। के भीतर पुर्वेक्ट व्यक्तियों में से फिड़ी व्यक्ति , हम:
- (ख) इस सुचना की राजपत्र में प्रकाशन की नारीख स 45 दिन को भीतर उपत स्थावर प्रस्पति सो हितबद्वध किमी अन्य व्यक्तित दशरः अध्यक्तिमाधारी के पाम जिमिता में दिए जा सकीमें।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जां उस अध्याय में दिया गया 🐯 🚹

# नप्स्पी

आराजी पैमाईसी 19 बीघा 13 बिस्वा ग्रौर 10 बि-स्वान्सी स्थित रारा पर० गोपामऊ, तह० व जिला-हरदोई, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हरदोई के कार्यालय में दितांक 23-11-1984 की किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3578 में यणित है)।

> श्रीमती यु० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 2-7-1985

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

णायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन मुख्या

#### भारत तरकार

### कार्यानयः सहायक नामकार भागूमतः (निरीक्षाण)

म्राजन रॉज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० जी० ग्राई०ग्रार० सं० यू०-41/एक्यू:-पतः मुझे, श्रीमनी २० कान्जीनाल,

ाराकर परिधित्रणमः 1061 (1061 का 43) (जिस्से इसमें इस रेपञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाग स्थार सिकाणा रूप गृही (अस्याय क्रमें का

कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

ा,00,000/- रु. स अरथक ह और निकारि 10 पूर्ग किनेट नं० 3 है तथा जो न गांठ रं िगा रे (भीर उपने उसकेड प्रभूती में पूर्ण रूप कि गणित है), किन्दीकर्त ग्रामिस्टरी के कार्यालय, लखनऊ में किन्दीकरण ग्रामित्रम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधोन दिनांक 15-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिष्ठल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुभो यह विश्वास लिए है जोर मुभो यह विश्वास लिए है है और मुभो यह विश्वास लिए है है जोर के लिए तम के लिए तम लिए तम लिए है किया लिए है के लिए तम लिए है के लिए है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधित्यम के अधीर कर दोने के अन्तरक की रायित्व में कमी करने वा उसमें स्थाने में मृतिका र निका सौर /बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्ही भारतीय अस्यकर अधिनियम, 1922 1022 को 11) या ज्यार अधिनियम का धन किलाकिक 1027 (1922 को 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुरिवार के निकार:

अतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीर निम्निक्ति व्यक्तियों, अधीत ---- (1) श्रीमतो प्रकाश मूर्ति।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उमा कान्त चतुर्वेदी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ऋता

(वह व्यक्ति जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

त बत संपन्ति के बर्धन के लंबंध में कांग्रे भी शासप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्यों में से कि नी व्यक्ति इवास.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर टाक्त स्थावर संपत्ति मेंश हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ज्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

3 गोखले मार्ग स्थित बिल्डिंग का पूर्ण फिलैंट नं ० 3 का प्रथम तल का 1/6 हिस्सा, जिसका पंजाकरण रिजास्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-11-1985 को किया जा चुका है।

> श्रोमती यू० कांजीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रा**प्**कत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2-7-1985

मोहर '

# भक्ष बाह् .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1985 निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० 83/37 ईई/एक्यू०:— यतः मुले श्रीमती यू० कांजीलाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संज्ञाट नंज 16 है तथा जो 24, न्यू बेरी रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करारनामा जो कि अर्जन केंद्र लखनऊ में भारतीय श्रायकर अधितिनम, 1961 के अधीन, दिनांक 30→11→1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे रूर्यमान प्रतिफाल के पन्तर प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल, निम्मलिखित उद्दश्य से उन्त अन्तरण किर्या गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अब की बाबत, अक्त ब्रिंगियम के अधीन कर दीनें के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) गुसी जिसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय गायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास अस्ट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीय, विमन्दीनांसत व्यक्तियों, अधित् :---

- (1) 1. मिर्जा हमीदुल्ला बेग (ग्रटार्नी मिर्जा रशीशउल्ला बेग),
  - 2. मिर्जा भ्रमीर उल्ला बेग,
  - 3. तारीक मिर्जा ग्रसदंउल्ला बेंग,
  - 4. श्रमीना रजिया रफत नाज बेगम ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमनी कौशल्लया देवी,
  - 2. पूष्पीन्दर कुमार श्रग्रवाल,
  - 3. बलविन्द कुमार ग्रग्रवाल,
  - 4. मोहन्दर कुमार ग्रग्रवाल,
  - 5. श्रीमती, मतोरमा, शर्मा
  - 6. क्० सूजाता गर्मा,
  - 7. राजीव शर्मा ।

(्रस्टिती)

को यह स्वना जारी करके प्वकित सम्पन्ति के अंबन के निव कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में सभाप्त हाली हो, के भीतर वे के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास सिखित में किये जा सकींगे।

स्पच्टोकरण:---इसमें प्रयूक्त फब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अन्**स्थी**

भूमि प्ताट त०16, पैमाईसी 40,000 वर्ग फीट स्थित 24, त्यू बेरी रोड़ लखनऊ करारतामा जीक अर्जन क्षेत्र क्रम सख्या 98 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ क्षारा दिनांक 30-11-1984 को प्रजांकृत किया जारी चुका है।

श्रीमती यू० कांजीलाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 3-7-1985

मा≅र :

### प्रक्रम बाह् .टी . एन . एस . . ......

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत गरकार

### आधालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीजन)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० र्जा० प्राई० भार० संख्या 84/37 ईई/एक्यू०:— यतः मुझे, श्रीमती यू० ान्जीलाल,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यक प्रश्निक अल्ड अधिनियम' 'क्यू भया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिलका उक्ति वाजार सूक्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

जिनकी सं० खेतिहर जमीन है तथा जो ग्राम "देशनगर, तह० नवाबगज, ग्रिया—बरेखी में स्थित है (और इससे उपाबद चतुसूची में और पूर्ण का में विशित है), रिजिस्ट्रीकर्शी अधिकारी के कार्यालय करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ, में श्रायकर अधिनियम 1961 के अबीन दिना है 30~11~1.994

को पूर्वेक्त सर्पारत को उचित बाजार मूल्य से कत के स्वमान अतिफल को लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित आधार मृत्य, उसके स्थामान प्रतिपत सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का शंदह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तम पाया प्राप्त किस निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथिश नहीं किया गया हैं:—

- (अ) अन्तरण ले हुई किसी आय की काबत उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य जास्तियों कर, जिन्हा भारतीय अध्यक्षार जीधीनधन, 1972 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, शा धन कर नियमित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का जाना निर्माण मा सुविधा के लिए;

बतः धन, प्रका आधिनियम की भारा 269-व के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बनवारी लाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सक्सेना फार्म, बरेलो।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त अंपरि के बर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

हक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नेलांप :---

- (क) इस त्थान के राजपण में प्रकासन की तारी है है 45 दिन की अधीभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर तृष्यना की तामील से 30 दिन की स्विध, को भी अधीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी स्थक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खेतिहर जमीन पैमाईसी 9 बीघा 13 बिस्वा स्थित ग्राम-देशनगर तह० नवाब गंज, जिला-बरेली । करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 99 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 30-11-84 को पंजीकृत किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 3-7-1985

मोतर इ

# श्रुक्य बाह<sup>र</sup>. टी. एन<u>. एव</u>. -=---न---

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ছ (1) के अभीन सूचना

#### श्रारत सरकार

कार्याक्षण, संधायक कार्यकार नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

सं० जी० म्राई० म्रार० सं० 85/37 ईई/एक्यू०:——यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं , रूट रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उजित जागर मृस्क 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी पं० आफिस नं० 21,22,23,24(ए०) (बा०) (सो) है तथा जो 11, एम० जो० मार्ग, हबोबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री महीं अधिकारी के कार्यालय में करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र लखनऊ, आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में काशी करने या उससे अवने में स्विधा क दिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिक्षांस, निम्निसित स्पितायों, वसत् :--- (1) मेसर्स हलवासिया प्रोपट्रीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(1) श्रीमती कमलीन सलूजा,

2. मास्टर जसजीन सिंह सलूजा,

हार पिता एवं एन० जी० श्री त्रित पाल सिंह सलूजा,

(जन्तर्गरती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति क अर्जन वी जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हो।

उपता सम्पत्ति के गर्कन के धम्पन्त में करेंच भी जल्ला 🕮

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिकों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में सामाप्त होगी हो, के भीतर पृथीलत व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र न प्रयाशा की तारीय त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाल गया है।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्र का, का उन्न व्यापनियम के बच्चाय 20-देः मा प्राप्तक्षक्ष हो, यही अर्थ होता, ता उस अन्यान भं विद्या गण हो।

#### अनुसूर्भा

श्राफिस नं 21, 22, 23, 24 (ए) (भी) (भी) सेकेट फिलोर पर, पैमाईसी 1192, 27 कामर्न हाउन में, स्थित 11, एम जी मार्ग हबीब उल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ । क्रश्रद्रामा जोति श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 100 पर सक्षम प्राधिकारी लक्षाठ हाथ दिनांक 30-11-1984 को तथा जा चुका है ।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

नारीख : 2-7-1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधि 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) यर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश गं० जी० आई० श्रार० सं० 86/37ईई/एक्यू०:---यतः मुझे, श्रीमती यु० कांजीलाल,

कायकर शींनानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनास् 'उन्नस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी गं० श्राफिसनं० 12 और 3 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हवीबउन्ला कम्साउन्ड लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के कार्यालय में करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक 30 नवम्बर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बांजार मूल्य से कम के द्रायमान इतिप्राल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंसरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसा किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

सतः सभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधृति :--- (1) मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) सरदार ईश्वर सिंह सलूजा, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजाव में शकाबन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूषी

श्राफिस नं० 12 श्रांर 3 सेकेन्ड फिलोर पर पैगाईसी 1003.68 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित, 11 एम० जी० मार्ग, हबोब उल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ। करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 101 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ हारा दिलांक 30-11-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमतो गू० कान्जीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 2-7-1985.

बोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आश्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अरा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाम् 'उस्त अधिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 203 है तथा जो 47-48, प्रगति हाउस. नेहरु प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्राधीन, तारीख नवम्बर, 1984

करो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास अन्तर का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अन्ति बाजार प्राप्त उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरित (पन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तक क्ष्मा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत ही किया गया है क्ष्मा

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी बाध की आवत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के अधिका के लिए; और या/
- (क) ऐसी जिस्सी जान या किसी धन या जन्य जास्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सूबिधा की लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कौ अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्धात:— (1) मैं० राविता इन्टरप्राइजेज, 203, प्रगती हाउस, 47-48, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० रिसमटो फैलक्स विवरासोरभ प्रा० लिं०, डी-414, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्थाना बारी कड़के पूर्वोक्स संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी अक्षोप :--

- (क) इस सुवान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास निवित में निस् का सकांगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कि भिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया वया है।

#### वनसर्वी

प्लाट नं ० 203, दूसरी मंजिल, तादादी—516, वर्ग फिट, 47-48, प्रगती हाउस, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज-।, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985.

मोहुदु 🐞

प्राप्त्य आद्द<sup>\*</sup>.टो.एन.**एस**.-----

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

# कार्यासक, सक्षमक बायकर भायक्स (विरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांव 8 जुलाई 1985 निद<sup>िं</sup>क्ष सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/37 **र्वर्ड/11-**84/1354:---अतः मुभ्ते, आर्र. पी. राजेंद्र,

ण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कर में प्रथात उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा ८६०-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं।

और जिनकी सं० प्लाट नं० 603-ए है तथा जो 89, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिल्प्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्ज रेंज-तई दिल्ली, भारतीय आय हर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवस्वर 84

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कर्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास कारण के कारण हो कि प्रभाप किल पंचित्र का उचित्र बाशार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्दह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गथा प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइं कि वी जाय की यावत, उसत अभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के बिष्ट: और/वा
- (घ) ऐसी जिल्ही आप या किसी थन या कल्य आस्तियों का, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्त के लिए,

अतः अध, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए को बनुसरण भी, भी, छक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीनः निक्रमिनियत काविसयों, अधीतः— (1) श्री श्रशोक कुमार एन्ड मुरेश कुमार कक्कड़, निवासी-ई-499, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती कान्ता गोयल पत्नी श्री ग्री॰ पी॰ गोयल, निवासी-के॰ 8, एन॰ डी॰ एस॰ ई॰-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान विक्ति में किए वा संकींगे।

स्वयदिकरण: --- इसमें प्रमुक्त काम्यों भीर पर्यों का, वां जनतः व्योभनियम को अभ्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं मुध होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

#### 491814

प्लाट नं ०-603, ए, 89, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली, नाबादी-352. वर्ग फीट ।

श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सह। यक श्रापकर श्र युक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985.

प्ररूप नाइर.टी.एन.एस. ------

भायभर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/11-84/ 1355—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 303, है तथा जो 40-41 नेहरू प्लेस नर्ष दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में नास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरच वे हुई किसी बाम की वाबत, उपत विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के शाबित्च में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए।

(1) श्री शेखर मेहरा, निवासी— ई/105 ,श्ररोड़ा कालोनी भोपाल (एम० पी०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा श्रग्नवाल पत्नी श्री वी० एम० श्रग्नवाल कुमारी गीताजंली अग्रलाल छी/श्रो श्री वी० एम० श्रग्नवाल मास्टर सीगत ग्रग्नवाल मास्टर सीरभ श्रग्नवाल सुपुत्र श्री वी० एम० अग्रवाल निवासी सी-65 स्वामी नगर, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरिते

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पर्छि, के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्र :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किमे जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसर्वी

प्रो० नं० प्लाट नं० 303 , 40-41 नेहरू प्लेग नई नई दिल्ली, सादादी 57 वर्ग फिट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सुहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिस्ली—110002

तारीख: 8-7-1985

मोष्ठर 🏻

Language Control of the Control of t

प्रकल कार्ष , रहे , यून , पून ,--

# नायकर नीभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) चे नभीन सुम्मा

### बारक स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 1/37ईई/11-84/1356 —अतः मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर जिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मिकं राज्यात (जिसे अपिरायम कहा गया हैं), की भारा कि प्रश्निक के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाकार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिन्नकी स० प्लाट नं०-1124 है तथा जो 89, नेहरू प्ले, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कर ने विणित है), रजिस्ट्री क्ली अधिकारी के जार्यात्य, श्रजीत रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवस्वर 1984

की वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के **धर**यमान बन्तरित की गङ्ग लिए म्भे यह विष्वास करने का कारण कि गथापूर्वोक्त संपरित का उचित गाजार मूल्य, उसके खग्रमन प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण वे हुई किथी जाव की बावता, उपस वीधनियम के बधीन कर योगे के जन्तरण के वायित्य में कमी करने या उससे जधने से सुविधा के बिक: करि/शा
- (था) एंसी किसी बार का किसी भन का अन्य कास्तिकों का जिन्हों भगतीय आसाकर अधिनियम, 1922 कि 11) या तकत सीधनियम, का धनकर किसीनियम, का धनकर किसीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गण गा किया करने आहिए का नियम र विषया के निर्देश

अतः वसः, उक्त विधिनियम की भारा 269-स की अनुसरण वी श्रीकृत विधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सकीपर सेल्स प्रा० लि०, 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रिता दुआ, निवासी-एफ-एफ-11, बजाज हाऊस, 97, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सुचना चारी कारके पृश्तॉक्त संपरित श्री वर्जन को बिए कार्यवाहियां कारता हुने।

### उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र 🖫 🗕

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, ता भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एजें कर स्थायत्वा में से किसी स्थायत्व हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तररीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मान्ति ने दिनाकल किसी जन्य स्थावत द्वारा वभोहस्तरक्षरी के पास सिवित में किए वा सुकेंने।

स्वाकरणः - वासमे प्रयुक्त सन्दारें और पदारें का, जो उपक् अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिशायित हैं, बही कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### वर्षकी

फ्लेट नं ० 1124, 89, नेहरू पलेस, मई दिल्ली, तादादी-150 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, न**ई दि**ल्ली

तारीख: 8-7-1985

## प्रस्य बाइ.टी.एन एस . -----

आयक्षत आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/1357 अतः मुक्को, आर० पी० राजेश

शायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० एस 339 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिप्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गती प्रतिफल, निम्मलिसत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखन में पास्तिकक रूप से स्विधत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बामित्व में कमी कारने वा उससे बचने में तृतिधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन का अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था; छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैजर्स पन्जवानी बुर्ल्डस, स्टाल-7, शंकर मार्किट, नई दिल्ली 4। द्वारा श्री मान सिंह सुपुत्र श्री चन्दगी राम, निवासी-बी-5/63, आजाद एपटिमेन्ट-3, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन माइनी एन्ड संजीव माइनी, निवासी-53, त्यागी रोड़, देहरादून। (अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित की अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

### **अबल सम्पत्ति को बर्जन को सम्ब**न्ध में को**ड** भी आक्षण

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी अयिक्त दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# **मन्स्ची**

प्राउन्ड फलोर, नादादी-870 वर्ग फिट, एस-339, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख** : 8~7—1985

# प्रकृष बाह्रं.टी...एन.एस------

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंभ रेंज, 1, मई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अ.ई०ए०सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/1358 ---अन: मझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रीर जि.की सं० प्राट नं० एस-339, है तथा जो ग्रेटर कैंकाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण एम से बॉणत है), रिजिल्ही हक्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, नारीख नवम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार बंतरित कींगई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से बिधक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के निष् स्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिवित उद्योक्य से उक्त अन्तरण लिख्त के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सूबिधा के सिए; जौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

क्रसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मोसिक्ड व्यक्तिसर्गे, अधीत :--- (1) मेसर्स पन्जवानी बुर्ल्डस, स्टाल-7, शंकर मार्किट, नई दिल्ली, द्वारा श्री मनसिंह सुपुत्र श्री चन्दगी राम, निवासी-बी-5/83, आजाद एपमिन्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० वन्सल, निवासी-एम-43, ग्रैटर कैलाश-1, नई विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- क्यूंभ किसी अन्य स्थिक्त व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

बेनमेन्ट (फलोर, ना नदी-900 वर्ग फिट, एस-339, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली

तारीख: 8-7-1985

# प्रकप नार्च . टी . एन . एस .- ------

बायकार कोधनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-प (1) के बधीन स्वना

### भारत नरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निडीक्स)

अर्जन रेंग-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिशांक 8 जुलाई 1985

निसेण सं० आई०ए०गी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/1359 अतः मुझे, आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परवात (उक्त सिधिनियम) कहा गमा हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाउर मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रींश जिसकी गं० पताट नं० 108, है तथा जो 108, सूर्या किश्स बिल्डिंग, कस्तुरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ची अधिकारी के सार्यालव अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आण्वीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, सार्याल स्वम्बर-1984।

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उगके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) बौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्यय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्थिक रूप से अधित नहीं किया गया है ह

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय की शबर, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के अधियाय में कभी कारने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जरि/या
- (ल) एसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना शाहिए था, छिवाने में सविधा के लिए;

क्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण ं, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजीवत व्यक्तियों, अर्थात् ध---  (1) श्रीमती निरा सहगल, निवासी-6/15,
 वेण्ड पटेन नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जुपिटर मिश्रिया प्रा० लि०, एस-२०६, प्रेटर वैजाण-१, गई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उनत संपन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास जिल्हित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उनत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### मन्स्की

तादादी-620 वर्ग फिट पहली मंजिल, 320 वर्ग फिट मैजितित पर्नोर, 108, मुर्मा जिरण विलिडेंग, कस्तुरवा गांधी मार्ग, तई दिल्ली।

> आर०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

मारीख: 8-7-1985

मोहर ः

# श्रक्य नार्षः, हाँ. एनः व्यः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- **(1) के अधी**न **स्प**ना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/ 1362—अत: मुझे, आर०पी० राजेश

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 सा 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करने का काश्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार 100,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० जी-5बी, है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेस, मई दिल्ली में रियत है (स्रोर इससे उपाबड़ अनुरूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के फार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम 1961, के अधीन तारीख नवम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान क्षितफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का वन्सह प्रतिशत अधिक हैं और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए ध्रम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निस्ति के सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानसम के बधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसे वक्तने में सुविधा के बिए; और/सा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गेडोर टुल्स (इन्डिया) प्रा० लि०, 51-52, गेडोर हाऊस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोकिला देबी पत्नी श्री मदन लाल, श्रीमती राबिल देबी पत्नी श्री द्वारका नाथ, निवासी-डी-649, चितंरन्जन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपव में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर एक्पांत्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो सम सध्यान कें दिया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं० बी-5बी, तादादी-553.81 वर्ग फिट, 51-52, गेडोर हाऊस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-7-1985

नोहर 🛭

प्रस्प बाह् .टी.एन.एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की (1) कें मधीन सुचना

### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1363----श्रतः मुझे आर० पी० राजेण,

क्रायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त किंबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 405, है, तथा जो निर्मल टावर बाराखम्वा रोड, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि नियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुस्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है भीर मुफ्ते यह विस्कास करने करने का कारण है कि यथापूर्वों कह संपत्ति का उचित काजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा का निम्निलिस्ति उद्वेद्य से उच्त अंतरण निच्च में वास्त्रीक्क अप से महिस्स नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबदा, उक्त विभिन्निया की अधीन कर दोने से बन्धरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा से लिए; बॉर/वा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अधः, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम्, निस्तिलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

- श्री एल० अ।र० लुथरा, निवासी ए-10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विनोद विदेश ५त्नी श्री जोगिन्द्र बिढरा, निवासी 16/16, शामनाथ मार्ग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी वालप :---

- (क) इसं स्वता के रावपत्र में प्रकाशक की तारोध से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वता की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति वृतारा;
- (ब) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित्त में हिल्बहरू किशी अन्य मानिस द्यारा अभोहस्साक्षणी के नार लिखित में खिए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्दां और वसों का, जो उक्त अभिनियम दे सम्यात 20 के में वरिशाणिए है, वही अर्थ होगा. जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनसूची

1/2, भाग, प्लैट नं० 405, निर्मल टावर, 26 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली , तादाची 235 वर्ग फिट, का आधा भाग ।

> आर० पी० राजेश सदाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नर्ष दिल्ली

रिनांक 8-7-1985 मोह**द** :

# प्रकप काइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2\$9-% (1) भें अधीन श्वाना

### भारत स्रक्ति

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11--84/1364— ऋतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का उजित बण्जार मृस्य 1,00,000/- रहा में अधिक है

अं।र जिसकी संज प्लाट नंज जी ब्यूफ ०-5 है, तथा जो साकेत नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुभूची में थ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का विस्नितिष्ठि उद्देश्य से उच्च कन्दरण कि विष्त में वास्त्यिक का विस्नितिष्ठि उद्देश्य से उच्च कन्दरण कि विष्त में वास्त्यिक का विस्नितिष्ठ प्रतिकार में वास्त्यिक

- (क) कश्वरम श्रंहू दे शिक्षी बाद की वार्षत उक्त किय-नियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में क्शी कहने शा बच्चे वचने में सुनिया के बिएए। बीक्श/मा
- (वं) एथी किसी बाथ या किसी धन या अन्य असित्यां और, जिम्हें भारतीय जायकर जीभनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियस या धन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवांश्वनार्थ जन्दिरती बुवारा प्रकट नहीं किया तथा भारतीय का प्रवांश्वनार्थ कर्यार्थ का प्रवांश्वनार्थ क्रिया तथा भारतीय के निर्णाः

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के जनसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. जिम्मलिखित व्यक्तियां, अधार्तः--  श्रो श्रोमप्रकाश गुप्ता, एण्ड श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी एन-99, ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 मास्टर अमित त्यागी एण्ड मास्टर अनुज त्यागी, निवासी एम-83, साकेत, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

सां यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सभ्य सिंध के अर्थन के सिंध कार्यवाहिया गुरू करता हुं ।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ----

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाहित्य: इसमें प्रयुक्त सम्बाह्य भीर पूर्वों का, वा सक्य अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं, वहीं अर्थ होगा को उन्न अध्याय में दिया श्वाह है।

#### मनसची

क्षो० नं० जीलाफ०-5, अनुभम सिनेमा, कम्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली, ताडावी, 164 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सक्षयक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1985

मोहर 🖫

# प्रस्थाः बार्डः दी एनः एसः -----

भायकाः व्यक्तिंकरामः. 1961 (1961 का 43) की भारा ?6० व (1) के अभीन गर्भगा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एन्य्०-1/37ईई/11-84/1365— अत: मुझे आर० पी० राजेश,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-2 है, तथा जो 18, टोडर मल रोड, नई दिस्तों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री मत्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संस्थित के उचित राजार मृत्य व काम के राष्ट्रण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व हैं और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृष्टोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का उच्चित संप्रतिक से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पाया व्या प्रतिकल निम्नितिष्ठित उद्देश्य ने उथद अंतरण सिचित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आप की आवत, उक्त जिस्ति किसीन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे असने में स्विधा के रिष्ण और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुस्लित के निर्मा

(अन्तरक)

श्री मीहम्मद जांत्रमः,
 7627-पीं, दरोगा गली, क्रेरेण नगरः,
 सदर बाजाए, दिल्ली ।

(अन्तिरिसी)

अतो यह सृष्या जारी करते पृत्राध्य सम्पत्ति के कलन के लिल कार्यवाहियां कुरा करता हा।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की कारील है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियाँ भी किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के एजपण में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पारकीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों आर पदों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में विया यवा है।

### अनुसूची

एक कमरा नं बी-2, बेसमेन्ट फ्लोर, तादादी, 315 वर्ग फिट, 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-7-1985

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1366--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-4 है, तथा जो 18, टोडरमल रोड, नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आवकर अधिनयम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्दित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे कन्तरण के लिए त्य पाया गवा प्रतिकल, निम्मसिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में वास्सविक हव से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाब की बाबत, उत्तर विधिनयम के अधीन कर दोने के अस्ताहक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हैं बुए; ब्योद/बा
- (ण) ऐसे किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिकायम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकियम, या धन-कर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

ं अंतः अस, उक्त कौधीनसम की धारा 269-ग को, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) भी कभीग, निम्नलिमित न्यक्तियों, अर्थात् :---

- किंज इन्टरप्रा इजोज, प्रा० लिं० ई-4/15, झन्डेवालान, एक्सटेन्शन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री मोहम्मद, इरकाष, 7627-पी, दरोगा गली, खुरेश नगर, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीवत सम्परित के क्षेत्री के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के ग्रेस निश्चित में किसे था सकने।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

एक कमरा, नं० बी-4, बेसमेन्ट फ्लोर तादादी 433.7 वर्ग फिट, 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 5-7-1985

मोहर 🖫

# प्रकल कहा है, ही, पुत्र, पुत्र , च - - ----

# भागकर विभिन्निकत, 1961 (1961 का 43) स्त्री कास 269-व (1) के अभीत सूचना

#### HIER RESERVE

कार्यातय, सहायक बावकर बावुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 जुबाई, 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी० /एक्यू-1/37ईई/11-84/1374- श्रतः मक्षे, ग्रार० पी० राजेश

वाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उनत विधिनियन' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षात्र शाँचकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 26, है, तथा जो 17, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के बश्यमान श्रीतफल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और जन्तरिक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, विम्नसिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण विचित्त में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से इन्द्रं किसी भाग की बागत, सकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयत्व में अपनी करने या उससे बचने में स्वीवधा के लिए सर्वर/धा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंसर्स गुजराल इस्टेट, (प्रा०) लिमिटेड, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती रेनु भ्रानन्द, भ्रौर श्रीमती गीता म्रानन्द, निवासी ए-69, भ्रुप इन्डस्ट्रीयल, एरिया, बजीरपुर, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह गुलता बारी करके पूर्वीकत वंगीत के वर्षक के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्मत्ति के अर्थन के इंबंध में केहाँ भी नालेप :----

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकायन की बारीय ते 45 दिन की अवीच या तत्संबंधी स्थायतवाँ पर सूचवा की सामीय से 30 दिन की अवीच, जो भी समीध बाद में इमाध्य होती हो, के भीतर पूर्णेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थापत हुवारा;
- (क) इस क्षाना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीस से 45 किन की मीतद सकत स्मानर सम्मित में हिस-नव्य किसी कन्य स्थानत द्वारा अमोहस्ताक्षरी की पास निवित में किए वा सकीन।

स्थलकी बारण कर्म्यसमाँ प्रयुक्त संख्यों बरि पर्यों का, की सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में मध्य परिभाविक हैं, यही अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विका गया है।

### वनसर्थी

स्पेस नं० 26, लोग्रर ग्राउन्ड, फ्लोर, जिया बिस्डिंग, 17,बाराखम्बारोड, नई दिल्ली, तादादी 178.8 वर्ग फिट।

> मार० पी राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-7-1985

योहर 🖫

# प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर माय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 ज्लाई, 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/37ई $\frac{4}{1}$ 1-84/1367— श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हुं कि स्थातर सम्मिन, जिसका जीजरा योजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी-3 है, तथा जो 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

की पूर्वीवित सम्मित्त के जिल्ल बाजार मूल्य से सम के स्थामार भृतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि यथरपूर्वोक्त सम्मित का उन्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से श्रीपक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ कस निम्मितिस्त उद्विषय से उस्त बंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है द

- (क) नंधरण से हुई जिस्सी बान् की बावस, उक्छ अधिनियन के स्थीन कर दने के बंसहरू के वानित्य ने कानी करने वा उससे बचने में धूनिया के सिए; क्षीर/शा
- (य) देशी किसी बाद वा किसी पुत्र मा अन्य आस्त्र्यों कों, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इजाण प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपान में सुविधा वै किय;

कतः, जन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. ब्रिज इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि०  ${\mathfrak T}-4/15$ , झक्डेयालान, एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री मोहम्मव श्रसलम,
   7627-पी, दरोगा गली, खुरेश नगर, सदर बाजार दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कंरखा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि पा उत्तरकारी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होतें! हों, के भीतर प्रवेकत क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति युवाना:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- क्रिंभ किसी कन्य क्यक्ति इंगरा क्यों हुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पथी का, जा उक्स विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्ष होगा, वो उस जध्याय बें दिया गवा है

### अनुसूची

एक कमरा न० बी-3, बेसमेन्ट, तादादा, 315 वग फट, 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली।

दिनांक : 5-7-1985

# 

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 ज्लाई, 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1368----भ्रतः मझं, श्रार०पी० राजेश

आयकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1, है, तथा को 18, टोडर मल रोड, नई विल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भर्जें ने रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य से कम के क्रयमान्त्रित को नई हैं और मुक्ते यह धिश्वार कारने का कारण हैं कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण सिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है क्रू

- (क) श्रुक्तह्रण चं हुई किठी बाव कर वान कर बावतः जनतः अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरकः को वास्तित्व में कमी कारने या नससे बचने में सुविधा के निष्ण; बहि/बा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या कर्य आस्तियों करी जिन्हों भारतीय आयकत् अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-आर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया भा या किया जाना काहिए था, खिपाने में सूर्विभी के लिए;

- 1. ब्रिज इन्टरप्राइकोज (प्रा० लि०) ई-4/15, झन्डेबालान, एबसटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री मोहम्मद खुर्शीव,
   7627-पी, बरोगा गली/खुरेण नगर,
   सवर बाजार, विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए फार्यक्षित्विया करता हुए

जनत सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों हों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, को उक्छ अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वस हैं।

### प्रमुख्य

एक कमरा, एन०पी०बी०-1, बेसमेन्ट, प्लोर, तादादी 650 वर्ग फुट; 18, टोइर मल रोड, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, नई दिस्ली

भतः भ्य, उन्त निर्मित्रम की भारा 269-म के नन्तरक थे, में, उक्त जीपनियम की धःस 269-म की उपधास (1) के अधीन, निर्मिसिसित व्यक्तियों, नर्मात् क्र--

दिनांक : 5-7-1985

समिए अ

# प्रस्य नाईं,टी.एन.एस. ------

नाथकार निधितिनम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में सभीत स्थान

### भारत संहकार

व्यवस्थित सहायक नामकर नामुक्त (निहासिक) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जूलाई 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1369---श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेशः

बाबकर गींभनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भार 269-च के नभीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से मिधक हैं

भीर जिसकी सं० भाप नं० 24 है, तथा जो कैलाण कालोनी नई दिली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक नवस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृह्म, उथके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण मिम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्यर्ग से हुई किवी नाव की नावत, उन्त अभिनियम से नभीन कर दोने से बन्तरक के वावित्य में कवी करने वा उन्नच क्याने में बृद्धिया के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जिस्ताने की जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अचल विधिनियम, या धन- कर विधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या वा विश्वा जाना जाहिए था, कियाने में द्विधा के लिए।

अतः वव जनतः निमिनियमं की भारा 269-ग के अनुतरण भौ, भौ, जनतं निमिनियमं की भारा 269-म की जनभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित् व्यवितयों अर्थात् :—

- श्री देविन्दर कुमार आनन्द, एफ-1/100, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री विनय सुखानी, निवासी बी-31, कलाश एपार्टमेन्ट, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह अका बारी करके वृत्रोंकत कलाति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र 🖙 –

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर बूबोंकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्क किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्त्रचीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथिनियम, के जध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### सम्बद्धी

शोप नं० 24, ग्राउन्ड प्लोग्रर, ग्रजित श्ररकाडी काम्पलैक्स कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 224 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

विनांक: 5-7-1985

# प्रकप माइं.टी.एन.एस-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकाण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1370---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० बी-423, हैं, तथा जो धिर्फेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, मारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिन्तरों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सिनिधा के लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा १६९-ग के उनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१<sup>८</sup> के अधीन, निम्नलि**खित न्यन्तियाँ, नर्था**त :---

- 1. श्री राम कुमार बहुल (विंग कमान्डर रिटायर्ड) नं० 2, रिबीरा मारीन, इरीव, बोम्बे ।
- 2. श्री दिनेश कुमार जैन, (एच० यू० एफ०) वी-422, डिफेंस, कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्ल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

# उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- क्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बॉ और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसुची

प्रो० नं० डी-423, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 361 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

**धिनांक :** 5-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आध". टी. एन्. एथ.-----

अत्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की था<u>छ।</u> 269-व (1) के अभीत सूचना

### ETECH WARE

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई-11-84/ 1371----अतः मझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अभिक हैं

स्रोर जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 19, हैं, तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (ध्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयंकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नेवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मति के जीवत बाबार मूक्य से का के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्ययमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाय की नायत उपत मधिनियम के अभीत कर बाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वचने में स्वीयभा के लिए; भीर/गः।
- (क) प्रेती किसी जान वा किसी भग वा अपन कास्तियां को, किसी भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- और अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अस्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया जान अधिकार का किया जाना जाहिए था, कियाने जें सरिवास अधिकार,

अतः अन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैं० सुर्पा इन्टरप्राइजेज, 32-3२, नेहरू प्लेस, फ्लैडनं० 403, नई दिल्ली। (अन्तरक)

श्रीमती रन्जना लखतािकया,
कुमारी दीिन लखतािकया,
कुमारी ज्योति लखतािकया
3/37, कानाल कालोनी, मुजफ्करनगर, (यू० पी०)
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वेयस सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपण के प्रकारण की तार्तीं से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से निस्ती व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

बिल्डिंग नं० 19, वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी, 500 वर्ग फिट।

आर० पी० राजे**श** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

**दिनांक**: 5-7-1985

मोहर ः

प्रथम आर्च-टी.एन.एस. -------यायकर अभिनियम, 1961 (1**961 का 43) को** भारा 269-म (1) के अभीन स्**य**ना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक सायकर साय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देण संज आई०ए ०सी०/एक्यू०-1/37ईई/11-8 4/1373---अतः मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परनात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० एस-267, ग्रेटर कैलाग, है, तथा जो ग्रेटर कैलाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसके उपावद्ध अनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नयम्बर, 1984

का प्रविक्त संपरित के उचित काजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्वमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उब्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नह किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बार्य की बाबत, शक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वारित्व में कमी करने वा उससे मचने में स्थिधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धुन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत व्यथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्याध्यार्थ वृत्यारिती द्वारा प्रकट वहीं किया बना था वा विकास वा वाहिष्ट था कियां वे स्विभा के लिए;

- मैं० कौशल्या कन्सट्रक्शन
   ए-7/2, न्यू फ़्रेन्डस कालोनी, नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
   श्री बाते जन्ह माल
- 2. श्री बाने चन्द, मालु, निवासी 11- अशोका रोड, 5-बी, श्रीनिकेतन, अलीपुर, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाह्य करका हूं।

वक्त सम्पत्ति को कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो थी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य म्यन्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिशित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्थों का, जो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

### नन्त्री

यूनिट नं० 111, पहली मंजिल, और दूसरी मंजिल, के सामने का भाग (बरसाती) निर्माणाधीन भवन नं० एस-267 ग्रटर कलाश-11, नई दिल्ली तादादी, 2100 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

शत: वंद, वंदन विधित्तवं की वारा 269-वं के वन्तरं में, मंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 12--176GI/85

दिनांक : 5-7-1985

ज़ोहर 🛭

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. - - - -

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग्र-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 5 जुलाई 1985

निदेण सं० आई०ए०सी०-एक्यू-1/37ईई/11-84/1375—— अतः मझे, आर० पी० राजेश

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5-ए, ग्राउन्ड फ्लोर है, तथा जो बजाज हाउस, 97, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपावद्व अनुभूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यीलय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्रामा ग्रामा प्रतिफल निम्निनिचित उच्चेच्य से उच्च अन्तरण कि लिए तय श्रामा ग्रामा प्रतिफल निम्निनिचत उच्चेच्य से उच्च अन्तरण कि लिए तय श्रामा ग्रामा प्रतिफल निम्निनिचत उच्चेच्य से उच्च अन्तरण कि लिए तम से स्थान स्थान है स्थान स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान है स्थान स्थान

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत . उक्टा मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुद्रिया के लिए:

बत: जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्रिग्रेडियर एम० आर० दत्त, ग्रीर श्रीमती कौणल्या दत्त, निवासी सी-12, चिराग इन्कलेव, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम दुलारी गुप्ता परनी श्री राम रतन गुप्ता, निवासी टी-12, ग्रीन पार्क, मैन नई दिल्ली। (श्रनरिती)

को बहु सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के गक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नवा हैं।

#### समस्त्री

प्रो० मं० 5-ए, ग्राउन्ड फ्लोर, बजाज हाऊस, 97, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादाटी, 310.35 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम भाषिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: **5**-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन बुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर बायकर (मिरीकण)

सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० स्राई०ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/11-84/1376— स्रतः मुझे स्रार०पी० राजेश

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सहाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, विसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस-375 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का अधिक बाजार मूस्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एंट क्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्ला प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नमा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वादर, उन्नत अभिनियन के वभीन कर देने के नन्तरक थे दाबित्य में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्ठ; और/पा
- (ख) एसी। किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिथा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० जकारिया शाहिद इम्पैक्स (प्रा०) लि॰
 97, श्रलि उमर गली, बोम्बे ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) मास्टर उमर लितफ सुपुत्र श्री इनामुल हक,

(2) मास्टर फहाद-इक्षम सुपुत्र श्री एकरमुल, हक निवासी भाटि गली, मुरादाबाद (यू०पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्जन के सिए कार्येवोडिया करता हूं।

उन्ध संपत्ति के वर्णन के संबंध में काई भी बाधेए :---

- (क) इस स्वाग के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की विविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तानीस से 30 दिन की अविध , को भी सविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर संपर्टि में हितबक्ष मिचित में किए जा सकों ने।

स्पन्धीकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# यम्सूची

तादादी 950 वर्ग फिट, फ्लैट नं० ई , दूसरी मंजिल,  $\sqrt{4}$  एस-375 ग्रेटर कैलाग्र-11, नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजैश, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-7-85

मुक्य बाइ<sup>8</sup>. टी. एत. एस.-----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वभीन स्चना

### भारत परकान

# कार्यासक, सहायक वायकर वायक्त (निद्रौक्क)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० डी, एस-375 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-12, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क श्रनु-सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के क्ष्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तवे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भामकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

मैं० जािकरा शाहिद इमपक्स प्रा० लि०,
 97, ग्रांलि उमर स्ट्रीट, बोम्बे।

(भ्रन्तरक)

 श्री हसीब-उर-रहमान, द्वारा: मैं० जाकिर सन्स इमपक्स, लाल बाग, मुरादाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबल्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अधीहरूलकारी के पास विवित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्त्यी

तादादी, 950 वर्ग फिट, फ्लांट नं० डी, पहली मंजिल, एस-375, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण न'', मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्ननिधित व्यक्तिकर्षों, वर्षात् ह——

दिनांक: 5-7-1985

मोहर 🛭

प्रस्प बार्च. टी. एन. एस.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जावृक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्राई-०ए०सी०/एनयू-1/37ईई/11-84/1378---भ्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- कः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० डब्ल्यू-65, है, तथा जे। ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिभात से अधिक है और अत्रक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से इन्हें किसी अप की वावत, उक्ट अधिनियम के बृधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बृधने में सुविधा के लिए; बहुर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारो प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अभ, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण प्र', में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री मनमोहन चतरथ,
- 23, पार्क स्ट्रीट, कलकसा।

(अन्तरक)

2. मैं कमाल डिवेलपर्स, एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्रां० लिं० जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विद कार्यभाष्ट्रियां भूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था है।

### बग्सपी

4/5 भाग, फ्लैंट नं ० डब्ल्यू-65, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तावादी, 221.4 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🛭

# प्रकृष आई. डी. एन. एस.------

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) से मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं ० ग्राई ० ए०सीं ०/एनयू - 1/37ईई/11-84/1379---ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० स्पेस नं ० 112 है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्योक्त सम्मत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम को इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावतः, उपस निभित्तियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आंड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति। को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर आधिनियम, या भनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तां उती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतक विष, उक्ट विधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् है—

मैसर्स गुजराल इस्टेट प्रा० लि०,
 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री भान सिंह, सुपुत्त श्री सरदार सिंह, निवासी 37-ए, गोविन्द नगर, देहरादून।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो खक्यां अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नमृजुर्जी

स्पेम नं० 112, बेसमेन्ट, फ्लोर, "विजया बिहिंडग", 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 221.4 वर्ग फिट।

म्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 8-7-1985

बोक्ट ४

# वक्ष बाह् । हो. हुन्। हुन्। ----

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के विभीत सुचना

### EST SETE

कार्याक्रय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-84---1380---अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० डब्ल्यू-65 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक कप से किचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाक्तिक यें कानी करने वा उच्च कनने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या कन्य अस्तियों को, विनहीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने वें दिवस के निय;

अत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को समुसरण में, में, धक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीत निम्नुसिक्ति व्यक्तियों, वधाँत है— 1 श्री मन मोहन चथरथ, 23, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता, एण्ड कमल डिवलपर्स एण्ड कन्सट्रकशन प्रा० लि०, जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भग्तरक)

2 श्री श्रजुंन चतरथ, सी-168, डिफ्रेंस कालोनी, नर्ह दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यशिहियों करता हूं।

उन्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी ब्राध कार में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीत सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बब्ध किसी अन्य स्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकारी को पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्योंकर्ष :-- इसमें प्रयुक्त सन्तों नीर पक्षों का को अवस् अधिनियम के अध्यास 20-क में परि-शाबित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विया गया है।

# पग्तुची

तादादी-2600 वर्ग फिट, कन्सट्रक्टिङ, डब्ल्लू -65, ग्रेटर केलाश-2, नई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

बोहर 🛭

\_\_\_\_

प्रकप बाई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से अधीन मुखना

भारत इस्कार कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्यु०/1/37-ईई/11-84

1381--अस: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं स्था जो 17, बाराखम्बा

मोर जिसकी सं स्पेस वं 7, ह संथा जो 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (मीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ताट अधिकारी के कार्यालय, प्अर्ज निरेज् 1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिक्षम के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्र्यमान प्रतिक्षम से, एसे ख्रयमान प्रतिक्रत का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया मितक्स, निम्निचित उद्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) जंतरण से हुई किनी भाव की वावत, उनक विभिन्नियम के अभीन कर दोने के जंत्रक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एंबी किसी बाव या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः वयः जनतः विधिनियमं की धारा 269-मं के बनुतरण कों, मीं, उनतः विधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को क्रधीन, निम्नितिकतं व्यक्तियों, वर्षात्  मै० गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

2. श्री वेद रत्तन अग्रवाल सुपुत्न श्री प्रकाण चन्द अग्रवाल, निवासी—बी-179, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का बह सूचना बारी कारके पृत्रेक्तिः सम्पस्ति के अध्यय के निष कार्यकाहियां कारता हुई।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकि क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं या सकीय।

स्थप्टीकरण :---इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभावित इ<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विद पना है।:

# अनुसूची

स्पस नं ० ७, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर "विजया बिल्डिंग" 1७, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी—13७ वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली; 110002

तारी**ज**ं: 8-7--1985

प्रक्य बाइं. टी. एन. एस. : ======

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत सुरकार

भागांत्तय, सहायक जायकर जायकत (निराक्तिक) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ती, दिनांक 5 जुन 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/137/ईई/10-84 1382---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, है तथा जो 3 एन्ड 4, साउथ एन्ड लेन, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंक्त तपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गति- इस निम्निचित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण विचित्त में पास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीच-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी धन वा अस्य वास्तिवां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे किए;

श्चनः अञ्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, स<sup>1</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 13—176GI/85 1. मैं कैलाश नाथ एण्ड एसोसियेट्स, 1006, कंचन ज्ंगा, 18 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

 श्रीमती अस्ता जाला, फ्लैट न० 4-बी० 33 पथ्यी राज रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त कोती हो, के शीनर पृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यान व्या
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंति में दित्र बद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी वै एस सिवित में किए जा सकता।

### अनुसुधी

फ्लैंट नं० 25, साबादी-1820 वर्ग फिट, प्रोपोजिड मल्टी स्टोरीड ग्रुप हार्जीसंग स्कीम, गौरी एपार्टमेंट, 3 एन्ड 4, साजय एन्ड लेन, नई दिल्ली, ग्रौर एक कार पार्किंग।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 8→7--1985

मोहर 🌣

प्रकथ आहें. डो. एम. एव. \* - - ----

शायकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाराक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्य्०/1/37 ईई/11-84/ 1383--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परुपात् 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अपने अस्ति अस्ति

श्रीर जिसकी सं० एफ० एफ०-110, है सथा जो 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नयम्बर 1984

की एक अन्तरित की गर्स है और मुक्त से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्स है और मुक्त यह विद्यास करने आ कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्यक्त स्टाइट किसी अप की बाबल, उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व स्ट कमी करने मा उनके बचने हैं सुविधा को सिष्टः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्न, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-रार्थ अन्तरिली द्वास अकट नहीं (कया गया था सा किया जाना चाहिए था, क्रिकंट में सुविधा के

कत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) ले अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, 🕾 कि  श्रीमती बलजीतपबरार पत्नी ग्रुप कैंप्टन पी० एस० बरार, निवासी---एफ०-30, प्रगति विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं ० चोनडक इन्टरप्राइजेज, बी ०-37, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम्प्रतिष्ठ्यां करन्ता हो ।

## उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धे व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस सम्बाग मा जिल्ला मया है।

## **प्रन्**सूची

एफ०-एफ०-110, पहली मंजिल, तादादी-393 वर्ग फिट, मानसरोवर, 90, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आग्रुपत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

ब्रह्म बाइ टी एन एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, अग्रवाल हाउस, 4/14ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/ 1386-अतः मुझे, आर० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रo. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० डब्ल्यू०-165, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1984 को प्वारित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उस्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के सिए; बीट्र/या
- (क) एंमी किसी बाय या किसी धन ध्रा बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० डी॰ एस॰ बुन्डर्स, ए-2/140, सफदरजंग इन्अलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती उषा रानी एन्ड मुरंखी धर अग्रवाल निवासी 105 नेहरू नगर आगरा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के वर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप .- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में रक्तावन की तारोध से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा अवि अविधि बाद में समाप्त होती हो, अधीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मं अकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरां के जाल
  निखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्से अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिस्स मबा है।

# ग्रनुसूची

दूसरी मंजिल: हाउस नं० डब्ल्यू०-165 ग्रेटर कैलाश भाग-2 नई दिल्ली तादादी--800 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-I दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🚜

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरासण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/10-84/ 1387-अत: मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० देविका टायर है तथा जो 6 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1984 को पूर्विक्त सम्पित के उचित बाजार मृख्य से कम के इश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृख्य, उसके इश्यमान प्रतिकत से एसे इश्यमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण मिलित में गस्तिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण मिलित में गस्तिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व यों कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन, या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सृविधा के लिए;

वतः वव, अवत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक वो, मी, उकत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्धात् ह—— मै० प्रगति कल्स्ट्रक्शन कम्पनी (देविका धायर)
 चीयी मंजिल सेटीला हाउस 73-74 नेहरू
 प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० देविका इंस्टेट मैनेजमेंट प्रा० लि० देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की क्ष्यीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्ष्यिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंडें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए प्रा सकोंगे।

स्वक्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बेसमेंट फ्लोर धौर छत, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, मई दिल्ली, ताथादी---

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारी**ख: 8-7-198**5

## प्रकृत नाइ'. डी. रूप . एस . -------

बावकार निमिनियन 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

#### मारत तरकार

कार्बासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/10-84/
1388---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पर्धात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्षित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,00.0/- रु. सं अधिक हैं
भार जिसकी सं० स्पेस नं० 8, हैं सथा जो 17, बाराखम्बा
रोड, भई दिल्ली में स्थित हैं (भार इससे उपाबद अनुसूची
में भार पूर्ण रूप से विणित हैं), रिअस्ट्रीक्ती अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, सारीख भवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पेत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त- विश्व कप से क्षिण नहीं किया न्या हैं:—

- (क) जन्तरक सें हुइ किसीं जाय की वावतः, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बी वायित्व में कमी कर्तने मा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; आर्/याः
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्त्य, श्व, उक्त निर्मानवम, की धारा 269-न के बन्धरक् के , में र प्रक्त विधिनयम की भाग 269-न की उपभाग्र (1) के सभीन, निम्निविचित व्यक्तियों, वर्षात् ६—- 1. मैं० गुजराल इस्टेट प्रा० लि॰, 17, बाराखम्बा रोड़, भई दिल्ली।

(अन्तरक्)

2. श्री सुरिन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री गोपाल दिह, िवासी ६-569, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपरित के अर्जन के छंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विशा नया है।

### जग्स् औ

स्पेस नं० 8, लोबर ग्राउण्ड फ्लोर, "विजया बिल्डिंग" 17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, ताक्षदी—266.3 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

महिंदु 🛢

प्ररूप आहूरं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 जलाई 1985

भिर्देश सं आई ए० सी ०/एक्यू ०/1/37-**६६**/11-84/ 1389—अत: मुझे, आपर० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **है** र्मार जितकी सं० रपेत नं० 17, है तथा जो 17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में ल्यित है (फ्रीर इससे उपाबद अनसूची में फ्रांट पूर्ण रून से वॉंगत है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालया। अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएव में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

 मै० गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बा रोड, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी—-ई-569, ग्रैंटर कैलाग, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्पेस नं० 17, सोबर ग्राउण्ड क्लोर, "विजया बिल्डिंग" 17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी-178.8 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🗵

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर क्षाय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेग सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37—ईई/11-84/ 1390—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के क्यीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहं से लिधिक है

प्रांत जिल्ला सं० फ्लैंट नं० 303, हैं तथा जो प्लाट नं० 36, फैलास जालोनी, एक्सटेंगन, भई दिल्ली में स्थित हैं (प्रांत इस्ते उपाबद्ध अनुम्ची में प्रांत पूर्ण रूप से विण्ति हैं), विल्ली जाति अधि गरी वें। कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एस दृश्यमान प्रतिफल का कलह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया म्या प्राथिक से निम्नलिक्ति उद्योग्य से उक्त जंतरण निवित्त में काम्यावल रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अभारत में हुई किसी बाय की बाबल, उनके जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जीद/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती दुषारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए,

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—

- 1. मैं० ईलाइट डिवेजनर्स प्रा० लि०, 115, अन्सल भवभ, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती चम्पावती सी/मो० डा० चमभ लाल महलोता, प्रोफसन एण्ड हैड आफ फार्माकालोजी, क्रिश्चियन मेडिकल कालेज, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

### सक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ मी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीडार तर्फेल -कालर सकारत मा गहा। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकारी के वाद किसिय में किए का सकते ने

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

# ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 303, प्रोपोजिड ईनाइट हाउस, प्लाट नं० 36, कम्यूनिटी सेंटर, कैलांग कालोनी एक्सटेंग्रम (जेमरूद-पुर) मई दिल्ली, तादादी-492 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेक्ष सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िारीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिख्ली, भई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

त्रक्य आहें. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अधीन सूचना

### माद्रत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिस्ली, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी*०*|एक्यू०/1/37—ईई/II—84/ 1392—এत: मुझे, आए० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीः भिल्की संव फ्लंट नंव 20, है तथा जो 17, बाराखम्बा रोड़, रई दिल्ली में लियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजल्डी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिक्यम, 1961 के अधिक, तारीख मब्दबर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान श्रीतण्ड क लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान श्रीतण्ड क लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान श्रीतण्डन म एसे रश्यमान श्रीतण्डन का स्वार अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया श्रीतण्डन, निम्नलिस्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में भारतीक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ शायित्व में कमी करने या उससे अपने में बृश्यिधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के निए;

कर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, मान्तु:--- 1. मैं० ए० बी० इस्टेट्स, 280, सूर्या किरन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनोध खन्ना सुपुत रव० श्री मदन मोहन खन्ना, निवासी—एफ०-437-बी०, न्यू राजेन्द्र, नगर, नर्ष दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर स्वान की तामी हमें 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की लारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी जन्म स्पन्ति द्वारा, वधाइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त निध-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ डांगा. वा उस अभ्याय में दिया गवा है।

### ग्रनुसूची

प्लैट नं॰ 20, लोवर प्राउण्ड फ्लोर, विजया, 17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी—178.8 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजण सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बिल्ली, अई विल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

मोहर ः

देवप कार्यः हो. पुर<sub>े</sub> पुर<sub>ि</sub> क्रमान्त्रात्रात्रा

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

## 

कार्यालय, तहायक बायकर कायुक्त (निर्देशक). अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/11-84/ 1394—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा यदा हैं), की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थान सम्परित, जिल्ला कवित वाचार नृत्व 1,00,000/- रा. से जिल्ला है

ग्रीर जिसकी सं० पर्लैष्ट नं० सी०-302, है लथा जो पालम एपार्टमेंट, विजवासम, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिवस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जम रेंज-1, नई बिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं नाय की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या भन या कर्म्य जास्त्रियों को, जिन्ही भारतीय वासकर वींभीनवम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के इक्तेजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने जे न्यिया के निर्माः

1. मै॰ चोपड़ा प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स, 7-ए०/27 क्रोंस बाग, नई बिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी के० आर० सहयेह, निवासी—ई-9/19, वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्या के राज्यक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभि सं तस्साम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, वो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के ग्रमण में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सन्यित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोत्नताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवाँ का, वो उनत वाँपनियम, के मध्यान 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस मध्याय में यिया क्या हैंं

### अनुसूची

पलैट न० सी-302, दूसरी मंजिल, पालम एपार्टमेंट, 328/1, विजवासन, नई दिल्ली, सादा**दी**-850 वर्ग फिट।

आर० पी'० राजेश सक्षम प्राधिकार'। सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज−1, दिल्ली, नई दिल्ली⊸110002

मतः वन, सम्त मिनियम की धारा 269-म मी सम्करम में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्बात् र—

तारीख: 8-7-1985

# प्रकृप बाई.टी.एव.एस.------

# भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिमांक 8 जुलाई 1985

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/ 1395--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० के०-202, है तथा जो पालम एपार्टमेंट, 328/1, विजयवासन, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)' रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उच्छि बाबार मूस्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की मई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्परित की उच्चित बाजार मूस्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह उतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कथने में सुविधा के सिए। जॉर/सा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा कें लिए:

कतः अब., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अभूतरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति काविकार्यों, अर्थात :--- 1. मैं० चोपड़ा प्रोमोटर्स एन्ड बुल्डर्स, 7-ए/27, डब्ल्यू ई-ए०, कैरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील मुखर्जी सी/श्रो मै० अरोड़ा एन्ड एसी-सियट्स, जी-एल-2, अन्सल भवन, कस्तूरआ गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के मंबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन का तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हितबह्ध किती कम्य स्थानत द्वारा अभोहरताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकीं।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

# **अगृ**स्पी

फ्लैंट नं० के०-202, पहली मंजिल, पालम एपार्टमेंट, 328/1, विजवासन, नई दिल्ली, तादादी-850 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985

प्रकल बाह् टी एन एस .----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई घिल्ली, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-84/ 1396--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० एम-103 है तथा जो पालम एपार्टमेंट, 328/1, धिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, सारीख नयम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहए था, छिपाने में सूरियभा के सिए;

अतः अव, उस्त मधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तिया, अर्थात :—

 मैं० चोपड़ा प्रोमोटर्स एन्ड बसुस्डर्स, 7-ए०/27, कैरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती आशा कपूर, ई-258, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकांशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म विकत द्वारा अभोहस्त्रणक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं॰ एम॰-103, ग्राउण्ड फ्लोर, पालम एप टेमेंट, 328/1, विजवासन, नई दिल्ली, तावादी-850 वर्ग फिट।

आर० पी० राजेष सक्षम प्राधिकारी ंसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 8-7-1985

# वर्षेत्रं वार्षि ह की ह विकेश क्षा . house......

# वारकार व्यापितवान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के व्योग ब्याना

### FISH CENTS

# कार्यासम, सहायक बायकार आयुंक्त (विद्रीकान)

मर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37~ईई/11-84/ 1397---भ्रतः मुझे, ग्रार० पीं० राजेश,

नावकर निर्मानमन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उन्हें निर्मानमा कहा क्या हैं), की धारा 269-थ के नभीन समृज् प्राधिकारी को, यह विवनाय करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विवना जीवद वाबार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैंट नं सी-101, है तथा जो पालम एपार्टमेंट, 328/1, विजयाजन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबब अनुसूची में जौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्ट्री ती श्रिष्टिकारी के कार्यालय, मर्जन ऐंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर मधिनियम 1961 के श्रिष्ट्रीन, तारीख नथम्बर, 1984

को पूर्वों नत सम्मित् के विष्तु वाचार वृत्य से कम की व्यवसाध प्रतिकत के निष्यू वृत्तिहित की पूर्व वाद शृत्रों वह विश्वाध करने का कारण है कि व्यास्थ्वीं नत सम्मित का विषत वाचार वृत्य, इसको क्ष्यमान प्रतिकत के पूर्व क्ष्यमान प्रतिकत का वृद्ध प्रतिक्षत से अधिक ही बीर अन्तर्रिक (अन्तर्रिक्ष) और अन्तर्रिति (अन्तर्रितिया) के बीच पूर्व क्ष्यक्ष क्ष्यक्ष कि विषय वाद्या वच्छ प्रतिकत, जिन्निविधित उद्योधि के वृत्यहित वृत्यह

- (क) जन्तरण ने हुई कियों बाद की बावत उक्क विदिन्दन के वृत्तीत कर दोने के नृत्तक की वृत्तिरण में कमी करने वा उसके वलने में सुविधा के विष्टु; वृद्धि/वा
- (क) एची कियी बाद वा किसी पृष् वा बृज्य वाहिसकी को, विन्हों भारतीय सामकर सिंभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या पंत्रकेंद्र विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के भेनीपनार्थ बन्दादिती द्वाय प्रकट नहीं किया पना की या किया किया विभिन्न वा कियान में द्विधा के विश्वेत

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा ﴿4』 वे अधीन, निम्निसिय व्यक्तिवाँ, अवस्य म—

- मैं० चोपंड़ा प्रोमोटर्स एण्ड बिल्डर्स, 7-ए०/27, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल धाग, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)
- 2. मैं० के० एल० पीं० फाइनान्स लि०, ई-29, साउथ एक्सटेंशन भाग-2, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का वह शुणका बारी करके पुत्रा नित् संपृतित भे अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्क वंदरियं के वर्षक् के संबंध में कार्ड भी नामदे :----

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस व 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिल की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर कंपिलीयों में से किसी क्षीक्त दुवाला;
- (क) इस स्वभी के राजपत्र में त्रेकीचन की तारीबा छे 45 किन के भीशर धनत स्थाबार संभातिक में दिवसम्थ किसी बन्म न्याबित इताया अभोहरकाक्षरी के वास सिवित में किए या स्केंगे।

स्पर्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त संबंधी और पर्की का, जी उनत्त वीधीनयम, के बच्चाय 20-के में पीरशावित हैं, बही वर्ष होंगा, की उस मध्याय में दिया पर्वा हैं।

पलैट नं० सीं--101, ग्राउण्ड पलोर, पालम एपार्टमेंट, 32\$/1, विजवासन, नई दिल्लीं, तत्रवादीं----850 वर्ग फिट।

भ्राए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, विल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारीखाः 8-7-1985

मोहर '

भवन नाह<sup>र</sup>् टी., एन., सुंग<sub>ः सम्मन्सकारण</sub>

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं

नई दिल्ली, दिनांक १ जुलाई 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/11-84/ 1398--श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रंत. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० सी-202, है तथा जो पालम एपार्टमेंट, विकथा क्षन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारों के कार्यालय, प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिधीन, तारीख नवम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीट मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिकल कर नंशह प्रतिकात से अधिक है और जैतरक (अंतरक) और जंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक के निष्य तम पाना गता प्रतिक कर निम्मीकियद स्वाप्तिक से उच्छ कन्दरक विक्षित में पान्तिक स्पार्व कियत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण वे हुइं क्रिकी बाव क्षी वावतः व्यक्त विश्वित्यम् कं वधीद् अरु वोत् के सुक्कुद्रक् कं वायित्य में अभी क्षडवे वा उत्तर दूधने में बुर्हिष्ट, के लिए; बीर/या
- (श) एंती कियो बाब वा किसी पत्र वा बन्य कारितवी की विन्हें भारतीय वाय-कर विशिधवा, 1922 (1922 का 11) वा क्या व्यविद्युत, वा धनकर विशिधवा, 1957 (1957 का 27) के अवोबनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

मतः नवं, उक्त मिनियम् की पारा 269-म क मनुसरक में, में, उक्त निधनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के तभीनं, निम्नतिचित्त व्यक्तियों, वर्षात् ्र— 1 मैं० चोपड़ा प्रोमोटरस एण्ड बुर्ल्डस 7-ए/27, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक्)

2. डा॰ अनिल गर्ग एन्ड श्रीमती अल्का गर्ग, निवासीं— ई-60, ग्रैटर कैलाश इन्क्लेव-1, नई दिल्लो। (अन्तरितीं)

को सूर कृत्या झाडी क्रके पूर्वोक्त कुन्तित् से वर्षन् के जिल्ले कार्वनाहिन्तुं सुद्रका हुं त

## तक कुम्रित के बर्चन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्रेयू.--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुकार;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थावत बुवार बधोहस्ताकरी के पार निविद्य में किए का सकती।

स्पार्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त चन्दों थीते शर्वों था, जो सकत वीधीनययः, के बध्याय 20-क में परिधानिक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात न्या है।

## मन्त्र्या

पलैट नं० सी-202, पहली मंजिल, पालम एपार्टमेंट, विजवासन, मई दिल्ली, तादादी- 850 वर्ग फिट।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ल (1) के बाबीय सुपका

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकर मायक्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं नई दिल्लीं, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/27-ईई/11-84/1399---अतः म्स, आर० पी० राजेश,

कायक स् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा १६०-म के अधीन सक्षम प्रशिक्त राज्य स्थान सक्षम प्रशिक्त राज्य सक्षम कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्क 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० एम-:204. है तथा जो पाएम एमार्टमेंट, 328/1, जिजवासन, नई दिल्ली में लियत हैं (और इ.से उपावड अनुसूची में और पूर्ण कर से विजत हैं), रिजस्ट्रीकित अधिकारी के कार्यालय, प्रजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आगाउर अधिनियम, 1961, के उजी तारीज जनकर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बावतं, उचके अभिनियम के बभीन कर दोने के अस्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आंध्रायों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत आंध्रानयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विता जाना चाहिए, का, छिला में अधिवा के निष्

अतः जब, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसर्ग में, टी, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सधीन, नियनिविश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- .1. मैं० चापणा प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स, 7-ए/27, डब्ल्यू० ई० ए०, प्रोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

श्री बीठ केठ अपूर, निवासी----ई--258, ग्रेटर कैलाश
 -1, नई दिल्ली।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित से वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकींगे।

स्पन्तीक पण:--इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस स्थ्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

फ्लैंट नं० एम-284, पहुंतीं मंजिल, पालम एपार्टमेंट, 328/1, विजवादन, नई दिल्लीं, तादादीं-850 वर्ग फिट।

त्रार० पी० राजेश क्क्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्तर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्केक रोज-1 दिल्ली, नई दिल्लीं-110002

तारीख ं 8-7-1985

मोहर 🖫

**प्रकृप बाह्**ग, टी. एउ. ए५.

**भायकर विधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की** ारा । (३२-४ (१) के अधी**त स्पना** 

#### भारत सरकार

# कार्याजन, सहायक जामकार बान्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० जी०/एक्यू०/1/37ईई/11-84/-1400---श्रतः मझे शारः पी० ाजेश

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है'), की भारा 269-क को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000 ∕ - रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या बी-6 है तथा जो कैलाग एपार्टमेन्ट, लाजपत गय रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपादक ग्रन्सूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींश्रती अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंग-1, नई दिल्ली, भारतीय याधकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख नवम्बर 1984

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाएजें कर संपत्ति का उचित बाजार ब्रुग, उसके दरयमान प्रतिकास में, एसे दरयमान प्रतिकाल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नसिधित उद्देश्य से उक्त बन्तरण में निधित शास्तियक कप से किथा नहीं किया गया है :----

- (क) बन्ताहरूम से शुर्व किश्री बाय की बाबत स्वयत विविवयम को बजीन कर दोने की अन्तरक ही खबित्य में कमी कर्म या उसने बचने में सुविधा र लिए; दौर√या
- (बा) श्रीकिसी माम शामिककी भगवा अस्य आफ्टकी का, रिवन्ह्रा भारतीय जाय-कर लिभिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) म प्रधानिका अन्तरिक्षी बुधारा प्रकार वक्षी क्षिक्ष करा का या किया जाना थाहिए था, क्षिपाने ये स्ट्रिया र्के लिए:

अतः कवा, उपल अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमा, अर्थात् :--

1. श्रों विचा नीधरी शी/ओं० नां० ह्यसान सिंह. निवासी-कैलाम एपार्टमेन्ट, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरङ्)

 मास्टर धिरन पासी परन तिथि 29-10-1969 माइनर यु०/जी० पिताजी श्री हरीश कुमार पासी, िवासी-बी-8, कैलाश एपार्टमेन्ट, वर्ष दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को महत्वना आर्री करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए आर्थगहियां करता 🚮।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की उत्तीय से 45 दिन के श्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्थ किटी बन्ध व्यक्ति दुवारा बभोइस्ताक्षरी के पाल सिवित में किए का सकींगे ।

व्यवसीकरण:---इतमे प्रसृक्त शब्दों और पृथीं का, वो उन्त विभिनियम को बभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होना को इस व्याय में विवा नया 🛒 😢

ग्राउन्ड फ्लोर, फ्लैट, न० बीं-6, एउ किचन, 2 बैंड ह्म, 1 सर्वेन्ट ह्म, डब्ल्-सी० कैनाश एपार्टमेन्ट, लाजपत राय रोड, नई दिल्लीं तादादीं--- 1100 वर्ग फिट।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण) भ्रार्जन रें:-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1985

मोहर 🕹

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बचीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक बावकर बावक्त (हैनरौजक्) श्रर्जन रेंज-1, तई विरुलीं

नइं दिल्लीं, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश स० भाई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37ईई/11-84/-1401--श्रतः मझे भ्रार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं०-11, है तथा जो फोंडेंस व्यालोती, नई दिल्ली में रिथत है (और इससे उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1981 के अधीन तारीख नवस्थर-84

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के निए जन्तरित की यद्दं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पामा गया प्रतिकास, निम्मिसिक उद्वेष्य से उसके अन्तरक जिस्ति में बास्तिकिक कम से किस्तुत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उत्थव जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाथित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उनल वीधिन्यम, वा वनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिये था क्थियन में के सिक्ट;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनिय की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० युनाईटश बिडर्स प्रा० कि०,
 702, विशाल भवन,
 95, नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुजीर कुमार घषन और श्रीमती प्रमिला घवन, सी/ओ श्री बीं० एस० खन्ना एन्ड सन्स, निवासी – 61/2165, गुरुद्वारा रोड, करोस बाग, नई विस्ली।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निए कार्ववाहियां करता हुं।

## उक्त संपरित के क्यान संबंध में कोई भी बाकोर ड─~

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकादन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सद्धनची व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्षी , वो भी शवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (प) इब सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्बक्ति में हितबद्ध किशी अन्य व्यक्ति दुवारा नभोहस्ताक्ष्मी के पास् सिवित में किए वा सकतें।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्धी बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उत् ब्ध्याय में दिया गया

## वन्तुनी

पलैट नं०-11, फेंडेंस कालोनी, नई दिल्ली तादादी-1827 वर्ग फिट ।

> न्नार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्लीं, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1985 महिर्: अ प्रकथ बाह्री, टी., एस.- एस. = -----

बायकर बॉजनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बधीन स्वना

भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजिन क्षेत्र, भोजाल

भोपाल, तारीख 5 जुलाई, 1985

निर्वेश स० आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपाल-5809----श्रतः मझे, एस० सी० शर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 347/1/2 ग्राम बावड़िया कला, जिला भोपाल में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिज़्द्रिकर्ती अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिज़र्द्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नदम्बर 1984

सत्रे पूर्विस्त सम्पत्तिः से उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का कल्क प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (अ) अन्तरण से हुन्दं किसी बाय की बावत उक्त सीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉट्ट∕या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जारा जाहिए वा, जिनानें में सुविधा को खिए.
- अंशः अयः, उपत अविभिन्न की धारा 269-व व अनुवर्भ में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 15—166 GIj85

श्रीं जींत मल
 (2) नन्द शियोग
 रामनारायण पुत्रगण
 श्रीं हजारीलाल
 निवासी-यावड़िया कला,
 जाला भोपाल।

(अन्तरक)

2. चेंधरमैन दि होली कास कापरेटिय हा० से तायटी लिमि० भोगल द्वारा अध्यक्ष ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त जन्मोंका के कर्जन के किया कार्यवाहियां करता हों।

वक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति दवार, अधोहस्ताकारी के पाध निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## बनुसुची

भूमि छ. नं० 347/1/2, ग्राम बाष्ड्रिया कलां, जिला भोजान में स्थित है। यह वह स्यावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म ग० 37 जी० में दिहित है।

> एत० सीं० शर्मा सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, भोषाल

**सारींख** : 5-7-1985

मोहुर ध

# हुक्स् अरहे. दी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल/5810---श्रतः मुझे, एस० सी० गर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-आ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विकास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक मंजिला मधान है, तथा जो भोषाल में स्थित है (और इससे उपावड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है) रिजस्ट्रीं को श्रिधकारी के आर्यालय भोषाल में अजिस्ट्रीं करण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, नवस्थर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरभ से हुइ किसी बाद की बाबत, खपल, अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में अभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्ये जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, डिपाने वे स्विभा के जिए;

बत्धः वृक्, उपत विभिनियम की भारा 269-ए की बनुसरण बों, में जनत अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतीं शौध तजब पत्नीं खलील श्रहमद अंतारीं निवासीं चौकी तलेया भोपाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती परवेज हुसैन पत्नी जव्वार हुसैन एवं श्रीमती फर्जीना पत्नी जावेद श्रली निवासी-नूर महल, भोषाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खबर सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में अं किसी ज्यक्ति द्वाराः
- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति इनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

रम्बद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त स्वा और पर्वे का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होने जो उस अध्याय में दिया भया है।

## धनुसुधी

प्लाट नं 33 पर निर्मित मकान, सी सेक्टर, इन्द्रपुरी में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विश्वरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जीं में निहित है।

> एस० सीं० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

वारींख: **5**-7-1985

## प्रकप बाइ . टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5811---भ्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसको संख्या भूमि खब् नंब 466/2,463, 464, 464/4 है, तथा को ग्राम सर्त्रैया जिला भोगाल में स्थित है (भ्रौर इससे उनाबद्ध अनुपूर्वों में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय भोगाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत् के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकास से एसे द्रश्यमान प्रतिकास का पन्ति प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितिका) के धीय एसे जन्तरण के लिए त्य पाया गया मृतिकल, निम्निलिश्ति उद्वदेश से उक्त अन्तरण निम्निलिश्त अद्वदेश से अक्त अन्तरण निम्निलिश्त से अपन्ति अपन्तरण स्वत्व से अपन्तरण स्वत्व से अपन्तरण सिम्निलिश से अपन्तरण सिम्निलिश स्वत्व से अपन्तरण सिम्निलिश से अपन्तरण सिम्निलिश सिम्निलिश सिम्मिलिश स

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विश्विम के अभीन कर दोने के ब्लाइक क .साबित्य में कभी करवेदा उत्तर दक्ष ने सुधिका के लिए; बहुर्या
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीपिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना पाहिए था, कियानों में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त विधानयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधानयम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निम्मितियत व्यक्तियों,, क्र्यांत क्र∞- (1) श्री मांगीलाल पिता बोदर लाल निवासी-सलैया जिला भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० के० मालवीय पिता प्यारेलालभी एवम् बी०एन० जयसवाल वास्ते सहुबादु गृह निर्माण सहकारी समिति सस्या मर्या० भोपाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में श्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक श्रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **ग्नुसूचा**

भूमि ख॰ नं॰ 466/2, 463, 464, 464/4, ग्राम सलैया तह॰ हजूर जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 भो॰ में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रकंन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🤉

## प्रक्षा, बाइं. टी. एन्. एसं. -----

# नामकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 5 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5812—श्रतः मुझो, एस० सी० शर्मा,

वाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मध्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 10 पर बना मकान है, तथा को प्राम श्रानन्द नगर जिला भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह बिश्वास करने कको का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त जिल्ला नियम की जभीन कर कोन के अन्तरक के वायित्य जो कभी करन या उज्जे क्या में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के सिए?

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निब्नितिजित स्यक्तियों, वस्ति 🏎 (1) श्रीमती कृष्णा भस्में पिता श्री विनोवा भस्में निवासी-सुलसी भवन, श्रानन्व नगर, भोपाल।

(मन्तरक)

(2) श्री क्रुष्णा भोपाल लिटोरिया पिता भैयालाल लिटोरिया नि० क्वा० नं० 72/2एन-2 बी० सेक्टर, गोविन्दपुरा, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोगे।

स्वत्वतीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहरे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

#### यग संची

प्लाट नं ० 10 पर बना हुआ मकान, ग्राम भ्रानन्द नगर, भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 श्री० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-7-1985

# प्रकृष् नाइं, टी. एए., एवं,-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5813—— **मत**ः मझे एस० सी० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल

1,00,000/- र. से अधिक हैं
भीर जिसकी संख्या एक मकान नं० 26 है, तथा को साकेत नगर,
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणे
रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौ
में रिजिस्ट्रीकर्त्र अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन
नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचिए बाजार मृस्य से काम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित के गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक् क्ल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, बक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; औड़/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भग या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

वर्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) च रकीय, निम्मलिकिट व्यक्तियों, जथार छ—

- (1) लेफ्टी० कर्नल मदन मोहन मुकर्जी श्रात्मज स्व० श्री ज्योतिश चन्द्र मुकर्जी, निवासी 129, डी० डी० ए० (एम० धाई० खी०) फ्लैटस, शेख-सराय-1, नई दिल्ली (धन्तरक)
- (2) दौलत कुंवर पत्नी ठाकुर पृथ्वीराज सिंहजी विख्वाल, निवासी 171, ग्रनूपनगर, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके प्रशिक्त संपरित की अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप इ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ठस्ताक्षरी औ पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः ----इसमं प्रयुक्त क्वां और पर्वो का, को उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

मकान नं० 26 जो कि साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है। यह वहीं स्थावर सम्पत्ति हैं, जिसका विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपास

सारीख: 8-7-1985

मोहर 🕊

# त्रक्षम् वाद्ये द्वी एन प्रवासन्तरमञ्ज्य

# नागनर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्कन रेंज, भोपाल

भोपाल तारीख 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5814—ग्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 311/2 है, तथा को ग्राम नैनंद तहसील इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (190 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दश्यभाप प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एरो दश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्वेदय से उक्त अन्वरण किश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया पया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किती शाय की वावत, क्यर जिल्ला की सभीन कर दोने के बन्तरण की वासिएय से कमी करने या उसने अपने के सुविधा के लिए; खौद/वा
- (व) ऐसी किसी नाप या किसी पन वा नाम बास्सिनों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियस, वा पन-कर निधिनियस, वा पन-कर निधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इनारा प्रकट यहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, क्रियाने ने सुनिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्मसिखित व्यक्तियों, जथित ३---

(1) श्रीमती दौलतबाई पिता श्री शिवरामसिंहकी ठाकुर, निवासी चौषी पलटन खासबर दार लाईन, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) उषाह्माई पति विजयसिंह निवासी 59, महाबीर मार्ग गांधीनगर, हन्दौर
  - (2) श्रीमती प्रमिलादेवी पति श्री कैलाशचन्द्र निवासी 42/1, भोकरगंज, इन्दौर,
  - (3) श्री संजयसिंह पिता श्री विजयसिंह श्रा० पा० क० विजयसिंह पिता श्री मजासिंह निवासी 59, महावीर मार्ग, गांधीनगर इन्दौर,
  - (4) श्रोमतो छाया पति श्री गोपाल श्रीवास्तव निवासी 130, रूपराम नगर, इन्दौर ,
  - (5) धर्मदेव पिता मुरलीधर निवासी 59 महाबीर मार्ग, इन्दौर
  - (6) श्रीमती जानकीबाई पति रामचन्द्र कल्याणी निवासी 72/2, इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हैबए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्कार को राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्कार की तारीक से 30 दिन की काशि वा भी अवीध साथ में समाप्त हरेती हो, को भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमे प्रयुक्त कस्यों और पनों का, जो उकत नीध-नियम के अध्याम 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया

## वनुस्ची

भूमि खसरा नं० 311/2 है जो ग्राम नैनांव तह० इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी० में निहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-85

## **इस्प नार्ड**, टी. पुन्, **पुस**् ------

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्रयः, सहायक वायकार वायुक्त (निर्वाक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपास

भोपाल, दिमांक 14 जून 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5815--- म्रतः मुझे, एन० सी० णर्मा

जायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिनकी संख्या भूमि जनर नं० 311/1 है, तथा जो ग्राम नैनोद, तहसील च जिला इन्दोर में स्थित है (और इससे उपावत श्रमुमी में और पूर्ण रूप से चणित है) रिजर्स्ट्रीचर्ती श्रधिकारी के हार्यापत इन्दौर में रिजर्स्टीचरण श्रधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीत, नवम्बर 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ समा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से अन्तरण स्विस्त में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किमा भया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी कर्दने मा उत्तसे स्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए वा स्थिपने में स्विधा के विष्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ए--

> श्री प्रतापिस्ह, सन स्नाफ श्री हनुमानिसगजी ठाकुर, निवासी गांधीनगर, इन्दीर।

2, ऊषाबाई पत्नी श्री विशयसिंग, निवासीं 56, महावीर मार्ग,

- (2) प्रमिलादेवी पत्नी श्री कैलाशचन्द्र यादव, निवासी 42/1 शक्करगंज, इन्दौर
- (3) संअवसिंह ग्रात्मज श्री विजयसिंग (नाबालिंग) द्वारा संरक्षक श्री विजय सिंह ग्रात्मज सन्ना सिंह, गांधीनगर, इन्दोर
- (4) श्रींमती छाया पत्नीं श्रीं गोपाल श्रींवास्तण, निवासी रूपराम नगर, इन्दीर ।
- (5) धर्मदेव श्रात्मल श्री मुरलीधर निवासी 56, महावीर मार्ग, गांधी नगर, इल्दौर
- (6) श्रीमती जानकी बाई परनी रामचन्द्र, निवासी 72/2, शक्करगंज, इन्दौर।

(ग्रज्जितिरी)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए या सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

भूमि खक्षरा नं० 311/1 जो कि ग्राम नैनोद तहसींल व जिला इन्दौर में स्थित है। यह वहीं स्थावर सम्पत्ति हैं, जिल्ला विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जीं० में निहित है।

> एस० सीर्वणामा राक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-85

मोहर :

(श्रन्तरक)

प्ररूप आई.दी.एन.एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 कन 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल/5816--- **यत:** मुक्षे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एडचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

मीर जिसकी संख्या महात नं० 221, खातीबाला टैंक (स्कीम नं० 44) है, तथा जो इन्बीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भाषांत्र इन्बीर में सिल्ट्रिक्सण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत, नवस्वार, 1984

करे पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेवित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रण्यमान प्रतिकल से, एसे रण्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्टविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) के अधीन मिस्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भन्नदुल बहाब खान पिता श्री भन्दुल बहाब खान, निचासी 222, जातीचाला टैंक, इन्दौर मुखत्यार श्री रतननाल पिता श्री छोगामल जैन, निवासी 19-ए, महेश गाड लाइन,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रम्बुल मजीव पिता श्री मोहम्मद इसाक निवासी 37/3, मोहनपुरा, इन्दीर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क भें परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ध**नुसूची

मकान नं० 221, है जो खातीबाला टैंक (स्कीम नं० 44), इन्दौर में स्थित है। यह चह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी० में जिहित है तथा अजिरती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> एस० सी'० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आहाँ .टी .एन .एस . ------

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचार

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंड, मोबाट

भोगात, विनौक, ८ हुताई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपान/5817—अतः मुझे एस० सीं० शर्मा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिल्ली संख्या भूमि एतरा नं० 291 है, तथा जो ऐमार्गित सुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रींकर्ती अधिशारी के नार्यात्य सुरहानपुर में रिजिस्ट्रीं तथा अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के हरममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चदेय से उकत अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः जब, उकत अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अपेधनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नितिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री मधनवान पिता श्री भोगीतात संठ निवीवाणी विद्युत, बुतहानपुर ।

(श्रन्तरनः)

(2) द इंडियन लेकर की जापरेटिव हाऊसिंग मो ॥गटी, बुरहानपुर।

(श्रन्तिश्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मी काहि भी बाक्षेष '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खतरा नं० 201 है जो ऐमागिद , बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर अम्पत्ति है जिल्ला विवरण फोर्म नं० 37-जीं० में निहित है तथा अग्लिली हारा सत्यापित विचा गया है।

> एत० सी० जर्मा सञ्जम प्रतिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेजि, भोषाल

तारीख : 8-7-85 मोहर :

## प्रकार कार्यः, द्वी. एन्. एस्. १००० ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, सारीख 8 जुलाई 1985

मिर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जभ/भोपाल/5818——अतः मुझे एस०सी० शर्मा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 75/1 (ब्लाक नं० 30) है, तथा जो चाँक, बरहानपुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यायल बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, नबम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के चिह; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिक्षित्रमा, । १९०० (1922 को 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोचनार्थ

ात: भव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स हाजी खुदा वक्ष बाह मोहम्मद, चीक, बुरहाशपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमलादेवी पति श्री श्रीपालजी जैंम, लालबाग रोड, बुरहासपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अबीच या शरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तिकों में में किसी व्यक्ति इवाग;
- (ह) इस सृष्ट्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाल नेयक्ति में किए सा सकरी।

स्पट्टीकरण:— इसमे प्रयूक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

प्लार्ट नं० 75/1 ब्लाक नं० 30) है जो चौक, बुरहामपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37--जी० में नीहिन है तथा अन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

> एस० सी० मर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ः (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 8-7-85 मोक्र 🛭

## प्रकप कार्षं.टी.एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### बारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपान

भोपाल, तारीख 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जम/भोपाल/5819—अतः मुझे एस० सी० भर्मा

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उदस अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-भ भ अधीन सक्षम प्राधिकारी की, शह विकास करने का कारण

 $\xi^{\alpha}$  रिक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्राँर जिसकी संख्या "मुकुट टाकीज" है, तथा जो ग्रांकर वार्ष, भाटापारा, जिला रायपुर में स्थित है (ग्राँर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण का म बणित है) रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भाटापारा में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, मयम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल, से कम के स्वयमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब भाषा गया प्रतिफल, निय्नसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्माशक के लिए तब भाषा गया प्रतिफल, निय्नसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्माशक के लिए तब निर्माशक की निर्माशक की

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में संविधा के खिए; बीह/मा
- (च) इसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायवार किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की बनुसरक मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीतः---

- (1) श्री केणोजी भाई सोंलंकी
  - (2) मुकुट भाई सोलंकी
  - (3) चट्टावर सिंह सोलंकी, भिवासी यंकर वार्ड, मुकुट टाकीज, भाटापारा, जिला रामपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार आत्मज श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल (3) श्री बिहारी हमलाल आत्मज श्री मोहमलाल अग्रवाल द्वारा शंकर वार्ड, मुकुट टाकीज, भाटापारा, जिला रायपुर।

(अन्तरिती)

की यह तुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन की जव्धि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस सूचना के राजवन के प्रकासन की वारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तितृ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिस्ति में किए वा तकंगे।

रचन्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पत्रों का, घो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नदा हैं।

## वनुसूची

"मुकुट टाकीज", जो कि शंकर वार्ड, भाटापारा, जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में मिहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

**सारीख: 8-7-1985** 

शक्त आहे, टी. एन. एस.------

# आयकर नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन नुषना

#### ब्रार्ट स्टब्स्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख ८ जुलाई 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/मोपाल/5820—अतः मझें एस० सी० शर्मा,

मानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमे

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं 1295 (पी एच व नं 78) आर नं 289 है, स्था जो भया अमापारा, दुर्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उभाजद्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के जार्यालय, दुर्ग में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1984 के दुर्शिक्त सम्पत्ति को उभित बाबार मृस्व से कम के प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उभित बाजार स्त्य, उसके इस्तमान प्रतिकल से, ऐसे इस्तमान प्रतिकल का पंदह शिवत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को निए तव पाया गवा जातिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व रस्तिकर रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के निग, और/या
- (क) ध्रेसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (१९22 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गणशीकाल एवम् श्री रमेश प्रसाद, आत्मज श्री सुखदेव प्रसाद गुप्ता, निवासी शनीचरी बाजार, दुर्ग (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री गजानन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमि०, अमापारा मोहभ नगर, दुर्ग, द्वारा अध्यक्ष श्री विट्ठल आत्मज श्री कृष्णाराव सखरकर निवासी मोहन नगर, दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबस संपरित के अफॅन का सक्य में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस श्रूषना में राजपत्र में प्रकाशन की लारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी आंजितयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अविधियों में से किसी न्यं किस इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा व्याहस्ताक्री के पास निविद्य में विश्व मा कर्य

स्वक्षितरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, वो उत्तव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उत्त वध्याय में दिवा नवा हैं।

### **मन्त्र**क

भूमि खसरा मम्बर 1295 (पी० एच० नं० 78, बी एम 269) जो कि नया अपापारा, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में लिखा है।

> एस० सी० मर्सा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपास

तारीख: 8-7-85

भोष्ट्र ३

# 

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन स्वना

## भारत चर्डकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निडीसन)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख ८ जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5821--अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृन्य 1,00,000*/ - र*त. से अधिक ह**ै** 

भी र जिसकी संख्या तीन मंजिले मकान का ग्राउण्ड पलोर है, तथा जो लाजपत कुंज, नेपियर टाउन, जञ्चलपुर में स्थित है (म्रोर इससे उप बद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजरद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यु से कम के प्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) आहेर अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यं, जिन्हें भारतीय थाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः ने सिए;

**वतः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण** ष , म उभत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भगवानदास रूपचन्दानी आत्मज श्री भूलचन्द रूपचन्दानी, 1071 नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनीलकुमार जन, अत्मज स्व० श्री गरीबदास पखार, निवासी 87, नर्मंदा रोड, जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की वयि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यविभ वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (च) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मंशे होता जो उस मध्याव में विया गया

## जन्**स्या**

एक तीन मंजिल मकान का ग्राउण्ड फ्लोर जिसका नगर-पालिका निगम का नं० 1071 है तथा जो लाजगत कुंज, नेपियर टाऊन, जबलपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षीण) अर्जॅम रेन्ज, भोपाल

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🚁

प्रकल नाइ". टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन स्चना

#### भारत सरकार

राज्यानयः सहायकः आगकार **बाग्**कः (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख ८ जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5822—अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या मकान नं 102 एवं 102/1, लार्डगंज, जबलपुर है, तथा जो लार्ड गंज वार्ड, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में भीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 84

को प्वोंकत सम्परित को उधिस बाजार मृस्य सं कम को रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मूफो यह विश्वासं करने का कारण है कि यथाप्यें पित सम्मित का उचित बाजार मृस्य , टसकं दश्यमान प्राम्भित सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रांतशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरकों) को बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) इन्तरण सं हुई किसी साय की सावत जकत किशिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के शिष्ठुः और्द्र/मा
- (w) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्म जिस्तियों कां जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में ख्विधा को सिद्य;

वतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वा अभीत्। निम्निकिश्वित व्यक्तियाँ अभीत्। मिनः

(1) श्री विशम्बर नारायण आत्मज श्री रामनारायण तिवारी, आर/श्रो०102, 102/1, लार्डगंज, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कस्तूरचन्द आत्मज गोपालवास जैन

(2) मीलचन्द (3) पन्तालाल (4) कालूराम

(5) राज़ेन्द्र, समस्त पुत्र श्री कस्तूरचन्दं जैन निवासी शाहपुराबिद्रोनी, सहसील पट्टन ।

(अत्तरिती)

कों यह सृष्णा बारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियों कारता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-वस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिसिट में सिए जा सकेंगे।

स्वक्करिक इन : — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, जो उक्त विधित्यम, के नभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विधा गया है.

#### यगताची

मकान, जिसका नं 102 एवं 102/1 है तथा जो लार्डगंज बार्ड, जबलपुर में स्थित है यह वही स्थावर सम्पत्त है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जी ० में निहित है।

> एस० सी० गर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 8-7-1985

मोहर ≇

प्ररूप आहें. टी. एन. एस :-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन स्चना

## भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजैन/मोपाल/5824- - ग्रतः मुसे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धादा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भवन दो मंजिला, है तथा जो जिलल स्टेशन वार्ड, रायपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णित है), रिनस्ट्री तो प्रधि तरी के नार्याज्य रायपुर में रिनस्ट्री तरण अधितितम 1908 (1908 जा 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए/ और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविधा वै विदः

जत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् धु—  श्री राजेश कुनार व्यास, निवासी हास्पीटल पा,ई राजातालाब, रायपुर।

(म्रन्तरक)

- 2. (1) श्रस्लाबीन फिण्स्ता
  - (2) ग्रनवर ग्रली फरिश्ता,
  - (3) श्रमीर श्रली फिल्या,
  - (4) आरिफ छली फरिश्ता,
  - (5) मुराद ग्रली फरिश्ता,
     सभी निवासी : 2/2, श्रौलेन्द्र नगर,
     रायपुर (म० प्र०) ।

(भन्तिरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उक्त स**ण्यात्ति के अर्जन के संबंध में काहें भी आक्ष्प :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीं है 45 शिव की वर्वीभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्वांक्तों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

### मन्स्ची

्क दो मंजिला मदान, जो कि विचित्त स्टेशन वार्ड, रायपुर मेस्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विधरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जीं० में निहित है।

> एत० पी० शर्मा सक्षम प्राधि⊀ारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख:** 8-7-1985

मोहरः

प्रकृप आहूर, टी. एनं. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक गायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, नई विस्ली

भोपाल, दिलां > 8 जुलाई 1985

सं प्राई० ए० सीं श्रिजंत/भोषान/5823--- प्रतः मुझे, एस० सीं० भर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और ि की सं० एं मंिटा में गर, खरत नं० 179/9 हैं, तथा को प्रान कीरिकाटा, जीं० ईं० रोड, राज तकांच में स्थित हैं (और इन्से उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित हैं), रिजस्ट्रींचर्ता अधिकारी के रायक्तिर नाजनाकांच में पिस्ट्रींचण भविनियम 1908 (1908 में 16) के प्रयीत तारींख नवस्वर, 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का केंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और,/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त किसी आप कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भी उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने के सिवा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती समुदाता प्रती श्री स्थानचार देवितया, द्वारा श्री विष्टर गिन्नी, किश्चियन कालोनी, सागर (म० प्र०)। (श्रन्सरक)
- (2) श्री डा॰ प्रभात कुनार तिवारी श्रातमज\_श्री काणी प्रसाद तिवारी, चीक मैडिसल शाफिसर, गलायाट ।
- (2) श्रीमती जया तिवारी परनी डा० पीं० के० तियारीं,
- (3) श्री सुनी न कुनार धारमज डा० पी० के० तिषारी, निवासी बालामाट ।

(ग्रन्तरिती)

को बृह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कारता हुएं।

उकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की शविध या तत्सम्बन्धी स्मिक्समों पर स्थान, की तामील से 30 विन की अविध, जो भी श्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर प्रिकारी में के किसी स्मित्त ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्यों होगा को उस अध्याय में दिशा भवा हैं:

## अनुस्ची

एक मंजिला भागित विश्वा खत्तरा नंव 179/9 है तथा जो ग्राम कीरितभादा, जीव ईव रोड, राजनीदगाँव में स्थित है। यह वह स्थाचर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिनी द्वारा सस्यापित फार्म नंव 37 जी में निहित है।

> ए र० सीं० शर्मा सक्षम प्राधि स्री सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल।

नारीख : 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप नार्दे टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के नभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1985

सं० श्राई० ए० सी०/बर्जन/भोपाल/5825---श्रतः मुझै, एस० सी० शर्मा

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख भी अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

जिसकी सं० तीन मंजिला मकान जिसका म्यू० नं० 14/2060 वं 14/231/2 (नंजूल प्लाट नं० 115, ब्लाक नं० 77) है तथा जो जय स्तम्भ चौक, मौदहापारा, रायपुर (म० प्र०) में स्थित है और इपमे ज्याबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिपारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 6) के अधीन तारीख नवम्बर, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितवाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से साथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उपत विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साजित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के निए; बरि/या
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

- नाबा० यणवन्त प्रमार िंह गाठौर बन्द की बर्ना अमर्राह् बल्द लामत्री लठीर, लाकिन फाफाडिड बीठ, रायपुर (म० प्र०)
  - (अन्तरक)
- मैं० फरिश्ता एण्ड फिल्श्ता भागीदार
   श्री प्रमीर अती फिल्श्ता
   वल्द स्व० वजीर अली फरिश्ता
   साकित गैलेन्द्र नगर, रायपुर (म० प्र०)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सञ्चित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की सुवधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (य) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

## नन्सर्ची

एक तीन मंजिला मकान, नगरपालिका निगम मकान नं 14/206 और 14/231/2, नजूल प्लाट नम्बर 2/115, ब्लाक नं 77, रक्षा2425 वर्ग फुट, जो जयस्तम्म चौ ह, मौदहापारा, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिनी द्वारा सन्यापित फार्म नं 37 जीं में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्राबकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, भोपाल ।

नारीखः 8-7-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन तुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोषाल
भोषाल, दिनांक 13 मई, 1985

निर्देण मं० प्राई० ए० मी०/प्रर्जन/भोषाल/5755 —श्रत: मुझे बी० कु**०** बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सभाग प्रधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की मं० भूमि एवं मधान है, तथा जो मुंदर नगर, रायपुर में स्थित हैं (और इससे उपाधड़ अनुसूची और पूर्ण छप से चिंजत हैं), रिक्ट्रीं तो अधिकारी के नार्यालय रायपुर में रिक्ट्रिं एयण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन नारींख नवस्वर 1984

करे पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य संकम के इख्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिख्वास करने का कारण है

िक यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पम्प्रह प्रतिकात से विधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) की और अंतरिक (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च रेथ से अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या िक्सी अन ए। जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर असिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चिहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ती० एम० ठाउरे पिता माधी राय ठा .'रे, निवासी-न्यास पुत्र, अहा अहा ।

(प्रसर् )

थ श्रीमती माया ताब्रकार एत्त्री श्री शंारतील भाष्त्रकार द्वारा श्री जे० के० यमी निवासी-यती बाभार, रायपुर ।

(प्रन्तरिती)

को बहु बृज्यमा जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिनां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्याक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जयिंग, जो जी जयिंग बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वेक्त ज्याकितमों में से किसी ज्योक्त क्याक्तियों।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मति के दित- बक्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

भूमि एवं किंान, सुंदर नगर रायपुर में स्थित है, यह वह स्थाबर सम्पत्ति है विश्वा मंपूर्ण विनयण अन्तरिती द्वारा सन्यापित फार्म नंबर 37-जीं० में निहित है।

> वी० कु० बरनाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आफ्टार आयुक्त (निर्राक्षण) श्रार्जन रेज, भोषाल ।

तारीख : 13-5-1985 ।

मोहर ः

प्रकार बाद", टी. एन: एस: ------

आय्कर समितिक्यन, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-स (1) को अभीन सुमना

#### मारब बहुन्तर

# क्रावांस्य, बह्ममक वायकार वाक्कर (मिहिकान)

श्रजीत रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां ३ 29 श्रप्रैल 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/प्रजेन/भोषाल/573क --अतः मुझे वीरेन्द्र कुमाए बरनवाल,

'बाब्बर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसमें इसके बहुचात् 'अक्त अभिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ब के अधीन बक्तम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पीस, जिसका जिल्त वाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, भवानी मार्ग, सनावद है, तथा जो जानावद में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री एती प्रिशितारी के वार्यालय सनावद में रिजिस्ट्री करण निषम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर, 1984

को प्रोक्त सम्पत्ति कं जीभत नाजार गृल्य सं काम के अवसान हिस्स्र के सिर् अन्सरित की गई है सौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोंनत सम्पत्ति को उपित माजार मुख्य, उसके सम्पत्ति गितिका की गीर के तरकात प्रतिकत्त को पंद्र प्रतिकत ने अधिक ही भीर अंतरका (अतरका) और कंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंसरण के निए तथ पाद्या गया अधि-क्य, निक्सिनास्त उस्त स्व स क्या भन्तरण सि। यत में शस्त्रिक इप में कथिन नहीं किया गया हैं:---

- (क) बक्त प्रमुख से हुए बिस्सी बाब बती बाबझ, सब्बद बां भिनियम को अभीन कह बोने को अन्तरक को स्वीवरण मां कभी करने या जनस कजने या सुनिभा को सिस्ह; बार/बा
- (च) एसी किसी शाय या किसी भव ना वस्य नास्तियों को, जिस्हें भारतीय वावकर निर्मानयम, 1922 (1922 को 11) ना उक्त विभिन्नम, या वनकर निर्मानयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अस्ति रिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, स्थिन में स्विभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के समीत निम्नीचित्र व्यक्तियों, समीत्  श्री विमल चंद पिता छज्जूलालजी जैन निवासी - सनाबद हाल मुधाम 22/1, बैराठी कालोती, इंदौर

(अन्तर्क)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पिता निर्मल कुमार जैन, निवासी--191, भवानी मार्ग, मनावद

(भ्रन्ति-ती)

को वह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वीक्त संपरित के नर्चन के लिए कार्यवाहिमां कड़ता हूं।

उच्च सम्पंत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थित्तयों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीसर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अभोइस्ताक्षरी के शास हितिक गें किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त काव्यों जीर पदी का, थी अक्त जिथिनियम को जभ्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

यम्पत्ति सनावद में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जीं अ में निहित है।

> र्वाज्येद कुमार बरनवात सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भागल

तारींख : 29<sup>2</sup>4-85 । मोहर :

# श्क्य वार्ष्ट् डी., एवं, एवं .------

# मानकार म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की रा 269-ग (1) के मुगीन सुप्ता

## HIST SETTE

## कार्यासय, तहावक जायकर बाव्क्स (रिन्टीक्सक)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपात, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोगान/5735---प्रतः मुझे, विरिद्ध कुमाए बरनवा है नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाबार 1,00,000/- रत. ते अधिक **ह**ै ग्रौर जिपकी सं० प्लाट नं० है, तथा जो उज्जैंन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री ती श्रीविशाणी के ार्याक्य उन्जैन में रिक्ट्रिंशरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारोख नवम्बर, 1984 क्रो प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के प्रयमान बातिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार अपून्य, उत्तक रहयमान प्रतिफल ते, एसे रहवभान प्रतिफल का र्भेड्ड प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम आया गया प्रतिफान, विम्निभिष्य उत्कृतिम से सम्ब अन्तरभ क्षां वास्त्रां का का के कि वा वा वा है ---

- (क) जन्तरण ते हुइ किती आय की मानत, उक्त शीं भीं नवस के जभीन कर बोने के अन्तरक के कृदित्य में कनी करने ना अवसे कहने में सूरिका को सिए; सीट/ना
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या क्या शास्तिकों को, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया आवा चाहिये था, जियाने वी स्वीव्या के विद्युः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन ित्र निम्निस्थित व्यक्तिकों, अर्थोह ह

 श्री सुमेर सिंह पिता ठाकुर जालम सिंह जी, निवासी-15, क्षणभार मार्ग, माधव नगर, 'उज्जैन ।

(ग्रन्तरकः)

 श्री जन्नाहरकान पिता शंकरकालजी जैन निवासी-माध्यनगर, उज्जैन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

जनत संपर्कत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस तूजना के राथपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तितों कर सूचना की तानीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में सुपान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकावन की तारीच है 45 बिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मत्ति हो हितवब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताकारी के पात लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वों का जो उक्त विचित्रमा, के अध्यात 20-के में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा पत्ना ही।

## अनुसूची

सम्पत्ति आजाद नगर उज्जैन में थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विघरण अन्तरितीं द्वारा सत्यापित फार्म नंबर के 37-जी० में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवालं नक्षम प्राधिशारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

्तारीब्द : 29-4-1985 **मोह्र** व्र

# प्रकम कार्य ुटी, पुन्त पुरु ु व - - ----

## नायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की पात 269-म (1) के मधीन त्याना

#### श्राहत सहकार

## कार्यातय, सहायक जावकर बाय्क्त (निरीक्तक)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 29 श्चर्पेल 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है तथा को उज्जैन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिष्ठल के लिए जन्तरित की गई है और मुफें यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित जाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिष्ठल से एसे द्रश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और जन्तरिक (अभ्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निचित उद्देश्य से उदत जन्तरण कि लिखित के बास्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है कि—

- (क) बन्तरण में हर्ष किती आव की बासरा, बन्ध अधिनियम के जभीन कर कोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बरि/का
- ्रा) एसी किसी भाग वा किसी पन वा बन्न कास्तिबाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ मन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिस्टू

नतः नवः उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक तै, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के वर्षीण, निस्निस्थित व्यक्तियों अर्थात ह—

- (1) श्री सुमेर सिंह पिता ठाकुर जालम सिंह जी निधासी— 15, क्षणपक मार्ग, माधव नगर उज्जैन । (म्रास्तरक)
  - (2) श्री जवाहरलाल पिता श्री शंकरलालजी निवासी— माधवनगर, उज्जैन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

क्कत सम्मति को कर्णन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य स्पितकों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्भित्त में हिल- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निक्ति में किए का मकोंगे।

स्थादीकरण ----ध्समं प्रयुक्त शन्यां और पदां का, जो उक्त जीभीनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा नेसा है।

# अनुसूची

सम्पत्ति, श्राजाद नगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29~4~1985

मोहर 🖫

मान्य बार्स . हरी . एव . एक .------

बायकर विधिनवृत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने विधीन सृष्ता

#### मारत वरकार

# कार्याजन, ब्रह्मक नावकर शायुक्त (निर्द्राक्षक)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5737—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जें इसर्जे

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 3, प्लाट नं० 77 बी पर है तथा जो मनीषपुरी कालोनी, इंदोर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित नाजार मृत्य संकम को ध्रयमान प्रतिकृत को लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित गाजार भूस्य, उसके दश्वमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पास गया प्रतिकल निम्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) व्यवस्थ से हुई किसी बाद को नावर, उथस वीपनिष्य के व्यवस्थ कर देने के व्यवस्थ की शामिश्य में क्सी अद्भी ना उक्के वयन में सुविधा के लिए; गोद्र/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अस्य वास्तियाँ की विक्रों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) छ व्यक्ति, भिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स वृत्वावन श्रपार्टमेंटस तरफे भागीदार बालकृष्ण पिता दौलतराम श्रप्रवाल निवासी—158, साकेत नगर, इंदोर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णीला पांत डा० नरोन्हा निवासी 10, रानाडे कम्थाउंड, ग्रोलंड पलासिया, **इंदौर**। (भन्तरिती)

को यह सुचना धारी करकं पूर्वोक्त सुन्परित के नर्बन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्स सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इत सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की मनिक्ष मा तत्सम्बन्धी स्मिनतमों पर न्दाना की तामीक की 30 दिन की सविष, जो भी अव्भि बाद में राजाका होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्मित्सों में से किसी स्मित्स इवारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारिस में 45 विन की भोडर उन्ते स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी जन्य त्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्ध में किए जा सकींगी।

# बन्त्यी

पत्रैट नंबर 3, ज्लाट नंबर 77 बो पर बना हुआ, मनीष-पुरी कालोनी, इंदीर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 की में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल; सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 39-4-1985

प्रकार मार्ड हों एए एस ००० ०००

भागकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के स्पीत सुपना

#### प्रारत भरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 29 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० स्राई० ए० सी०/स्रर्जन/भोपाल 5738—स्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त किंगिशन' कहा गया है), की भारा 269-छ के अभीन सक्ष्म अभिकारों की यह जिल्लाय करने का कारण है कि स्थायर सम्बंधित, जिल्लाय जिल्लाय करने का कारण है कि स्थायर सम्बंधित, जिल्लामा जिल्ला बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान, प्लाट नं० 893 पर (स्कीम नं० 31) है तथा को जीवन दीप कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबज अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उक्तित बालार धून्य से काम के हर्यमान प्रतिकान के निम् अन्तिरित कर कर्म के अपि सभी यह विश्वास कारने का कारण हो जि यमण्यकोनन मर्भानत कर अपिन बाजार मून्य जसके शहरामान गतिणान में, एपि ध्रत्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिवात से सिधक हो और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरियी (अन्तरितियों) के वीक् एसे अन्तरक के लिए तम पावा गवा प्रतिकाल निम्नसिवित उद्वोस्थ से उक्त मन्तरक निवित में वास्तिवक रूप से करिका मही किया क्या है

- (क) अन्तरण से हुई फिली भाग की वाबत, अपर श्रीभागिया के बधीन कर दोने के अन्तरक के वाशित्य में कभी कारने या यशते अपने में सविका के बिका; भार/भा
- (w) एसी किसी आय या लिसी बन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हा भारतीय गान-कन्द्र ग्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ जन्ति गरी प्रयोग रक्षण नहीं किया नेवा था पा किया खाना खारीश था, किया में प्रतिभा वे निर्देश

अस. पत्र, उक्त अधिनेयण की धारा 269-ग **की, अनुसरण** मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-म <mark>की उपधारा (1)</mark> की अधीर विक्रिमिक क्लीस्थल अधीर . - (1) श्री मानिक पिता बिशन 2 सोमा पति बिशन निवासी 893, जीवनदीप कालोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार पिता गुरमुखदास 54, बैराठी कालोनी, इंदौर।

(भन्तरिती)

को यह त्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यनाहियां करवा हूं।

उन्ह सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्का के राज्यव में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तालील से 30 दिम की जब्धि. को ती जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से लिखी व्यक्ति द्वारा;
- (थं) इस सूचना के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्थल्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, जो उनक्ष अधिनियम के अध्याद 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उत अध्याय में दिया पद्मा हैं।

# <mark>प्रनुसू</mark>ची

मकान, प्लाट नं० 893 (स्कीम नं० 31), जीवनदीप कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

प्रस्य आई. दी. एन. एस.-----

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के मधीन सुचना

#### शारत सरकार

# क्षमांचय, सहायक बायकर बायूक्ट (निरक्किय)

श्चर्कन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 म्रप्रैल 1985

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5739—श्रतः मृक्षे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भारताय अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्ते इसके वश्यात् 'उसत निर्धानयम' कहा गया हैं), की पाए 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, नज़ निरमात कार्य तब कार्य हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार भूका 1,00,000/- का से विभिक्त हैं

स्रोर जिसकी सं० एक मंजिला मकान म्यु० नं० 70, प्लाट नं० 99 ए पर है नथा जो कालोनी नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त तम्परित के जिल्ला बाबार मूरत से कान के बरवानाम प्रतिक्रण के तिए अन्तरित की गई है और मृत्रे वह विकास करने का कारण है कि बचा पूर्वोक्त तम्प्रीत का जीवत वाबार मृत्य, उसके बरवमान प्रतिक्रल से एमे बरगमाल प्रतिक्रल के पन्नह प्रतिक्रत से अधिक ही और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितिकॉ) के बीच उने, जंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिक्रल, निम्मसिखित उद्देश्य से उत्थ है :---

- (क) बन्तरत ते हुई किसी नाम की नामत समर गाँध-विस्त के सभीन कर वेने के बन्दरक की दावित्य में कामी करने या उत्तवें बचने में स्विधा के विस्ते; और/का
- किसी काम या किसी अन अन्य आस्तियों की. चिन्हों भारतीय आसकर कीभविकस. 1922 (1922 का 11) का उक्त प्रिचित्रण्या, या भार अंद अधिनिकस, 1957 (1957 का 27) के प्रतेष्णार्थ शाराणियों सारा एकड नाण किसा क्या का या किसा जाना काहिए था किसाने से सुविक्त की किसा

जतः अब, उजल अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वें अभीत निम्नलिसित व्यक्तियों, अवस्त ⊱---

- (1) श्री गुलाबराव पिता केशवराव गोपाले निवासी-- 70, कालांनी नगर, इंदौर ।
  - (भन्तरक)
- (2) श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी विष्णुप्रसाद खदी निवासी-26/4, नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कहरू पूर्वोक्त कम्परित के वर्णन के निष् कार्णवाहियां कहता हुए।

उपन कर्माएत के वर्षन के कम्बन्ध में कीई भी नासीय 🕪

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विच की नविभ ना तत्त्वंथी व्यक्तियों पर सूचल की तामील से 30 दिन की वविभ, को भी वविभ नाय में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 किन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में दिसवहण किसी करन काकत द्वारा अधोहस्ताकरी के पास के अधीम, निम्नितिदित व्यक्तिमाँ, क्यांत् ----

स्वध्योकरणः----इसमें प्रवृक्त शक्यों और वया का, थी अवेश मीभनिवस, के सध्याय 20-क में परिभाषिक हो, बही सर्थ होगा थो उस सध्याय में विका कथा है।

## कर्ष्य

एक मंजिला मकान म्यु० नं० 70, प्लाट नंम्बर 99 ए पर, कालोनी नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

भोहर

प्ररूप आई.दी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5740—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरमवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भौर जिसकी संज्ञाट नं 154 एपर बना प्रथम मंजिल का फ्लैट नं सी है तथा जो स्कीम नं 44 इंदौर विकास प्राधिक्तरण, इंदौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए एय पाया गया प्रतिकल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकल रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अगिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्री चन्द्र पिता श्री ताराचन्द्र **मृग फ्लैट नं**० ए एंड बी, सल मंजिल 154--एम खातीवाला टैंक, इंदोर।

(अन्तरक)

(2) श्री गजानंन हडीकर पिता श्री भारायण हडींकर बी-17, एम० आई० जी० कालोनी जेल रोड़ इंबीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी सरफें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

सकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याक में विका गया है।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बंध 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर स्वना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में सगाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वितयों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी छ छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

## **मन्**स्ची

फ्लैंट नंबर सी प्रथम मंजिल, प्लाट नंबर 154 एम पर, इंबौर बिकास प्राधिकरण की योजपा क्रमांक 44, इंबौर में निहित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिलका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विमान: 29-4-1985

योहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एव. -----

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

ध्यानिय, महायक वायकर वायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5741—अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बश्नवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिल्ला संज्याह नंज 7 है तथा जो अहिल्यामाता कालोनी, न्यू देवास रोड, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिक्षक नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अर्थान, निम्निलिति व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री राजेन्द्र कुमार शाह भिवासी-51, वल्लभ नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष पाम्बेनाथ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर एस-313-14, परधीकरण भवन इंदौर (श्री सुरेन्द्र सांधी, अध्यक्ष)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्पाद्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे

### जन्स्ची

प्लाष्ट नं० 7, अहिल्या माता कालोनी, न्यू देवास रोड, इंदौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राघिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष), अर्जन रेंज, भीवाल

दिनांक: 29-4-1985

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस. नन्त्रन-----

# नायकर सभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विभांक 29 अप्रैल 1985

भिर्देश सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/अर्जम/भोपाल 5742—अत: मुझे, वीरेन्त्र कुमार बरमवाल,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गए। ह"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 58 पर बना हुआ ग्लारेज व प्लीय तक निर्माण कार्य है तथा जो विद्या नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (मार इससे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को भूगों जत सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृद्ध हैं और मुक्ते यह विद्याब करने का कारण हैं कि यथापूर्वों के संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे उपयान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वाया गया प्रतिक्ष कम्, निम्निजित उद्वादेश से उच्छ क्ष्यूरण विविद्ध में वास्तिवृद्ध क्ष्य से अधिक वहीं किया यथा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वधीनत्व में कमी अपने या उसके अध्यन ये बृधिधा के किय; नौर/वा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या नत्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्त-कर अधिनियम, या क्त-कर अधिनियम, विश्व क्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वदा था या किया बाना चाहिए वा, कियाने में मृतिथा के लिए;

वर्तः वयः, उपल वर्षिनियमं की भारा 269-व के अनुसर्व वी., मी., उक्त अभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) की वभीनः निम्मलिवित स्विक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भ क्षातार भिता का चहा जी विक्रासी भारतीय 104, बैराठी कालोनी नंर 2, इंदीर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनाथ 2. त्रिलो क्ताध पिता देवराज जी चोपडा निवासी-45, अग्रवाल नगर, इंदीर । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके वृत्तिकत संगीतन थे। अञ्चाहे लिए कार्यवाहियां करता हाए।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शार्रिय में 4.5 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिओं पद स्थान की मामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकेंगे।

यक्कीकरण:----इजर्जे प्रयुक्त सन्तों और पत्तों का, जो उक्त वीभीनयम के अभ्याय 20-क में पौरभाविक हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया ववा है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 58 पर बना ग्यारेज व पलीय तक निर्माण कार्य, विद्यानगर कालोनी, इंदीर में स्थित है। यह वह स्थादर सम्निति है जित्तका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमाण बरनवाल, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्ष), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

प्ररूप गाई.टी.एन.एस.-----

बाग्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपास

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5743—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकर अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-कं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकों ० मकान, प्लाट नं० 122 है तथा जो आनंद नगर, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्री मर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्री मरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिश जब्बोध्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्त्रविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर कि भिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री विजय पिता श्री लक्ष्मणराघ वेशपंदि निवासी-35, व्यासफल, जूनी, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री रामञन्त्र शर्मा पिता श्री लक्ष्मणजी शर्मा निवासी-44, बहादुरगंज, उज्जैम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किए किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकेंगे।

स्पृष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त वाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

मकाम, प्लाट नं० 122 पर आनंद मगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मोपास

विमोक: 29-4-1985

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपास

भोषातः, दिनांपः 29 धप्रैल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/85/44—मतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं म जात स्यु नं 55 है तथा जो सुभाष मार्ग धार्ड नं 15, धार में स्थित है और इतसे उपाबद प्रमुक्तों में और पूर्ण रूप से विणत है। रिजस्ट्रींकर्ता प्रधि-कारी के अर्थात्वा, धार में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 अ 16) के अधीत, दिनां नवम्बर 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति स उचित गाजार मूल्य से कम की रश्यमाण प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

मुक्त यह । वर्षास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ■—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया धाना वाहिए था, स्थिपान में सुनिधा के किया

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दत्तालय पिता वितार राष माडे निवासी--55, सुभाष मार्ग, इंदौर ।

**(भन्तर** ह)

(2) श्री विलाश पिता प्रभा कर राव मुंगेर, इंदौर नया मुकाम रतलाम म० नं० 55, वार्ड नं० 15, सुभाष मार्ग, धार।

(भ्रन्तिश्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाही करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अव्य किसें अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के गास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीक रणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंदिनक के अध्याय 20-क में परिमाणिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में दिया प्या है।

## बन्स्ची

म हान नं ० 55, वार्ड नं ० 15, मुशाष मार्ग, घार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस हा सम्पूर्ण वरणं भन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म मम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेख कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिणारी, सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, भोपास

विनोक: 29-4-1985

प्ररूप बार्च, टी. एन्, एस्,-----

# नायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) नहीं भारा 269-व (1) के नुधीन सूजना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 29 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० भाई० ए० मी०/मर्जन/भीपाल/5745---भतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार अरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिस्तका जीवत बाजार मृस्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

और जितकी सं० प्लाट, देवी श्रहित्या लालोनीं, इंदौर है, तथा जो इंदौर में स्थित है और इत्तसे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजस्ट्री की अधि गरी के नायलिय इंदौर में रिजस्ट्री ता श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनां नवम्बर 1984

का पूर्वोक्स संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई हैं और प्रक्रे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का पन्तक प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के 'लए तय पन्ना क्या प्रतिकास, निम्नतिचित जब्देक्स से उनत अन्तरण अधिक में वास्तिक कप से कियत नहीं किया क्या है :—

- [क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की बाक्त स्थल अधिनियम के अधीन कुर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करणे या उससे क्यने में सुनिधा के लिए; सार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

बतः कप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, धक्त अधिनियम की धारा 269भी की उपधारा (१) के अधीन, निम्नुलिखत स्पनित्यों, अधीतः—— (1) श्री प्रवीण चन्द्र पिता देवजी कटिया निवासीं--8 बल्लभ गगर वालोनी, इंदोर ।

(मन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पिता श्री चन्दनमलजी इण्डी निषासी~5/3, मल्हारगंज, इंदोर। (ग्रन्तिर्ती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स संपत्ति के कर्जन के सिद् कार्यगाहियां करता हुं।

## दक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिव से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 किन के भीतर उन्तर स्थावर संगतित में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिक्ति में किए का सकींगे।

स्थळतिकरणः --- इस में प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का, जो उक्त कायकर विभिन्नयन के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा ववा है।

### अनुसूची

प्लाट, देवीं धहिल्या कालोनीं, (गौगाला), इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंधर 37 जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज, भोपाल

दिनो : 29--4--1985

## प्रक्ष बार् . दी . एन . एव . -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीत सुचना

### नार्व चर्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांः 29 अप्रेल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोगाउ/5746----श्रतः मक्ष, श्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि.की संव माना लाहील पट्टी है तथा जो मनावर जिला धार में नियत है (और इ.से उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिक्स्ट्री सी अधिवारी के नायलिय, मनावर में रिक्स्ट्रि एण अधिविसम 1908 (1908 इस 16) के अधीर, दिशांत नघम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गर्द और मुफ्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति कम उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और बन्धरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब भागा गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (थ) जन्तरण तं हुई फिटी नाव की वावस, उनस जीवियम के जवीन कर देने के जन्तरक थे खिल्ल में कमी करने या दक्त क्याने में सुविका के लिए; जीर/वा
- (क) एली किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बत्त: बध, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के नन्यरण बें, में उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र— (1) श्री मागीराव पिता सरदार मन जी मनावर मेह० जिला धार ।

(प्रत्तरक)

(2) श्री गोवाल ग्रष्ण विता बोंदरजी निवासी-मनावर तह० जिला धार।

(धन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवींबत सम्पत्ति के अर्थन के अर्थ कार्ववाहियां करता हूं।

## उक्त प्रकारित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, को नी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में संकिती व्यक्ति ब्वायः;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच नं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए का सकतेंगे।

स्वकाकरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को खब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति, मनावर जिला धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रव्तिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार धरनघात, कक्षम प्राधि गरी, कहाय अध्यक्षम आयुषत (िरीक्षण), , श्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनोंक: 29-4-1985

मोहर 🗈

# प्रकर बाद . टी : एवं . एस . ---------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संभीन समान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

यर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनोक 29 प्रप्रैल 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/5747—मातः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

हामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो नीमच में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्रीकर्त्ता प्रिवि गरी के नार्यालय, नीमच में रिजर्ट्रीक्ष्य प्रिविच 1908 (1908 ा 16) के प्रवीन, दिनां : नवम्बर 1984।

ां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीसिचत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरफ ते हुइ किबो बाय की बावत, अश्रष्ट जिमित्तव के बचीन कर दोने के बन्तरफ के बादित्य में अभी कडुने ना उत्तरे बन्ते में सुविधा के मिए; बाँड/बा
- (वा) प्रेती किसी बाब मा किसी भन वा अन्तः नास्तिवीं को, जिन्हें भारतीयं आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रदाय-सभ के गर्मा के गर्मा के गर्मा का भारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना पाहिए था, जिन्माने में सृष्या के लिए;

भक्तः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्रण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) 1. रघुनंदनजी पिता नथमलजी वर्मा
  - श्रीमती सी० गुलाब देवी पत्नी श्री रघुनंदनजी धर्मा निवासी-नीमच केंट।

(श्रन्तर⊹ः)

(2) श्री कुतुबुद्दीन पिता इसाउ श्रनी तैयबप्रनी जी राषटीबाना निवासी-बोहरा बाखन, मान उच्चेंक, रतनाम ।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षरेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, खो भी वविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

### जन्तुची

सम्पत्ति नीमच केंट में स्थित है। यह वह स्थानर सम्पत्ति है जिल्ला संपूर्ण चिवरण अस्तरिती द्वारा स्ट्यापित फार्म नंबर 37 जी में तिहित हैं।

> बीरेन्द्र कुमार बरनधा :, राजन प्राधि ारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनोक 29-4-1985

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5748---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरमवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान, ब्लाक नं० 36, प्लाष्ट नं० 94 है तथा जो खंडवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंडवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक नवस्वर 1984।

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

19-176GI/85

(1) 1. श्री जवाहरलाल पिता खुशीरामजी सोमानी नि० 97, जयरामपुर, इंदौर ।
 2. श्री चुन्नीलाल बतद अर्जुनदासजी निवासी खंडवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बेगामल पिता सुगनामलजी निवाबि सुगन सोप फैंक्टरी, विटठल मंदिर के सामने, खंडवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्थी

मकाम ब्लाक नं० 36, प्लाट नं० 94 पर खंडवा सिटी खंडवा में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमा॰ बन्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

**建**守布: 29-4-1985

मोहर 🥲

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5750—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरमवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की गई हैं और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एमे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मदनत्राल पिता सुण्डेलाल गर्ग निवासी-6, रेस कोर्म रोड (डा० रोणनर्मिह भंडारी मार्ग) डंदौर । (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण पिता लक्ष्मणजी अग्रवाल निवासी-78, सियागंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रांक्ति सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचन को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अगिधि या तत्यकात्मी व्यक्तियों पर स्वाग की नागील में २० दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों सम्मान्य होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपक मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीवर जनत स्थावर सम्पत्ति मो हितसद्ध किसी अन्य व्यविक कराया अधिहस्साक्षरी की पास निस्तित मों किए जा सकीयो।

स्पष्टीकरणः -- इस्में प्रसन्त नन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनित्र , के स्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धन्सूची

मकान नंबर 6 का एक भाग, ए मंजिला, रेक्ष कोर्स रोड, इंदौर में स्थित है।

> त्रीरेन्द कुमार बानवाल. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आप्वत (निरक्षिण) अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आय्*क्*त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5751—अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं प्रनैट नं 131 है तथा जो कैलाण पार्क कालोनी (मनोश्मागंज), इंदार में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदार में रिजस्ट्रीकरणरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्झ यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविधिक एद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिथानं में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री माधव प्रसाद पिता श्री नगजीरामजी निवासी-191, तिलक नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री रतनलाल पिता रामनाथ राठी
  - 2. हेमलता पति बृजमोहनदास राठी
  - अनिता पति मत्यनारायण राठी
     निवासी-7 सी, कैलाभ पार्क कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 131, कैलाश पार्क कालोनी, (मनोरमागंज) इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्रभ्कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

माहर 🖫

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत संरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5752—अतः मुझ, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00 000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 23/113 है तथा जो शंकर नगर, रायपुर में स्थित है) भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नथम्बर 1984।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरियधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियमः की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती भागवी देवी सतपयी जौजे लक्ष्मण सरुपयी निवासी-कटोरा तालाब, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जीवनलाल सिंधसिया वस्त्र पीरूलाल निवासी-राजा तालाब, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ख० नं० 23/113, शंकर नगर, रायपुर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

दिनांक: 29-4-1985

मोहर 🦪

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, भोपाल

भोपाल, विमांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5753—अतः मुझे, वीरेन्त्र कुमार बरनवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचटा बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं मकाभ नं 306 डी है तथा जो शेलेन्द्र मगर, रायपुर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में; रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिमांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्चित बाज़ार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अक्षर कुमार सिंह मिनास पिता नत्था सिंह मिनास निवासी-पंकरी तराई, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री टीकमदास थौरानी पिता भारोमल निवासी-306, डी, शेलेन्द्र नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को ग्रहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

मकाम नं ० 306 डी, शेलेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, भोगाल

दिनांक: 29-4-1985

मोहर 🖁

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5754—अतः मुझ, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं मकान नंबर 15/569 है तथा जो जवाहर नगर वार्ड, रायपुर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबत अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित, की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एमे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया भया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) फर्म गारदा टाकीज इंडियन पार्टनरशीप एक्ट के अन्तर्गत रिजस्टर्ड मैनेजिंग भागीदार 1. लिलत कुमार व श्यामाचरण तिवारी व उषादेवी पत्नी लिलत कुमार व लवकेश कुमार आ लिलत कुमार तिवारी निवासी—राजा तालाब, रायपुर ।

(अन्सरक)

(2) फर्म एरिस्टो इलेक्ट्रिकल्स इंडियन पार्टमरिशप एक्ट के अन्तर्गत रिजस्टर्ड मेनेजिंग पार्टमर मोती लाल व मौजामल निवासी—जवाहर नगर, वार्ड, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूणी

एक किता दो मंजिला मकाम नम्बर 15/569, जवाहर नगर वार्ड रायपूर में स्थित है।

> गीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिभांक: 29-4-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्/.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिमांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5756—अतः मुझें, वीरेन्द्र कुमार वरमवाल,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उन्हा अधिनियम) कहा गया है), की धारा 260 के कि अधिन सहाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रहे से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज्ञाह नंज 283 है तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण न्य में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्बर 1989।

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया स्था है:--

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविश्धा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उदा, उदात अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मै, उदात अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, जिम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री प्रताप मिंह राव पिता श्रीपनराव माबले निवासी-44 बी, राजेन्द्रनगर इंदौर तरफेग आम मु० श्री णांताराम पिता श्रीपतराव माबले नि० डी-2 एम० श्रो० सी० लाईन्स, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री णांतिलाल पिता सेवारामजी जैन निवासी-129, णास्त्री मार्केट, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयात दब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, को अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 283. साकेत मगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल, गञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर शास्वत (निरोक्षण) अजैन रेंज, भोपाल

**दि**मांः: 29--4-1985

प्ररूप आद्दे. टी. एन. एस्∤.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विमांक 29 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जम/भोपाल/5757—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरमवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं 240 है, तथा जो साके नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1984।

को पूर्वीवत सम्मित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा **ड**िलिए; और∕या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती ण्यामारानी पति श्री अर्जुनदेव चोपडा निवासी-19/2, मनोरमागंज, इंदौर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री लक्ष्मणदास पिता श्री रिझुमलजी बिनयानी
  - 2. मूखचन्द पिता लक्ष्मण दास
  - 3. श्री मोहनलाल पिता श्री लक्ष्मण दास
  - 4. श्री विनोद कुमार पिता लक्ष्मणदास निवासी-14, एम० आई० जी० कालोनी, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिरों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त उच्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ्रिभाषित हौं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 240, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायध आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस्। -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/5758—अतः मुझे, त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव मकान है, तथा जो इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1984,

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया स्था है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
20—176GI/85

(1) श्री हीरालाल पिता श्री ींडूरंग निवासी--545/7, नेहरू नगर, डंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामजी पिता श्री जगन्नाथ गंकर कुमार का वगीका इदीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योदन सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हु।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिए के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियगः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर नम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती होरा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बर्भवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जात रेंज, मोनास

दिनांक: 13-5-1985

प्ररूप आइं, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहारक आण्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिवांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5759—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रूपात्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० एन-32 है, तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकनौं अधिकारी के भायोलय, इंदौर में रिजस्ट्रीक ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नशम्बर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के रिचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल हो लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया भया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती राज बैजामित पति श्री बैजामिल खान निवासी-ऋश्चियन कालेज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश 2. भगवानदास पिता श्री झम्मकलालजी मन्त्रुवानी निवासी-34. मंगलम, श्रोल्ड पलासिया, इंदौरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त के सेट
  - (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थादर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं ० एन-32, साकेत नगर, इदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनताल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 29-4-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनां रु 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5769—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुभार वश्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस्ती संबंध्याट नंव 715 पर बना मकान का नंबर (ती सी मंजिय) एफैट नंव 9 है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नंव 44, इंदौर में स्थिप है (श्रीर इससे उसबढ़ अपुसूबी में श्रीर पूर्ण का ने विणा है) रिजस्ट्रीकर्ता स्थिप है जिस्ट्रीकर्ता स्थिप है जिस्ट्रीकर्ता स्थिप है जिस्ट्रीकर्ता स्थिप है जिस्ट्रीकर्या अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) क अधीन, दिनांक नवम्बर 1984.

को पूर्वाचित सम्बन्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह ऽतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देवच से उक्त अन्तरण लिखिहा में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय. की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) भे उनं रानी जन्म्द्रकशन कंपनी इंदौर तरफे पाटंनर गोपाल पिता राम शरण बंसल निवासी-9 बी, आदर्ण भगर, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री उपेन्द्र कुमार शाह पिता नटबरलाल शाह निवासी-16, नगर निगम रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतम उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में निग् जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इस्मा प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 615 पर बना मकान (ती ारी मंजिल का भाग), फ्लैट नं० 9, इंबीर विकास प्राधिकरण स्कीम कमांक 44, इंदीर में स्थित है।

> जीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-5-1985

# प्रकप आहें.टी.एन.एस. ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5774—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरसदाल,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कीं धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 309 पर बना हुआ मकान म्यु० नं० 149 का भाग है तथा जो काष्टज् नगर, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लायिलय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नथम्बर 1984,

को पूर्वावस सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दरममान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्ति रित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिश्वित उष्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित् में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय थ। किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, म<sup>ь</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलि**श्वित व्यक्तियों, वर्धात्**:--- (1) श्री महेन्द्र सिंह आत्त्मण श्री भवरपाल सिंहजी भाटी निवासी-149, काटजू नगर, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री समीरमल पिता मांगीलालजी ग्राँरा महाजन निवासी-मोहल्ला 3, रामगढ़, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उसे अध्याय में दिया गया है।

## **HARLEY**

प्लाट नंबर 3 का मकान म्यु० पा० नंबर 149 का भाग काटजूनगर, रतलाम में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 29-4-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1985

निवेश सं० श्रार० 1503/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

क्रोर जिसकी सं क्यूनिसिपल सं के 57-57/1-85--श्रपार्टमेंट सं क्ए-1है, तथा जो श्रोसबरन रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबड श्रनुमूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-11-84,

को पूर्वोक्त सम्भित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्राप्तिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक कर ए किथ नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्मरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) दि ग्रासमेर हाउसिंग को०-श्राप० सोसायटी लिमिटेड, सं० 57/58, ग्रोसबरंन रोड, बेंगलूर-42। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शशिकला एन० रामनाथ,सं० 57/58, ग्रोसबरन, रोड,बेंगलूर-42 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति को में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क मीं परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विया गया है।

# श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1324/84, दिनांक 6-11-84) सम्पत्ति है, जिसका म्युनिसिपल सं० 57-57/1-58 (श्रपार्टमेंट सं० ए-1), जो स्रोसबरन रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 18-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 45360/84-85—यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 233/ए/19 है, तथा जो 39कास, II ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 21-11-84,

को पर्योक्त सम्भित्त के उिचत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृनीवत सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आरं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 (1) श्री सी० कृष्णणा, सं० 233/ए, 39 कास, II ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर-10

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० जे० पध्मा, सं० 584, III ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर-10

(अन्तरिती)

को यह स्टना जारी करके पूर्वोदन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कप्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूपना के ाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिसाषित हीं, वहीं अर्थ हाला जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

(वस्तावेज सं० 3515/84, दिनांक 21-11-84) सम्पत्ति है, जिस ही सं०  $233/\sqrt[3]{19}$ , को 39 कास रोड, 11 ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर, में स्थित है।

म्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

विनांक : 10-6-85

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहासक अस्कर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 45158/84-85—यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियमः' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमः प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 6/ए और 7 है, तथा जो मरस्वतीपुरम, VII कास यामराजा मोहरूला, मैसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब इ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-11-1984, को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) 1. श्री श्रार० एम० श्री ण्ला, 2. श्रार० वी० प्रतीला, श्रीर 3. प्रमोदा, मं० 6/ए प्रार 7, सरस्वातिपुरम, के० टी० जी० मट रोड, सि० एव० मोहल्ला, मैसूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री द्यार० एस० कुमार और (2) श्रार० एस० शिवा शंकर, सं० 4, के० लिगय्या कालोनी, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यह पूचका जारी करके पूर्वोक्क सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाःह्यां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में ' कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनयगः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

## ग्रन्सूची

(दस्तावेज सं० 4104/84, दिनांक 2-11-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 6/ए ग्रौर 7, जो सरस्वातिपुरम, 7 क्रास, धामराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 6-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- इ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 10 जून 1985

निदेश सं० 45078/84-85—यतः मुझे, श्रार० भारत्राज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिस्न अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 214 है, तथा जो ब्लाक—I, कोरामंगला एक्स-टेंशन, बेंग्लूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर दक्षिण तालुक, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30—11—84,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में वास्नविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दांने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री राखेश बाजपै , सं० 651, कोरामंगला, ब्लाक–।।।, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनसेंट जेम्स डिमौजा,
 2. श्रीमती ब्लासम फ्लेंवि डिमौजा,
 मं० 13, लेविस रोड, क्रूक टीन,
 बेंगलुर-84 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी वरके प्वेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुस्ची

(दस्तावेज सं० 5427/ दिनांक 30-11-84) खाती जगह है जिसकी सं० 214, जो ब्लाक-।, कोरामंगला एक्सटेंशन, बेंगलुर, में स्थित हैं।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 10-6-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० 45645/84-85-प्यतः मुझे, आर० भारहाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्या 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1 है, तथा जो , आहुगोडि, बेंगलूर में स्थित है, (श्रीर इसले उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकरण आंधानयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 8-11-84,

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21 --- 176GI/85

(1) श्री एम० जी० (सद्धाध्या , सं० 7८, कृमारास्वामी लेग्नौट, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीठ ए० पध्मा,
 सं० 6, II फ्लोर,
 II श्रास, लालभाग, रोड,
 बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुबना के राजपक्ष मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

(दस्तावेज सं० 3174/84, दिनांक 8-11-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 1, जो आहुगोडि, बेंगलूर, में स्थित है ।

> न्नार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 14-6-85

प्रस्प आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जून 1985

निवेश सं० 44762/84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 112 है, तथा जो बिन्तामंगला लेग्रीट बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इसले उपाबद अनुपूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/84,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपिन का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्रीमती मेनेजस सिसिलिया,सं० 145, V क्रास, केमिब्रडज लेग्रीट,अलसूर, बेंगलूर—8

(अन्तरक)

(2) श्री विकटर मेनेजस, सं० 145, V कास, केमक्रिडज लेझीट, अलमूर, बेंगलर--१ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विश्व गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2234/84, दिनांक 11/84) सम्पत्ति हैं, जिसकी सं० 112, जो बिन्नामंगला लेग्नीट, बेंगलूर, में स्थित हैं ।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

'दनांक : 17-6-85

मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० 45925/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चान् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

स्रीर जिसकी सं० 1799 है, तथा जो बि० एस० के० II स्टज, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध जनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन, दिनक 17-1-85,

1,00,000/- रत. से अधिक है

को पूर्योक्त संपत्ति को उचित बाजार मृन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतिरिक्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्षा से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हं भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री टी० कृष्णटपा, सं० 28-बी, XIV मैन, श्रीस, हनुमंतानगर, बेंगलूर—50 र

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सैंदा हालिमुन्नीसा, सं० 23, खाजि स्ट्रीट, बसवनगुडि, बेंगलूर-4 ।

(अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्साक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 4101/84 दिनांक 17-1-85) सम्पात है, जिसकी सं० 1799, जो बी० एस० के० 11 स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है।

> **और० भारद्वाज** स**क्षम** प्राधिकारी, महायक आयक्र आयु**क्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगजूर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

**डिनांक** : 20-5-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कायालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई 1985

निवेश सं० 46108/84~85—यतः मुझे, आर० भारहाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 448 है, तथा जो एच० ए० एल० स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्जित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-1-85,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती लिलता,सं० 421/3, इन्दिरानगर,I स्टैज, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती जी० विकायम्मा और
 2. श्री एस० एन० जी० कृष्णराव,
 सं० 101, श्रामिकरण,
 सं० 39, के० श्रार० रोड, बेंगलूर-4
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3283/84, दिनांक 30~1~85) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 448, जो एच० ए० एल०-III स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारदाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22-5-1985

प्ररूप आर्द्घः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० 46077/84-85--यतः सुझे, स्नार० भारहाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परभात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 11 है, तथा जो केंपापुरा अग्रहारा होसहिल, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाब ग्रनुसूची में और पूर्ण- हप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-1-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफार के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का ग है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफाल से, एम दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती लिलिसमा, सं० 343, V ग्लाक, जयानगर, सौत, धेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० पी० सुहारा, सं० 329/9, 17 मैन रोष्ठ, विजयानगर, वेस्ट, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ':--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्स्तावेज सं० 3514/84, दिनांक 18-1-85) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 11, जो केंपापुरा धग्रहारा, होसल्लि, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्राज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भाषृक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगल्*र*

दिनांक: 13-5-85

प्रकप् बार्च . टी. एव. एक. -----

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के वजीन क्षता

## बारत बहुन्तर

# कार्यासय, सहायक नायकर मानुक्त (निहासक)

म्रर्जन रेंज-, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेश सं० 46076/84-85—यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वरवात् 'उन्स्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार अध्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 9 भौर 10 है, तथा जो II मैन रोड, तिम्मान-हिल्ल, बेंगलूर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण भिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-1-85,

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य से कन के कावमान अतिफल को सिए अन्वरित की गई है और मूओ नह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके कायमान प्रतिफल तो, एसे कायमान वितफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए बय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देवस से अवस अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या खन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वृधिनियम, वर वन-कर विभिनियम, वर वन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाना वाहिए वा कियाने वे सुविधा के विष् ।

(1) श्रीमती एन० कमलम्मा, सं० 19, पेट्टिग्रोव स्ट्रीट, सेप्पिगंस रोड, बेंगलूर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमी के० विजयालक्ष्मी, सं० 58, "हेलन सेंटर", श्रग्रहारा, दासरहस्लि, मागिंड रोड, बेंगलूर-22 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक्र संपत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क्रे राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय वे 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत नुका के राजपत्र में प्रक्रावन की ताड़ीक हैं 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित-वबुध किसी जन्य स्थित द्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकत्ये।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनयम, के ज्ञाया 20-क में पीरभाषित इं, कही वर्ष होगा जो उस अध्याभू में विमा नया है।

#### 4444

(दस्तावेज सं० 3312/84, दिनांक 16-1-85) सम्पत्ति है, जिसकी स० 9 मं $\sqrt{10}$ , जं मैन रोड, तिम्मानहिल्ल, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर\_\_

बतः अव, एक्त वीधीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण कें, भ<sup>1</sup>, उक्त अधिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) फ्रैं बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात्:—

दिनांक :13-5-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस.-----

भग्यकर निर्धातियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के लंबीन स्थात

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक बारकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मई 1985

निदेश सं० 46151/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारक्षाज, शायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें स्तके परवात् 'उनत श्रीविनवन' कहा पना ही, की पारा 269-व के अभीन सक्तन श्रीधकारी की यह विस्तास भारने का सारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, विवका उचित नावार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं 18 स्रोर 19 है, तथा जो वि० वि० पुरम, वेस्ट, सरकल रोड, बेंगलूर में स्थित है (स्रोर इमसे उपावड़ सन्सूची में क्रांर पूर्ण रूप से व्यक्त है), रिंग्ड्रे वरण हि दिस, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 31-1-85, क्षां पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कर के स्वस्माम प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है मोर बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापृवेंक्ति सम्पत्ति का बीचत नानार मृत्य, उसके स्वस्मान प्रतिकास की, एसे स्वस्मान प्रतिकास का प्रकार की स्वस्मान प्रतिकास का प्रकार स्वस्मान प्रतिकास का प्रतिकास की स्वस्मान प्रतिकास की प्रकार प्रतिकास की स्वस्मान प्रतिकास की प्रतिकास से स्वस्थित हो सीर संसरक (जीतरकों) बार बंतरियों

(बन्तरिंगितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गान

प्रतिकथ, निम्निमिक्त उन्देशों से उन्त बन्दरन जिन्ति में

नास्तिक रूप से ऋषित नहीं फिला क्या ही है---

चीर/या

- (क) बन्दारण से हुई किसी बाय की नावड सकत अधि-नियम की ज्यीप कार दोंगे के बन्दारक को दायित्य में कसी कारों सा उससे अधने में सविष्य से जिल्हा
- (थ) एंसी किसी बाप वा किसी धन वा बन्न वास्तियों की, चिन्हें धारतीय बाब-कर बॉधनियम, 1922 (1972 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धन-कर बॉधनियम, वा धन-कर बॉधनियम, वा धन-कर बॉधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्ञा था वा किया चाना चाहिए था, छिवाने में संविधा की विद्यु;

(1) 1. श्री गारला विश्वनाथ गुप्ता,
2. जि० सदानन्दा गुप्ता,
सं० 16, वेस्ट सरकल रोड, वि० वि० पुरम,
बेंगलूर--4 ।
(अन्तरक)

THE REST CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PRO

(2) श्री के० नाशराजा,
 सं० 18, वेस्ट सरकल रोड,
 वि० वि० पुरम, बेंगलूर—4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तथस सम्पत्ति से अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बासने अ---

- (क) इस सूचना में राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिय ना तत्त्वंची व्यक्तियों पर सूचना की धानीन से 30 दिन की नविथ, जो भी समीत बाद में सनास्त होती हो, जो नीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में ते किसी स्वक्ति स्वारा;
- (व) इव ब्रुवन के रावपत्र में प्रकावन की तारीव के 45 दिन के शीतर उक्त स्वावर सम्मति में द्विक-क्यूब किसी मन्द स्वमित द्वारा ममोहस्ताकारी के गांत निवित्त में किए या सक्विं।

स्पानीक दण:--- इसमें प्रमुक्त सम्बा मीर पर्वो का, को उक्त धीमनियम, को बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होता, को उस मध्याय में दिवा स्वा ही।

## अनुसुची

(बस्तावेज सं० 4421/84, दिनांक 31-1-85) मम्पत्ति है, जिसका सं० 18 श्रीर 19, जो वि० वि० पुरम, वेम्ट सरकल रोड, बेंगल्र में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, बंगलुर

वार बद, शक्त कीपीयम की भारा 269-न के बम्सरम ही, भी, उक्त बीधीनयम की भारा 269-म की उपधारा (।) ले तथीम, पनम्मीलियित व्यक्तिकों, बम्बीद क्र---

दिनांक: 25-5-85

भाष्ठर :

# प्रका नाही, ही, एक एक , व्याप्त व्याप्त

# सायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्थना

#### भारत प्रस्कार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० 45930/84-85-यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पाछ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 298 है, तथा जो मैंको लेग्नीट, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 24-1-85,

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के उपण्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपन्ति का उचित याजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल क्या से किया गर्दी किया गया है है---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की वाबय, जन्छ विधितक्य के वंधीन कुद दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वंधने में सुविधा स्त्रे चिद्द; स्रोट्/का
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को किसी भारतीय नायकर निर्धितयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निर्धितयम, वा भयकर निर्धितयम, वा भयकर निर्धितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की सिद्ध।

शत: शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, की, खबत विधिनियम की धारा 269-ग की स्पधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, अधीत् ः—— (1) श्री हरिचन्द, सन/श्राफ लेफ्टिनेंट करनल संसारचन्द, विलेज श्रौर पोस्ट काकोन, जिला--होशियारपुर, पंजाब ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें० बी० रामनाथ ,
सं० 896, X कास,
जे० पी० नगर -।। फेंस, बेंगलूर-78।
(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति की कर्जन की संबंध में कोई भी काओप :----

- (क) इस सूचमा की हाक्यूम में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अविधि या तरसंतिथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर मंपिता में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरी।

स्पद्धतिकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दौं और पदों का, जो उक्क जिथितियम, के अध्याय 20-क में परि--भाषित हाँ, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याध में वियागया है।

## मन्सूची

(दस्तावेज सं० 4226/84, विनांक 24-1-85) सम्पत्ति है, जिसका सं० 298, जो मैंको लेग्रीट, बेंगलूर में स्थित है)

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (नि रीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20-5-85

# प्रका बाहा, टी. एन. एस. ------

# भायकर् मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगल्य

बंगलुर, दिनांक 14 जून 1985

निदेश सं० 46011/84-85--यतः म्झे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० ग्रपार्टमेंट मं० 302 है, तथा जो 11 फ्लोर, दीप महल बिल्डिंग, बोलूर विलेज डेरेबैल वार्ड, मंगलूर सिटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रन सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक 1/85,

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेथ से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया न्या है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरफ के वायित्व में कभी करने वा उत्तसे अचने में सुविधा अर्थे सिए; बीर्∕वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्य-कर अधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहित था, छिपान माँ सौबधा केलिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसर्ण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कभीन विक्रमितिक व्यक्तियों, वर्षात :----

(1) श्री फेड्रिक पिंन्टों, मलबंदोर विल्ला चिलिम्बि, अखा, मंगलूर ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री ब्लाजे लिश्नाल, पिन्टो, "ग्रेस मरिया", 2. श्रीमती इ० जि० पिण्टो, किन्निगोलि, मंगलूर तालुक, द० क०। (भ्रन्तरिती)

की बहु बुचना बारी करके पुर्वोक्त सपत्ति के अर्वत्र के किस कार्यपाहियां करता हु।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया वश सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकों गे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त **मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय** 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1572/84, दिनांक 1/85) । सम्पत्ति है, जिसकी सं० 302, जो [1 फ्लोर, दीप महल बिल्डिंग, बोलुर विलेज, डेरेबेल वार्ड, मगलुर सिटी में स्थित है।

> आर० भारताज. गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-४, बंगलूर

तारीख: 14-6-1985

भोहर (

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन त्वना

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० 45960/84-85—यतः मुझे, प्रारं भारद्वाज, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी हं 0 2 है, तथा जो इलाक-ए, दोमलूर-II स्टेज एक्सर्टेंगन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 17-1-85,

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रमनान प्रतिफाश के निए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार स्म्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्तद् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफाल, निम्हिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुकीलम्मा 2. एस० जयाराम 3. एस० कुष्ण 4. एस० मुनिराज, स० 2, ग्रन्बेय्या, गाडून, टूयनाह्हल, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) टेरेंन्से श्रात्वा, प्रतिनिदि श्रीमती, नं० 73, सेंट मार्कस रोड, बेंगलूर। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्ति को अर्जन की संबंध को कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रूपा हैं।

## **धनुसूची**

(दस्तावेज सं० 3098/84, दिनांक 17-1-85)सम्पति हैं सं०, जिसका स० 2, जो, ब्लाक-ए, दोमलूर-॥ स्टेज, एक्सटेंशन, बेंगलर, में स्थित है।

> र० भारदाज, सझम प्राप्तिकारो, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 3-5-85

# प्रकृष् भार्च .टी . एन . एस . ------

अग्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

वेंगलूर, दिनांक 13 मई 1985

निदेग सं० 46143/84—85——वतः मुझे, आर० भारक्षाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं 1611 है, तथा मो बि एस के के-II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्भूची में और पूर्ण- रूप से वर्णित है), रजिस्दीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 8-1-85,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिचित स्थीक्तयों, अर्थात् :— (1) श्री एम० म्नार० वास्देवा राव, नं० 66, III ऋास विवेकनगर, बेंगलूर।

(भन्तरक)

(2) श्री बी० के० सत्यानारायण नं० 85, -XI त्रास, गाइन्निगर, बेंगलूर-21 ।

(ग्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुबारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### सनस की

(दस्तावेज सं० 3998/84, दिन!क 8-1-85) सम्पत्ति है, जिसका सं० 1611, ओ बि॰ एस० के० II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है

> आर० भारहाज, सक्षम प्राहिकारा सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेगलूर

विनांक: 13-5-85

मोहर ॥

# प्रकम बाह्य . टी. एन. एषा. "-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीद सुचना

#### भारत तरकार

कार्यामय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 मई 1985

निदेश सं० 45923/84-85—यत: मुझे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका सं० 11/01 है तथा जो 40 कास, -VII ब्लाक जयानगर, बेंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-1-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क निम्निसित सब्देश्य से उन्तर अंतरण लिखित में वास्तिक कम स किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीन्वम के बधीन कर दोने के बंतरक के दासित्व में कभी कर्ड़वें या उससे बचने में सुनिधा क लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जियाने में सृविधा के तिए;

(1) श्री के० श्रीवर,
 ए1-4, सेंट्रल एवेन्यू कटिन्युएशन,
 ए० टी० ए० कालोनी, बेंगलूर-16 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० विजया राधवन और
2. श्रीमती वि० शांता नं० 3/2,
दिवान, माधवा राव रोड, बसवनगुडि,
बेंगलूर---4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्द, सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति को से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिए को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कर्ना जीए पर्यों का, को उन्ह जीपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वही जर्ज जोगा को उस अध्याय में दिवा वजा है।

#### वप्तुक्त

(दस्ताबेज सं० 4081/84, दिनांक 17-1-85) सम्पत्ति है जिसका स० 11/01, जो 40 क्रास, -VII ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-II में स्थित है।

> आर० भारब्राज, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बतः बन. उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुबरक बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ज़बधारा (1) को बधीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, अधीत:----

विनांक : 16-5-85

# व्यक्त बार्ड . टी . एन . एवं . ------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत परकान

कार्यातय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 मई 1985

निदेश सं० म्रार०-1529/8 -85-यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का आगरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अभित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी म० 1070 है, तथा जो 35 डी फ्राम VI— टी ब्लाक जयनगर, बेंगलूर—41 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनोक 6—11—84, बेंगलूर,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, अमक दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ह अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विया के सिए;

अतः अव, उर त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) अड अधीन किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री श्रार० सत्यनारायणा
सन/श्राफ एम० रामस्थाम्प्पा
नं० 7, 36 कास X₁—क्लाक,
जयनगर बेंगलूर—41 ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती नागरत्नम्मा,
पत्नि टी० वी० श्रीनिवासय्या
2. श्रीमती उमा नागराज पत्नि श्राफ एस० नागराज
1070, 35डी कास, IV—टी ब्लाक,
जयनगर, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति की वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# बक्त सम्मरित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बालांच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाय;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

(दस्तावेज सं०  $1326/\sqrt{0.84} - 85$  दिनांक 6-11-1984)

सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 1070 जो 35 डी कास, IV-टी० ब्लाक जयनगर, बेंगलूर-41 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

विनांक : 18-5-85

मोहर 🦿

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण)

प्रार्जन रेंज, बेंगलूर
बेंगलूर, दिनांक 24 जून 1985

निदेश सं० 45790/84-85---यतः मुझे, श्रार० भारताज, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं और जिसकी सं० 986 है, तथा जो ''शांति महल'' मद्राप-बेंगलर

ग्रीर जिसकी सं ० 986 है, तथा जो ''शांति महल'' मद्राप-बेंगलूर रोड, कोलार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित्त है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 11/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने निष्;

बतः जबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

(1) 1. श्रब्युल गफार, 2. मोहम्मद इक्राहिम, 3. मोहम्मद सादिक 4. मनजूर श्रहमद (मैनर), मां फजलुन्नीमा, यामराजपेट, चिक्काबल्लापुर, कोलार डिस्ट्रिक्ट ।

(ग्रन्सरक)

(2) 1. श्रीमिति सिकना बेगम 2. मुबीदना खान,
3. लियाकतन्नालि खान, (4) नसीमा बेगम, मैनर
जि० रहाम-तुल्ला, एस० श्रार० गफार (पिता),
एस० ए० श्रब्दुल सफूर गैंक, केर/आफ
सा खान, बिसमिन्ल्ला, सिल्क ग्रैनेज,
श्रम्मावरपेट, कोलार ।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधितिवस, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

## **प्रमुख्**री

(दस्तावेज सं० 3013/84, दिनांक 11/84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 986, जो "शाति महल" मद्रास-बेंगलूर रोड, कोलार, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 24-6-85

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 जून 1985

निर्देश सं० 45157/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 3 है, तथा जो गोकुलम III स्टेज वि० वि० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (16 का 1908) के श्रिधीन, दिनांक 21-11-84,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुए किसी अय की बावर, उक्स अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या तसमें वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किली बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिला भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रेष्टितिय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, स्थिपने में मुविभा के लिए;

भतः अथ, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म के बनुस्ररण को, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) को बभीन निकासि विक मनियमों, समिति हुन्स (1) श्री बी० एम० प्राभृ स्वामी, सं० 3, माडेल हाउस, गोकुलम III स्टेज, वि० वि० मोहल्ला, मैसूर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री के० प्रभाकरा शेनाय, मंजुश्री काम्पौण्ड, मंगलूर— 1

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **ःन्स्ची**

(दस्तावेज मं० 4099/84, दिनांक 21-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 3 जो, गोकुलम III स्टेज, वि० वि० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 19-6-1985

मांहर:

# प्ररूप बार्ड. टी, एन. एत.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जामुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, धिनांक 21 जून 1985

निदेश सं० 45896/84-85—यतः मुझे, आर० भारबाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 6 है, तथा जो II कास, स्वाति मैन रोड, णांतिनगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) होर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तब पाया जबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित या अस्तरिक स्प से कथित नहीं किया व्या है ■

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाव की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को सन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उत्तसे बच्ने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम या धनकर विभिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६——  (1) श्री एस० सी० कोटप्पा सं० 6, III कास, स्वाति मैन रोड, शांनिनगर, बेंगलूर—27।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० बीमप्पा, सं० 6/1, लक्ष्मी रोड, III काम, शांतिनगर, बेंगलूर-27।

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4323/84, दिनांक 12-11-84) सम्मत्ति है, जिसका सं० 6, जो III क्राम, स्वाति मैन रोड, शांतिनगर, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 21**-6-8**5

मोहर 🔋

प्रकप आई . शी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 जून 1985

निदेश सं० 45734/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारवाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 327/39 है, तथा जो 37-बी कास IX ब्लाक

श्रीर जिसकी सं० 327/39 है, तथा जो 37-को कास IX ब्लाक जयानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19-11-84

को पूर्वोक्न सम्पति के उचित गाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गया श्रीत-फस, निम्निशिषत उद्योग से उच्च मन्तरण कि लिए तय पावा में सस्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जी० कृष्णकुमार, सं० 22, 1 मैनरोड, नंजामबा श्रग्रहारा, यामराजपेट, बेंगलूर--18

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ एस॰ संजीव मूर्ति, मसर्स मूर्ति मेडिकल्स, सं॰ 1008, 26-मैन, IV- 'टी', ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर-II (प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

(दस्तावेज सं० 3325/84, दिनांक 19-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० 327/39, (327), जो 37-वी-कास, IX- ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 18-6-1985

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा १६५ प (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-, बेंगलूर

दिनांक 19 जून 1985

नोटिस नं० 45449/84-85--- श्रतः मुझे, आर०भारद्वाज अग्रक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसं इसमें इसके परभार 'उन्न अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 90 (147) है, तथा जो पापण्ण लेम, अकिकपेट कारा, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 5-11-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उत्तित वाकार गल्य से कम के ध्रत्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उत्तित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और श्रवतिश्वा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और श्रवतिश्वा, कि बीच एसं अगरण के बिए गय श्रामा भ्रा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिछ वास्तिक रूप से अधिक तहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 को 11) या उच्च अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए: और/या

कतः कव, उक्त आधानयम की भारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री एराप्पा 2. इ० राजाशेकर, 3. इ० विश्वामाथ 4. इ० कुमार, 5. इ० गुरुप्रसाद, 6. इ० विजयाकुमार 7. श्रीमती ज्योनम्मा तथा 8. कुमारी मिलिमि, केयर/ध्राफ डी० बी० श्रीकर, नागराजा केमिकल्स, एस० बी० एम० रोड, तुमकुर, सं० 24, 51 कास, सिद्धारामण्ण दिण्णे, राजाजीमगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सम्पत, सं० 90, पापण्ण लेम, अक्किपेट कास, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्म 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ६२ सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध बहुष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए का सकेंगे।

स्थल्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पश्चों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में विया पदा है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2400/84, दिमांक 5-11-84) सम्पत्ति हैं, जिसका सं० 90(147), जो पापण्ण लेम, अविश्रपेष्ट क्रास, बेंगलूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

दिमांक: 19-6-85

# प्रस्य नाहें, दी. एन. एस. 🕳 - -

# भारत निभाग्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म्(1) के नुभीन सुम्मा

## भारत बर्चाड

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिमांक 27 जून 1985

निदेश सं० 45468/84-85—यत: मुझे, आर० भारद्वाज, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं आर एस०-115, 114 स्रौर टी० एस० सं 57, 58 है, तथा जो, अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिमांक 17-11-84,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उद्वेदिय से उन्त अंतरण निचित्त में बास्तिवक कप इप सं कथिस नहीं किया वहा है कि—

- (क्कं) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिमितियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थन गा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान में सकिया को सिए।

जतः अब उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण सें, भैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, समित्स- (1) मेसर्स आदर्ण एण्टरप्राइसेस, गणेश कृपा, आपोसिट ज्योति टाकीस, बालमट्टा, मंगलूर, बै पार्टेनरस (1) श्री एच० जयाप्रकाश 2. श्रीमती पद्मावती रिसैतर्डिंग एण्ड कद्रि टेंपल रोड, मंगलूर,

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रंडानिवल मेनेजस, केर/आफ श्री ए० डिसौजा, मे क्यीन त्रिजै न्यू रोड, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमा प्रसन्दत शब्दा और पत्रो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

## लन**स्पी**

(दस्तावेज सं० 1275/84 दिमांक 17-11-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० आर० एस० 115, 114 और टी० एस० सं० 57, 58, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर तालुक; में स्थित् हैं।

> र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज, बगलूर

दिमांक : 27-6-85

प्रकृप काईं ुटी , एन , एस . + = = -=

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्थान

### शास्त्र बर्डका

कार्यासद, सहायक आयकर आयुक्त (रैनरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिमांक 27 जूम 1985

निदेश सं० 45763/84-85-यतः मुझे, आर० भारहाज, नायक र वरिभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है घौर जिसकी खाता सं० 728 है, तथा जो कदिरेमहल्लि विलेज, बेंगलुर क्षक्षिण तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्नोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रींकर्ता अधि-गरीं के कार्यालय बेंगलूर, दक्षिण, तालुक, में दिमांक 9-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्के, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नावार मुल्य, जसके दृष्यमान प्रतिकाल से, एसे दृष्यमान प्रतिकान से पन्तह प्रतिकात से वृधिक है और जंतरक (बंतरकाँ) गौर वंतरितौ (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-कस निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी जान की नावत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर देने से नंतरक के दावित्य में कमी करने था उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गय. वा वा किया वाना वाहिए वा, जिपाने में सुविधा वी किए;

(1) श्री एम० अमरत आलि खाम, नं० 39, अपस्टेंरस, टेबरि रोड, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नूरजान,
 सं० 5/1, II मैन रोड,
 लक्कासंन्द्रा, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर जकत स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

(धस्तावेज सं० 6233/84 दिनांक 9-11-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 728, जो कदिरेनाहिल्ल बिलेज, बेंगलूर दक्षिण तालुक, में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

दिनांक : 27-6**-8**5

गोहर 🛭

प्ररूप आह. टी. एम. एस. -----

# नायकर विधिनियन, 1961 (1961 को 43) की पास 269-म (1) में स्पीन धूमना

#### नारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45070/84-85--अक्षः मुझे, आर० भारताज.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 951 है सथा जो सारिक्क II फैम जे० पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रॉजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण तालुक में रॉजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-84

का प्वांधत संपत्ति के उधित बाजार मून्य से कम के अध्याम प्रतिकत्त को सिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मून्य, उसके अध्याम प्रतिकत्त से, एसे अध्यामन प्रतिकत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त निम्नितियाँ उद्देष्ट से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्त-विक क्ष्य से कथित नहीं किया स्था है —

- (क) बन्दर्भ से इन्हें किसी बाव की बाबत , उनके वीधिनियम के बभीन कर दोने के बन्दर्क की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बांड/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जास्तियाँ की, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किश बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, प्रकतः विधिनियम् की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) के बधीन, निरम्मिकिक स्वित्ययाँ, ब्रामिक स्वा (1) श्री जी० सत्यानारायण, नं० II, VII क्रास स्विमिग पूल एक्सटेंगन, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल० विजयालक्ष्मी,
 नं० 29/8, 38 क्रास, 8 ब्लाक,
 जयानगर, बेंगलूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीब हैं. 45 दिन की नविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासीस से 30 दिन की बविध, को और अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स विस्तुमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवर्थ किसी मन्य व्यक्ति इवार्थ अभोद्द्रसाकारी के याद्व निवित में किए वा सकोंचे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्यूची

(दस्तावेज सं० 5122/84 मा० 24-11-85) सम्पत्ति हैं जिसकी सं० 951, जो सारिक्क II किस, जै० पी० नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकरीं सहायक आयक्षर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 27-6-1985

मोबर 😢

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का 269-प(1) के नधीन स्थना

## भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45039/84-85--अतः मुझे, आर० भारकाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संभावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं 1, 2, 3, 4, 5 और 6 है सथा जो III मैन श्रीर I काम 4, 5, 7, 8, 9 श्रीर 10, गांधी नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रोजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के क्ष्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अर्थ अधीन, निष्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डॉ एच० जी० सुन्दरामा रेड्डी डाक्टर विजयचन्द्रन कुमारी विजयलता रेड्डी डाक्टर एच० जी० रामकृष्ण रेड्डी, श्री एच० आर० वेंक्टेश्वर रेड्डी श्रीमती विजयवाणी रेड्डी, उनके प्रतिनिधि श्री के० सी० सुन्दररामा रेड्डी हैं नं० 17/1, बेल्लारी रोड, सदाशिव नगर, बेंगलूर→560080 ।

(अन्सरक)

(2) श्री जीं टीं मिरस्वामी रेड्डी श्री जीं टीं वेंकटस्वामी रेड्डी श्री जीं टीं केंक्पण्या रेड्डी श्री जीं टीं कुष्णप्या रेड्डी, श्रीमती वेंकटम्मा, श्रीमती चेंकम्मा, श्रीमती लीलावतम्मा, श्री जीं वीं नागराजा रेड्डी। श्री जीं एमं तिम्मा रेड्डी श्री जीं एमं सतीशा रेड्डी, श्री जीं वीं पालाक्षा, श्री जीं के गणेशा, श्री जीं वीं चन्द्रशेकरों रेड्डी श्रीर मास्टर जों के सुरेश प्रतिनिधि श्री जीं टीं कृष्णप्या रेड्डी जो गुन्जूर विलेज, वरतूर हों ब्ली बेंगलूर सींथ तालुक में रहते हैं।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पट् स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यार;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भार पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2532/84-85 सा० 21-11-84)। सम्पत्ति है जिसकी सं० पुराना सं० 41 श्रीर 42 और नया सं० 41, 45, 45/1, 45/2, 45/3, 45/4 जो III मैंन रोड, गांधी नगर, डिवीजन नं० 22 बेंगलूर सिटी और सम्पत्ति है जिसकी सं० 40, 40/1, 41/1, 42, 43, श्रीर 44 जो 1 कास गांधी नगर डिवीजन नं० 22 बेंगलूर सिटी और नया म्युनिसिपल सं० 1, 2, 3, 4, 5 श्रीर 6 जो III मैंन रोड, गांधीन नगर बेंगलूर श्रीर वगैरा सम्पत्ति सबके सं० 4, 5, 7, 8, 9 श्रीर 10 जो I कास गांधी नगर, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 11-7-1985

मोहर 🛚

पुष्कष् अपृद्ध<sup>4</sup>्टी एन . **ए**स . -----

# बायकर अभिनियस, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

# भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दोक्तण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेण सं० डी० आग्० 95/84-85/37 ईई०--अतः मुझे, आग्० भारद्वाज,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० एफ-4 है तथा जो "जो सेहना अपार्टमेंटम पणजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पणजी, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबल, उक्त विधिनियम के जधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के जिए; बार्ट/वा
- (ब) एसी किसी नाव ना किसी भन या जन्य नास्तिनों की, जिन्ही भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिनियम, या भनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्यरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना नाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्स स्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. औं परांसिस लियो पिन्टो।
  - 2. श्री होमे जोस एम० जे० बी० पिन्टो ।
  - श्रीमती ऐडना डी० मारिमा पिन्टो।
     जे० एस० एम० पिन्टो कलनगुरु, गोवा।
     (अन्सरक)
- (2) मैं रमेश कामत एण्ड एसोसिएटस सिरगवकर रोड, पणजी, गोवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी अवित दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

# बग्युकी

(दस्तावेज सं० डी०/25नव०, 84 तारीख 14~11-84) प्लाटन० एफ-4 । "जांसेन्डा अपार्टमेंटसँ" पणजी, गोवा।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

सारी**ख** : 10-7-1085

प्रस्य नार्षः, टी. एन. एस. ------

भायफर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की "प 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# काबोक्स, सङ्गायक बायकार वायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० डी० ब्रार० /98/84-85/37 ईई०-- अतः मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-च के अधीन संभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाबार जूस्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० एस-3 है तथा जो 'जोमेतडना अपार्टमेंटस पणजी, गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-11-84

को पूर्वों क्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति को उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे क्ष्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से बिधक है बीर यह कि बंतरक (अंतरका) बीर बंतरिती दिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तिक कम से कविक नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरक ते हुई किथी जाय की बाबत, उक्त विभिनियन के नभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए भा खिपान में सुविभा के लिए;

भतः थव, उक्त मीधिनवमं की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित न्यक्तियों, नर्थात् रू

- (1) 1. डॉ फांसिस लीओ पिन्टो।
  - 2. श्री तामे जोस एम० जे० वी० पिन्टो ।
  - 3. श्रीमतो ईडना डी० मारिया जै० एस० एम० पिन्टो, कलनगुठ, गोवा।

(अन्तरक)

(2) अगोस्तानो डोमींगोस वाज वाप पेडो वी० वाज, पणजी, गोवा।

(अन्त्रारती)

का वह बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कम्परित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की नविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविश, को भी नविश नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बार पानी

(वस्तावेज मं० डी० घार० 98,84-85,37ईई० तारीख 14-11- 1984)।

क्लैंट नं० एस-3 "जोसेन्डा अपार्टमेंटस" पणजी, गोवा।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

तारी**ख** : 10-7-1985

मोहर 🛭

# प्रकप शाइ . टी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्कन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-1629/84-85--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्णास, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार०-8/25 है तथा को राजा नगर, गाजियाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-11-84

की पूर्वोचन सम्पत्ति के उधित बाबार मृत्य से कम के कममान वितिक्ष के लिए जन्सरित की गई है जीर मृत्ते वह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्ष सम्मत्ति को जिल्हा बाजार भ्रम्य. उसके कमजान प्रतिदेश से, ऐसे क्लबाद प्रदिक्ष का पंत्रह प्रतिकृत से विभिन्न है और वंतरक (वंतरकों) को संविद्या (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जंतरक कि लिए तब बाबा गया प्रतिकृत, निम्नतिविद्य उद्वर्ष से उक्त जंतरव लिवित में वास्त्रिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी जाय की वाबता, इसक जिथिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के वाबित्य में कभी कारने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉट्/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी अन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः भव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को , मो , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन , निम्नितिसित स्मिक्तियों , कथिन :--- 24—176 GI|85

(1) श्री विमल सपरा पत्नी श्री के० जी० सपरा, निवासी ए-15, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिखरचन्द कैन पुत्र स्व० श्री पूरन चन्द्र जैन, निवासी 2-बी/ए-5, नेहरू नगर, मेक्टर-2, गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(1) ऋतागण ।

(वह टयक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(2) केतागण। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हिसबब्ध ही)

को यह स्थाना थारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के निरु कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त तंपति के नवीन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधिया तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता से राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरण ८ इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्म होगा जो उस अध्याय में विका यस हाँके

## **बन्**स्थी

भवन नं० ग्रार॰-8/25, राज नगर, गाजियाबाद ।

एच० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

## श्रक्षय बार्चा, टी. एन एस ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वनः

#### भारत सरकार

कार्बासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रकंन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 1 ज्लाई 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 209-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 516 है तथा को विलायत करनवास में स्थित है (श्रॉर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 29-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त जाजार मूल्य से कम के ध्रयजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उन्त अंतरण निलिख में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः ज्ञान, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---- (1) श्री दयाराम व फिरेराम पुत्रगण श्री हनूप सिंह निवासी विलायती करनवाल, तहसील दादरी, जिला गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीराम फाईवर्स लि० कम्पनी एक्सप्रेस बिल्डिंग 9/10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)
- (3) क्रेतागण। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) क्रेतागण । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त बन्धील के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हन-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकासन की तारी स से 45 दिन की अधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्द किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहत्ताक्षरी के दास निविद्य में कि इ. चा सकेंगे।

स्कृतिकरण:----इतमें प्रमुक्त धन्यों नीर वर्षे का, यो उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होता यो उस अध्याय में दिवा स्वाही।

### अनुस्यो

(खसरा नं० 516)।

ग्राम विलायत करनवास तहसील दादरी, जिला गाजियाबाद ।

> एच० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

मोहर 🛭

# प्रकम बार्ड . दी . इन . एस . ------

# भायकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985 निदेश सं० एम०-9/85-86—म्प्रतः मुझे, एच० भ्रार०

दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस सी-8 है तथा जो शास्त्रीनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27-11-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अयस अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त स्थितियों, अधील् ६—

(1) श्रीमती उषा मोहन पत्नी श्री दिनेण मोहन, 59, श्रावास विकास सिविल लाइन्स, मुरादा-बाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रकला पुत्री श्री ग्रानन्द किणोर पत्नी श्री गोपीचन्द, निवासी राम कुमार भवन, सराय काजी, मुरावाबाद ।

(श्रन्तरिती)

(3) ऋतागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

(4) क्रेतागण । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबह्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सिष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक्ष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं॰ एस॰ सी०-८ शास्त्रीनगर, गाजियाबाद ।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

# प्रकप् मार्घ, टी. एव. एस. ----

# बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

# क्सर्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम०-14/85-86--ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० **वा**स

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो पठानपुरा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्णच्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 11-11-84

को पूर्णेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्दोमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को शिवह आरतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या वनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिवाने जें सृतिधा के लिए;

नतः जन, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, कैं: उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा हा। के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० निलनेश कुमार पुत्रश्री बुध प्रकाश मोती भवन, रानी बाजार, सहारनपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भानकौरी पत्नी श्री रामजी लाल वर्मा, राम नगर, कोर्ट रोड, सहारनपुर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ऋेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) केतागण।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किन् जा सकेंगे।

स्मक्यीकरण :---इसमें प्रयूक्त कब्दों और पूर्वों का., जो उक्ता जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसची

प्लाट स्थित ग्राम पठानपुरा, ग्रहमदनगर सहारनपुर।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1—7—1985

#### भारत बरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985 निदेश सं० एम०-40/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं है तथा जो मुरारीपुरम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, नारीख 12-11-84 को पूर्वेक्त संपरित के उचित पाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और असे पर विस्त्राण करने का कारण है कि प्रधापनिकत सम्पत्ति को जिवत आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के लेप राम्य प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच प्रयोग अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच प्रयोग के लिए तय पाया प्रया प्रतिकल, निम्तिलिया उद्देश्य के प्रयंत अन्तरण निमित्त में शस्तिकल रूप में कियत नहीं किया गया है :---

- (२) बन्तरण श्रं धुद्दं किली साथ की शावत. उक्तः अभिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के शांधल्य से कामी करमें ना उक्षमें तपाने में सुविकार के लिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्वायभा के सिए;

कतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुमेरचन्द पुत्र श्री हरणरन दास जैन, निवासी छीपीबाड़ा, मेरठ सिटी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश बक्षा पुत्र श्री ग्रमीर चन्द बना, निवासी ताहिर हुसैन केला वाली गली, मेरठ सिटी।

(ग्रन्तरिती)

(1) क्रेंतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

(2) क्रेतागण। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्मित्ति में हितबद्ध हैं)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन् के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पर्ध्यक्तिरणः:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# बन्द्रकी

मकान मुरारी पुरम श्राम्प्रपाली सिनेमा के पीछे, मेरठ।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) কা খাবা 269-ছ (1) के क्षीन सुपना

## BIRG SCHIE

क्षप्रधास्य, सङ्घायक सायकार नाथुक्त (पिरीधकः) स्रार्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-42/85-86—स्रतः मुझे, एच० स्रार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो मिबिल लाइन्म में स्थित है (ग्रीर इससे उपाव ब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ से रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई धूर्व और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाब की बाबल, बक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के मन्तरक के धाजित्व में सभी करने या उसके व्यप्ते में सुविधा के हैं सुद्; मीड/बा
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की श्रुवोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ विद्राः

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निस्त्तिचित स्युक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) श्री सुधीर कुमार पुत्र श्री विष्णु शरण गुप्ता, 345, बेस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ शहर । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मधु गुप्ता पत्नी श्री राम किशन गुप्ता, व श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री राम किशन गुप्ता, निवासी 70-ए, श्रलीमपुरा, भेरठ कैन्ट।

(भ्रन्तरिती) ~

(3) ऋतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(2) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंने।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा स्वाहै ।

## अगुलुकी

प्लाट नं 2 बाकै सिविस लाइन्स, शहर मेरठ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **≛**भ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🛭

अस्य वार्धः टी. एन . एस . -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जूलाई 1985

निदेश सं० एम०-43/85-86--ग्रतः मुझे, ए**च० ग्रार०** 

दोस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-र से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 165 है तथा को पटेल नगर, सें स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का का 16) के ग्रिधीन नारीख 15-11-1984

कां पृजेंकिंग संपरित के उचित बांजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभापवींक्त सम्पन्ति का उचित बाजार भृस्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

कतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री उमेण चन्द्र श्रग्नवाल पुत्र एस० ग्रग्नवाल, 88, पी० एल० गर्मा रोड, मेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशन लाल पुत्र श्री गोकुल चन्द्र, मारिका पाल पत्नी श्री किशन लाल 842 क्षागपत गेट, मेरठ ।

(श्रन्तरिती)

(3) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग्ने में संपत्ति हैं)

(4) क्रेतागण । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पन्ति में हिसबहुध हैं)

को यह सूचना चारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की अनिधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितत्यों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितव्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकों।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वप्सूची

मकान नं० 165 स्थित नार्थ पटेल नगर, मेरठ।

एच० स्नार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा : 1-7-1985

# प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

# शासकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-ज (1) के संधीन स्थान

#### शारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-48/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार०

दास

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ऑधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूप से अधिक है

1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 37 है तथा जो देवनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 19-11-84 को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाब्ध, उक्ट ब्रिफिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने मा उत्तरसे वचने में सर्विभा के सिए:
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या करूप जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वी विद्या

भ्कः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— (1) श्रीमती अंतरकली पत्नीश्री अशर्फी लाल, निवासी 37, देवनगर, मेरठ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती असन्ती दवी पतनीश्री गोरधंन दास, निवासी बागपत गेट, मेरठ ।

(श्रन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हिसबह्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# ड बच संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियों में से
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अभें होगा जो उस अध्याय में दिया यस है ।

# **प्र**थन् सूची

म कान नं० 37 देवनगर, मेरट 🔢

एच० घ्रार० **दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनं<mark>शक्क</mark>ीरेंज, कानपुर

तारीख : 1 -1985

# प्रकल् बार्च. टी., इन्. एच्.,------

# भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन त्वना

### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-49/85-86--अतः मुझे, एच० आर० षास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00.,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 37 है तथा जो देवनगर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाब अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-11-84 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्धदेश्य से उक्त बंतरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुक्तरण वे हुई किसी नाव की बाबत, अक्स मीधित्वन के अधीन कर वेने के अन्तरक के बादित्व में कर्ने करने वा उन्नये बच्चे में श्रुविधा के सिए; क्रोंद्र/वा
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में युविधा के लिए;

(1) श्रीमती अतर कली पत्नी श्री अशर्फी लाल वर्मा, 37 देवनगर मेरठ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री फेरूमल 10, धागपत गेट, मेरठ। (अन्तरिती)

(3) वहीं। (वह व्यक्ति, चिसके अधिभोग में सम्परित है)

(4) (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबहुध हैं)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप .

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की वर्गधा, को भी अवधि शास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्थानस्यों में से किसी स्थानित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्परित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकरेंगे।

त्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, को उक्त अधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना, को उस अध्याय में विवा नया है।

#### 

मकान नं० 37, देव नगर, मेरङ।

्च० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

वीहर 🛭

## प्राचन नाइ.टी.एव.एस.------

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-56/85-86-अतः मुझे, एघ० आर० हास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० है तथा जो ग्राम खेड़ी करमू में स्थित हैं (ग्रौर इससे उप बड़ अनुमूची में ग्रौर पूणं रूप से विणत है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-11-1984

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अस्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चक्य से सकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उपक जीजनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दानित्व में कमी करने या उससे उपने में सविधा में जिस्ह, ब्रीडि/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें अरस्तीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औ सिद्;

जतः का, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, से, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीम्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती सरोज बाला पत्नी श्री हरपाल सिंह, ग्राम खेड़ी कैरफ ना पोस्ट शामली जिला मुजपफर नगर।
- (अन्तरक)
  (2) मैं ॰ गोखला फ्रोंसिसयस सोसाइटी, 40 मकान नं ॰
  13, महात्मा गांधी पथ भागलपुर (बिहार)
  (अन्सरिती)
- 3. ऋतगण।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्र<mark>िधभोग</mark> में सम्पत्ति है)

4. ऋेसागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

न्त्री वह जुजना जारी करके पृत्रीचित तस्परित को अर्थन के अिय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ही 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ख़ॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में दिया वया ही।

अनुसूची

खेतग्राम खेडी पो० शामली जि० मुजफपरपुर

एक० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आकयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

प्ररूप शाइ .टी. एन . एस . \*\*\*\*\*\*\*\*

नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्माना

## भारत सरकाड

भार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम०-58/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अमकान है तथा जो मायापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री— कर्ती अधिक री के कार्यालय, हरिद्वार में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6—11—1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृथा, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल के कंद्रह प्रतिकाल से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का,, निम्नसिविक उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाव की वावता, बक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी कड़ने या उत्तससे ब्ल्ने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय वाय-कर कृधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त्र अधिनिवस, या बन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यवर या या किया खाना खाहिए जा, किया में सुन्धि। वे जिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की थाए 269-ग के जनुसरण जो, जो, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के स्थीन क्रिक्ति क्षिक व्यक्तिवाँ स्थान क्रिक्त (1) श्री मनोहर लाल खन्ना पुंत्र श्री जोधा राम खन्ना आदि, निवासी श्रवण नाथ नगर, हाँरद्वार, जिला सहारनपुर।

(अन्सरक)

(2) अखिल भारतीय जी नगर समाज धर्मणाला द्वारा श्री कन्हैया लाल महामंत्री निवासी धर्मणाला, हरिद्वार, जिला सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

(4) ऋतागण

(वह व्यिष्ति, जिस के बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

## उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवध्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

मकान स्थित श्रवण नाथ नगर, मायापुर हरिद्वार जिला सहारनपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख : 1-7-1985

मोहर 🕉

# शकप् **भार**्टी .एन ..एव ..======

# बावकर व्यथिनियुत्त, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यथित सूचना

#### 

# कार्याक्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-61/85-85--अतः मुझे, एच० आर०

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इत्तर्ने इत्तर्के पश्चात 'उन्तर निभिनियम' सहा गया हैं), की पारा 269-व के अभीन सक्तम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चित्रका उचित्र वाचार मृस्व, 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं 193 है तथा जो बेगम बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ब अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक स के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्र्यमान प्रतिक स से एसे असमान प्रतिक का धन्तर मान प्रतिक का धन्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया भया प्रतिक किया निम्निक्ति से अधिक नहीं किया निमा है:--

- (क) सन्तर्भ से शुर्द किसी नाम की बाक्य, उपल अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरभ के स्वीयस्थ में क्यी करने या उन्हों स्थान के सुनिधा नो किस; श्रीक्ष/का
- (थ) ऐसी किसी जाम का किसी भन या जन्म बास्सियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभी बन्दी दिया वृद्धा क्रकट नहीं किया क्रम का वा किया जाना जाहिए था, क्रियाने में मुध्यम के निए;

बत्र वय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) जे बभीन, निम्नितिवित न्यमित्यों, नर्भात् :---

(1) श्री तोताराम पुत्र श्री निर्मल सिंह बेगम बाग, भेरठ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उत्तम सिंह पुत्र सरदार निर्मल सिंह बेगम बाग, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रभिक्षोग में सम्पत्ति है)।

(4) केलागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## तक्त तस्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए जा सकों छे।

स्वक्रीकरण : इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त करिश्तियम के अध्याय 20 क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## वर्षक्

मकान नं ० 193, छोटा बेगम बाग, मेरठ ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख : 1-7-198**5** 

**187** #

# प्रकार बार्सा , दी , एम् , इस . - - - - अ---

# वावकार वृधिनिव्ज, 1961 (1961 का 43) की पार 269-न (1) के नधीन सुकता

### HERE EXPE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-73/85-86--- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० वास

कायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-इ से अधीम सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति , विश्वका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 825/1 है तथा जो मो० इस्माइल खां में स्थित है (ग्रीर इससे उताबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सर्वणित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-11-84

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार सूस्य से कन के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपरित का जिप्त बाजार मूल्य, जनके व्यवमान प्रतिकाल से, पेसे दश्यमान प्रतिकाल का कृत्व प्रतिकाल से अधिक है बीर वन्तरक (बन्तरकों) बीर वन्तरित (बन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरक के सिए सब बाया बया प्रतिकाल, निम्नसिसिस उद्देश्य से जन्तर अभ्यास शिक्त कर से क्षिण नहीं किन्न प्रवा है दन्त

- (क) अन्तरण व हुए फिली जाम की वावस्, ज्यस् अधिविषस् के वशीय कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कभी करने या उससे वजने में स्टिशा के चित्र; ब्रोड/वा
- (क) देवी किसी बाव वा किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ मन्दौरती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए भा खिमाने में सुनिधा के सिक्ष;

व्यक्षत्र स्था, अक्षत्र विधिनियम की भारा 269-म के मनुसरण के, जी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभाद्य (1) के स्थान नियमित्र व्यक्तियों, स्वाद्य के--- (1) श्री जय प्रकाश पुत्र श्री सूरज भान,369, राम नगर, गाजियाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र स्वरूप पुत्र श्री छेदालाल, श्री गोपाल कृष्ण पुत्र श्री छेदालाल, पटपरा, दनकौर, बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में मम्पत्ति है)

(4) ऋेतागण

(यह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के हैंक्ट्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्बन को सम्बन्ध में कोई भी आशंध :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकारत की तारीच सं 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दितृ की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (वा) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य स्थावित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के शस निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वेद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस कथ्याव में दिक्स क्या है।

# वन्युजी

मकान नं० 825/1, मो० इस्माइल खाः, राम नगर, गाजियाबाद ।

एच० स्नार० धास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 1-7-1985

मोष्टर ः

## वस्य वार्वं . टी. एत . एव . ------

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०-74/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० वास

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 94 है तथा जो हरदेव महाय में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रो हर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्री— करण ग्रिश्विनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्चीन, तारी 17-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्मनिवित उन्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किंचत नहीं किया गया है:—

- (क) असरण स हुई किसी नाम की पामर, उनस अधिनिश्व के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कजी करने वा उससे वसन में सुविधा के सिह्म; और/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य जास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्ष भा या किया बाना चाहिए था, उद्योजन में कविभा के सिक्ष;

बतः अव, अभत विभिन्नियम की भारा 269-न की वयुक्तरक में, में, उभत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिद व्यक्तित्यों, अर्थात (---- (1) श्री रतन लाल पुत्र श्री विधावामल, 94, हरदेव सहाय, गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरिता देवी श्रग्नवाल पत्नी श्री गुलाब चन्द्र, 328, गौपुरी, गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) केतागण (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबहुष हैं)

क्यों बहु स्वना बादी कारके प्योंक्त सम्मत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष किसी बन्ध व्यक्ति इनारा, वधोहस्ताकरी के पास निवित्त के किसे वा सकोंगे।

स्वध्दीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, जो सन्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहु वर्ष होगा को उस सध्याय में दिया क्या है।

## कर्षक

मकान नं० 94, हरवेत्र सहाय, गाजियाबाद ।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

प्रक्रम काइंटी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अाग्कर आयुक्त (निरीक्शण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निवेश सं० एम०-79/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास

कार्यकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इंडकें इसके परकास उक्त जिथिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व को अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000 क स अधिक हैं

श्रौर जिमकी सं० प्लाट है तथा जो ग्राम पसौंडा पर लोनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-11-84

की प्रॉक्त सम्मिति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यामाप प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवॉक्त संपर्तित का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल निम्निचित उद्विध से उक्त कन्तरण निम्निचत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की पावत, उनत विविश्य के वधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कड़ी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्यः आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 1;) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया करा या वा किया अना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

अरा. अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण ा, मैं, उबन अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीत्र निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थास :—

- (1) मैं० जयप्रकाश एण्ड कम्पनी, श्रार-6, नेहरू इनक्लेव काल ाजी नई दिल्ली द्वारा पार्टनर श्री जय प्रकाश गोवाल। (श्रन्तरक)
- (2) मै० श्रमृत महकारी श्रावास सिमिति लि०, पंजाव एण्ड सिन्ध विल्डिंग जी० टी० रोड, पसौंडा पर लोनी तहसील व जिला गाजियाबाद । (अन्तरिती)
- (3) क्रेतागण (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) कैतागण (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं) को वह सुवना बारी करके पृवॉक्त संपत्ति के अर्थन के विव कार्यवाहियां करता हूं।

# शक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्थितसयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रविक्त स्थानस्यों में से किसी स्थित्त द्वारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए वा सकोंगे।

# मनुसूची

प्लाट स्थित पसौडा पर लोनी तहसील व जिला गाजियाबाध ।

एच० श्रार० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

मोहरः

## प्रकर्ष बार्च. टी. एत्. एस.,-------

नायकर अधिन्यम, 1961'(1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### मारद बरकार

कार्यालयः क्षहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०--82/85--86---श्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसदे प्रश्ति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ्रिक- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने के कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1389 है तथा जो कनवाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री— कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-11—

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित गाजार मृस्य से कम 🕏 🗪 समान प्रतिफल क्ते लिए अन्तरित की गह विश्वास करने का यह कारण **है** कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत ले अध्यक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीधिनियस के अभीन कर देने के अन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के त्विष्: व्यूर्णका
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काविस था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बनवारी एवं मुकुन्द लाल निवासी ग्राम कनवाली, सेन्द्रल दून, देहरादून। (अन्तरक)
- (2) मैं दून इन्जीनियर्स को आपरेटिय हार्जासंग सोशाइटी टी-15, यमुना कालोनी, देहरादून। (अन्तरिती)
- (3) श्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) ऋतागण

(वह अयिक्त, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

का यह सुचन। जारी कारके पूजीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिस् कार्यवाहियां करता हो।

## जनस्य सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध् में कोई मी नाओर ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया क्या है।

## अमुसूची

खेत नं० 1389 स्थित ग्राम कमवाली सेन्द्रल दून, देहरादून ।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-1985

# प्रकार बाइ .टी.एम एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १८३१ १८९१ की क्यांन सुधना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, महायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, धानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेण सं० एम०--४3/85--86→**-अतः** मु**शे**, एच० श्रार० गम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पदचास 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी स० 1173 है तथा जो जनवाली सेन्ट्रच दूत में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्री तो अधिकारी के ार्यालय, देहरादूत में रिनस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवींक, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रिंतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्षेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार बल्या, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल के रूद्ध प्रतिकत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंगिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया क्या पितकन, निम्तिनियान उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमिन में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) शन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने की जन्तरक के बाजित्य में कमी करने वा उत्तरों वचने में बुनिधा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को खिन्हाँ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा औ लिए।

जतः अय, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म को अनुसरण जो, जो, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ंाकी निकलीलिक व्यक्तियों, अर्थात् ्र≔~ 26—176 GI[85

- (1) श्री गनेम पिह पुत श्री रोजधान भिहे, विश्वासी 339, भुष्कुवाला, देहरादून । (अन्तरक)
- (2) दून इन्जीनिपरिंग को-स्नापरेशिव हाउक्षिंग मोनाइटी विभिन्नेड, टी.-15 प्रमुना कालीनी, देहरादून।

(ग्रन्तरिती)

(3) केतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति ही)

(4) क्रेत।गण (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्चना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना वर्ष साथीन से 30 गण को अविध , जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 किन के भीतर अब स्थापत सम्पन्ति में वितबद्ध किया कि का कि किए कि स्वयं के किए कि प्रकार के प्रस्कित में किए का सकोंगे।

स्थन्दिकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नप्रमुख

खेत न० 1173 अनवाली सेन्ट्रल दून, देहरगदून ।

एम० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, ानपुर

नारीख : 1~7-1985

क्रम्य कार्ष दी. एस. युव. ----

नायकर बिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ाहिए घ (1) के बंधीन सूचना

#### भारत **तरकार्**

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) %र्जन रेंज, जानपुर

कानपुर दिनांक । ज्लाई 1985

निदेशमं० एम०—122/85—86→—प्रतः मुझे, एच० आर० दास

रतियक स्थितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उनाहे बरवान 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है जि. स्थानर सम्बद्धिः जिस्सा जिल्ल बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव के व एवल-34 है तथा जो विवस्पर में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण क्य ने पर्णित है), रिजिस्ट्रीरिनी अधिवारी के वार्यालय, गाजियाबाद में रिस्ट्री-वरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, नारींख 26-11-84

का पृश्वेंकत संपक्षि के उचित राजार मुख्य से कम के क्षयचान शितफस के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत संपत्ति का उचित साकार मस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल ने, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफाल, निम्नसिचित उद्योक्यों से उच्छ अन्तरण किचित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह

- (क) नलारण वं हुई किनी बाब की बाबत, उनत वीडींग्रंथ के बचीन कर दोने के बन्तर के दिश्ल में क्वी करने या उन्तर बचने में सुविधा के जिल्ह; वीर/वा
- (थ) एसी किसी बाध वा किसी वन वा बन्त आस्तिकों की बिन्हें भारतीय सास-कर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या धन-कर अभिनियस, या धन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना वाहिए था, जिनाने के सुविधा के विद्युः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित स्वीकताओं, अधीन १—

- (1) था एम्जीत जिस्साना पृत्त थी है। वीं सारा, 2339/15, बिस्तपुरा, प्रांत्यवास सई दिल्ली। (अन्तर हो)
- (2) श्रीभती शांति देवी पुली श्री राजिंग राम, विद्यानी जाउद्दार, रामपुर व उमिला सक्षेता पत्नी श्री हरीशचन्द्र विहारी पुर : सिविल लाइन्स, वरेली ।

(श्रन्तिनी)

(3) केतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

(4) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को वह त्यमा धारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाध्य हांती हों, की भीतर प्योंक्ट व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा मधोहस्ताक्षरि के पास निवित्त में किए वा सकों ने।

स्वच्यक्तित्व :----इत्तर्मे प्रयुक्त सम्बाँ जीर पर्धों का, को सबस्य विधिनियम के सभाव 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिका पंचा हैं।

## प्रनुसूची

मकान न० के० एच०€34, स्थित कचि नगर, गाजियाबाद ।

एच० श्रार० दास ंधम पाधिकारी हिरायक कायटार भायुका (किरीक्षण) श्रर्जन रीज, कान**प्**र

तारी**ख :** 1 7 1**985** 

मोहर 🔭

प्रकृष **अधि । टी**॰ एन० एस०-

अध्यक्षात्र आर्थिनव्यमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ातपूर

कानपुर, विनां : 1 जुलाई 1985

निदेश सं० एम०--। 21/85-86---प्रतः नृझे, एच० आर०

काश्कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

जी: जि. अर्थ मं २ के ० के ० कि ८ है तथा जो कवि सगर में स्थित है (और इसने उसवब अनुनुत्री में जोर पूर्ण कर से विणत है), र्याज्ञ्द्रीत्यीं ज्ञानिक स्थे के नामिक सामित सामित के निम्द्रीकरण जिल्लाक से निम्द्रीकरण जिल्लाकरण जि

ग्रे भूवाँकत समपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतेषल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का नारण है कि या प्रवास के हिए। का उचित्र पायर मृल्य असर्थ द्रयमान प्रतिफल से एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भ रितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकात, निम्तिनिष्कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बार्शनिक रूप से अधिक की किया गमा है:—

- (क) अध्यारण से हुइ किसी नाम की नावत, उनत निध-निमम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/ना
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ह्या था या किया जाना आहिए या, कियाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री साधुराम अग्रपाल पुत्र श्री दुर्गा प्रताद अग्रपातः एत-। 86, ग्रेटर कैयाण, नई फिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला तायल पत्नी श्री प्रेम नारायण तायल, नव निकेतन, मोहद्दीपुर, गोरखपुर। (अन्तरिसी)

(3) ऋतागण .

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) ऋेगागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबत्र हैं)

को <mark>यह स्</mark>यना जारी कारके पृथेक्ति सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच सं 45 बिन की अविभि सा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 बिन की अविधि, जो भी बंबिंध साथ में समाप्त होती हो, को भीतर पृतिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में क्रितबक्ष्य किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रवृक्त शब्दों और पवी का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

#### क्स संची

प्लाट न० के के 62, किंच नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दान न्स्क्रम प्रतिशारी नहायः आयमा आयुक्त (विरीक्षण) अर्पन रेंज, पानपुर

वारीख : 1-7·19**8**5

मंहर:

# त्ररूप बाइँ. टी. एन. एस.------

# नायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत चरुकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हानपुर

वानपुर, दिनां है । जुलाई 1985

निदेश सं० एम०--149/85-8 त--- करः कुझे, एच० श्रार० दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.2) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिल्ली मंठ केठ ई०--92 है तथा जें। वि तगर में स्थित हैं (और इक्षि उपायह यन्भूनों में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिस्ट्रीं नि श्रविकारों के दार्यालय, गाजियाबाद में रिजिस्ट्रीं करण श्रविभियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख 30-10-84

को पूर्वोक्त संपंक्षि के अधित बाजार मून्य से कम के क्यांमान प्रतिफल क लिए अंतरित को गई है और मूफ्ते यह निक्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का स्थित बाजार मून्य सकते द्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तिशित में क्यामान है निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्युविक रूप से काथात नहीं किया यवा है निम्न

- (क) अन्त १% मं इन्हाँ भिक्तमी आम करी अजित उपना अभ्यक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्षेत्रिस्य में कमी करने या उसडे नचने में सुविधा के निये; मीरिकार
- ्षा) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य जास्तिसी को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनवम, 1922 (१००० का १३) गर उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया ना या किना जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा श्रीकरः

ब्रहः व्या, स्थत वरिपीययम, की भारा 269-मृ वै वयुक्तरम् मा, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अभित् क्ष्म

- (1) श्रीमती लरना मेहता पत्नी श्री बीठ केठ मेहता, निवासी डी--136, डिफेंन कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जारवा देवी जैन पत्नी श्री चन्द्र जैन व श्री चन्द्र जैन पुत्र जक्ष प्रकाश जैन, निवासी कोठी जिमचादम, नालडा कालोनी, निशात गंज नखन्छ।

(भ्रन्तरितीं)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) केतागण (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता क्रै कि वह स्म्पत्ति में हितबहुष्य हैं)

को महस्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपहित के अर्जन के सम्बन्ध का काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र स प्रकाशन को तार्रांख से 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए आ लकोंगे।

स्पक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## भ्यत्त्री

प्लाट न० के \$-92 कवि नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास सक्षम प्राधि ।र्रा सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1--7--1985

महिरः

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम० 152/85-86:— ग्रत मुझे, एच० ग्रार० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,000/- रा. से आध्य है

स्रौर जिसकी संख्या हे तथा को घुकना पर० लोनी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सं स्रौर पूर्ण रूप से विणित हो), रिजस्ट्रोकर्ता आविकारा के कर्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण आविनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख

को प्यांक्त सम्पत्ति न अचित बांबार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूडाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) क बीच एस त्वरण का तए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्नत अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहां किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/ग्रा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, कि ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ उन्हों रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अधीन, :---  श्री जगपाल सिंह पुत्र श्री कुंग्रर सेन 150 जी० टी० रोड, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स विश्व धर्म एकेडमी द्वारा शासकीय निदेशक फादर कीसि म्रास्टर्न कानपुर म्रार०/ओ० एस-102 ग्रेटर कैलाश, न्यू दिल्ली-48।

(ग्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग णें सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे सें ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति सें हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन की अविध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

प्लाट ग्राम धुकना पर० लोनी तहसील व जिला गाजियाबाद

एच० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 1-7-1985

मोहरं :

## **१७५ मार्** , डी<sub>ल</sub> एक्<sub>ल</sub> पुरा<sub>क</sub> - व अवस्त

नायकर निधृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन सुभुना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम-155/85-86---श्रत मुझे, एच० श्रार० वास बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 57 है, तथा का नाएडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नोएडा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, तारीख 28-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और भुक गह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्या, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण किशिक्त मे शास्तिवदः रूप से किथा नहीं किया ग्या है:—

- (क) बुन्तरण ने हुई किसी बाब की वाबल, उनल ब्राधिनियम के अधीन कर दोने के बुन्तरक के शाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में ब्राविधा के सिए; ब्राँड/वा
- (वा) एसे किसी जाय था किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तिरिती व्याप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपानं में सुनिधा से सिए;

क्षतः अव, उक्क मिनियम की भारा 269-य से अनुतरक भौ, मी, उक्त मिनियम की भारा 269-च की उपधार (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---  श्री श्रनीत कुमार लर्मा डी०-122 पंचणील इन्कलेह्य वयू दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री खिल गगपाल एवट श्री एन० एल० नागपाल, एस० 298 पठचणील पार्क हत्यू दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>ग्रधिभोग</mark> मैं सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारा करक पृथाकः सम्पात्ता के वर्णन की लिए कार्यवाहिया शुरू करण हा ।

**उक्त सम्पात क** अजन के व्यक्ति मा का**श्रं भी आक्षे**प .---

- (क) इस सूचना व स्वप्य म श्कासन को तारी सं 45 दिन को अवध्य मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का नामीन स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाम सामा जा शही, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किसी स्थानत स्वारा;
- (का) इस भूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारी क्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकागे।

## वर्त्याः

प्लाट न० 57, सेक्टर 15 ए, स्थित नोएडा जिला गाजियाबाद।

> एच० ग्रार० दास, ्सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज,कानपुर

तारीख: 1-7-1985

# प्रकार सार्थः, क्ष्मैं, सून् अक्ष्यः, र स म = सन

**बायकर ब्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 260-भ (1) के अधीन माजभा

## भारत तरकार

# कार्याक्षम् , ब्रह्मयक वायकार आव्यकः (निर्याक्षमः)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० एम-159/85-86:- प्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास, शावकर शिंपिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की करा 269-व से अधीर हसान प्रधिकत्यों की यह विश्वति करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित्र के स्थानर मुख्य 1,00,000/- ग्रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या 51 है तथा को इण्डिस्ट्यल इस्टेट में स्थित है स्रोर इससे उपाबद्ध सन्स्ची में स्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 27-11-1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूहिय से कम को दरवमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित को मुद्दे हूँ अंदे सुभी यह विश्वास करने का कारण हो कि मभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूस्य उसको दरयमान प्रतिकाल से, एसे क्रयमान प्रतिकाल का पढ़िश्च प्रतिकाल से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच कोर्स अंतरण के लिए क्य पाया गया प्रति-फान निम्नलिक्ति उद्देश्य से उसके अन्तरण दिक्ति के पारक्षिक कप से किथान नहीं किया भवा है कि

- (क) अन्तरण में हुई फिक्सी खाय की शायक, उथक जिश्लियम के वशीन कर योगे के जन्मक को कामित्व को खानी कारने वा उपने वजने के क्षिणा को जिला; अपि/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं रिक्या गया था वा किया जाना चाहिए का, कियाने में मृतिका के विक्

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण बें, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :—

- मै० राकेण इंनिनियरिंग वक्ष्मं
  गली नं० 4 पहाड़ गंज,
  नई दिल्ली द्वारा राधे ग्याम (पार्टनर्)।
  (श्रन्तरक)
- श्री पुरूषोत्तम लाल सचदेव
   पुत्न श्री श्रायाराम व श्रन्य,
   1635/33 नाई बाला करोलबाग,
   नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

3. वही

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>ग्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है।

4. वही

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का मह त्वना बार्टी फरके पृत्रोंक्त सम्प्रसि के वर्जन के किस् कार्यवाहिनां करता हुं।

उनतः सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप हरू

- (क) इत स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध नदि में तमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्य व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (च) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्नवस्थ किती बन्ध व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाह सिचित में किए जा तकोंने।

#### नग्रु क

प्लाट नं० 51 स्थित कालोनी श्रायंनगर, लोनी, शाहदरा

एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 1-7-1985

प्रस्त्य साहाँ .डी .एन .एस . ......

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

### धारत ब्रुकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्कन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निदेश सं० एम-182/85-86:--प्रतः मुझे, एच०आर० दास, कामकर क्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत 'उक्त क्रिमियम' कहा गया हैं), की पाए 369-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वत कारने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार भूक्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या, 20, 21, 23 और 34 है तथा जो साम देहरा खास में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकार के निए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में शास्तिक लिए से काथित नहीं किया गया है:—

- कि, बनारण **संसूर्य फिसी साम की सा**नक, उन्नर शीर्जनियम के **सभीन फार योगे के अन्तर**क के वाजित्य में कमी करने वा संसर्ध वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों हों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) हा उसत अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण ग, मैं भवत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री श्रपार सिंह,
 पुत्र श्री सरदूल सिंह,
 उरजोन रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

कुमारी बी० ० शताबर,
 पुत्नी स० शेर ग्रहमद खान,
 त5 राजपुर रोड, देहरादून।

(भ्रन्तरिती)

3. वही

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वहीं

(बहुब्धक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्याक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कारकं यहाँएक सम्मान्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी काई भी आईप :---

- (क) इस स्थान की राजधक में एकाकन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तहसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील में १० दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के कीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ प्राप्त की किसीला द्वारा;
- (क) इस सुकान के राज्यक मा राज्यक की तारीस से 45 किन के-क्षेत्र कान स्थादर संपत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्तित क्षास जवाहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा समीये।

लिक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोक्ता, को उनक विभिन्नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं⊯

## **म**म्स्ची

प्लाट स्थित देहरा खास, पछवाइन, देहरादून।

एच० स्रार० दास, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक्षर शायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपूर

तारी**ख**ः 1—7—1985

## प्रकृष आर्था. टी. एन्. एष् ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### मार्त सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-1, कानपुर

सामपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम० 95/85-86 प्रतः मुझे, एच० ग्राई० दास, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

आँग जिल्ली संख्या प्लाट है सथा जो दीवलपुर में स्थित है और (इल्लें जपानदा अनुवृत्ती में और पूर्ण का से विणित है) रिजर्ड़ी क्षीं गरी के नर्यात्व, गाजिलाबाद में, रिलर्ड़ी प्रण तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करनेया उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

श्री राम जी लाल एण्ड सन्त,
 168 राष्ट्र गज, गाजियाबाद।

(भन्तरक)

 क्षेत्रीय श्री गांधी ग्राथम द्वारा राम संकल सिंह मंत्री, जीं० टीं० रोड, गाजियाबाद।

(मन्तरिती)

3. क्रीतागण

(बह व्यक्ति, जिसके **मधिमोग** में सम्पत्ति हैं)।

4. क्रेतागण (वह व्यक्ति, जिसके भारे में प्रधाहरताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिशकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### **भूपलुष्**

प्लाट स्थित दौलतपुरा गाजियाबाद

एक० श्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, क्षानपुर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

त रीख: 1-7-1985

प्ररूप नाहाँ टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बानपुर

कानपुर दिनांश 1 जुलाई, 1985

और जिसकी संख्या 47/103-एम है, तथा जो दालन घाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के ग्रधीन, तरीख 15-11-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से अधिक कि पन्द्रह प्रतिशत से अधिक कि विद्राप्त के विद्राप्त के विद्राप्त के विद्राप्त प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की आबत, उक्त बीभनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- डा० एस० के० गुष्ता.
 पुत्र श्री बी० पी० गुष्ता,
 ए रेसकोर्स, देहरादूत।

(ग्रन्सरक)

. म० बन्सल एण्ड एसोसियेटस 2 मिडिलटन रोड, फ्लैट नं० 7, सेक्षेण्ड फ्लोर, कलकत्ता बी० ओ० 15/1 स्थागी रोड, देहरादुन।

(भ्रन्तिरिती)

3. घही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमाग में सम्पत्ति है)।

4. वही

(बह व्यक्ति, जितके बारे में भ्रधोहरताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन मं लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

स्वत संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्टि में हितबय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

खेत स्थित मीजा दालन घाला, वेहरादून।

एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, कान्सुर

तारीख: 1~7-1985

मोहर

प्ररूप बार्षं .टी .एन .एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

यानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1985

सं० 231/85-86'---श्रत मुझे, एच० श्रार० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का श्रारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 36 है तथा जो खंडेग मेहसील दावरीं में स्थित है (और इससे उपाध्य प्रमुसूनी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रोजस्ट्रीं क्तीं प्रधिकारी के कार्यालय, दावरों में, रिजस्ट्रीं क्रण प्रधिनियम, 1908 (1908 एग 16) के प्रधीन, तारींख 15~11~1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त बाधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उत्तत बचने में सुजिधा के विष्; बार्ट वा
- (क) इसी किसी बाय या किसी धन बण्य बास्तियों कई हैंसन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थें, में, उक्त वांधनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालीकात व्यक्तिओं, वर्षात् ह—-  श्रीमती राध कौर बेबा लिक्बा, निवासी मिल्ड खर्देग तह्सील दादरी जिला गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री राजेन्द्र सिंह, बिजेन्द्र सिंह,
 पुत्र श्री रणजीत िंह, वीरेन्द्र सिंह,
 देवेन्द्र सिंह, डीं० साधन सिंह,
 निवासी खडेरा मेहसील दादरी
 जिला० गाजियाबाद।
 (ग्रन्तरिती)

3ः ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. ऋेतागण

(बह व्यक्ति, भिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह ाम्यत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ३००

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 ादन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पतों का, बो उक्त विधिनियमं के अध्याय 20-के में परिभाषिक हैं, वही वर्ष होगा को उत्त अध्याय में दिशा नया है।

# वन्सू ची

प्लाट नं० 36 खडेग तहसील दावरीं जिला गाजियाबाद

ए**प**० झार० दासु, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भाषकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-85 मोहर: प्ररूप: बाह्रे: टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांकः 1 जुलाई, 1985

सं० एम-232/85-86- ग्रतः मुझे, एथ० ग्राग्० दास, नायकर सिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या डब्ल्यू-8 है तथा जो नाएडा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय नीएडा में. रिजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक 30-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिख्ध में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (कः) कम्तरण से हुद्द किसी बाब की बाबक, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वज्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भं सृविधा के लिए;

 मैं० जे० आई० हथीन ऋपट्स सीं-33 निशामुद्दीन स्टेट, नई दिल्ली द्वारा एम० के० जन।

(भन्तरक)

2. मैं० भ्रार० सीं० फेबिश्स (प्रा०) लिं० 5808 सदर बाजार, दिल्ली द्वारा एल० के० जैन।

(धन्तितीं)

3. घर्ही

(बहु व्यक्ति, जिन्नके **क्षधिमोग** में सम्पत्ति हैं)।

4. **肾**管

(वह व्यक्तिः, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

का यह स्थाना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए बा सकान।

स्पध्दिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 सेक्टर XI नौएडा]।

एष० घार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहामक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

बत्तः बच, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वे. में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 1-7-1985

मोहर '

## प्रस्प बार्च हो. एन्. एच . .-----

काधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन हुच्या

## मारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

काभपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं० एम० 233/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिनकी संख्या 92 है तथा जो बीन गोवाम है स्थित है भीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है, र्जिन्द्री ज्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में, रिजिन्द्री ज्या अधिकायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख

का प्वॉक्स संपत्ति के उवित बाजार मृन्य से कम के स्थमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम भाषा गया प्रतिफल निम्निसिचित उद्योग से उक्त बंदरक विद्या में वास्तिवर्क कम से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उसके वजने में सुविधा औं सिए; औड़/या

(स) ऐती किसी बाद वा किसी वन या बन्ध वास्तिक को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनिव्यत, 1922 (1922 का 11) या उपस अधिनियम, या धनकर ब्धितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया क्रमा चाहिए था क्रिया वे सुविधा के सिक्;

नता जब उनत जिथिनियम की भारा 269-न के जन्तरक कों, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्री इन्दरस्वरूप भव्तागर
 पुत्र श्री स्व० बाबू सुन्दर स्वरूप
 भव्तागर वि० 458 सेक्टर न० 17
 फरीदाबाद (हिरियाणा)।

(अन्तरक)

श्री गनेगी लाल
पुत श्री बेनी राम
केवार नाथ
पुत श्री बनारसी वास
निवासी कस्त्रा सिकन्दराबाद
गुलन्दशहर (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जितके बारे में अबोहरता क्षरी जानता है कि वह सम्नति में हितबद्ध है)।

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इन्द्र सम्बद्धि को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष ::---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन की नविध या तत्सवधी व्यक्तियों धर स्वना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुद्र धूनों कहा व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति हुनारा;
- (७) इस स्वना के शावपत्र में प्रकावन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी नन्य स्थवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा स्केंचे।

व्यक्तीक रूप:--इसमें प्रयुक्त कर्मा श्रीर प्रशिक्ता, जो उनक् अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में दिका प्याहित

### वन्स्ची

म० नै० 92 मौजा काय स्थवाड तहसील सिकन्दराबाद जिला बुलन्दग्रहर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज कानपूर

तारीख: 1--7--1985

मोहर 🗈

# त्ररूप नाष्ट्री, दी. एव. एस्. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कामपुर, विभांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० एम 237/85-86:—-अत: मुझे, एच० आर० दास, बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वाद करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000./- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या कोठी है तथा जो अधोईबाला देहरादून में स्थित है (घीर इससे उपाबद अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से बाणत है), रिज ट्री की अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजिल्ट्री करण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1984।

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूकी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाउथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निवित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं हुई किथी बाय की धावत, उपक वृधिनियम के वधीन करु दोने के जन्तरक के खावित्य में कभी करने वा उच्च वच्च में बृविधा के निष्; बीड्र∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ध्वास प्रकट नहीं किया पवा धा वा किया धाना धाहिए था, कियाने वे स्विधा के लिए;

कतः अव, स्रक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, भी, सकत अधिनियम की धारा 269-ग की सपुधारा (1) को अधीन, निम्निशिषित व्यक्तित्यों, अर्थात् हिन्स  श्री हंस कुमार गुप्ता पुत्र श्री त्रिलोक चन्द्र गुप्ता निवासी हाल IIएफ-72 नेहरू नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

श्री कृष्ण कान्त,
 पुत्र श्री जनदिन प्रशाष
 जनरल मैंनेजर,
 श्रो० एम० जी० सी० नाजिरा
 जिला शिवशागर (आहाम)। (अन्तरिती)

3. ऋतागण

(बहु व्यक्ति, जिज्ञके अधिमोग में सम्रक्ति है)।

4. कक्षागक्त

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अभोहरताक्षरी जाता है फि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना चारी करके पूर्वित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पद्धीकरण:---६समें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त निर्धानयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चया हैं (s)

### वनस्यौ

कोठी स्थित, अद्योईवाला देहरादून।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, भिरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

**तारीख: 1--7--198**5

# प्रक्ष बाई . ही . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनां 1 जुलाई 1985

निर्वेश सं० एम-242/85-86:--अतः मुझे, एच० आर० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन राक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिल्ली संख्या 926/927 है, तथा जो अहमदपुर में स्थित है (श्रीर १८) उपाबद्ध अनुसूणी में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिन्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रिजस्ट्री करण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः अवः, उद्धः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उद्भत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निष्याणिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री श्रोम प्रकाश अरोड़ा
पुत्र श्री स्व० लाला भोलादास
पता रेलवे रोड, ज्वाला पुर
जिला सहारभपुर

(अन्तरक)

 श्री ए० सी० दुबे आफितर इन्चार्ज म्यूनिकिपल बोर्ड हिरद्वार।

(अन्तरिती)

3. केतागण

(बड़ व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. के अगण

(बह व्यक्ति, जिउके बरे में अधोड्स्ताक्षरी जान्ता है जिबह सम्मति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यथ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्ट 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष-किसी अम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

## वम्स्ची

खसरा नं॰ 926/927 ग्राम अहमद पुर खुर्व जिला सहारमपुर।

> एच० आर० धास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (िःरीक्षण) अर्जभ रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

मोहर 🖫

# प्रकम् कार्यः टौ. एवः, एड्.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० एम-246/85-86:-अत:, मुझ, एच० आर० दास, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १७९-स के अधीन मक्षम पाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या खसरा संख्या 1615 है सथा जो मई अल्बादी पिलखुआ में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वाणा है) रिअट्री इसी अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में रिअट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 7-11-1984

को प्वांवित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमान ब्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार अ्त्य, उसके रव्यमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निक्तिलिखत उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बान्त-किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (फ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों की, विन्हें भारतीय अध्यक्तर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तियम, दिवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वं, ग्राँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अभीत निम्निविधन रुपितार्थो, अर्थात :----  श्री बुन्दू व यूनूम पुत्र श्री मोहन्मद इ.म.ईन निवासी मौ० शिवाजी नगर पिलबुधा पर डासना सहसीत हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बड़ी प्रसाद पुत श्री उमराव सिंह नि० मो० आर्य नगर विलबुआ सहसील हापुड़, जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

3. श्रेतागण

(बड़ व्यक्ति, जितके अधिमोग में सम्बोत है) ।

4. ऋेजागग

(बह व्यक्ति, जि.िः बारे में अबोहर प्रक्षरी जनाग है कि बहसम्मति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त समात्ति के अर्जत के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

# अवत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎞 🗝

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील में 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उन्नत स्थानर सम्पत्ति मों हिला बक्ष किसी लन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी के पास निकात मों किए जा सकेंगे।

व्यक्षतीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

## अन्सूची

खसरा नं १ 1615 भई आबदी थिल बुग्रा सहसील हापुड़ गाजियाबाद ।

> एच० आर० **धास** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-1985

प्ररूप नाइं. टी. एव. एस.्नननन्थान-ना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, कानंपुर कानपुर, विनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए० 31/85--86:--श्रत: मुझे, एच० झार० दास नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन मधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उच्चित आसार एउंद 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 876 है तथा जो श्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-11-1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एरो दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय च्या प्रतिफल, निम्निजित उद्योग्य है उक्त अम्बर्ध किका में शस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (का) बन्तरक से हुइं किसी लाव की बाबत, उत्तर अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए: बीर/या
- (६) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने जें सुविधा के निए;

वतः वय उकत अधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण कों. से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :----28---176 GI/85  श्रीमती गौरी पुत्री श्री रनबीर सिंह टौकी ग्रागरा।

(भन्तरक)

 श्री श्रमर नाथ पुत्र रेनबा निवासी चन्द्यपुरा सहु० देवी जिला ग्रागरा।

(भन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 'पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीक स्म : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विका स्था है ।

नन्त्यी

मकान औ 876 प्लाट नं० पर बना है।

एम० भार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1985

प्रकृप नाई. टी. एन., एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सर्फार

कार्यालयः, सहायक जगकर नायक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनांक 3 जुलाई 1985

सं० ए निर्वेश 52/85-86:— श्रतः, मुझे, एच० आर० दास, भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसर्व इसमें इसमें पश्चात 'तक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर राम्पत्ति, जिनका उचित बाजार म्स्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 476 है तथा जो नागला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख 5-11-1984

भा पूर्वोक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रातिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह निक्तास ध्रुप्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार ध्रुप्त प्रातिक लग्न्यक है जोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच में अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कस निम्निलिस उद्द में उक्त अन्तरण मिकित में बास्तविक भा दें वर्षण नहीं किया गया है :—

- (क) बन्नरण संधुद्धं फिसी आयुक्ती बावस्त, उक्का प्रविनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के विगिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार∕वा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकार ऑधितियम, अपंति (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अनंकार अधितियम, 1957 (1957 का 27) के एयांजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गना जाहिए था. डिक्यान में मृतियभ के लिए:

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) क अधीन निम्नसिणिट व्यक्तियों, अर्थात अस्त  श्रीमती जसवन्तं कौर बेबा सरदार प्रीतम सिंह भादि साकिन हाल नगदा पदी, भागरा।

(भन्तरक)

 श्रीमती कृष्णा पचोरी पत्नी हरी बाबू पचौरी श्रीमती कुसुम लता पत्नी किशन बाबू ग्राधि-साकिन-हींग की मण्डी, ग्रागरा।

(मन्तरिती)

मन्तरिती ।

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

का' यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाबतयों में से किसी स्थावत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वा में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

## बन्स्ची

जायबाद नं० 475 नगला पदी, भागरा।

एष० म्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1985

## प्रकप कार्च.टी.एन.एस.-----

भायकर भिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्तिण) धर्णन रॅज, कानपुर

कानपुर, विनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० 54/85-86:—- प्रतः, मुझे, एच० आर० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भीर जिसको संख्या 476 है तथा जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोक्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गई हैं **मित्रफ**ल लिए वन्तिरत की के भूभे यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं नार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोक एसे अन्तरण को लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित् उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ं---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के किए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी बंग या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यह किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः क्षेत्र, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण वें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित् :---  श्रीमती गौरी पुत्री श्री रतवीर सिंह अमरपुरा टौकी आगरा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती श्राक्षा देवी एवं श्रीमती इन्द्रा देवी पुत्रियां श्री रनवीर सिंह, निवासी चमरपुरा मजरा मौजा टौकी फतेहाबाद, श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्फ्रीस्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूखी

मकान जो 876 प्लाट नं० पर बना हुम्रा है।

एच० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1985

प्रकथ बाइ, टी. एन. एस्.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संबीत सुचना

## मार्क बरकाह

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज ,कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 57/85-86:— अत मृझे, एघ० आर० दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वरम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या है तथा जो ककरेठा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ) कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ) श्रधीन, तारीक्ष 14311-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण ते हुई किसी थाय की बावत उक्त विध-निवम के बधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने वा उत्तरे वधने में स्विधा के लिए, बहि/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी बन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

जत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत नियमितिकत व्यक्तियों. अधीत् क्रमा  श्री राम सनेही पुत्र परशावी निवासी, ककरेठा, जिला श्रागरा।

(मन्तरक)

 महिष सहकारी सिमिति लि० ग्रारा सिविव विनेश चन्द सिंह पुत्र श्री कपूर चन्द, नौबस्ता लोहा मण्डी—श्रागरा।

(मन्तरिती)

3 मन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है ।

की यह सुषमा बारी करके पृत्रोंक्त सम्परित क अजन का जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वहा है।

## ननुसूची

जायवाद बाके मौजा ककरेटा, जिला मागरा ।

एच० भार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंग, कानपुर

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनोक्त 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 60/85-86:— मत, मुद्ये, एच० झार० दास, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जितका संख्या 876 है तथा जो में स्थित है (भीर इसते उनाबद्ध अनसूनो में भीर पूर्ण रूप से विजित है, रिकिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय भागरा में, रिजस्ट्री-करण भिरित्यम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन, तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विस्वात करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या करूथ आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ 1957 का 27) के प्रयोजनार्क अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती गौरी पुत्री श्री स्तवीर सिंह चमर पुरा टौकी-ग्रागरा।

(मन्तरक)

2. श्री भरत सिंह पुत्र श्री रनबीर सिंह सिंकन चमर पुरा, फ़तेहाबाद, भागरा।

(मन्तरिती)

3. मन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके भक्षिभोग में सम्बन्धि है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कार्ध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ मोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वृत्त्वी

मकान जो 876 लाट मं० पर बना हुमा है।

एच० भार० थास, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भायकर भायुक्त, (निरोक्षण) भर्जन रेंस, कानपुर

सारीख: 3-7-1985

The state of the s

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

स्यकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ए० 62/85-86:--- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जितको संख्या खलरा नम्बर 926 है तथा जो यथाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रमुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगा है), राजह्याहती श्रीधहारा के कार्यालय श्रागरा में, राजेस्ट्रोहरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के भर्षान तराख 12-11-1984।

का पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान वित्यक्त के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करण स्मान्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार म्मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और स्मान्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय का गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्दायय से उक्त अन्तरण की बिहित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अन्द अधिनियम, या धन- अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

 श्री राधा स्वामी सतसंग पाह देवादा बाग—अनगरा।

(भ्रन्तर ह)

2. श्री राजा बलबन्त सिंह सहकारी श्रावास समिति लि॰ श्रागरा।

(भ्रन्तिरती)

3. प्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. (भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिलके बारे में भ्राक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबाह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जूरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण जै प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नग हैं:

# वनुस्ची

**घः द्यो खेती मौ**जा मऊ मुस्उक्लि।

एच० मार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (लिरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपूर

अतः अवः, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वैं, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, विस्निसिक स्थितियों, अर्थात् :—

सारोख: 3-7-1985

## प्रकर्ष आर्धः हो . एन . एस . -------

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ए० 63/85-86-अतः मुझे, एच० आर०

दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीट जिल्ली सं० 737 है तथा जो, चौक दराम मंडी में स्थित है (ग्रीट इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीट पूर्ण रूप वर्णित है), रिजिस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रिजिस्ट्री करण अधितियम 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 15-12-84

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह िश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रिक्त से, ऐसे रश्यमान प्रिक्तिल के पंत्रह प्रितिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण अर्थ, में, उबत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) इंडियोन निम्मिणिकत व्यक्तियों, वर्षात :----  गिरीश मत पुत्र छनोलत जाति निकासी मण्डो राम दास पुरी मथुरा।

(अन्तरक)

 प्रा० के० पी० बंतत, पुत्र कैलाश चन्द्र, मन्द्री राम दास — मयुरा।

(अन्तिरती)

3. अतिरती

(बहु व्यक्ति, जिसके अ<mark>धिभोग</mark> में सन्तति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### समयो

एक किला टान नं० 737 चीक वरान मण्डी मयुरा।

एच० आर० दास; सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त, (नि क्षिण) वर्जन रेंज, कानपूर

तारी**ख: 3-7-198**5

## प्रकृष्ट नाइ<sup>क</sup>. २९ . युन् . **एव** ु------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए 78/85-86:--अतः मुझे, एच० आर० दासं, आयकार बिधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित गांधार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिनकी संब्दा 402 है तथा जो न्यू विष्णु पुरी अलीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण हुए से बर्णित है), रजिस्ट्रीमर्सा अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-11-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विकास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त संपत्ति का उपित बाजार भून्य, उपके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का कन्य प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया इतिफल, निम्निलिचित उद्देष्य से उदत अन्तरण निम्निलिचत व्रवेष्य से उदत अन्तरण निम्निलिचत व्रवेष्य से उदत अन्तरण निम्निलिचत के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम वं हुई किसी बाय की वाबस, उनस् वीधीनयम के बधीन कर देने के बम्तरक के शांबरम् में कमी करने या उससे बचने में स्मिशा के किए; और/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में रिक्शा खें निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों. सर्वात ह—

 श्री हरी शंकर गुप्ता पुत्र स्वर्णीय श्री दोरी लाल स्यू विष्मु पुरी अलीगढ़।

(अन्तरक)

 श्रीमती वीना गुप्ता पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल न्यु विदंगु पुरी, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

3. अम्बरितो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बहु त्वना बारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के वर्षन के बिहु कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बैं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखत में किए जा सकेंगे।

त्यस्थीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का थो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया यहां है।

धनुमूची

मकान नं० 2/154 विष्मु पुरी अलीगछ।

एभ० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीखं: 3-7-1985

प्ररूप बार्द्द ही . एन . एस . - - -भायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (१) के अधीन सृजना

#### भारत सरकार

जयनिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निवया सं० ए 79/85-86:—अत: मुझे, एच० आर० दास, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संस्थित. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संख्या 3/144 है तथा जो राम घाट अलीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूत्री में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पृत्रों कर संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफन्न के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करा की कारण है कि यथापृत्रों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आधत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे क्चने में मृतिधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूतिश्री के लिए,

अत अन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीर जिस्सिति व्यक्तियों. अर्थात् '—— 29—176 G1|85

 श्रीमती णीलः कुमः पत्नी अध्यमी कुमार राम घाट रोड, अलीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री राजेन्द्र प्रसाद गर्ग पुत्र श्री विषम्भर दयाल गर्ग निवासी कीडिया गंज-अलीगढ़।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारो करके पुत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास निस्ति में किए मा मकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बन्स्थी

एक मकान राम घाट रोष, अलीगढ़।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, कानपुर

दिनाक: 3-7-85

प्रारुप आहाँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९ घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज कानपुर कानपुर, दिनांक 3 ज्लाई, 1985

सं० ए० 83/84-85:—अत मुझे, एच० आर० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो दोदपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्ष्प से विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1984।

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्लरण से हुई किमी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अल्लरक के वासित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; आर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्वित्य की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**सिंह पानिकारों, अधी**त क्रे—  श्रीमती सुखनी देवी पत्नी श्री खेत सिंह ग्राम उत्तरा, अतरौली अलीगढ़।

(अन्तरक)

 श्रीमती नसीम इकददार पत्नी श्री श्री कःजी कददार नवील सिहीकी निवासी नगीना विजनौर।

(अन्सरिती)

अन्मिरिती

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मित्त के कर्जन के लिए क्रार्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबय्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

## मन्स्ची

एक मकान ग्राम दादोपुर अलीगढ़।

एच० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 3-6--1985

# प्रकप आहें.टी.एन .एस .------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए० 85/85-86:—अतः मुझे, एच० आर० दास, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो मऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 5-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृष्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथल नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुइं किसी काय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

कराः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण म, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो हासीन, निम्मिनिश्चित प्राधितयों अधीत :----

- श्रीमती निहाली वेवा शिवीया निवासी मौजा मऊ सह० व जिला—आगरा। (अन्सरक)
- दयानन्द नगर सहकारी आवास समिति लि० द्वारा सचिव, श्री रामबीर सिंह वर्मा पुत्र श्री झल्लू सिंह निवासी प्रकाश नगर, भोगी पुरा— आगरा।

(अन्तर्रिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिंह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बास्रोप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- महभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीने।

स्पन्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,।

## अनुसूची

जायदादा जमीन 7002 वर्ग मीटर मौजा मऊ जिला आगरा।

> एच० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**ः 3-7-1985

मोहर

# प्रकृष् वार्षं .डी .एन .एस .....

नाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत रहकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

सं० ए 89,85-86:—अत मुझे, एच० आर० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 31/71 है तथा जो आगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अगरा में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 15-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य हे कम के दब्बमल बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विववास करने का कारण है कि बन्नापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कालार गृत्य उसके दब्बमान प्रीविक्स हैं एवं दब्बमान प्रीविक्स का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के बिए दब बाबा नवा प्रतिक्स, जिन्निसिव उद्देश्य से अक्त अंतरण जिल्ला के विस्त से किसा गया है:---

- (क) जन्तरण संहूरं किसी बाय की वावतः, उक्त मधिनियर के अधीन कर दोने के अस्तरकः के दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सृतिधा के जिए; बरि/या
- (क) एंसी किसी जान या किसी जन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के किए;

नतः नन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के निम्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री क्रिजेन्द्र पाल शर्मा मास्टर राम जी पाल, निवासी खालसा गली आगरा।

(अन्तरक)

 श्रीमती मिथलेश जैन पत्नी सन्तोष कुमार जैन, नित्रासी लहारी गली आगरा।

(भ्रन्तरिती)

अन्तर्गरती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्बक्ति के सूर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत तूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठी कत स्वित्यों में से किसी स्वित्य इवारा;
- (च) इस त्यना के राजपण में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबय्थ किसी अन्य स्थित ब्यारा नथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकीय।

## **भन्सकी**

मकान नं2 31/71 लुहारी गली आरा।

एच० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त. (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना भारत सरकार प्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, घिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० ए-90/85-86:—-ग्रतः मुझे, एच० भार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित दाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो एम० पी० रोड़, श्रागरा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 11-12-84

करे प्रशिक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निकलिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हर्इ किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--

(1) श्री कविरा सहकारी श्रावास स**े लि**०, स्रागरा।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी देवी पत्नी श्री विनोद कुमार ग्रग्नवाल ग्रादि, नि०—महावीर नगर, फिरोजा बाद, ग्रागरा।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धर्मा इनक्लेब एम० पी० रोड़, श्रागरा।

एच० ग्रार० दास, मक्षमप्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985.

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं े हैं तथा जो डैमिपियर नगर में स्थित

है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-11-84

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्योश में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- श्री फूल चन्द गर्ग पुत्र,
 श्री लाला नर्सिह,
 उमिपियर नगर,
 मथुरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार पुत्र, श्री देवी दास जी, निवासी डैम्पियर नगर, मथुरा।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बहु व्यक्ति, जिसकी अधिभाग में सम्पति हैं) । को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक जायदाद डैस्पियर नगर, मथ्रा।

एच० स्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण,) स्रजैन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 3-7-1985.

मोहर 🖫

प्ररूप आ**इ**ं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० ए०-94/85-86:---श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप जिस्की सं ० 23 है तथा जो एम० जी० रोड़, श्रागण में रिधत है (श्रीप इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के वार्यालय श्रागण में, पितर्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11 दिसम्बर, 1984 को

को पूर्वितन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार्ग में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--

(1) श्री कविरा सहकारी श्रादात सन्ति लि०, श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गणेश चन्द पुत्र, श्री रमेश चन्द, मुहल्ला गंज, फिरोजाबाद, ग्रागरा।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिगित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

प्लाट नं० 423, धर्मा इन्क्लेब, एम० पी० रोड, श्रागरा ।

एच० म्रार० द्वास. सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण,) म्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 3<del>-</del>7--1985.

मांहर :

प्ररूप आई°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) श्राजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निदेश सं० ए०-97/85-86:---श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संब 326 है तथा जो उ

भीर जिसकी सं० 326 है तथा जो इनक्लेब एम० पी० रोड़, भागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-12-84

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिय की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) मै० कविराज महकारी श्रावास समिति लि०, श्रागरा।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी, श्री मुन्ना लाल, 237, जलेण्वर रोड़, फिरोजाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति,जिसके अधिभोग में सम्यप्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट नं० 326 इनक्लेब एम० पी० रोड़, ग्रागरा ।

एच० म्रार० द्वास,ं सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-7-1985.

मांहर :

# प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए०–99/85–86—-श्रनः, मुझे, एघ० श्रार०

दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके परकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 24, 225 है तथा जो आगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूचीं में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 11-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रित का बारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक हैं भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित रहा किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीर. रिम्निवि**डत व्यक्तियों**, अर्थात् :—— 30—176 GI/85 (1) कविरा सहकारी ग्रावास समिति लि० ग्रागरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीरमेण चन्द शर्मापुतः स्व० श्रीराम शर्मा जसराना मैनपुरी।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोरत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

फ्लैट नं ० २४, २२५ धर्मा इनक्लेंब एम० पी० रोड् श्रागरा।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राथकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1985

प्रस्य मार्च टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### गारत तर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर डाय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं ० ए०-100/85-86—-ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क√कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शकार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 14. 21, 22, 23 है तथा जो भोपट्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरुखाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 5-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में कारतिक कर से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) कनारण ते हुई किसी नाव की वावस, उस्क विभिन्नम के जभीन कर दोने के जनारक की दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; नौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर ऋधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था दिल्लाने हों सुविधा के लिए;

अत लब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ह— (1) श्री लिलित कुमार गोइनका पुत्र श्री गोधर गोईनका श्रादि भार्फन भगवान कोल्ड स्टोरेज फल्खाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव कुमार रसतागी, पुत श्री शिव नरायन रसतोगी, द्वारा:—मुशीला कोल्ड स्टोरेज, फरुखाबाद।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके प्रविक्त सम्पत्ति है। अजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमस्या

प्लाट नं० 14, 21, 22, 23, भोपट्टी, फरुखाबाद ।

एच० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-7-1935.

मोहरः

प्ररूप आह्रे.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए०- 101/84-85---ग्रतः मुझे, एच० ग्रार०

दास, ायकर

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्यानें इसकें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 109 है तथा जो रहचटी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रतृसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय शिकोहाबाद में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 5-11-84

को पुनोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूस वे कन के दरमनान श्रीतफल को लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह निक्वास करने कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार क्रूय उसके दश्यमान प्रतिफल सा एमं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बतिखत से आधिक ही और जन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमं अन्तरण क सिए तब पावा स्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया ही ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनित्रम की अधीन कर दोने को अन्तरक अके दासित्य में कमी करने मा उससे वचने में सृविधा को लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिनों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने के कृतिभा वो लिए।

कतः अतः अन्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम भरोसे लाल पुत्र, श्री णिव प्रसाद यादव, नि० कटरा मिरा, कस्बा—शिकोहाबाद, जि०—मैनपुरी।

(अन्तरक)

(2) जवाहर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, शिकोहाबाद ।

(ग्रन्तिरती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता ू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी त्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विथितारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं निक्ति में किए का सकोंगे।

स्थल्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, क्ही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### समस्र की

खेत नं ० 109 मि ०---मौजा रहचटी, शिकोहाबाद ।

एच० म्रार० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीखा : 3-7-1985

# प्रकप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत तरकार

# कार्याक्षय, सहायक आयकर जागुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० के०-36/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 496 है तथा जो ब्लाक सी, स्कीम 7 स्वरूप नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-11-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके वृद्धमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पण्यह प्रतिश ह प्रक्रिक है और वण्तरक (अन्तरकों) और वग्तरिती (बज्तरितियों) विश्व देशे बज्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिक्या किक्किकित वृत्य से जनत सन्तरण निचित में वास्त्रविक कप के क्षित बड़ीं । हवा प्रशा है !——

- (क) अन्तरण से शुद्ध किसी बाय की बावत, उत्थय अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बांद्ध/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, डिपान में सविधा के लिए; और/वा

क्तः नय, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधी , निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अधित् क्ष- (1) श्रीमती डा॰ सुमन वर्मन पत्नी, श्री श्रतुल कुमार, 7/32, तिलक नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संगम लाल गुप्ता, श्री धनवारी लाल गुप्ता, श्री किशोरी लाल गुप्ता सुपुत्र, श्री मुन्नालाल गुप्ता, 76/174, सब्जी मंडी, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

(3) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचभा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कृष्ध किसी मृत्य स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पृथ्वीकरण : ----इसमें प्रयुक्त वान्यों नीत पवी का, को अवस विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा ववा है।

## वन्त्रची

प्लाट नं० 496, ब्लाक सी, स्कीम 7, गुटटैया स्वरूप नगर, कानपुर।

> एच० ग्रार्० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-7-85.

मोहरः

# ब्ररूप बाइ<sup>\*</sup>.टी.एन.एस<sub>., व</sub>----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निकुक्तिण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 4 जुलाई, 1985

निर्देश स० के०--38/85--86----ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दासे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नी पेट 1038 है तथा जो चन्दारी-कानपुर में स्थित है (और इस्ते उपावह सनसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री जी अधि तरों के पार्योग्ध सानपुर में, रजिस्ट्री रण अधिनिस्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-1984

का पूर्विकित सम्प्रित के उचिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान में अप्याद्ध हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरें औं) के अप एप प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कांभत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाथ की शावत, उनक विधिनियम के वधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनके स्थान में बृविधा के लिए; वौद∕शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में उपियम के लिए;

अतः अतः उपन अभिनियम की भारः 269-ग के जनसरण जे. जे, उपत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निटिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हुकम चन्द जायसवाल श्री सूरच प्रमाद जायसवाल, नि०--30/99, माहेण्वरी मोहाल, कानपुर (ग्रन्तरक)
- (2) जगन्त थ प्रमाद रस्तोगी व श्रीमती स्वराजरानी रस्तोगी, निवासी----105/689, कालपी रोड़, भन्जाना पुरवा महर, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

(3) ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) ऋतागण।

वह व्यक्ति, जिसके धारे में श्रधां-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)।

का बहु सूचना चारी करके पृशांक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्पतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकारण की सारीय के 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्रांक्त व्यक्तियों में से दिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षद्री के पास किसित में किये वा सकोंगे।

स्थाकारणः - इतने प्रमुख्त शब्दों और पदों का, जो उपता गींभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

## अनुसूची

श्रारानी प्लाट नं० 1.038, स्थित ग्राम चन्दारी, वानपुर ।

एच० श्रार० दास, यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुच्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख : 4--7--1985

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश सं० के०--4.0/85--86ः---ग्रातः मुझे, एच० श्रार० दासः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 1038 है तथा जो ग्राम चन्दारों में स्थित है (आंट इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से चणित है), रिजस्ट्री क्वि श्रिधकारी के आर्याचय, कानपुर में, रिजस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन नाकील 37 नवम्बर, 1984

को पूर्विभित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-दश, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्ठ अन्तरण शिवित में बाज्य-विक रूप से क्यित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तहरू वे हुइ' किसी बाद की वावत्, अक्त विभावत्वक् के मधीन कर योग के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रिडि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन जा अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ जन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया चाना चाहिए जा ज्याने में द्विभा के निएए

जतः जवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रों, मी, शवत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्रों अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्र-- (1) श्री हुमुग चन्द जापसवाल सपुत्र, श्री सूर्य प्रताद जायसवाल, निवासी-30/99, माहेश्वरी मोहाल, कानपुर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री जगन्नाथ प्रताद रस्ते।गी, श्रीमती स्वराज रानी रस्ते।गी, निवासी 105/689. जानपी रोड, जानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिधोग में सम्पत्ति है) ।

(4) ऋतागण।

(बह् व्यक्तिः जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानना है िः बह् सम्पत्तिः में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डाक्स सम्परित के अर्थन के यम्बल्ध में कांद्र' भी वाक्सेप c-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की विद्या मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिस की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पद्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

ग्रा० न० 1038, स्थित ग्राम चन्दारी, कानपुर ।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकरी आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-7-1985. मोहर: प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सूचता

#### भारत सरकार

कायांलय, सङ्ग्यक आयक्र आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, वानपुर

पुर,दिनांकः 4जुलाई, 1.985

निर्देश मं० के०--41/85--86----ग्रन: मुझे, एच० श्रार० दाम,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 240, 441 है तथा जो ब्लाक वेस्ट स्कीम 2 पुराना बानपुर में स्थित हैं (और इसमें उपावड अनसूत्री में औ पूर्ण क्य में वर्णित है), रशिस्ट्रीयन्ति अधिलारी के वार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीयरण अधितिराम, 1908 (1908 श 16) के अधीत 12 नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंग उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—  (1) श्रीमती बन्तो देवी बाजपेयी श्रीमती श्राभा मुक्ला, कु० श्रवता बाजपेयी श्रादि. नि० 81/36, पटकापुर. कानपुर।

(श्रन्तरकः)

श्री महेन्द्र कुमार सुरेका 3 ए/185, श्राजाद नगर, कानपुर।

(श्रन्तरितीं)

(3) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में राम्पत्ति है)।

(4) क्रेनागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 घिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनस्रची

240/241, ब्लाक वेस्ट, स्कीम 26, पुराना कानपुर ।

ग्च० म्रार० दास, सक्षम प्राधिकारीं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपूर

तारींख: 4-7-1985

प्रक्य शाह<sup>4</sup>.टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अभीन सृष्णा

भारत तरकारु

कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निदेश स० के०--43/85--86:----श्रतः मुझे, एच० अार० दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव 1004/1005 है तथा जो जगई पुरवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारों के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्शिस के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक्र-प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित बें बास्तिक रूप से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विभिन्निय के वर्धीन कर दीने के अन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उयोजनाय अन्तरिती खारा प्रकट नहीं किया गया था उ किया जाना चाहिए वा, खिपाने में

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनि**वत व्यक्तियों, अधीत ⊪**— (1) श्री हरगुन सुपुन,
 श्री त्रशी
 नि०--जगईपुरवा,
 कानपुर।
 (श्रन्तरेक)

(2) श्री नेहर स्मारक सहकारी मिनित,
 द्वारा प्रेम प्रकाश विषाठी, सेकेटरीं,
 128/35, जीठ ब्लाल,
 किदवई नगर, कानपुर ।

(ग्रन्तरिती)

(1) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्तिहै)।

(4) ऋतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके कारे में श्रधे। हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है )।

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के कजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इंक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की मंद्रित या तरमंद्रिती व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्जीक्त व्यक्तियों में जे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास विक्रित में विवे जा सकेंगे।

क्पव्हीकरण !--इसमें प्रयुक्त अन्ती पीर पदों का, जो उक्त प्रविक् नियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होमा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

आ॰ न॰ 1004, 1005, स्थित जगई पुरवा, वानपुर ।

एवं० श्वार० दास, क्षम बाधिकारी, सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्भव रोंज, का**नप्**र.।

तारींख ' 4-- 7-- 1985' -------

मोहर 🕏

## प्रकृत् वार्ड, बी पुरु , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सहस्रह

क्श्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्धीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निर्देश सं० के-45/85-86:--प्रत: मुझे, एच० ग्रार• द⊔स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वात करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहें. से अधिक हैं

और जलकी संख्या—है तथा—को, में स्थित है (और इससे उपा-बक अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रक्षिकारी के कार्यालय उरर्ष में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मनम्बर, 1984

का पूर्वोक्षत संपत्सि के उधित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई और मृत्ये से का कारण है कि वधापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल से पन्तइ प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम वं हुइं किवी बाव की वावत, उक्त निधिनयन के नभीन कर दोने के जन्तरक के वावित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बाँद/वा
- (व) एची किसी जाव ना किसी वन ना अन्य आस्तिकों को, चिन्हों भारतीय जाव-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर सिधिनियम, वा धन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण वैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलि**वित व्यक्तियों, अर्थात् ह**—— 31—176GI/85 (1) श्री बमन्त लाल सुपुत श्री चतुर्भुज, नि०ग्राम कुठौदा पर० उरई, जि० जालौन।

(अन्तरक)

(2) श्री किशाना व मानिक व श्री प्रताप पुलगण श्री इन्द्रजीत, प्रमोद व उदल आदि, नि०— मौजा कुठौदा पर०—उरई, जि० जालौंन।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## अन्य संपत्ति के वर्षन के संवंध में कोई भी बाजर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगाराः
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए का सकी।

न्यक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

## अनुसूची

गुल० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कामपुर

तारीच : 4-7-1985.

मोहर 🛭

प्रवर्ग **वार्**ु टॉ, एवं ् यस<sub>्यसम्बद्धान्त</sub>

वातकर मीमीनवन, 1961 (1961 का 43) की पाय 260-य (1) के प्रवीत सूचना

#### शास्त्र संह्यार

# कार्याचन, बहायक नानकर आयुक्त (निद्धीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिमांक 4 जुलाई 1985 निदेश सं० के०-52/85-86:—अतः, मुझे, एच० आर० बास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा थया ही, की वास 269-च में अधीन तक्त्र शिथकारी को, वह विश्वतम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्त्रा अचित वाचार स्वयं 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 128/एफ/68 ए है तथा जो किदबई नगर में स्थित है (भीर इससे उपावद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) 1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफान के सिए अन्तरिता की गई है और मुखे वह विश्वास अनुने का कारण है कि स्थानुर्घोक्त सम्पत्ति का अधित बाखाइ भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पल्क प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच ऐसे अंतरण के सिए स्थ प्रथा गया प्रतिफाल भिम्मिलिसित उद्योग्य से उस्त अंतरण सिचिता में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाब की बावत स्वयं स्थित निवस से वसीन कर दोने से अन्तरक से सावित्स में कसी करने वा उत्तरे वसने में तृतिभा में तिए; स्वीद/का
- (क) ऐसी किसी जान वा किसी वन वा अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या जन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरिवधा जी तिव्हः

क्तः भव उक्त सभिनियम की भारा 269-न के सन्मरक में, में, सक्त सभिनियम की भारा 269-न की उपभादा (1) के सभीन, निम्मलिखिस स्पक्तियों, सर्वाद क्र-- (1) श्री रूप किमोर अग्रवाल सपुत स्व० बाबू मोहन लाल अग्रवाल, नि० 30/33, माहेम्बरी मोहाल, कामपुर ।

(अन्सरक)

(2) श्री होरी लाल गुप्ता सपुत श्री गुलजारी लाल गुप्ता, निवासी 87/319, आचार्य नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) केंतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ऋतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्थना धारी करके प्योंक्त सम्प्रीता के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त संपरित के नवीन के संबंध में कोई भी वासीप ड--

- (क) इस यूचना के स्थापन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित या त्रसम्बन्धी स्थापता पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित मों भी काशी नामी नामी समित होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थापन होती हो।
- (क) इस बुक्त के समयून यो प्रकाशन की शारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नक्ष किसी अन्य स्थानत व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के सक्ष सिवित में किए या क्केंने।

श्यक्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त सिंध-विकास के सध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, को उस कथ्याय में दिया गया है।

## **यनुष्**षी

म० न० 128/एफ/ 68 ए, किदवई नगर, कानपुर।

एच० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-7-1985

मोहुर 🔞

# **अपने आर्थ**्डॉ. **एन . एव**ं, न्यान्यन्यन्य

# नाथकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### प्राप्त रस्क्रार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर,दिनांक 4 जुलाई 1985 निर्देश सं० के०--53/85--86:---अत: मुझे, एच० आर०

दास,

नातकर निर्धानमन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत मिथीनमन' कहा गया ही), की पास 269-व के नभीन सभान् प्रतिभक्तारी को कह मिक्सास करने का अपना है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उपनत नावार मृख्य 100,000/- रा. व निर्धक ही

श्रीर जिमजी सं० 10/429 है तथा जो खलासी लाइन्स में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 26 नवम्बर, 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कत्र के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्वाडी

जातफल का लए जन्तारत का गाड़ ह जौर कुको यह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्स सम्पास्त का उचित वाजार मृस्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्त्रमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और औड जन्तिरिती (जन्तिरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) क्रेडी किसी जाय या किसी भन या सन्त वास्तियों क्रेडी क्रिडी जाय या किसी भन या सन्त विभिन्नियम, 1922 विभिन्नियम, 191 उक्त क्रिअनियम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्त्रिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नक्षा था किया बाना बाहिए था, क्रियाने में क्षिका के क्रिया

नतः अने, उपत निश्तिनयम की थाटा 269-ग की जनुसरण में, में, उपत अभिनियम की थारा 269-म की उपधारा (१) के अभीन, भिम्निलिसित स्थमितयों, नथात् ⊭—— (1) श्री सरवारी लाल सपुत्र स्व० श्री झंडा राम, 11/311, सूटरगंज, कामपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल संत्वानी, सपुत्र स्व०श्री जय किशम दास, निवासी 7/188, स्वरूप नगर, फानपुर।

(अन्तरिती)

(3) कैतागण ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभौग में सम्पत्ति है) ।

(4) ऋेतागण ।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह तुषना चारी करके पृशेषित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यपाहियां सुरू करता हुं।

उनत सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की नवींच ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींच, जो भी नवींच बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बनस्ची

10/429, खलारसी लाइन्स कानपुर

एच० आ५० जास गक्षम प्राधिक री, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी ण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 4--7-18:85.

मोहर 🖫

# प्रकम नार्हे <sub>हो ह</sub>ी <sub>हो</sub> एस . एस .,=======

# श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्वमा

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, कानपुर

ंकानपुर,िनांक 4 जुलाई 1985 निदेश सं० के०-54/85-86--अतः मुझे, एच० आर० पास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (हिंबसे इसमें इसमें प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्पीत, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिकं ही

श्रीर जिसकी संव 10/429 है तथा जो खलासी लाइन्स में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अल्डिक एडी गर्ड ही और मूझे यह विश्वास करने का जारण के कि अल्डिक एडी गर्ड ही और मूझे यह विश्वास करने का जारण के कि अल्डिक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान परित्रकार में, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियों) के के कि अल्डिक से मिल अल्डिक अक्षर से उक्त जन्तहम शिवित में शास्त्रिक स्प से कथित नहीं किया थवा है कि

- (क) अन्तरण राह्यां किनी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उत्तसे वचने तो सुविधा के सिए; शोड़/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया

मतः क्षा, उनत अधिनियमः, की धारा 269 व के अमृत्ररण मो, मौ, तकत अधिनियम की धारा 269 व की जयधारा (1) वे अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त (1) श्री सरवारी लाल सपुत्र स्व० श्री झंडाराम, 11/311, सूटर गंज, कानपुर । (अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल संतवानी के स्व श्री जय किशन दास, नि०-7/188, स्वरूप नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

(3) केलागणा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) केतागण। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)।

की मह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 विन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को जबधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनाराह
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्तित ब्वारा स्थाहत्ताकारी के बाद किसीबद में किस वा कर्ज़ने।

# ध्रनसूची

मकान 10/429, खलासी लाइन्स, कानपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4--7--1985

मोहर 🛭

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जुन 1985

निदेश सं० 3033/8062/84-85---यतः **मुझे भ्रनिल** कुमार

भायकर शोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं 'कि 'स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ० नं० 110 सागर श्रपार्टमेन्टस 926 सिनेगाग स्ट्रीट पुणे-1 है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पुणे में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सपास्त से उपित जाजार मूल्य से कम के दूरपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास कारने का जारण हो कि यभापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उनक दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अ अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्मिसिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण किचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण त हुई किसी आय की बाबत, डक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविभा के सिए; और/या
- (स) एको किया आय ता किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) में उक्त जिथितियम, या अनकर लिथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुबरक में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) पि० वि० महाउकर एण्ड सन्स 926 सिनेगाग स्ट्रीट पुणे–।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रहमद शरीफ म० उस्मान श्रीमती मुमताज श्रहमद उस्मान 398 नाना पेठ पूणे–।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांध्रं भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवृत्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाचीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

## अन्सुची

फ्लैंट नं० 110 सागर श्रपार्टमेन्टस 926 सिनेगाग स्ट्रीट पुणे-1.

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 8062/84-85 जो सिसम्बर 1985 जो सहायक श्रायकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण) श्रानिरेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिलं क्रुभार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निःोक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 11-6-1985.

मोहर 🥫

## त्रकप आई. टी. एन . एत . -----

the second of the second second second

# आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर नायक्त (निर्वेशक)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 3733/772 एक्यू 84-85---यतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उन्तर अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका जीवत बाबार मूच्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट 45 ए/2 ए बोपोर्डा पूना (क्षेम 6500 स्के० फि०) है तथा को पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को प्रोंका संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके वह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को प्रतिकास से विषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरिक्तमों) के बीच एसे जन्तरण के निष् सम्वामा प्रतिफल में प्रतिकात, निम्निचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निम्निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई सिक्बी नाग की बावता, उक्त अधिनियम के बचीज कर दोने के बन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा-सी लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी भाव वा किसी भन या अन्य झास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ज्योग, निम्नलिकित व्यक्तिकों, अर्थीत क्र

(1) श्री नारायण रामन्ना गजबरे59, एल फिस्टन रोड़बोपोर्डी पूना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी कन्स्ट्रक्णन कंपनी भागीदार—दयालमी मोहन राठोड 752 रविवार पेठ पूना–2 ।

(भ्रन्सरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षि वें 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए का सकेंगे।

स्वक्कीक्ट्रचं:--इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, को जरूत जीशीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7729/84-85 को नवम्बर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।) (क्षेत्र 6500 स्के० फि०)।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राग्निकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 6-6-1985

## प्रकृति । इस , इस , वस , वस्ता वर्ष

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नवीय क्यवा

# नारत चरकाह कार्यानय, सङ्घायक वायकाह नाम्प्रतः (निद्वस्थित)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निर्वेश सं० 37ईई/7477/84-85:—यत: मुझे, धनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नधीन समाम प्राधिकारी की यह विस्थास करने की कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० म० नं ० 104/1/1 (भाग) इरान्डवाना पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर 1984

को प्रॉक्त कम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयंताय प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से विभिन्न है और बंतरिक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पावा जवा प्रतिफल, निम्मनितित उद्वेष्ट से उक्त बन्दरण विविद्ध में वास्तिक रूप से कमित नहीं किया बचा है र—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, जवक करिय-नियम के जधीन कर दोने के अंतरक के वासित्य के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हैंकए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा वस्य व्यक्तिती की किन्द्र भारतीय आयकर विधिनवम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, क्रथांत :--- (1) मैसर्स देवधर एन्ड जोशी प्रमोटर्स श्रौर बिरुडर्स 1298 सदाणिव पेट पूना-30

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामदास बाबुराव नकेश1930, सदाशिव पेठपूना-30.

(श्रन्तरिती)

की वह बूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यक्रियां करता हो।

बक्त सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम से राज्यक में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किमी ल्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकावन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंचे।

रवक्कीकर्णः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का, वो उक्त वर्डिंगियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वया हाँ॥

## अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7488/84-85 को नवम्बर 1984 जो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के वक्तर में लिखा गया है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना ।

तारीख: 6~6-1985

माहर 🛭

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस., -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुमना

#### भारत चरकार

# कार्याजय, सद्दायक जायकर शायुक्त (निद्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7822/84-85:---यतः मुझे, मनिल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उदत अभिनियम' कहा गया ही, की भाषा 269- व के अभीत सक्तम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 104/1/1 (भाग) एरडावना पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाकद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूक्य से कम के उपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और गन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुन्दं किसी नाव की नावता, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तारक के वाजिस्क में सभी करने ना उससे न्यने में बुनिधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिम्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जराः वाव, अवत जीभीनयम की भारा 269-ग की जनसरण भें, में, उपत जिभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैंसर्स देवधर एण्ड जोणी प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स 1298 सदाणिव पैंठ पूना-30.

(श्रन्तरक)

(2) श्री यणवन्त ग्रार० गोखले 176/ए/1 पर्वती पूना।

(भ्रन्तरिती)

को शह सूचना चारी करको पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिनां शुरू करता हुं।

# बक्क सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिया ३— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7822/84-85 को दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुत्त (गिरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 7-6-1985.

भोहर 🗓

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

## कार्याशय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांः 7 जून 1985

निदेश सं० 3.7\$ई/7.823/84-85-47ः मुझे, श्रनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्कीं में नं 1.04/1/1 (भाग) एरडावना पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाद्यद्ध अनसूचीं में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकीरी के कार्यालय में सहायकग्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विस्ताल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, अवकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे तकीय जिल्लामिसिस व्यक्तियों, अर्थात् क्र— 32—176 GI|85  (1) भीनर्थ देशना: एक्ट जोकी, प्रमोद्धर्य एक्ट खिल्डर्स, 1.34 सदाधिव पेट. पूरा--30.

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री ए० एस० जोशी, मुन्दर निवास, कायरुंड, पुना-29.

(श्रन्तरिनीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्बक्ति भे अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## बन्स्ची

(जैसे कि रशिस्ट्रीहत नं० 37ईई/7823/84--85 को माह दिख्यर, 1984 की सहाय १ आया र आयुक्त (निरीक्षण), अर्धन रंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनित कुमार. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना ।

नारीख : 7--6-19**8**5. मोहर :

# प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत धरकाष्ट्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

प्नादिनांक 4 जून, 1985

निदेश सं० 37\$ई/15322/84-85-अतः मुझे, श्रनिल कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकीं मंज प्लाट नंज 57, मर्बेज नज 43, नवधर गांच, ताज समर्ह, जिला थाने जो थाने में स्थित हैं। (और इससे उपाध इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त) (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अर्जन, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह भिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) व्यारण से हुइ किसी बाब की शबत, इक्स विभिन्नियम के बधीन कार दोने के बल्सरक के बाबिएक में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को कथीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थाक क्र— (1) श्रीमती शारदा योगराज भंडारी, डीं-21, पंजाब हो० सोसायटीं, टैगोर रोड़, सांताकुज ((डब्ल्यु०), बम्बई-54, ।

मन्तरक)

(2) मैंसर्स सीमा कंस्ट्र, क्यान कपनी, 54 काजल ग्रपार्टमेन्ट्स (ए) 53, ग्रानन्द नगर (नवाधर), बसई रोड (डब्स्यू०)।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है कि

## मनुसूची

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत न० 37ईई/15322/84-85 को जो अप्रल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वपतर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार, सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, पूना

तारीख: · 4-6-1985.

# प्रकथ बाह्रं, दी. एत., एस.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० 37 ईई/16375/84-85-अत, मझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन-सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रुज्ञ से अधिक है

और जिसकी सं विगला नि 48, श्राय विएस टाईप प्लाट नि 43 बांधी हुई जगह 1013 स्क फुट वेहात बालीय तासबसई जि० ठाना, (क्षेत्र 1013 स्के फि०) है तथा जो ठाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में औच पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पून, में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वारेश से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उन्ते अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ तिए।

बतः नथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, अक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कै बधीन निम्नीलिकत व्यक्तियों, वर्धात् ः—  में सर्स दाढिया और एसोनिएट, कीती वैंभव सवारी नाभा, बम्बई-15.

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल नेशायजी पुरेछ।
23 रामेण्यर रामगली एस० व्हीं० रोड़
शादिवल डब्ल्यू०),
वम्बई।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पृथीक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) रस स्थान के राजपत्र में ककाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है कि विकास व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में है के कि व्यक्तियों में है कि व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में है कि व्यक्ति विषयि व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विषयि विषयि विषयि व्यक्ति व्यक्ति विषयि विष
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित; है, वहीं अर्थ होगेंं जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत न० 37 ईई/16375/84-85 को जो मई 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

(क्षेत्र 1013 स्के० फ०)

त्रतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख ' 4~6−1985.

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून, 1985

निदेश सं० 37 ईई/7981/थाण/84--35:च्य्रतः मुझे श्रनिल कुमार,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ० न० 414, प० न० 16 हिस्सा 17, डी बीं० सीं० वासी नई वस्बई है तथा जो नई वस्बई में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण क्य से विणित है, (रिजिस्ट्री धर्ती अधिकारी के कार्यालय सहाय आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रिजिस्ट्री करण श्रिधनियम, 1908 (1908 की 16) के अधींन, नारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ो बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व अस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थातः— (1) लिबर्टी इन्वेस्टमेंटम प्रा० लि०, 302, डलमल हाउस. 206, नारिमन पाईट, वम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल सत्तार इन्नाहिम डोसा, 32, 36 बाबला टैंक, कोस मार्ग, बम्बई- 3.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननुसूची

पलैट न० 424, प्लाट न० 16, हिस्सा-17, डी बी सि वासीं, नई बम्बई।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीं त क० 9781/84--85 जो श्रक्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण), अर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में विख्या गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

नारउख: 11--6--1985 मोहर: प्रकप . बाद्दे , द<u>ी . पुन् , पुन्</u> = अ = ॥ ॥

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मभीय स्थान

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून, 1985

निर्देश मं० 37ईई/84-85--श्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ० नं० 411, प० नं०, 16 हिस्सा-17, डी० बी० सी० वाशी, नई बम्बई है तथा की नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूर्ण में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंबीन, दिनाक श्रवतूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से किया नवा है है—

- [क] बन्तद्रण से हुई किसी बाद की शायत, अक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कजी करने या छक्षसे बचने में सुविभा के निए; जोड√का
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका विविद्या

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, प्र<sup>3</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ६—- लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लिमिटेड,
 302, डलमल हाउस,
 206, निरमान पाइंट, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

श्री इब्राहीम श्रोमर डीसा,
 32/36, बाखाला टैक, क्रास मार्ग,
 बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्मत्ति के अर्थन् ने संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूथना के राजपत्र त्रं प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्ध किसी बच्च व्यक्ति व्यारा, वभोहस्तासरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### श्रनुसूची

फ्लैट नं० 411, प्लाट नं० 16, हिस्सा—10, श्री०सी०सी० वाशी, नई बम्बई।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 9779/84-85 को श्रक्तूबर, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 11-6-85

सोध्य 🛮

# प्रक्य बाइ ुटो, एन. एव.,-----

# आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन स्चनः

#### गारव सरकाड

# कार्यालयं, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून, 1985

निर्देश सं० 9778/84-85--यतः मुझे, अनिल कुमार बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्लात् 'एकत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उणित वाजार मृस्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी संख्या फ० नं० 413, प० नं० 16, हिस्सा-17, डी०बी०सी०, वाशी, नई बम्बई है तथा को नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वितित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किखत में बास्तिकिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुन्द विद्वती बाय की बाबस, उत्थव अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उद्यवे बचने में तुविधा के लिए; औरर्थमा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना आहिए था, छियाने में नृविधा के सिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् हु— लिबर्टी इन्बस्टमेंट्स पि० लि०,
 302, डलमल हाउस, 206, निरमान पाइंट,
 अम्बई।

(ग्रन्तरक)

 श्री भ्रब्दुल रज्जाक इब्राहीम डीसा 2/36, बांबला टैंक, कीस मार्ग, बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ा-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाक्त में किए वा सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पृषों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विया गया है।

# बन्स्यो

पर्लैट नं० 413, प्लाट नं० 16, हिस्सा-17, डी०बी०सी०, वागी नई बम्बई जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 9778/84-85 अक्तूबर 84 के सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज पूना

तारीख: 11-6-85

प्ररूप आई. ट. एन. एस. -----

बायकर अप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10231/84-85--- ग्रतः मुझे ग्रनिल कुमार बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मुधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 106 प्लाट नं० 17 हिस्सा-17 डी॰ बी॰ सी॰ वाशी नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) (रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीण) श्रर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नयम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त और नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आर्थ/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उफ्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 लिबर्टी इन्वेस्टमेंट्स पि० लि० 302 खलमल हाउस
 निरमान पाइंट बम्बई।

(अन्तरक)

प्र. नटराजन
 ए/17 इन्जीविडार सी०
 मलाड (पश्चिम) बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 106 प्लाट नं० 17 हिस्सा-17 खी०बी०सी० वाशी नई बम्बई ।

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत कः 10231/84-85 को नवम्बर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूणे के दफ्तर में लिखा गया है]।

> श्रनिल कुमार मक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 11-6-85

# क्ष्म बाह्<sup>न</sup>.दी.**एन्.एन्**.,-------

अगयकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7075/84-85--श्रतः मुझे ग्रानिल कुमार

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्बत मिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 ∕- रत. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी संख्या यूनिट 90 तलमजला शैलेश इंडिस्ट्रियल इस्टेंट नं 1 प्लाट नं 25-76 से नं 31, 34, 35 नवघर तालुका बसई जिला थाना है नथा जो बसई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी के कर्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक अक्तूबर 1984

को पूनों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रियमान प्रतिकल से, एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त विक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तिरिटी ब्वारा प्रकट नहीं किया नया अस्ति के स्वाधनार्थ असी स्वाधनार्थ असी स्वाधनार्थ के स्वाधनार्थ असी स्वाधनार्य असी स्वाधनार्य

बतः बधः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कें, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) कें अभीतः विभ्निसिक्त व्यक्तियों, कर्यात् ६——

- श्री कस्टझन
   109 के० टी० चेम्बर वसई रोड (डब्लू)
   (ग्रन्तरक)
- मेसर्स दिवे मोल्डर्स इलद्रिणियल
   292 मुनिल हाउम न्यू 1 1वां रस्ना चेंब्र बम्बई-79।

(भ्रन्तरिती)

क्षों यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस स्वता के राजपन ने प्रकारन को तारीय के 45 विश्व को अवधित वा तरकारणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधित को भी अवधित को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बृही जर्थ होगा, औ उस अध्याय में दिया गया हैं॥

# अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/9075/84-85 जो म्रक्तूबर 1984 को सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज पूना

तारी**ख**ः 11—6—85 **मोहर**ः प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 सित्तम्बर 1984

निर्देश सं० 37ईई, 67.28, 84–85—अतः, मुझे, अनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया इ'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 7, तीसरी मंजिल, स० नं० 27,1 ए, एरडंबना पूना-4 क्षेत्र० 510 स्वे० फु है सथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----33----176 GI|85 मेसर्स मयुरेश एंटरप्राइसेस
 722,45, गंगाधर सक्ष्मी पार्क,
 नवीं पेठ, पूना-30।

(अन्सरक)

 श्री राजकुमार मल्होता, ग्रीर श्रीमती सरोज राज मल्होता, इ-6, गंकर छाया सोसायटी इरडवना, पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों फ्र. सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 27ईई, 6928, 84-85 जो अक्तूबर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

(क्षेत्र० 510 स्वे० फुट)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-9-84

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 सिप्तम्बर 1984

निर्देश सं० 37ईई $_l$   $437_l$  84-85—यतः, मुझे, अनिल कुमार

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लंट नं ० 4, पहली म/जल, बी विंग, धनश्री अपार्टमेन्ट फ्लाट नं ० 1 6 ओका कालोनी, दिन। विजय कालोनी के पास टिम्बक रोड. नासिक

है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्झह प्रतिशान से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  मेसर्स सुले कंस्ट्रकशन
 38 प्रधान पार्क, महात्मा गांधी रोड, नासिक।

(अन्तरक)

श्री सुनिल सुरेण पलुसकर,
 1895 पार्वती सदन,
 तीवधां लेन, नासिक सिटी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अबीधि या तत्संबंधी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्सूची

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/437/84-85 जो नवस्बर 1984 को सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है )।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-9-84

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. -----

# नायकर निधीनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नंधीन सूचना

#### भारतं सरकार

# कार्यासय, सहायक आवकर मानुक्त (निरीक्त)

अर्जन रेंज, पूना

ंपूना, दिनांक 9 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 37ईई $_{l}$ 408 $_{l}$ 84-85--अनः, मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 7 गोपिका अपार्टमेंट को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी सं० नं० 922/4 प्लाट नं० 2 ए स्रोर स० नं० 922/5, प्लाट नं० 2 बी नासिक, (क्षेत्र 540 स्के० फुट) है तथा जो नासिक में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवंबर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितकन के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह दिश्वाम का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके शव्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के कीच एसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुक्क किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व मो कमी करने या उसमे बचने मो मृश्विभः के स्पिए; और/या
- (ण) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य आतिस्त्यों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्रियाने में जिया के सिए;

सतः जब, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर ृिस्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- श्रीमती ।वमल मध्कर :गरसाट फ्रेंट सं० 7 गो.पक(अपार्टमेन्ट सोम(यटी, सिड्के कालोनी, नासिक-2।
- मेसर्म निर्माण बिल्डर्म 4612-के, पोहार भवन प्राता आगरा रोड, पंचवटी, नासिक--3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध वा तत्त्राचनधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 जिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की लामीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त व्यक्षिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट हूँ, बहुी अर्थ होगा यो उस मध्याय में दिया गवा है।

#### धनुसूची

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/408/84-85 जो नबम्बर 1984 को सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है )।

(क्षेत्र 540 स्ववे० फ्ट)

अनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-9-84

मोहर 🖫

प्रकल बाह्र . दी. एन. एत. -----

बावकर ब्रिधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज (1) के अभीन स्थान

#### नाइत चडुकाड

कार्यालय, सहायक जायकर नागुक्त (निद्धीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 1जून 1985

निर्देश स० 37 ईई/9594/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, विसका उचित बाबार मृश्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैट नं० 6. बिल्डिंग नं० बी-1, प्लाट नं० 5, स० नं० 114, 115-2 बी, 116, 1 से 6, कोफराड गांव, बसई, थाने है तथा जो थाने में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक अधिकार अधिकार के विप्ति से कार्यालय, सहायक अधिकार अधिकार अधिकार के विप्ति के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मसे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह बित्यत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदौरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पावा गया प्रति-क्य रिम्मिणिक्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिथिश में बाल्सिकल स्थ से कथिश नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरम् संबूदं किसी जान की नान्त्र, उक्त मृश्नित्र के सभीन कर दोने के अन्तरक से स्वीतत्व में कमी करने या उससे त्यने में सुविधा के लिए; नौर/ना
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजमार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया बाना चाहिए था, जिनाने भें सुविभा के सिए;

वितः वाव संवतः विधितिवमं कौ भारः 269-न कौ समुसरण वी, वी, उभतः विधितियमः की धारः 269-च की उपधारः (1) को अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मे० परांजिप कन्स्ट्रक्शन कं०,
 34, महात्मा गांधी मार्ग,
 विले पार्ले (पूर्व),
 बम्बई-57।

(अन्तरक)

एस० एस० करूलकर,
 6/125 विजय नगर,
 ग्रेघेरी (पूर्व), बम्बई।

(अन्तरिती)

क्षं क्ष्यु बूचना बारी करके प्रतिकत संस्थित के वर्षन के निम कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की बनीब ना अरब्भन्थी व्यक्तिकों पृष्ट बुधना की तानीज के 30 दिन की नविष्, को भी बनीब नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उस्पत्ति में हितवहरू किसी बन्ध व्यक्ति प्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा बकोंगे।

लक्षीकरणः इश्वरं इनुमन् कच्चां बीड वर्षे व्याप्तः हो कच्च विधितवन, के नभ्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अभ्याय में विधा नवा है।

# ध्रनुसूची

फ्लैट नं० 6, बिल्डिंग नं० बी $\rightarrow 1$ , प्लाट नं० 5, स०- 114, 115-2बी, 116,1 से 6कोफराड गांव, बसई, थाने ।

(जैसे राजस्ट्रीकृत ऋ० 9594,84-85 जो अक्तूबर, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> ं अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, पूना

दिनांक: 11-6-85

प्रका बाह<sup>1</sup>, टी., एन., एस<sub>.,</sub>-----

जायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### शास्त्र ब्रुकार

# कार्यातय, सहायक भायक र नायुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रजीन रेंज. पूना पूना, विनोक 6जून 1985

निर्देश सं० 37 ईई /686 0/84-85--श्रतः मुझे. श्रनिल कुमार

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त निधनियम' कहा गया है), की बारा 269 स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या प्लैट नं० 11 भ्रौर 12 कमलतारा श्रपार्टमेन्ट्स धिले पाटल रोड, पूना- 1

है तथा जो पूना, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यभान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्नलिकित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण शिवित के बास्तरिक का में कथित नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपानं में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिंग व्यक्तिर स्वित् :—

- श्रीमती जयश्री पी० छावरिया,
   फाईव स्टार श्रपार्टमेन्ट्म, 4/7 बन्द गार्डन रोड,
   पूना-1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सक<sup>1</sup>गे।

स्यव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दी और वदी का, जां उक्त किंगिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

# मन्स् भी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋं० 37 ईई/6860/84-85 जो अक्तूबर, 1984 को महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

**दिनांक** : 6~6-1985

मोहरः

प्रकप बाइं.टी.एम.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासक, तहाकक नामकार जावुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 जून 1985

िनर्देश सं० 37 ईई/7025/84-85—–श्रतः मुझे, श्रनिल भार

कायक र किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 11, 12 ग्रायडियल कालोनी, सं० नं० 927 कोथरुड, पूना—29 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है),रजिल्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण (श्रर्जन) रेंज पूना में रजिल्द्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियन के नभीन कार देने के बंतरक के रायिस्क में कामी करने या उससे क्याने में स्विधा के लिए; ब्रौर/बा
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों तो, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अंतिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में यीवधा के सिन्ह;

- श्री एम० एम० गोडबोले 17/2 गुंरडावना प्रधान रोड पूना-4
   श्री यू० एन० गोडबोले 493 माडल कालोती पूना~16
   (श्रन्तरक)
- चाफलकर लड्डा एन्ड को० 295 पर्वती पूर्ण-9।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सुकान के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

# ग्रनुसूचीं

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/7055/84-85 जो माह ग्रक्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजः पूना के दक्तर में लिखा गया है)।

> श्रिनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

जतः वतः, उक्त सधिनियमं की धारः 269-गं कं अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1). अं अधीकः, निम्नसिचितं व्यक्तित्वों, अर्थात्यः—

दिनांक 6--6-1985 मो**हर**ः प्रकृष मार्च . दी . एत . एत . -----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अभीन स्माना

#### भारत तडकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-पूना

पूना, दिनांक 6 जून 85

निर्देश सं० 37 ईई/6506/84-85—श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या शाप नं० 6 श्रीर 7 तल मंजला सी०टी ०एस० नं० 1303 सदाशिव पेठ पूणे~30 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के ार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुवर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सपरित का उचित बाजार भूल्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, छक्त बीधनियम के अभीन कार दाने के अन्तर्क के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा श्रीतरण; शौर/सा
- (भ) ए सी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्षप्त अधिनियम की धारा 269-ध की अपधारा (1) के अधीन निगतिकित, व्यक्तियों, अर्थात् र—  श्रीमती नंदािकनी कृष्णेश्वर द्विविड़ मार्फत मेसर्स थून श्रजेन्सिस भवानी पेठ पूना-2

(म्रन्तरक)

 छाया प्रकाश प्रबार 307/बी शुक्रवार पेठ, पूना-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाधन की तः शंख सं 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वमा कि तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में विया गया है।

#### प्रनुसूची

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/6906/84-85 को जो माह प्रक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्वनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक स्राथकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

्तारीख: 6-6-85

शोहर ७

प्रकृष्ट नाही, दी, एन, एस, ----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यातव, तहावक बावकर बावुक्त (विद्राक्षिक)

भ्रर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/6701/85-85—श्रतः मुझे **श्र**निल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 7 तीसरी मंजिल सं० नं० 27/7-ए० श्ररेडावना पूना (क्षेत्र 550 स्क्वे० फु०) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से, ऐसे श्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और बन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ बावा नया प्रतिक्रम, निम्नकिश्वित प्रवृद्धित से उसत बन्तर्ज मिन्तित में वास्त्विक स्प से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधिनियस के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने ना उससे क्चने में सुनिधा के निष्; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था खिपाने में सुविधा को लिए;

बत्र क्रव, उक्त काँधिनियम की भारा 269-न के बनुतरक को, मी, उक्त कांधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिकों, अर्थात् :—

- मेसर्स मयुरेश एंटरप्राईसेस
   722/45 लक्ष्मी पार्क "गंगाधर" नवीं पेठ पूना-30
   (ग्रन्तरक)
- श्री समैंय्या बसय्या मिठापती
   ६-2 शंकर छाया को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी कर्वे रोढ पूना-2

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्तु सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के द्राजपूज में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तिकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नमा है।

# वन्तृत्र्यी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 ईई/6707/84-85 को जो माह ग्रक्तूबर 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज पूना

सारीख: 6-6-85

प्ररूप बार्ष: टो. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचन।

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूला

पूना, दिनांः 9 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/7249/84-85 यत मुझे प्रसित कुमार बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संख्या डीर नं विक चौयी मंजिल विमाग 9 ठाकर हाउस 2417 जनरल थिमैथ्या रोड पूना-1 (क्षेत्र 1910 स्के फुट) है तथा जी पूना में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से कित है), रिजिट्टीकर्नी श्रविधारी के वार्यालय सहायक प्राया प्रश्नाय स्थाप (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना, रिजिट्टी रूण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाग गया प्रतिफल का निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तिशक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उसस बचने में मृदिश के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या वि.सी धर का अल शांस्त्यां की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 34—176 GI|85 (1) ठाकुर एण्ड परमार प्रापरटींज प्रा० लिमिटेड 119/117 1लीं मंजिल स्ट्रांट बम्बई-2

(म्रन्तरक)

.(2) श्री राशीद णरीफ नराफीं गुरु नान : हाऊस पारवानी हाऊस पूना-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के बर्जन के सिष्ध कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों के में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

(जैसे ए रिज्यूनिकृत नं० 37ईई/7241/84-85 को जो नवस्वर 1984 को प्रहाय आपाप आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज पूना के दपतर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त स्नायक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रज' पूना

तारीख: 4-6-1985

# इक्द वादे . ट्रं . एन . एक . -------

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के वभीन सुबना

#### MISO REGIO

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज'पूना

पूना, तारीख 4 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10765/84-85--श्रतः मुर्झे श्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-च में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वायार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सीं० टीं०-एस० 966/ए० एफ० पी० 794/ए० प्लाप्ट नं० 4, शिवाजी नगर पूना-16 (क्षेत्र-770 स्के॰ फ०) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय सहायक आयश्य अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, दिनांक मार्च 1985

को पृत्रों कर सम्पतिल के उचित बाबार मृत्य से कम के रहरयाब प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चों कत सम्पत्ति कम उचित बाबार बृद्ध उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफास कम पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिकी (अन्तरितियों) के बाच एमे बन्तरण के लिए तय पाया गया दिस्का निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वं हुई किसी शाव कर शावत उक्त जिभिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के सिष्; बॉर/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बर्धः विश्व उन्तत निधिनियम की धारा 269-ग के जन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्षशीत् में (1) मेसर्स राजाराम शिराके एन्ड एसोतिएट प्लाप्ट नं० 394/ए० शिवाजी नगर, पूना-16

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन नारायण खचरे विष्णु नारायण खचरे श्रीमतीं पुष्पा दिनकर खचरे मकाम पोस्ट झेंल गांव बाजार मोनाला, जिला बुलटाना

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्रशंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकर्षो।

्स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंभित्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष क्षेणा, जो उस वध्याम में दिवा द्वा है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्री ति नम्बर 37ईई, 10765/84-85 को जो मार्च 1985 को यहाय क्याय जर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज पूना के दफ्तर में िखा गया है।) क्षेत्र 770 स्के॰ फ॰)

> श्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय∗र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, पूना

तारीख 4-6-85 मोहर :

# ब्रष्ट कार्ष. टी. एन. एस.------

# कामकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

4 जून, 19

निर्देश सं० 7ईई/10792/84-85-श्रतः मुझे अनिल कुमार

नायकर बंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-च भी अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जित्रकी संख्या प्लाट नं बी 3 पहला मंजिला खिजिजा अपार्ट-मेन्ट सं वं 16/1+2 150-153 ए० प्लाट नं 12 है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इ.स. उपाबत अनमूची में और पूर्ण रूप से खिलित हैं रिजस्ट्री हर्ता अधि गरीं के बार्यालय बहाय अध्यान प्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रैंज पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 18) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोश्री सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान **अ**न्तरिस की गद् और प्रतिफल को लिए िक मभ्रे विषयास करने का कारण पूर्वोक्त शम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियारें) के बीच एसे जन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🖺 ६---

- (क) अन्तरण से मुद्द किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (थ) . एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा और अष्ट:

बतः जय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-स के अमसरण कों, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-स की उपभारा (1) से अधीन जिल्लामित व्यक्तियों, अधीत — (1) के० प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स, 58/ए० 'स्तू-बा हाऊसिंग सोक्षायटीं विश्राम बाई पूना-15

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० टी० मथाई और श्रीमनों पाणमा, एल० मथाई 22 बाम्ब पूना रोड, खडकी पूना-3

(भन्तरितीं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादिक इं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका पता है।

#### अनुस्पी

(जैसा ि रजिस्ट्रीं त क० 37६ई/10792/84-85 जो माहमार्च 1985 को सहाया स्राय १२ स्रायुक्त निरीक्षण (मर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

सारो**ख**: 4--6-85

मोहर

# मुक्त बाइं.टी.इस.एस......

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 19 जून, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10325/84-85-ग्रतः मुझे भनिल सुमार

भाषकर मितियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् फेक्त मितियमं कहा गया है); की धारा 269-ख के बाबीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० प्लाट नं० 10 पहला मंजिला श्रीनिकेतन प्लाट नं० 2 और 9 पार्वती निनेमा के पीछ क्षेत्र 630 स्के० फ० है तथा जो ठाना में स्थित हैं (ओर इस्से उपाबड़ अनसूचीं में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के जायित्य सहायक श्रायुक्तर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंच पूना में, रजिस्ट्रीं करण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

क्ये पूर्वेक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मृत्रां यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का पन्तृह प्रतिकात से मिलक है और सन्तर्रक (अन्तरकों) भीर सन्तरिकी (सन्तरिकों) के बीच ऐसे सन्तर्रक (अन्तरकों) भीर सन्तरिकी क्या विश्वास के स्वयं के किए तय पाया गया प्रतिकाल के किए तय पाया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को; बिन्हें भारतीय सायकर अश्वितियम; 1922 (1922 का 11) या उत्तत सिंतियम, या अन-कर अधितियम, या अन-कर अधितियम, या अन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किश्वा या भा मा किया थाना चाहिए या, ष्टियाने में सुंबिक्ता के किए ;

शतः शव, उसत विधिनियम की धारा 269-ग को बन्दरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभास (1) चे बधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियाँ, संधाति म्र-  में तर्स श्री इंटर प्रायसेस 161 पीजाचा पाले रोड, बम्बई--9

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोज राय, 103ई सेचर्स मिल स्टाफ भवाटेरस, पी०बीं० मार्ग, बटली, बम्बई

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्भित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीशा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिक्तयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बच्चाय 20-क में यथा परिभाषित इ. नहीं अर्थ होगा जो उस बच्चाय में किया यवा है।

#### अनुसूची

(जो रजिस्ट्रीं!त सं० 37ईई/10325/84-85 जो नवम्बर 1984 को सहाय हिशाय अस्माय प्रायम्बत (निरीक्षण) मर्जन रेंज पूना के दपत्तर में लिखा गया है। (क्षेत्र 630 स्के० फि०)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रज, पूना

तारीख 19-6-85 मोहर: प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,पूना

पूना, दिनांक 19 जून, 1985 निर्देण सं० 37ईई/12434/84-85---यतः म्

भ्रतिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मुल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० डी० 7/8 दूसरा माला स० नं० 122 जूना नया स० नं० 349 भाग 349/1 सर भाण्डारकर रोड पूना है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाध्य श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कायिलय सहाय क श्राय कर श्राय कुल (निरीक्षण) श्रजंन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, सारीख मई 1985

को प्यंवित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से काम के इस्त्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितिथित उद्वेश्य से उच्त अंतरण किवित में वास्त्रिक इच से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्ट अधिनियम के जभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कार्यों अपने मा समस्यान का स्पृत्तिकाः के निरुष्ट और/का
- (ख) होती किसी जाव वा किसी भन या अन्य आस्तिवी की, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

(1) मैनर्स हरमेन एजेन्सीज 793 फैमिनो हाऊन, जय जमगाद रोड, बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीरश्रीमती रमेश जी सुजनानी श्रीर जी० श्रार० सुजनानी देवीराम मैंशन क्वार्टर गेट पूना-2

(बन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🗈 🕶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ज़बीभ, वां भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ड व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबकुष किसी जन्म व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

ह्यक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यी

(जैसे कि रिजस्ट्रीक्टत नं० 37ईई/12344/84-85 जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया है।) (क्षेत्र 1700 स्के० फु०)

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज पूना

तारीख: 19-6-85

मोहर 🥫

# प्ररूप: बार्ड: टी. एन: एस: ----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत स्रकाड

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, पूना पूना, हारीख 12 जून 1985

ानवश सं० 37६६/13254/84-85-यतः मुझे श्रनिल कुमार

कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब अ अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मर्म्पात्त, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिन्नको संग्नं 261 ए० (आ) बी० विंग रहने की जगह विराट क्षेत्र 757 स्के० फि० है लथा जो विराट में स्थित हैं (श्रोर इनसे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत हैं), रिजिल्ट्रों कर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में, रिजिल्ट्रों करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1985 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उच्चित शाजार मूल्य से कम के स्थमान

1908 (1908 का 16) के प्रधान, तराख फरवरा 1985
को पृथंक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के दूरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
जंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया
प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी भाग की वाबतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने मा उससे अभने में सुविधा के लिए; ब्रौड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थण था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से सृत्या के निए;

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) भे सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैंसर्स श्री गणेश बिल्डर्स केयर द्याफ 2द्य, 2ब सामना एण्ड कम्पनी द्यागतसी रोड, विराट (डब्ल्यू०)

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर ए० मिमी घौर मेघना राम मि मी सुख सागर गोदाम विराट (डब्ल्यू०)

(अन्तरिती)

को यह स्वास जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से बार्य की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तिओं में सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वस्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**बन्**सूची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ने 37ईई/13254/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंनरेंजपूना के वपत्तर में लिखा गया है।)
(क्षेत्र 757स्के फि)

म्मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) स्रजन रेंज पूना

तारीख: 12-6-85

## प्रकर बार्ड. टी. एन. एक.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन व्या

#### मारत मरकार

# कार्यालयः सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 24 जून 1985

निर्देश सं० 3763/1775/84—85——यतः मुझे, म्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 345 क्षेत्र नं० 1 सं० नं० 350 (श्रीरिजनल प्लाट नं० 145 एफ० पी० नं० 229 सब प्लाट नं० 5) है तथा जो टाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1985

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य में कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्फें यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथाप्रवीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरक (मंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (आ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) रवी इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड 372 नरसी मेहता स्ट्रीट, बम्बई-5

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रमर ईटरप्रायजेस 3/73 श्रभिनय पार्क गाटेदिया नगर घाटकोपर (इ) बम्बई-77

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्यॉक्त सम्यत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

## बन्त सम्पार्व के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की सारीस हैं
  45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हिस
  बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निस्ति में किए वा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में शिरभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

#### अनुसूची

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1775/84-85 जो मई 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ग्रनिल कुमार स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-6-85

५८८ प्रार्क दे**। एस एस** ------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षक) भ्रजीन रेंज, पूना

पूना, तारीख 21 जून 1985

निर्वेश सं० 37ईई/10265/84-85-यतः मुझे प्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिल्ला संख्या यूनिट नं० 7 ग्राउन्ड पलोर नवघर यसई याने हैं तथा जो थाने में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय सहाय ह ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीक्करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, हारीख जनवरी 1985

करे प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमां प्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इायित्व में कमी करने या उसते बचने में विकास के टिन्; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या चय-कर अभिनियम, या चय-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. जियाने में स्विधा के स्थिए.

अत: अस, जनत अधिनियम की धारा 269-ध को, अनुसरण काँ, मी, अनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अधीत:——

(1) श्री घनसुखलाल महिलक व लक्ष्मा बिल्डर्स .92, रामम दिर मार्ग विले पार्ले (इस्ट), बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन धारमाराम मागे 105 धांवरखेरी जीवन विकास केन्द्र मार्ग, विले पार्ले, बम्बई-57

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त वृष्टिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

# मनुसूची

यूनिट नं० 7, ग्राउन्ड फ्लोर, नवघर, वसई, थाने (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत क० 12069/84-85 जो जनवरी 1985 को सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

**सारीख: 21-6-85** 

# प्रकार नार्', टी., एन., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 जून, 1985

निर्देण स० 37ईई/311/85-86---यतः मुझे भ्रानिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गवा हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या नं० 670/1 बिखवे वाई पूना 37 है ता जो पूना में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रौर पूर्ण क्व में बणित है), रॉजस्ट्री क्वी श्राध कारी के क्रायांन्य सहायक श्रायकर श्रायकर (निरंध्यण) श्राजन रोंग पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रयोन, तारोख श्रप्रैल

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान करिकल के जिए नहीं के उन्हें हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य प्रया गया प्रतिफल, निम्निजियत उच्चित्रय से उकत अंतरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बाबित्व में ककी करमें या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा को निए;

नतः अत्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्धात :--- (1) श्रामतो ताराबाई तन्दराम बिबवे, ग्राँर ग्रन्य 431 कसबा पेठ पूना 11

(प्रन्तरक)

(2) मैंसमं युनिटी बिल्डमं, 409/6 गुलटेकर्ज . पुना 37

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्तिः के अर्थन् के बंबध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यांक किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के शास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सुची

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्त नं० 37इइ/311/85-86 जो म्रप्रैल 1985 को सहायक भ्रायकर श्रायक्त अर्जन (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 19-6-85

माहर :

35-176GI/85

श्रक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

# भायकार व्यापिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 25 जून 1985 निर्देश सं० 37ईई | 10324 | 84-85---यतः मुझे प्रनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विश्वका उषित वाचार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ़० नं० 2, 1ली मंजिल, एंगलक 84 श्रशार्ट-मेन्टस प० नं० 6 (गार्ट—1) ब. स० नं० 30, कोथेरड, पुणे-29 है तथा जो पुणे में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण छा से विणा है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहाय क श्राय कर श्रायकर श्रायकर (निरोक्षण) श्रर्जन रेज पुणे में, रजिस्ट्री-करणं ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्नोन, तारीख़ फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल क्य पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फन निम्निसित उद्वेष्य से उक्त बंतरण निक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण सं हुइं चिक्ती साय की बावस अपस मधिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक जो दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) इसी किसी बाब या किसी धन वा बन्च बाह्तिकों को, जिन्हें भारतीय आए-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित स्योजितसों, अर्थात :---

(1) श्री रिवन्द्र जोणी एण्ड कं०425/25 ट० म० व० कालनी,पुणे-37 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० स० बनवासी लाट नं० 2011/10 रघुनंदन मिन्ननगर को० आप हा०७० सो० पुणे-16।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

# अनुसूची

प्लाट नं० 2, 1लो मंजिल, एंगल्स-84 अभार्टमेन्टस प्लाट नं० 6, (पार्ट-1) ब० स० नं० 30, कीथरूड, पुणे-29

(जैसे कि रिजम्ट्रीकृत के० 10324/84~85 जो फ़रवरी, 1985 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

त रिख: 25-6-85

# प्रकृप बाईं टी.एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वो अभीन सूचना

#### भाउत सरकार

कार्यांक्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 24 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10531/84-85---यतः मुझे श्रनिल कुमार

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० फ़० नं० 3, 1ला मंजिल, ब्रह्म दर्शन स० प० 2, 3, 10, ग्रोसवाल पार्क, शिवाजी नगर, पुणे-5 है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुस्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध हारों के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) ग्रार्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीक्षन, तारीख फ़रवरों 1985

को पूर्वोक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खबमान शितफल के निए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गागर मूला, उसके दृष्यमान शितफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित दृष्यक्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त शिधिनियम के अधीन कर धेने के जन्तरक के शियरच में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौद/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, जिपाने में सूर्विभा को सिए;

जतः जब, उक्त जीभीनवम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधान, निम्नीचित्रक व्यक्तियों, अर्थात् :--- ब्रह्म बिल्डर्स
 ग्रीसवाल पार्कः
 श्रिवाजी नगर, पुणे-5।

(अन्तरक)

(2) श्री माजिक जोगदड तथा सिलमिता जोगदड़ 30, जवाहर नगर, पुणे-16।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करचे पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के तिह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदौं का, **यां अकत** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशा**दित** है, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

फ्लेट नं० 3, 1ली मंजिल ब-प्लाट न० 1, 3, 10 श्रोसवाल पार्क, शिवाजीनगर, पुणे-5

(क्षेत्र: 515 नौ०फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 20531/84-85 जो फ़रबरी 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरोक्षण) ग्रर्जन रज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा गया है।)

> भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , पुना

तारोख: 24-6-85

# मुक्त बार्ड, दी, एक, एवं,

# बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (६) के वशीन क्षान

#### हारत बरकार

# कार्याक्य, सङ्गयक वायकर वायुक्त (विद्यीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 10 जून 1985

निर्वेश सं० 37ईई/7724/84-85--श्रतः मुझे अनिल

कुमार

न्नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त विभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या स० नं० 104/1/1 भाग इस इवाना पूना 4 क्षेत्र 599 स्के० फि० हैं तथा जो पूना में स्थित है (और इस में उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिषण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985

को प्रशिक्त सम्पत्ति को उपित बाधार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिपन्न के लिए अस्त्रित की पद्दं हैं और भूके यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रुपमान प्रतिफल से, एसे द्रुपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिप्रत से अफ्कि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्न निम्मिशिक्क स्थानका से स्वत्य बन्द्रक किवित में अस्तिवन स्थान से स्थान कर्म से क्रियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्ववित्य के कमी असने वा उससे वचने में कृषिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया थाना वाहिए वा, जियाने भे स्टिंगा के सिंह;

बतः वय, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-न वै अमृसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैसर्स देवधर एन्ड जोशी प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स 1285 सदाजिब पेठ, पूना 30

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रांलि ग्रार० पागे 1847 सदाशिव पेठ, पूना 30

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना धारी कारफं प्रीवस संपत्ति के जर्बन के निर् कार्यवाहियां करता हूं।

# जक्य सन्दरिष्ठ में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्काद्ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी का क्तियों पर
  वृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि वो भी
  स्वृद्धि वाद वो बबान्त होती हो, के बीतर प्रावेंकर
  व्यवस्था में से किसी स्वस्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजकत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के मीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी बन्म व्यक्ति क्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—हसमें प्रवृक्त शब्दों और पदौं का, जा उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत नं० 3766/7924/84/85 जो दिसम्बर 1984 को लहाय रु श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

(क्षेत्र 599 स्के० फ़ि०)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीखाः 10-6-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बाधकर विधिनिसस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना पूना, तारीख 24 जून, 1985

निर्देश सं० 3766/11075/84-85—-यतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 405 चौथा मंजिला लोक इंडिया बिल्डिंग वागी प्लाट नं० 59 सेन्टर 17 डीबीसी॰ ग्राली बम्बई (क्षेत्र 770 स्के० फि०) है तथा को नई बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम के क्रियमान मौतफल को सिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, ऐसे क्रियमान प्रतिफल का प्लाइ प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंसर्ण के लिए तब पाना गना प्रदिक्त फल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाव की वावल, अक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को वार्षिक्थ में कमी करने या उससे ज्ञाने में तुविधा के हैंसए; और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या बन्य आलिटकों का, चिन्हें प्रारतीय आयकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियन वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के प्रिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसस्मा मॅ, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री लिलित सी० गांधी, चीफ प्रोमोटर्स लीकाई लिमिटेड . को० ग्रा० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 14 विशाल शापिंग सेन्टर, ग्रन्धेरो (इ०) बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामवास दयानन्दा कुडवा श्रौर श्री देवदास दयानन्दा कुडवा 1 श्रली हाऊस रामनगर विक्टोरिया हाउस सामने मायाखला बम्बई-27

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के जिल्ला कार्यवाहिमां करता हुन्।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तानीब से 30 दिन की अविध, तां भी अविध वास में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से . 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिख-वब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताकाडी हो । गास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **अ**भूसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3766/11075/84-85 को दिसम्बर 1984 को सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्राजीन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ) (क्षेत्र 770 स्के० फि०)

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) - ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-6-85

# व्यक्षः भार<sup>त</sup>्ठी<u>.</u>एन्.एस<sub>.</sub>-----

न∖थकर निर्मितयम, 1961 (1961 का 43) कीं} भारा 269-च (1) के नुभीन सूचना

#### भारत तुड्डार

# कार्याजन, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जून 1985

निर्देश सं० 3766/8089/85-86---- यतः, मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी संख्या सं० नं० 104/1/1 भाग एरडावना पूना-4 क्षेत्र 600 स्के० फि० हैं तथा को पूना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विग्नित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्थन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

का' प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तियक रूट से कृष्यि अहाँ किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को शिक्ट भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त कियिनियम, या धनुक्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा से सिस्ट ।

नतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, जर्थात क्र--- (1) मैसर्स देवधर एन्ड जोशी प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स 1297 सदाशिव पेठ पूना-30

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० ज़ी० जाधव 17 कल्निस गार्डन-सी/10 पूना-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त स्माति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपन में म्कासन की तारीस है 45 दिन की अविभ था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, धो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिशबत्थ किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिश में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिपृत्यम् के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस बच्याय में दिवा गया है।

# धनुसूची

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 3763/8081/84-85 की विसम्बर 1984 की सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज पूना के वस्तर में लिखा गया है;

(क्षेत्र 600 स्के० फि०)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयु<del>क्</del>त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 25-6-85

मोहरु 🛢

प्रकृष आहु . टी. एन. एस. -----

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत संस्कार

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्सण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 10 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/13369/84-85—यतः मुझे, श्रनिल कुमार

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), की. भारा 269-च के नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या फ० नं० ए० 1/103, 1ली मंजिल-ए, तंवर नगर, बम्बई पुना मार्ग मुम्बरा, थाने हैं तथा जो थाने में स्थित हैं (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्श्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण जिल्लाक में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उच्क बिध-नियम के अधीन कर दोनेके बन्तरक के दायित्व को कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बौर/का
- (व) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य बास्तियों को चिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिक्ष;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्तत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राजस्थान बिल्डर्स,
 ए/2, स्वाती बिल्डर्स
 जुहु लेन, श्रन्धेरी (प), बम्बई

ं(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मृत्तमा चिलाम नुस्ल हुदा मस्जिद सोशल नगर, काला किला, घार्वो, बम्बई-17

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त तम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रोप 🖫

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकासन की तारीच वं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 विम की अविध, जो औी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वार्ध अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकीने।

स्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय में दिका गया है।

#### अनुसूची

फ्लाट नं॰ ए/1/103, 1ली मंजिल-ए, तंबर नगर, बम्बई पूना मार्ग, मुम्बरा, थाने ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 13369/84-85 जो मार्च 1985 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के बफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पना

सारी**ख**: 10-6-**8**5

मोद्वर :

# प्रका बाही, ही, एन, देश, ५०००

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) ने नभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयक्र वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पुना, तारीख 14 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/10237/84-85—यतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज्या फ० नं० 309, श्रीमस प० नं० 21, हिस्सा 17, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंडह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्य के जनसरका में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्र की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, जभात् :— (1) भाह एण्ड व्होरा कन्द्रेक्टर्स पी० लि० 7, नानामाय मेनशन, सरप० म० मार्ग फोर्ट, बम्बई--1

(अन्तरक)

(2) श्री निवृत्ति तुकाराम राजपूत, जी-170-171, ग्रक्रमस मार्केट, सर्वे, बस्बई

(अन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **अर्थन के लिए** कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिक्र गमा है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 309, श्रीमम, प्लाट--21 हिस्सा--17, नई बम्बई (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 10297/84--85 जो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुना

तारीख: 14-6-85

क्ररूप आइ.टी.एन.एस~-े----

# नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत् सरकारु

कार्याज्य, सहायक नावकर कायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 जून 1985

निर्देश सं० 37ईई/11820/84-85--यतः मुझे, श्रनिल

कुमार

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुक्य 1,00,000 रु० से अधिक है

फ्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 10, 11, 12, 13 1ली मंजिल, शितल इंडस्ट्रीयल यूनिट नं 2 प न 34 स नं० 30, 31 स्थिटि), 35 (पार्ट) 55 सी (पार्ट) नवधर थाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जून रेंज, में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित वाचार मृज्य से कम को अस्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापविकत संपत्ति का उचित वासार भूल्य उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गौर अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नसिवित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नया है 🏗--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, अर्थिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के जिम् नीर/मा
- थः एन्यो किसी जाय या किसी धन या अन्य **आस्तियाँ** का, जिन्हें भारतीय जाब-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा जक्त व्यक्तियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 জা 27년 के प्रवोचनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया महायामा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभाके सिए;

क्तः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भ्रें, भ्रें:, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-व की उपभारा (1) के अधिक निम्नसिसिसत क्लिस्तयों, अर्थाद ध---

(1) स्वास्तिक डेवलपमेंट्स, 12, दुभाश लेन, व० प० मार्ग, बम्बई-4।

(ग्रन्तरक)

(2) समर इन्टरप्राईसेज श्रब्दुल करीम हाजी ग्रहमद समर, 6, तुलख मार्ग, नेशनल हाऊम, 1ली मंजिल, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

भा क्यू कृष्णा भारी करके पृत्रिक्त सम्बद्धि के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बण्य सम्पत्ति की करान को सम्बन्ध था काही भी सामाय :---

- 🌃 👣 पूजना के राजपत्र में प्रकादन की तारीय है 45 दिन की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर क्षूपना की सामील से 30 दिन की श्रविभ, को औ अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्बक्टियों में से किसी प्यक्ति ब्याता;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास शिक्षित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा, जो तस अभ्याय मा विमा गंजा हैं।

# अनुसूची

युनिट नं० 10, 11, 12, 13, 1 ली मंजिल, शीतल इन्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 2, प्लाट नं० 34, स० न० 30, 32 (पार्ट), 35 (पार्ट), 55-सी (पार्ट) नवघर, बसई, थाने ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 11820/84-85 जो जन-वरी 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 14-6-1985

मोहार 🖫

प्रारूप आर्द्घ टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज , पूना पूना, दिनांक 10 जून, 1985

निर्देश सं० 37 इइ/7467/84-85--यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 सावली ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 101, स० व० 121, 122 रामबाग कालोनी कोथरुद पूना—29 (क्षेत्र० 582 स्के० फि०) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख नवस्थर 1984 को

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है गर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पावा बया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित के वास्तविक रूप से कान्तरक रूप से कान्तरक स्था है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए और/मा
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्स आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय सामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिवित व्यक्तियों, जवादि हुन्न- (1) मैसर्स रेकसन इन्टरप्राइसेज,361/62 बुधवार पेठ, पूना-2।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोरिश पी० येडवड 84 नवी पेठ, एल बी मार्ग, पूना-30।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इब स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्थानतमाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानत्यों में से किसी स्थानत स्थार,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सकोंगे।

स्पाकाकरण: इसमें प्रयुक्त सम्बा नौर पर्यो का, जो स्वतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/7468/84-85 जो माह नवम्बर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।) (क्षेत्र कल 582 स्क्बे० फिट)

म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक म्रागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

सारीख: 10-6-1985

मोहर् 🤏

प्रारूप आई. दी. एन. एस. . . . . . . . .

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कार्यालय, पूना पूना, दिनांक 19 जून 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) । (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० नं० 132 हिस्सा नं० 28, खाटेमनवाली है तथा जो कल्याण स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण मिश्वस में वास्तिक रूप से किथत नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण, से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा यायित्व के लिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अत्तः अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् क्ष—

- (1) श्री रमेण लक्ष्मण हिरावले प्याम भुदाम हिरावले रेलवे क्वार्टर्स ग्रार० बी०-1/रुम नं० 11 कल्याण (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रार० कें ० डेव्हलपमेंट मु० राय, पी० खाडवली, त० कल्याण, जि० ठाना।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3766/15574/84-85 जो दिसम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिया गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम् प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारी**ख**: 19-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड्,टी.एन.एसु न------

# नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कार्यालय, पूना पूना, दिनांक 19 जून 1985

निर्देश सं० 37 इइ/8077/84-85—यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 104/1/1 भाग इरडावना पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसुजी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1985 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तुह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, अवस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविभा ने लिए।

(1) मैसर्स देवधर एण्ड जोशी प्रोमोटर्स एण्ड बिल्डर्स, 1298 सदाशिव पेठ, पूना-30।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बत्सला बाई पी० सगके, ए/6/4, भ्रांचला को-ग्राप० हो० सोसायटी, कोथरुड, पूना-29।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उपत सम्पति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई वाक्षप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तिकों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

# अनुसूची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 66/8077/84-85 जो दिसम्बर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 19-6-1985

मोहार 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायन्तर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्यीन त्याना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश) श्रर्जन रेंज, कार्यालय, पूना पूना, दिनांक 10 जून 1985

निर्देश सं० 3766/1142/84-85---यतः मुझे, ग्रनिल

कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर नग्धीत, जिस्का उवित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ० नं० 4, विषाल दर्शन, प० नं० 33, सं० नं० (10), (12) साई नगर, असेई (प०) थाने हैं तथा जो याने में स्थित हैं) और इससे उपाबढ़ अनुसूत्रों में और पूर्ण रूप से बिजत हैं), रजिस्ट्रीं उर्ता अधिकारी के जार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में, रजिस्ट्रीं उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पृथांकित संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उप्यति कारण मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्र शितशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाना पवा प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेष्य से उसत अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन केर दोने के अन्तर्क के द्यायत्व में कनी करने या उससे बचने भें गुनिधा के सिंध्, और/वा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
  था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किया।

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (१) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तित्यों, अभित् क्षान

(1) विशास ∴न्स्ट्रभणन कं०,
 137 जधाहर नगर,
 गोरेगांव (पश्चिम)
 बम्बई-62।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनजीत किंह मोहन किंह भसींन, द्वारा प० स० सेठी, श्रानन्द सागर, पहली मंजिल, वस्त्रभ भाई मार्ग, चिल पार्क (पश्चिम), बम्बई-56।

(भ्रन्तरितीं)

को बह सूचना चारी करके प्रवेकित सम्पर्ति के अर्बन् के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, का भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय:
- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भी जब्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

ण्लाट नं० 4, विभाल दर्शन, ज्लाट नं० 33, स० नं० (10), (11), (12), भाई नगर स्कीम, बसई (पश्चिम) थाने (क्षेत्रफल 2670 ची० फिट)।

(जैसे कि रिजरट्री त क० 9942/84--85 जो नवम्बर 1989 को कहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-6-198**5** 

मोहर 🛚

# प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन ऐंज वार्यालय, पूना पूना, विनांक 13 जून 1985

निर्वेण सं० 37 66/1453/84-85-ग्रतः मुसे, ग्रनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिन्नकों सं० सीं० टी॰ एस० नं० 2909, जोशीं बाग, कल्याण (क्षेत्रफन 557.50 स्के॰ फिट) है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिल्ट्री ती अधिकारी के वार्यालय सहायक आयुक्त (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्री-जरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्नूबर 1984 को

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को बश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधिक हे और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ध--

- र्रक) अन्तरण से हुइ किसी जाथ की वाबत, उक्ख अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के 'लए; आर्/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में शुनिधा के सिए।

कतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण अ, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री रामचरत श्रीराम पंडित, जोशी बाग, कल्याण।

(भन्तरक)

(2) श्री चल्द्र किरन जैन, मार्फत मैं नर्स मातृ पा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, जोशी बाग, सस्याण।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त स्थ्यति के वर्षत है तिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्वक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए जा सकींचे ।

स्थव्यकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में वरिभाषित है वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वगृत्यूची

(जैसे कि रजिस्ट्री ृत नं० 37 66/1453/84-85 को ध्रम्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना के इफ्तर में लिखा गया है।) (क्षेत्रफल 557/50 स्क्वेयर फीट)।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-1-1985

मोहर 🖫

प्रकथ आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज आर्यालय, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 33/9455/84-85-अतः मुझे, श्रनिल

कुमार

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 573.75 चौ० फिट स० ट० स० नं० 2909, जोशी बाग, क्ल्याण है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिगारी के कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारींख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मफे यह दिख्यम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का गन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है जोर मन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भग या नन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से बिक्;

अतः क्रब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः-- (1) श्री रामचरण श्रीराम पंडित, मातृ पा दन द्रमणन जोशी बाग, बल्याण।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भागभाई भाभुतमल जैत, मातृ पा वृत्पट्टकानः जोशी बाग, बल्याण।

(भ्रन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी माक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित ववा हैं।

# धनुसूची

प्लाप्ट क्षेत्रफल 573.75 चौ० फि०, खा० ट० स० नं० 2909, जोशी बाग, वस्याण।

(जैसा कि रजिस्ट्री त कि 9455/84-85 जो प्रभ्तूबर 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायक्ष्य भ्रायुक्त (किरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

**सारीज: 1**3-6-1985

मोहर ॿ

# इस्प नाइ . टी . एन . एक . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना भारत सरकातु

कार्यांचय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज पूना पूना, दिनांग 13 जून 1985 निर्देश सं० 37 66/9454/84-85~ग्रतः मुझे, ग्रानिल कुमार

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० सीं० टीं० एस० नं० 2909, जोशी बाग कल्याण क्षेत्रफल 557.50 चौ० फिट हैं तथा जो कल्याण में स्थित हैं (ओर इन्से उपाइड प्रनुसुचीं में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं), रिनस्ट्रीं तो श्रिध नरीं के कार्यालय सहाय श्राय र श्राय हर श्राय हैं। (निरीक्षण) शर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीं करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 1984 को

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित वे अस्तिक कप से किश्त नहीं किया गया है:---

(क) बन्तरण से बृद्ध किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम को अधीत कर दोने की अंतरक के वाबित्य में अभी करने ना इससे बचने में सविधा के जिस और/मा

को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम 1922 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिलाने भें एडिया के लिए:

बसः बतः, उक्त विधितियमं की भारा 269-ग के बन्सरण कों, मीं, उक्त विधितियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री रामचरन श्रीराम पंडित, मैंसर्स मातृ पा बन्द्यहम्मान कम्पनी, जोशी वाग, कल्याण।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती धानाबाई ताराचंद जैन, द्वारा मैनर्स मातृ ाम जन्मद्वमान कम्पनी, जोशी वाग, कल्याण।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप** ॥--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पृवेक्ति
  ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

# वन्यूष्टी

(जैना कि रजिस्ट्रीं का नं० 37 66/9454 जो श्रक्तूबर 1984 को वहायक ग्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारींखा: 13-6-1985

नोहर 🖫

## प्रकम बार्च. टी. एव. एव.-----

नामकर निपित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत चरकार

## कार्नाजन, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 66/9813/84-85---यतः मुझे ग्रनिल

कुमार बायकर अभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) (विसं इसर्जे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियत्र' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बायार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नं० 115/1--2, 150, 153/1 प्लाट नं० 1, सी० टी० एस० नं० 2792 येरवडा पूना-6 है तथा को पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याख्य, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख ग्रक्तुबर 1984 को

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्तिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वायत, संबंध अभिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में सभी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के विद्या बाह्र/वा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, ल्याने में सृतिधा से सिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत् इ— 37—176GI/85 (1) श्री एस० एन० खेडेकर, पार्टनर,
मैसर्स के० प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स,
के० बी० 11, ए-9
58/ए कस्तूरबा हाऊसिंग सोसायटी
येरवा पूना-1।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मुकन्द मारैछंद गोरे, रेलवे मधार्टर्स नं० के० बी० II/ए-9, साडीयाला रोड पूना-1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्क सम्बन्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उचत जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में विदा गवा है।

#### अनुसूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 66/6813/84-85 को ग्रक्तूबर 1984 की सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्चनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, पूना

**तारीख: 13-6-1985** 

प्ररूप नाइ.टी. एत . एस . ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बर्जात

## कार्यात्तवः, सहावकः कार्यकः वाय्तुकः (विश्वकिक्) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इइ/9247/84-85---यतः मुझे, प्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्तर्भे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित नाजार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एम एच ० 419 सी ० टी ० एस ० नं ० 9070 गोसरीपाडा, श्रंजना कम्पाउन्ड, पूना ठाना रोड, बिवंडी है तथा जो भिवंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूच्य से कम के कमयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह निक्तल करने का कारण है कि मधापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उधित नाजार मूच्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बनारण वं हुई कियों बात की बावसः, उनक विभिन्नियम से बनीय कर दोने से बंतरक से सामित्य में कभी करने या सससे बचने में स्विधा से निष्ठ: सरि/का
- (क) एंडी किसी नाम वा किसी भन या जन्म वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते जिथिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जंदरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना काहिए था छिपाने में खुरिशा के बिक्ट।

नतः नव, उक्त निधिनकम की धारा 269-व के अनुस्रण नै, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है विधिन, निम्निविधित व्यक्तिवी, वर्षात :--- (1) श्री लक्ष्मणदास शिष्मल गवलानी, श्रीमती मोहनी लक्ष्मणदास गवलानी, 12/325 फावर्ड हाऊस अगरवाला स्कूल के पीछे वडाला बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मूनफिल्डस ट्रेडिंग भौर इन्वेस्टमट प्रा० लि०, 161 लवली होम, के० के० परेडा, कुलाबा बम्बई--9।

((अन्तरिती)

को यह स्कथा जारी कराडे पृश्वींकरा सभ्यत्ति को वर्णन के लिए कर्सियाहिको कंप्रता क्ष्मां।

वक्त होरहित के कर्नन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:----

- (क) इस स्वना के रायपन वे प्रकाशन की तारील में 43 दिन की अविन या तत्त्वम्तन्त्री व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविन , जो भी अविश् बाद के समान्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वया के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बक्तुभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अपोहस्ताक्षरी के रास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### वन्सूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड्/9247/84-85 को श्रक्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-6-1985

प्ररूप . आइ<sup>र</sup> . टी . **एन** . **एव** . ----

आयकार ऑक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीजन) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जून 1985

निर्देश सं० 37 इर्/9937/84-85---यतः मुझे,श्रनिल कुमार,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाषार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, स० नं० 82/2 ए, पर्वनी, सहकार नगर, पूना (क्षेत्र० 811 स्कं० फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रकेंन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख श्रक्तुषर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्परित के उचि । बाजार मृल्य से कम के ख्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभ पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके इद्यमान प्रतिकल से एसे इद्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से लिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विस से उदस अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण मों, भीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के ब्रांगिन, निम्निसिबात् व्यक्तिस्त्यों, अभीत ः— (1) मैसर्स नाम्हनकर डिसा एण्ड एसोसिएट, 1535, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वप्न गंधा विष्णु वैद्य, 1332 शुक्रवार पेठ, पूना-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं ।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई मी बाधीय ह---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्या में किए वा सकी।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और नदों का, को उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/9937/84-85 को ग्रक्तूकर 1984 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।) (क्षेत्र० 911 स्के० फुट)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 6-6-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-भ (1) के जभीत सुभना

#### शाहरा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन, रेंज पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 इइ/6583/84-85--यतः मुझे, श्रनिल क्मार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है'), की धारा 289-र के लाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, स० नं० 116/1/-12 150+153/1 मोहनवाड, पूना-6 है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुमुची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तिस्त की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिद्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्वमें) और अन्तरिती (अन्तरितिक्षी) के बील एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
   • द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिक इयारा प्रकट रही किया गया था या किया जाता चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः गम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० एन० खेडेकर (एच० यू० एफ०) प्रो० के० के० कन्स्ट्रक्शन द्वारा कस्तूरचा हाऊसिंग सोसायटी विश्राम वाडा, पूना-15।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीतलालक्ष्मी परमेश्वरन, द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, पूना कैंम्प, ब्रांच पूना-1।

(अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तु स्म्युत्तिः ही वृज्जेत् ही जिलु कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्य व्यक्ति क्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाइ निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका

### अनुसूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/6583/84-84 को अक्तूबर 1984 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दक्तर में

श्रनिल कुमार **सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर** आयुक्त (निरीक्षण)

**लारीख**: 13-6-1985

माहर:

श्ररूप बाहै, टी. एन. एस. -----

बायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### शारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिसांक 12 जून 1985

निर्देश गं० 37 इड/854.1/84-85—यतः मुझे, अतिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

र्मार जिसकी सं० प्लाट नं० 47/42 बिल्डिंग नं० बी-3 फ्लैंट नं० 4 मं० नं० 114, 115, 2 बी 116 1 से 6 तक खोफिड न० वसई, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिलित है), रजिस्ट्री मिता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को प्वंत्रित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, सर्थात् ह्यू--- (1) मैसस परांजपे कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 34 एम० जी० रोड, विले पार्ले (ईस्ट) बम्बई-57।

(अन्तरक)

(2) श्री किणोर एस० मेर्घा केअर आफ पी० जी० कुलकर्णी 2 श्री सोसायटी, पुरुथना मेन, पोस्ट आफिस के सामने, विले पार्ले (ईस्ट) यम्बई~58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनल सम्मल्ति के वर्षन के सम्बन्ध में आहे भी वालेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए ज' सकने।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क उधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/9644/84-85 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-6-1985

# वृक्त बाह डी.पून, एक वान्यवानमध्य

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग 269-न (1) के वधीन ब्याना

#### बार्क बरकार

## कार्यासम, सहायुक जायकर जागुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/9391/84-85-यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके एक्जाल 'उक्त निधिनियम' कहा गमा हैं), की धार 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० ब्लाक नं० 8, बिल्डिंग नं० 2 ग्ला मात्ना श्री बल्लभ नगर पूणिमा टाकीज के सामने, मुरबांड रोड कल्याण सिटी सर्वे नं० 3137 ए 3139, 3141 पी, 3126, 3124, 3154 पी है, तथा जो कल्याण में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्तूवर 1984

को पूर्विश्वत सम्पर्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापना नित संपरित का अवित बाजार मूल्य, उसके दल्यमान प्रतिकल के, एेबे अवभान प्रतिकल का पेयह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे बन्दरण के सिक् तय पावा नया प्रतिकल फल निम्नितिखेंत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वावक, उपत अधिनियस खैं अधीन कर दोने के जन्तरण के वायितक में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (भा) एसी किसी जाम मा किसी थन या बन्य जास्तिनी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजानतार्थ अन्तिरियी दुवारा प्रकट नहीं किया स्था या वा किया बागा काहिए वा, कियाने में अधिभा के सिएए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नितिश्वत व्यक्तियां, अर्थात् हि---

(1) मैसर्स वल्लभ बिल्डर्स, पूर्णिमा टाकीज के सामने मुरबाड रोड, कल्याण।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुप्रभा डी० मेहता, लींगल ग्राँर नेचुरल गार्जियन आफ मिस स्वाती डी० मेहता, ब्लाक नं० 8, श्री बल्लभ नगर, पूर्णिमा ताकीज के सामने, कल्याण।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

## क्ष्मच कम्हित् के वर्षन् के सम्मृत्य के लोश भी बाक्षर्ध⊶

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर स्थान की तामीन से 30 दिन की अनिध, जो भी जन्मि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों नद व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुनारा;
- (क) इस सुमना के रामपत्र में प्रकारन की वारीय से 45 दिन के भात र उन्नत स्थायर सम्पत्ति में हितवबूध् किसी बन्म व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताक्ष्री के पाद सिचित में किस या बकोंगे 1

स्थ्यक्तिसरणः--इतने प्रयुक्त सन्धे अपने व्यक्त स्थापित्वन्, से अध्यान 20-क ने प्रिशापित ही, पृष्टी अधी होगा को उत् कृष्यान के दिया गवा ही।

## अनुसूची

(जैसं कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/9391/84-85 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-6-1985

मोहार 🤃

# प्रकथं कार्ड् ्र टी. एन. एस√ ≅ - -

नामकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### बाउव बडकाड

## कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जम रेंज, पूना

पूना, दिशांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/7112/84-85---यत: मुझें, अमिल कुमार,

बायकर त्रिधिनयस 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० गर्वे नं० 93 ए/3 कावुर्ड फ्लैंट नं० 3025/9 तहमील हवेली. जिला पुना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16). के अधीम, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है

कि यथा प्रविकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिबित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक ने हुई किती काय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की यामित्व में कभी करने वा उससे करने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सिवध्य वो लिए;

कतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण कें क्री जकत अधिनियम की धारा 269-के की उपधार (1) क्री अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इंदरराज शेषमल परमार 809 बुधवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्म परमार एसोसिएट, 1153/बी, रिववार पेठ, पूभा-2।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के णव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभार्तिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में 1. गया हाँ :

#### जनसची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/7112/84-85 जो अक्तूबर 1984 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिक री सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 12-6-1985

## प्ररूपः बाह्यः टी. एन. एस्. ----

## कामकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के सभीत स्वता

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० 37 इड/7157/84-85-यत: मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा -60-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० स० नं० 47, स० पं० नं० 7, स० ट० स० नं० 3746, पार्वती, पुणे-9 है नथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुमुची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री तर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान पितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास लग्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार लग्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार लग्ने उसके द्रियमान पितिफल से, एसे द्रुष्टमान प्रतिफल का गंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक सप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उपस जिमित्यम के जभीन कट बने भी अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के निए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-अर अभिनियम, या धन-अर अभिनियम, १९७७ (1957 का 27) के उपालना अभिनियम, इसेना प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सावित्रीबाई म॰ जोधवानी 406 नाना पेठ पूर्ण-2।
- (2) किशानचंद ब्रायकादास रेलवानी 634 वस्लभ पटेल स्ट्रीट पुणे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मिणी बाई स० निर्वाण 208 रास्ता पेठ पुणे। अनुराधा ग० बगाडें 478-बी/6 पार्वती अनुराग सोसाइटी पुणे-9।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के श्रीप्र कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी बाहरेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (प) इन् भूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अपक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## मनुस्चीं

स० नं० 47 सब-प्लाट नं० 7 स० ट० स० नं० 3746 पार्वती पुण-9।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 7157/84-85 जो अक्तूबर् 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूर्णे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-6-1985

मोहर 🖺

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्वना

#### भारत संस्कार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जुन 1985

निदेश सं० 37 इइ/9066/84-85--यतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृल्य, 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लाट नं 301, तीसरी मंजिल, गिरनार महाल पार्ट नं 20 श्रौर 21 सं नं 19, 25, 26 श्रौर 30, दिवानमन, तहसील वसई, जिला थाना (क्षेत्र 530 वर्ग फिट) है तथा को ठाना में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रश्ने रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को प्रामित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के उत्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से किथित नहीं किया नवा है ---

- (क) अस्तरक से हाई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एसे किसी बाब वा किसी धन या बन्त बास्सिकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या वर्ष कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया समा था या किया जाना चाहिए था. दिल्पाने में सविधा से बिए;

(1) मैसर्स गिरनार बिल्डर्स कें ठी० चैम्बर्स, पहला माला, स्टेशन रोड, वसई (वेस्ट), जिला ठाना।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० नारायण नागप्पा णिरालीकर सी० सी० एस० कालोनी, एस० एम० पेट, ब्लाक नं० 29/1006/सायन कोलीवाडा, श्रनटाप हिल, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की ताप्तीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकोंगे।

स्वाकरण: -- इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, को उपह अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेवा हैं।

## श्रनुसुची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इड/9066/84-85 को श्रक्तूबर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी-क्षण), श्रर्जा रेंज पूना के दफ्तर में लिखा ।या है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-6-1985

नोहर 🗈

## प्रक्ष बाह्र दी एन एस . -----

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अभीत सुवना

#### 

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 12 जून 1985

निदश सं० 37 इड/9029/84-85---यतः मुझे, श्रनिल कुभार

नायकर न्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उचित नाचार न्स्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 597 मदाशिव पेठ, पूने-30 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख ग्रक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुस्य से कम के द्रायमान प्रतिपन्न के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास्त्र करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (जन्तरितिवाँ) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तब पाना वशा प्रतिकृत, निम्नीवित्त उच्चेष्ट्य ते उस्त बन्दरण विवित्त में वास्त्रीक रूप है कांचित नहीं स्थित वहा है हन्न

- (क) अन्तर्भ वे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त मिनियम के बधीन कर दोवे के मन्त्ररक के दावित्य में कमी करने या उद्देव बचने में शृतिचा के सिए; बॉर/या
- (क) एंची किसी थान का किसी थन वा बन्च बास्तिकों को, चिन्हें भारतीय नाम-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. जिएतों में स्विश्व के विश्व:

विः विव , उक्त विधिनियम की धारा 269-म के वन्मरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1) के सभीन , जिम्लिशिक व्यक्तियों स्थान है——

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई गणेण दातार भ्रौर डा० कमलाकर गणेण दातार मथरा स्टे, नवीं पेठ, पूना-30।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स पोखाल बिल्डर्स व्हाइट हाउस, 1482 सदाशिव पेठ, तिलक रोड, पूना-30।

(ग्रन्तरिती)

बाँ वह वृथमा बारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्थन के विप कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्छ बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मासेंद:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 विश्व की अवश्यि का तरचम्बण्यी क्वानित कों पर क्यान की तामील से 30 विश्व की जविथि, को भी बविथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत इवारा:
- (व) इस स्थान के राथपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितजब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा नथोहस्ताक्षरी की पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा स्वाहै।

## जन्त्वी

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 इह/9029/84-85 जो म्राक्तूबर 1984 की सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

म्रानिल कृमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 12-6-1985

माहर 🖫

## प्रकृप बाई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1985

निवेश सं० 37 इइ/7023/84-85---यतः मुझे, स्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० बिबेवाडी, केतकी श्रपार्टमेंट प० नं० 692/2/6 बिबेबाडी, पृणे—37 है तथा को पुणे में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंक्रह प्रतिकात से अधिक है

अरैर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित । क्षिया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीत, निम्मितिया कर गा, अधीत् — (1) मैंसर्स एस० के० इन्जीनियर्स, 613, नाना पेठ, पुणे-2।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णाबाई माहती बिन्डमार,
 ब्लाक नं० 6, रूम नं० 357,
 स्वार गेट पुलिस लाइन,
 पूणे-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अजन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिण। गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० बिबेवाडी, केतकी श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 9, 692/1/6 बिबेनाडी, पूणे-371

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कि 7023/84-85 को श्रक्तूबर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कृमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 13-6-1985

# प्ररूप बार्ड दी एन , एस -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नथीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जून, 1985

निर्देश सं० 37 इइ/9103/84-85--यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की ला 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० /10 पलाट नं० 62/13 कुलगांव है तथा जो कुलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज पूना, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का का रण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निसित उक्त य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तिवक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनवार अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के नभान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स रेणुका बिल्डर्स, कुलगांव, पोस्ट तालुका उल्हासनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनील गोपाल कृष्ण ऊललाल, बी-15, गणेण प्रसाद, 10 सीलटर रोड, गैन्ट रोड (डब्ल्यू) बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

कक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 इइ/9103/84-85 को ग्रक्तूबर 1984 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-6-1985

महिर:

पक्षम् जाई. टी. एन. एक. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकारु

## कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रज, पूना पूना, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/9780/84-85--अतः मुझे, अनिल

कुमार,

भागकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'अला अधिनियम किंहा गया हैं), की धार 269-क के अर्थाक अपने आधिकारों का सह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० फ० तं० 412, प० नं० 16, हिस्सा—17 डी० बी० सी०, बाणी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इत्ये उपाबद अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से बिनत है), पिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयवार आयुक्त, (किरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्नूबा, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, जमके क्ष्यमान प्रतिफल का पत्यह भित्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गवा मितिफल , विकासिक च दुद्दिय से उक्त अन्तरण निवित्त के वास्तिक कप वे शीयत नहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरण में हुई किसी भाव की बामस, उक्छ विभिन्नियम के वधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विष्ण के निष्, जीर/के
- (ब) एसं लिपी आहा कि उसी धन या अन्य आस्तिमों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिक्ति देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना नाहिए था छिपान में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मैं० लिबर्टी इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०,
 302, डलमल हाउस, 106 निरमान पाइंट,
 बम्बई-21।

(अन्तरक)

अब्दुल मिजद इक्वाहीम डोसा,
 32/36, बाबला टेक, क्रोस मार्ग,
 बम्बई।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्णित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के जीलर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी कर्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में पीर-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## **अनुस्**ची

फ० नं० 417, प्लाष्ट नं० 16, हिस्सा–17, डी० बी० सी०, वाशी, नई बम्बई।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 9780/84-85 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-6-1985

प्ररूप बाहाँ. टी. एस. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## आर्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/8947/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ० नं० 13, लिबर्टी काम्पलैक्स, प० नं० 17, डी० बी० सी०, सीडको, वाशी, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ये यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :----  मैं० लिबर्टी इन्बेस्टमेंट प्रा० लि०, 302, डलमल हाउत, 206, भारिमन प्वाइंट, बम्बई।

. (अन्तरक)

2. श्री पापिन्द्र सिंह कें बतरा, फ्लैंट नं 13 लिबर्टी काम्पलैक्स, प्लाट नं 17, डी० बी० सी०, सिडको, वाशी, नई बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## उन्त संपति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 दिन की अविधिया तत्संत्रंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 13, लिबर्टी काम्पलैक्स, प्लाट नं० 17, डी० बी० सी०, सिडकी, यवाशी, नई बम्बई। (जैस कि रजिस्ट्रीकृत ७० 8947/84-85 को अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन

रेंज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-6-1985

माहर:

प्ररूप नाहर . टी ५न. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिमांक 11 जृत 1985

निर्देश मं० 37ईई/7024/84-85--अतः मुझे, अतिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ० नं० 1, स्वीट होम अपार्टमेंहस प० नं० 9, स० नं० 49, कोयम्ब, पुणे—29 है. तथा जो पुणे में स्थित हैं (ग्रांर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप से विणित हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्ष शीभिनियम के जभीन कर बोने के बन्सरक बें दायित्व में कमी करने या उससे दरने में स्विभ के भ्रमण: बार/बा
- (क) एसी किसी बाग या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनयम, धा अन-कर अधिनियम, धा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसर्थ रू, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **डे अधीन, निम्नतिविद्य व्यक्तियों, अर्थात्**ः— 1 मैं वाफलकर लक्डा एण्ड कं 215 पार्वती. पुण-9।

(अन्तरक)

 श्री व० न० जोणी नं० 3 स्नेहा अपार्टमेंट्स प्याट नं० 27 स० न० 88/3 चितामन मगर, पुणें-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त दंशील के वर्णन के संबंध में काई भी नाओंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी जबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अविश्व द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींग।

स्वच्यक्ति एक :---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्योका, थो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. बही अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिया नवा इं.

## न्युची

प्लैट नं० 1, स्वीट होम अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 9, स० नं० 49, कोशस्त्र, पुणे-29 (क्षेत्र 807 चौ० फि०) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 7024/84-85 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अतिल कुमार मक्षम प्रोधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज, पूना

नारीख: 11-6-1985

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यात्रव, तहायक मायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, पूना

पूना, दिमांक 13 जून 1985

मिर्देण सं० 37-**ईई**/9498/84-85---अत: मुझे, अमिल

पारकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 थ के मधीन सक्षम प्राधिकारों को गह निस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

सं० तुलीज मालासोपारा (इ० ग्राम पंचायम तुलाचि, जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, सहायक आयहर आरहत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर,

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) नौर नन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वोध्य से उच्च अन्तरण विवित में नास्तिक उप से कवित नहीं किना गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, बक्त मींपनियम के ब्रंबीन कर, यो से सम्बद्ध की शनित्य में कानी करने या उससे क्षाने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किली आय वा किसी भन या जन्म बास्तिनी को, जिन्हों भारतीय बाय-कार जॉभनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, धा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए बा, कियाने औं स्विधा वे शिक्ट;

अतः अस, उच्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण है, मैं, अच्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री तुलाराम एन०्रींजाघव मिसेस प्रभादेवी, एन० जाघव,
 श्री सुरेश टी० जाधव, ठाना।

(अन्तरक)

 मैं० स्वार्ना प्रोपर्टी डेवलपमेंट, 39, मालाड ग्रापिंग सेंटर, ग्राचण्ड फ्लोर, एस० बी० रोड मालाड (डब्ल्यू०) बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह बुचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्तन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्ध इंपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख वें 45 दिव की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत तूचना के राजपक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि बा कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि बित में किए का सकी में।

स्वच्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, यो उनकें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया पदा ही।

# नवृत्त्वी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/9497 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अमिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जम रेंज, पूना

नारीख: 13--5-1985

मोहर 🙏

प्ररूप बाइ. टॉ. एन. एवं.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 6 जून 1985

ि निर्देश सं० 37<del>-६६</del>/7220/84-85---अतः मुझे, अनिल --

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लट नं० सी०-2, तीमरी मंजिल, हेरमेन्स हाउम, नं० 1974, गफार बेग स्ट्रीट, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मबम्बर, 1984

को प्रबंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कजी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (च) एसे किसी बाब या किसी भन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा वो लिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थांत ये— 1. मेसर्स रमेश बिल्डर्स, 697, साचापेट स्ट्रीट, पूना— 1।

(अन्सरक)

2. युसूफ हातिम भाई लोखंडवाला, 363 बी, भवानी पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह ।सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/7220/84-85 को नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुण के दफ्तर में लिखा गया है।)
(क्षेंब: 9050 स्क्वे० फि०)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 6-6-1985

मोहर 🖫

39 —176GI/85

प्ररूप बाधी, टी, एन्, एस. ------

भायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (मिर्जामण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/7835/84-85--अतः मुझे, अनिल कमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० स० नं० 904/9 भाग एरडावना, पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (निरीक्षण), अर्जनरेज, पूना के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या। उससे अन्तरं ने स्विधा के लिए शरिया
- (क) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों की, पिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुत्रिभा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तिया, अर्थासः :—— मेरासं देवधर एण्ड जोशी, प्रमोटसं बिल्डर्स,
 924, सदाशिय पेठ, प्रना~80।

(अन्तरक)

2. श्री रामा हनुमन्ना अलकुडी, हेल्थकैम्य के सामने नाल नं० 4, भारेगलमठ वडाप्ताडी, पूना-16। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पृवाकित सम्परित के अर्जन के लिए नार्यकाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजवत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध वा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जनिष, का भी अविध बाद में संगप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में संकिति , कित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र भी अक्षासन की तारीख त 45 किन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए का सकाय।

स्पच्छीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त जिल्लाम, जो जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया

## अनुसूची

(जैंसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/7835/84-85 जो दिसम्बर् 1984 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार कलम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

गरीख: 6→6-1985

ताष्ट्रर :

प्ररूप वार्डं .टी .एन .एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि.रीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

त्रुना, दिनांकः 11 जून 1985

निदेशः सं० 37-ईई/7165/84-85--अतः, मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औं जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 235-ए, पुणे-9 है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य ,सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इष्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं कथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्ष्म आधानधम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मैं० बी० सी० दिवाने एण्ड एसोसिएट्स, 21, मटरू छाया सोसाइटी, नगर मार्ग, पूणे-14।

(अन्तरक)

 श्री चन्द्रशेखर श्रीरंग निकम, 52, गुरुवार पेठ, पूर्णे-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्स्थीं**

सी० टी० एस, नं० 235-ए पार्वती, पुगे-9, (क्षेत्रफल 717.50 स्क्वेंयर फीट)

(जैसे कि रिजिस्ट्रोकृत कि० 7165/84-85 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणें के दफ्तर में खिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 11-6-1985

## प्रक्ष बाद् टी. एन. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के अभीन स्पना

#### भारत सुरक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोक 11 जून 1985

निर्देश सं०2 37-ईई/10490/84-85--अतः, मुझे, अनिल

कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभीनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीय सभय प्रतिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, विसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ० नं० 5, बिल्डिंग नं० ए, पाया हार्जिसग कामप्लैक्स, सं० नं० 2/1+2, श्रींध पूणे हैं तथा जो पुणे में स्थित है (श्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रींग पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मृस्य से क्ल्य के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत स प्रिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित्री (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वाया नया प्रतिफल निम्नसिवित उच्चेर्य से उस्त बंतरण मिवित वें वास्तिक क्य से कियत नहीं कि वा नवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती आस की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जंतरक के रायित्व में कानी कारने वा उससे सभने में मृजिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जल्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् के—

1. मैं० पोरवाल बिल्डर्स, ह्वाइट हाउस, 1482 सदाशिव पेणे, पूणे-30।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश सी० तिवारी, ए एल०-1-21, स्टाफ फ्लैट्स, टेल्की कालोनी, पिम्परी, पूर्णे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुको पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्त्रकाणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी सर्वापु बाद में स्थान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूच्या के राज्यत्त्र में प्रकायन की तारीक से 45 विन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्द स्थित दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त कृष्टी और पर्यो का, जो अक्त जीवित्वकृष्टे मध्याय 20-क. में परिभावित ही, वहीं जर्म होगा को उस मध्याय में दिवा नवा ही।

#### अनसची

फ० नं० 5, बिल्डिंग नं० ए, पाया हाउसिंग काम्प-लैक्स, स० नं० 2/1+2, भ्रौंध; पुणे।

(क्षेत्र: 726 चौ॰ फि॰)

(जैंसेकि रजिस्ट्रीकृत कि 10490/84~85 जो फरवरी, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-6-1985

बरूप नाइ<sup>क</sup>. ट. एम. एस. - - ---

क्रयक्तर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

क्लर्यांस**व, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्तन)** ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० 37—ईई/13852/84—85——म्रतः मुझे, म्रानिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा नदा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 8, ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 184 से 189, सं० नं० 31, 34, 35, 36 व 37, नवधर, वसई, थाने हैं तथा जो थाने में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्प मे विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नानार मृत्य से कम के क्रममन श्रोतफल के लिए कन्तरित की गई है मार मृत्ये यह विद्यास करने का कारण है कि युवायूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान श्रीतकस से, एसे क्रममान श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्य से स्वकृत अन्तरण निवित में गास्तिक रूप से किंग्स महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण भे हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिमित्रज्ञ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) धोसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्ह नारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रक्षेत्रकार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया चाना चाहिए वा, कियाने में स्विधा की सिक्ट

बक्क: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वभीन, निरुक्तिबित व्यक्तियों, अभौत् :—

- 1. मैं । मिंग इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट, 126/128, शिख मेमन स्ट्रीट, 1शी मंजिल, बम्बई-2। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० महाराष्ट्र केम-श्राक्स इण्डस्ट्रीज, 205/2, फैंज-ए, कुतबी, 375, नरसी मेहता स्ट्रीट, बम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके नृषोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुक् करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नामरे :----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि नाव में तमान्य होती हो, के मीलर पूर्वीपत व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति दवा,
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यक्टीकरण :--- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### यम्सू वी

इण्डस्ट्रियल यूनिट बिर्यारंग नं० 8, ग्राउण्ड फ्लोर बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 184 से 189, स० नं० 31, 34, 35, 36 व 37, नवघर, वसई (पूरब) थाने। (क्षेत्र: 670 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 13852/84-85 को मार्च, 1985 को सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-6-1985

मोहरः

वक्य गाई. टी. एन. एस.-----

<sup>अगुराक्ष्य जोभनिवस्</sup>, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीग तुखना

#### बाह्य पर्याप्

## कार्यासयः सहायक नामकर नाम्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 26 जून 1985

निर्देश सं० 38-ईई/12074/84-85--श्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्वात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी कीं,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति विसका स्थित बाबार मुख्य ;

1 , 00 , 000 / - रह. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० प्लांट बोरी पाखडी गांव, उरण, स० नं० 88, हिस्सा नं० 7, स० स० नं० 92482, 929, 930 931, विकर सेक्णन, स्क्रीम नं० यू० एल० सी०/पी० ए०/ एफ०/62, एस० श्रार०-8, बोरी पाखडी गांव है तथा जो थाने में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार बृत्य से कम के कारवान शितक्य के लिए बन्तरित की गई ही, और बुक्ने यह विकास करने का कारण ही कि वजावृत्वोंकर बंपरित का उचित वाचार बुक्न, उसके काराण शितका से एसे कारवान प्रतिक्रम का पंत्रह प्रतिकास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) जोर जंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के तिह तब बाबा वृत्वा शिक्षक, विक्तृतिवित कहनेत्व से बन्त बन्तरण जिल्हित में वास्तिविक रूप से कथित महीं किया गया है ह—

- (सं) अन्तर्भ के दुर्ग स्थित शाय की मायत उत्तर मणि-पिश्च के व्याप कर यात्रे के अन्तरक के वासित्य में कामी करने या उससे वचने में तृत्रिया के नियः और/शा
- (क) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य शास्तिकों करें, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उत्तत अधिनियम या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ ब्लारिती इवाय प्रकट वहीं किया न्या था ना किया धाना वाहिए था, जिनाने में सुनियम के निए;

अत: सथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिविष्ठ व्यक्तियों, स्थाति हु---  मै० सुनिती एण्टरप्राइजेस, 110, झॉबेरी हाउस, नगीनवास मास्टर मार्ग, बम्बई-23।

(ग्रन्तरक)

 मै० विव्या बिल्डर्स, 12-ए, श्री डायमंड सेंटर, एल० बी० एस० सार्ग, विकाली, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्जन के सिए कार्यवाहिया सूक करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति को नर्बन को सम्बन्ध को कोई' भी नाकांप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकायन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी वर्तीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्न 45 दिन के भीतर उन्ह स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्म स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ल्बाक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्मा बीट पर्वो का, को उनत विभिनियम के बंध्याम 20-क में परिभावित हैं, बही वर्ष होगा को उस सध्याय में दिका नवा है।

## अनुसूची

प्लाट जो गांव बोरी पाखडी, उरण में स्थित है ग्रौर जिसका स० नं० 88, हिस्सा नं० 7, स० स० नं० 924, 925, 929, 930 तथा 931 है जो विकर सेक्शन स्क्रीम नं० यू० एल० सी०/पी० ए०/एफ०-62/एस० ग्रार०-8/10 श्रक्तूबर 1984 के मुताबिक है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 12074/84-85 जो जनवरी 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणे के दक्तर सें लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 26-6-1985

## प्रकृप कार्च वी . एन . एत . ------

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जून 1985

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स० नं० 735 गांव मीरा थाने है तथा को थाने में स्थित है (श्रीर इससे उपाब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरसमान प्रित्यंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के प्रकृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी फिसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनिध्म की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्रारा (1) के अधीर निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1. श्री भास्कर नवशया बाबर, द्वारा में 2 शेख कन्स्ट्र-क्शान्स, 32, इक्नाहीम रहमतउल्ला मार्ग, बम्बई-3 (श्रन्तरक)
- मै० शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32 इक्राहीम रहमतउल्ला, मार्ग, बम्बई-3।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन्स्यी

स० नं० 735, गांव मीरा, तालुका तथा शहर थाने। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 13265/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पृणे कि दफ्तर में लिखा गया है।)

भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, पूना

नारीख: 26-6-1985

प्रकल् नाहाँ. टी. एन / एस. - - = =--

शाय अर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के वधीन सूचना

#### गारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 जून 1985

निर्वेण सं० 37-ईई/13271/84-85---श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम श्रीभकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं नं 200, गांव मिरा, थाने है तथा जो थाने में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित् वाचार मूल्य से कम के उरवृज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाता गया प्रतिफल निम्निस्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निस्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निस्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निस्व

- (क) बम्बद्रण से हुन्द्र किसी बाव की बावत, स्वस्त का नंतरम के बधीन कार दोने के अन्तरक के ं न के कसी करने या उससे बचने के शृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

अत. अब उक्त अधिन्यम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निश्निमिबित प्रक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बालकृष्ण राउनी कुलमे तथा श्रन्य, द्वारा मै० शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इब्राहीम रहमतउतुल्ला मार्ग, सम्बई।

(भ्रन्तरक)

2. मै० शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इक्राहीम रहमतउला मार्ग, बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त बन्धित के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्याना के रावपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्वक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जा उक्त विधीनयम के कथ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा जो जस अध्याय में तिया गया ही।

#### अनुसूषी

सं० नं० 200, मीरा गांव, थाने।
(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 13271/84-85 जो फरवरी,
1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज,
पूर्ण के दफ्तर में लिखा गया है)।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे

नारीख: 26-6-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यातय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निवेश सं० 37-ईई/13269/84-85--अत: मुझे, अनिल कुमार,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसकें इसकें परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मर्वे नं० 75 हिस्सा नं० १ सर्वे नं० 190 गांव मीरा में स्थित ता० श्रीर जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पृणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

कां प्रॉक्त संपत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के समयाव शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विस्ताव करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित वाषार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पेड़ह प्रविकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया ज्या प्रति-कम निम्निसिंद्त उद्योक से उस्त अन्तरण विश्वित में बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) जन्मरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीवितवस के जधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के सिष्टः और/वा
- (च) ऐसी किसी बान वा किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने बें नविधा के सिष्ट;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरभ ने', में, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)' के अधीर िनगमिसियत व्यक्तियाँ, वर्धात्ः——
40—176GI/85

 श्री नाना नवशया बाबर ग्रीर अन्य, द्वारा मैसर्स णेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32 दक्काहीम रहमसउल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स शेख कन्स्ट्रवशन्स, 32, इब्राहीम रहमतउल्ला रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तस्वन्थ में कोई भी शाक्रेष:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबकि, को औं जबकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इक सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के बाद सिवित में किए वा सकींगे।

स्पन्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्गे और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

जैसा कि रंजिस्ट्रीकृत कि० 37-ईई/13269/84-85 जो फरवरी 1985 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के धफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 27-6-1985

मोहर .

## प्रकल आर्च टी एन एस ------

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37—ईई/1198/84—85-—अतः मुझे, अनिल कमार.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं विषयाडा, थाना, में एक पक्का बिल्डिंग और साथ में कुछ टैम्परेरी भेड्स है तथा जो थाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पृणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखं अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल में, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह शितवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतर मिंदती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिबाब एप में किश्वा नहीं किया गया हैं:—-

- िक) संतरण वे हुई किसी साय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व भी कामी कारने या उससे बचने में सविभा श्रीक्ष्म, शीर/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जंतरिती, ब्वारा प्रकट नहीं किया थया भा या किया जाना वादिए था. खियानं में स्विधा की निए;

जतः व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) शुक्रभीत निस्त्रसिक्त व्यक्तिस्थी. अधिस् क्र-स्  श्री दत्तास्रय रामचन्द्र पाष्टिल श्रौर अन्य, दादा पाष्टिल वाडी, नवपाडा, थाना।

(अन्तरक)

2. मेसर्स मारुती बिल्डर्स, शाप नं० 2, मोची बिल्डिंग, एन० एस० रोड, मुलूंद (4), बम्बई-80। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37-ईई/1198/84-85 ग्रीर अप्रैल, 1985 जो कि सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पना

तारीख: 27-6-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/13270/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार,

अग्रिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० मर्वे नं० 744, 746, 747 भीर 748 है तथा जो गाय मीरा ता० और जिला थाना में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को प्यास्त सम्मिरित के उचित बाबार मृस्य वं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित को उचित बाजार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित्य में कमी कर्न या उससे बचने में तृ[अध] के निए; और/या
- (था) एसी किसी जाय वा किसी थन या अन्य जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री नाना नवशया बाबर एन्ड अन्य, द्वारा मैससं शेख कन्स्ट्रक्शन्स, 32, इक्काहीम रहमसजल्ला रोड , बम्बई।

(अन्तरक)

 मैसर्स शेख कन्स्ट्रक्शान्स, 37, इब्राहीम रहमतउख्ला रोड. बम्बई।

(अन्सरिसी)

्की बृह सूचना चारी करके पूर्वोक्त अस्पत्ति के वर्षम के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जबिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (ज) ह्वं ब्रुवा के प्राच्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर अन्य स्थान्त सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य स्थानत क्षारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकतें।

स्वकाकरणः — इसमें प्रमुक्त स्वयां और पर्यों का, वो उक्त विभिन्यम, के संभाग 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, यो उस वश्याय में दिक वस हैं ॥

#### वन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/13270-/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है,।

> अनिल कुमार्∦ सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पुना

तारीख: 27-6-1985

## प्रकप बाइ . टी. एन्. एस . -----

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की

## भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, पुना

पूना, दिनांक 18 जून 1985

निर्देश सं० 37—ईई/7703/84—85——अतः मुझे, अनिल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 114 सं० नं० 62/2 ए०, पार्वती सहकार नगर, पूना-9 क्षेत्र 776 स्के० फिट हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नयम्बर 1984

को पूर्नोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गर्द है और मभौ यह विद्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंवरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म्मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः वया, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनूसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधित् :—  मेसर्स नाम्हानकर डिसा एन्ड असोसियट्स, 8535, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरक)

 श्री रिवन्द्रा यव्यंकटेश टिलक, 1095, सदाणिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

(जसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/7703/84-85 जो नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-6-1985

प्ररूप बाई ुटी ु एतु., एस ,------

नायकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याक्तव, सहायक कार्यकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जून 1985 निर्देश सं० 37-ईई/11267/84-85--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लाट नं० 4, पहला माला गुरु ग्रपार्टमेंट, सं० नं० 113, उकर पूना—15 फ्लाट नं० 16, क्षेत्र 782 स्क्वे० फिट है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर वीभृतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृविधा चै सिए;

- मेसर्स के० प्रमोटर्स एन्ड बिल्डर्स, 46/ए० कस्तूरबा हाउसिंग सोसायटी, विश्रान वाड़ा, पूना-15। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रार० टी० चौधरी श्रौर श्रार० श्रार० चौधरी, स० नं० 9, पांडुरंग निवास, जाधव बस्ती, जकरू, पूना-15।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकति।

स्थळीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## **प्रनुसूची**

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/11267/84-85 जो मार्च 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।) क्षेत्र: 762 स्क्वे० फिट।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

कतः खब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीखा: 18-6-1985

# प्रकल कार्यः, टी<sub>...</sub> एत<u>ः</u> एत<sub>...</sub>-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### सञ्ज चर्चाड

कार्यात्तय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 जन 1985

निदेश सं० 37-ईई/10711/84-85--- श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

जानकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन चन्नम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित्र साजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दूकान नं० 34 ग्राउण्ड फ्लोर, वर्धमान मार्केट, प० नं० 75, हिस्सा 17, वागी, नई बम्बई हैं तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृष्य से कम के दश्यमान वितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उज्जित बल्यार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से इसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिचित उद्वेद्य से उक्त अंतरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से धुर्द किसी जाय की बाबस, उक्स अभिनियम के अधीन अपर दोन के वासरक को बायित्य में कामी कंदन में उससे बचन में सुविका के लिए, और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपान में मृविधा के तिहरू;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसियत व्यक्तियों, वर्षात् :---  मै० बर्धमान कन्स्ट्रक्शन्स, 40-41, विशाला शोपिंग सेंटर, सुर सं० व मार्ग, (ग्रंधेरी-कुर्ला मार्ग) ग्रंधेरी (पूरव), बम्बई-69।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अब्बुल कुराम मू० प्रली हसन, डायमंड जबर स्टोसं, जय गंकर बिल्डिंग, संघानी ईस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकीपर (पश्चिम), अम्बई-86।

(श्रन्तरिती)

की यह शूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उपत सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की शारीं से 45 दिन की जनिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की सन्धि, वो भी नदिस नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्वच्योकरणः—-इतमें प्रयुक्त कथ्यां और पवां का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याण में दिया कवा हैं:

#### अगुलुची

बुकान नं० 83, ग्रॉउड फ्लोर, बर्धमान मार्केट, प्लॉट नं० 75, हिस्सा-10, वाशी, नई बम्बई

(क्षेंच्र 810 पौ० फि)

(जैसा कि रिजस्द्रीकृत क० 10011/18-14 जो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 14-6-1985

महिन "

# प्ररूप बाई. टी. एम. एस., न्यान्यस्तानामा

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, पूना पूना, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/10183/84-85-- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 75, सेक्टर 27, तल मंजला, नं० 29, वर्धमान मार्केट, वाशी, न्यू बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का वस्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया पना प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई फिसी बाय की नावत , उपने अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्ट्रिया
- (क) एस किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

लतः अतः, उक्त लिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें कै उक्त पीधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्षीत निक्तिलिक व्यक्तियों, अर्थात :---

- मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शन्स, 40-41, विशाल शापिंग सेंटर सर० एम० वी० रोड, (ग्रंधेरी-कुर्ला रोड), ग्रन्धेंरी (इ०), बम्बई-69। (ग्रन्तरक)
- मेसर्स रोणन इन्टरप्राइजेंस, फ्लैंट नं० 697, कररू रोड़, बडाला, अम्बई-31।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थिए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरी।

स्पक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मसमी

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत न० 37-ईई/10183/84-85 जो नवम्बर 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-6-1985

## प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

श्रीयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जून 1985

निदेश सं० 37-ईई/10852/84-85—अतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यत्ति. जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोबियर्ली गांव, तालुका कल्याण, म० नं० 293 हिस्सा नं० 5 है तथा जो कल्याण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कम के स्वसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्रांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतिगितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वोदन से उक्त कन्तरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबसा, खन्न अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिका में कभी करने या उत्तसे अचने में सुविधा ते लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैसर्स घ्रुवी बिल्ड्स, 1/5, माया नगर ढाना (इ०)।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती विमल कान्ता कार्थ, ब्लाक नं० 10, गोधावरी सोसायटी, डोबिवर्ला (ई०)। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्दित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविध , यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह\*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

#### नग्तुची

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/10852/84-85 जो दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ग्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-6-1985

मोहरः

प्ररूप वाहै. टी. एन. एव.-----

शायक अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) में सभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 28 जुन, 1985

निर्देश सं० 37ईई/13523/84-85—श्रतः मुझे श्रनिल कृमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 307, सैश्चम इन्टरप्राइसेज, सेट प्लाट नं० 40, सेक्टर नं० 17, नी० बी० सी०, बमई, है तथा जो नया बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक मार्च,

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित गावार मूल्य सं कम के दश्यमाय पितफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रॉक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा प्रतिफल निम्नितिवित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा से किया

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन किन्निमित क्यिक्तियों, अधीत :—

मैसर्स साई बाबा, एन्टरप्राइसेस ,
 4 माशियाना एन० एस० रोड, नं० 10,
 विलह पार्ले बम्बई -58

(श्रन्तरक)

 इस्माईल वाय मोडक, सी-5/9/11, सेक्टर फ्राई०, ए०, सी०बी०डी०, बेलापुर, नया बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी फरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां इ-रू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, या भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाक सिचित में कियू वा सकोंगे।

स्युष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदी का, जो उन्हें किंपियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया पया है।

### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37ईई/13523/84-85 जो मार्च, 1985 को सहायक ग्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के देपतर में लिखा गया है।

> श्चनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

विनांक 28-6-1985

मोहर 🏗

41-176GI/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# नाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### हारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निडीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना, पूना, दिनांक 18 जून, 1985

निदेश सं० 37ईई/10320/84-85—-भ्रतः मुझे, भ्रनिल

कुमार

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इसके पण्यात 'अक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व को सधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं० गाला नं० 5, घनलक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 104, 106 भौर 107 सं० नं० 31 (भाग), सं० नं० 34, 35 भौर 36,नवाघर का भाग वसई (इ), जिला० थाना, (क्षेत्र—1040 वर्ग फिट) है, तथा जो ठाना में स्थित है (भौर इससे उपावज्ञ भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन धिनांक नवम्बर, 1984

को प्यों अस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों क्य संपत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रशिक्त से, एसे ध्रयमान प्रतिक्ष का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्त कल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नसिचत में बास्त्रिक कम से किथल नहीं किया गया है क्ष्री

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाद की बाबत उक्त विध-गिवन के अभीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कनी करने वा उन्तते बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 1!) वा उच्त निधिनयम, मा धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रनार्थ जच्चीरती च्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

वतः वन, उनत विधितयमं की धारा 269-ग को वनुसर्द में, में, उनत विधितियमं की धारा 269-व की उपधारा (१) के वधीन, निस्तिविक्ति व्यक्तियों, बुर्णात् स्कल्ल  मैसर्स धन लक्ष्मी, बिल्डर्स, , पार्टनर द्वारा : श्री श्री० एम० टाक,
 82, राम मंदिर रोड, विर्ले-पार्ले (इ),
 बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नारायण दास प्रसाद, लुहासका, पार्टनर : रिशनु इंजीनियरिंग वर्कस, गाला नं० 5, धन लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल, इस्टेंट, नवाघर, बसई (इ), ठाना ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना कारी करके पूर्वाक्त सम्मस्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहिमा करता हो।

#### इक्ट हम्पति के बर्बन के सम्बन्ध में के की बाक्यर:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूचारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **ध**नुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/10320/84-85 जो नवस्त्रर, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

(क्षेत्र ० 1040 वर्ग फिट)।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्र श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

विनांक: 18-6-1985

प्रक्य बाइं.टी.एन, एस. ------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-त (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 27 जून 1985 निदेश सं० 37**६६**/11733/84-85—- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० फ० नं० 8, 2री मंजिल, मोहित पार्क, प० नं० 140, लुलानगर, पुण-40 है, तथा जो पुण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुन ने रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रुप्रैल, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से निए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, किन्तुं नारतीय भाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर विकित्यम, या धनकर विकित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ केन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा के निध्;

कदः तन, उन्त गाँधीनगम की गारा 269-न में ननुस्त्रक त्री, ती उन्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभाग्न (1) को त्रधीन, [तस्मिनियम स्वीत्रकार], सम्बद्ध क्रान्स

- मै० फाइव स्टार बिल्डसं।
   10, कमल चेम्बसं, 36 म० गांधी मार्ग,
   पुणे-1
   (भन्तरक)
- श्री शकीला जमील ग्रहमद,
   516, सिनेमा स्ट्रीट,
   पुण-1

(मन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्तु सम्पत्ति के वर्णन क्षेत्रं संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना की राजपन में प्रकाशन की तारीत हो 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ विषिष बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पार सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के रूप्याय 20-क में परिभाष-इ, बही अर्थ होग्र, जो उस अध्याय क कि नवा है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 6, मोहित पार्क, प्लाट नं० 140, लुलानगर, पुणे-40 (क्षेत्र० 1630 वर्ग फिट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि सं० 11733/84-85 जो भाजैल, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

विनांक 27-6-1985 मोहरः

# प्रकल बाह्यै, ट्रीं, एन ुप्रस्तु, ५०००-५००

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को जभीन सुचना

#### शारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 27 जून, 1985 निवेश सं० 37ईई/12071/84-85---ग्रतः मुझ, ग्रमिल कुमार

भायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं ्यूनिट नं ० 5, मंजिला, मवघर गांव, तह ० भसीन, जिला ठाना है, तथा जो ठाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को तिए मन्तरित की गहरै बौर मभौ विष्वास करने का कारण कि सम्पत्ति का उच्ति बाजार मूल्य, उसके परयमान प्रतिफल सं. ए से दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिंखत उद्वेश्य से उक्त अतरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया €, #----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/आ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भांक्ष्ए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुभरण जों, माँ, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (;) के अधीर, निम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री धनसुख लाल एम० टिलक,
 भागीदार: धनलक्ष्मी बिल्डर्स,
 62, राम मंदिर, रोड, विर्ले-पार्ले (इ),
 बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

श्री टी० साथीनाथ कर्ता ,
मैसर्स एफ० एच० यू० एफ०, मैसर्स हैपीलट,169/बी,
झंधेरी, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, वी० वेसाई रोड,
झंधेरी (डब्स्यू), बम्बई-59 कि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

#### वन्स्की

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/12071/84-85 जो जनवरी, 1985 को सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना के सफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 27-6-1985 मोहर : प्रक्ष बाई. टी. एन. एस.------

बायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रोंज, पूना

पूना, दिनांक 14 जून, 1985 निदेश सं० 37ईई/1167 /84-85 — अतः मुसेः श्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकीं सं० यूनिट नं० 15, 16, 17 और 18 पहला माला, अनिल इंडस्ट्रियल एस्टेट, नं० 2, प्लाट नं० 34, सं० नं०, 30, 31 (भाग), 34 भाग, 55 मीं० भाग, नवाघर गांच, त ० वसंदी, जिला ठाना है, तथा जो ठाना में स्थित है (और इतमें उप बद्ध अनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रींकारी के कायित्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरीं, 1985 का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल कर पम्ब्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🤃 —

- (क) अन्तरण संहुदं किसी जाम की बाबत, उत्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसर अधिनियम का धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्थित है जिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ॥— स्वास्तिक डेवलपमन्ट,
 12, दुभाष लेन,
 व्हीं० पीं० लेन, बम्बई-4

(अन्तरक)

रेंगसीं टेंक्सटाइल मिल्स,
 3 , मेढास हाउस नगीनदास मास्टर रोड,
 बम्बई-23

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं म 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि काद सं समाप्त हानी हा, के गीनर बेका क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (७) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्थष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समाहै।

# अनुसूची

(जेस कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/11819/84-85 जो जनवरीं, 1985 को महत्यक धामकर प्रयुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, पूना के सप्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

दिना ह: 14-6-1985

माहरः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

# भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनोक 7 जून, 1985

निदेश स० 37ईई/7606/84-85-५-अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकीं संव सव तंव 26, प्लाट नव 149, धनकूट, कालोतीं, कोथरूड, पूना,-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से बॉणत हैं) रिप्ट्रिनेकर्ता प्रिश्व गरीं के अर्थानय नद्दाय : श्रायतार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन, पूजा में रिजम्ट्रीनिरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशी विनोध जवभदर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिल्ल में कनी खरने वा उससे बचने में खुबिशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मेश्सं ध्रनूला इंटरप्रायकेण,
 31, शिल्प बिहार कालाती,
 पूना-4।

(भ्रन्तरकः)

 श्रीं मैनवेल शान्तनु राष्ट्र, पोहार कर और ऊपा बाई, मैनवेल पोहारकर, 79, कांथरुड, पूना-28

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/7606/84-85 जो. नवन्बर, 1984 को तहायक आयह प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना के दक्षर में विखा गना है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

दिशंक 7-6-1985 मोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1985

निदेश सं० 37ईई/11604/84-85---अतः मुझे, श्रनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र से अधिक है

और जिसकी सं० 4 रूम का प्लाट, पहला मंजिल, पर सर्थे नं० 47/6, बी-2, प्लाट नं० 1, एरंडचान, पूना (क्षेत्रफल 805 वर्ग फिट) है, तथा जो पूना में स्थित है (और इनसे उताकड अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री ती अधिकारी के वार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अर्जन, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान व्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित वे बास्तिबक रूप से किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निकालियत व्यक्तियों, अर्थात् ध---  मैं-(सं राधिका अपार्टमेन्ट्स, सर्वे नं० 47/6, बीं-2, प्लाट नं० 1, एरंडवान, पूना-34।

(भ्रन्तरक)

कुमार जीनदत्ता शोर्टे,
 1194/24, घाले रोड, पूना ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **नन्स्**ची

जैसा कि रजिस्ट्री त क० 37ईई/11604/84-85 अप्रैल, 1984 को महायह स्रायभ्य प्रायुक्त (जिरीक्षण), स्रर्जन रोंज, पूना के दफ्तर में जिल्हा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

ंदिनां∌ 2.7-6-19**85** मो**हर**ः प्रारूप आहु .टी.एन.एास . . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 24 जून 1985

निदेश सं० 37ईई/12248/84-85---ग्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

जानकर बीभनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे करके इसके प्रकार प्रकार जिल्हा की प्रकार का प्रकार की पास 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और तियकी सं कि कं नं 603, 6 टी मंजिल, लोगिजल विल्डिंग, बागी, पर तं 50. हिस्सा, 17, डी बी ली के सम्बद्ध है तथा जो बम्बद्ध में स्थित है (और इमसे उपाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण कप से विणत है), रिअस्ट्रींकृती श्रविकारी के द्यायित्व सहाय । श्रायत्व श्रायत्व श्रायत्व (निरीक्षण), श्रर्जन में ज, पुणे में रिजस्ट्रीं व्यायत्व श्रविकारी 1908 (1908 या 16) के अर्थीन दिनां जनवरीं, 1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के क्स्यमान प्रतिकास के निए बन्तरित की गड़ें हैं और मुख्ये वह विश्वास अपने का कारण हैं कि प्रभापनींवत संपर्तित का उचित वाजार प्रक्य, उसके राधमान प्रतिफल से, एसे रम्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक, हैं और बन्तरिक (अंबरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क स निम्तिवित उच्चेय्य से उच्च बन्तरण निकित में बास्त्-विक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण तं हुए किसी बाव की बावत, उनसे अभिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के बादित्य में कभी करने वा श्वत वचने में अधिया के सिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अब 'जन्ह' भारतीत बाज-कर विभिन्नियंक, 1922 (1922 का 11) या जनत लिधिनियंक, या प्रकृष्ट अधिर्वियंक्ष (1957 का 27), के प्रशासनाथ अन्तरियों ध्वारा प्रकट नहीं किया लया था था किया वाना वाहिए था कियाने में विश्वा के किए;

न्तः अभ, तक्तः अभिनियमं की भारा 269-मं की, बनुवरणं अभ, में उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं को उपधारा (1) को अभीत निम्मतिविक्त स्मित्तरों अभीत ः—-

- शी ातित स० गांबी, लोड शिल्प को-प्राप० हाउित्र सोसायटी लि. 14, विणाल शापिंग, सेन्टर, म० व० मार्ग, अंधेरी, (पूरब) बम्बई।
- लिलता वासुदेवान तथा 2. वासुदेवन 4. मंगम गोखले मार्ग, चेम्बूर बम्बई ।

(अन्तरिती)

(ग्रन्तरवः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इक्स कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में सोई भी वायांच १-०

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्स्वस्थी स्थानितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस स्थला के अध्यापत्र में प्रकाशन की हारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- अक्षे किसी व्यक्ति ब्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पासु लिसिस में किए या सकीने।

रणक्रीकरणः रूइसमें श्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उपके अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगर को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

पलैट नं० ६०३, ६ टीं मंजिल, बिल्डिंग लोकशिस्प, वाशी प्लाप्ट नं० 5, हिस्सा, 17, डीं० बीं० सीं०, कम्बई।

(क्षेत्र० 64० वर्गफिट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रींगृत नं० 12248/84-85 जो अनवरीं, 1985 को महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के ध्यतर में लिखा गया है।)

> श्चनिल कुमार मक्षम प्राधिकारीं महायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 28-6-1985 मोहर

# प्रकप् आर्. टी. एन. एस. ------

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 मई, 1985

ि निर्देश सं० 37ईई/785/84-85-—श्रतः मुझे, भनिल हमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लैट नं० 58, सर्वे नं० 89-90, लोकमास्य कालोनी, कोयरूड, पूना, (क्षेत्रफल

1018 वर्ग फिट), है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उराबद अनुसूचो में श्रीर जो पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंतः बंब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के बन्सरण बैं, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थं की लपधाना (1) के बंधीमः निम्निजिलिक व्यक्तियों, अर्थात् :—— 42—176 GI|85 श्री कांतीलाल नरशी शाह,
 18, श्रजीत सोसायटी, भगवान नगर के पास,
 टैकरा पालडी, श्रहमदाबाद।

(मन्तरक)

मैंसर्स श्रंकूर प्रमोटर्स,
 1226-सी, शुक्रवारपेठ, शुभाष नगर,
 गल्ली नं० 4, पूना ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्**स्वी**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/785/84-85 जो मई, 1985 को सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, पूना के दफ्तर में सिखा गया है।

> मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

दिनांक : 18-5-1985

मोहर:

# त्रक्य बाहै . टी . एत . एव . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत धरकार

कार्यासय, सहायक नायकर जान्कत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, पूना पूना, विनोक 18 मई, 1985

निर्देश सं० 37€ई/10379/ 84-85---श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

हायकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का आरफ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 110, सर्वे नं० 26, कोथठड, गांय पूना, (क्षेत्रफल 7280 वर्गे फिट) है, तथा जो पूना में स्थित है (भीर इससे उपावस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना , में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1985 को पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के इत्यमान

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1985 को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक स्थानिक स्थान उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में वास्तीक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, जब्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; जोर/मा
- (क) श्रेडी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण जे, जे कक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अभीतः, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अभितः:---  श्रीमती सुशीला बाई, गोविन्द एकबीरे, रेलंब क्वाटर्स, भुसाबल, ।

(भ्रन्तरक)

ए॰ बी॰ एसोशिएट्स,
 1206/23,बी, शिवाजी नगर पूना-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हैं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्याक्तयों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स
  स्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कटां आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हागा जो उस अध्याय में बिस्स गया है।

# मम्स्यी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क॰ 37ईई/10379/84-85 जो फरवरी, 1985 को सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, पूना के वस्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

**दि**नांक 18-5-1985

महिर:

ब्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शब 269-व (1) के नधीन स्वास

भारत सरकार

क्षयां तय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/7159/84-85---- अतः मुझे अनिल कुमार श्रीमार श्रीमार श्रीमार श्रीमार श्रीमार श्रीमार श्रीमार श्रीमार भ्रीमार भ्रीमार श्रीमार श

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेंट नं० टी-3, तीसरा मंजिला, सर्वे नं०
42ए/18, एरन्डवना, पूना -4 है, तथा जी पूना में स्थित है
(श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1984
कां पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए जन्तरिस की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि स्थाप्येंक्स संपत्ति का उचित बाजार
ब्ल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से एस दश्यमान प्रतिफल का
पद्रह प्रतिशत से विश्वक हैं और वंतरक (अंतरका) और वंतरिसी
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्विष्य से अक्स बंतरण लिसित में बास्तचिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरभू सं क्रुंक् किसी नाय की बाबत उपस् अधिनियस के अधीन कार दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे ववने में सुविधा कें/निष्; वीर्/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की , चिन्हें भारतीय जान-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सुर्थात् के—

- 1. नाटेकर गांधी एण्ड कंपनी, 1206, बॉं/15, शिवाजी नगर, डी० जी० पूना। (अन्तरक)
- श्री धनौजय विनायक जोग,
   53, श्री निवास, मोदी बाग,
   पूना-16

(मन्तरिती)

नों नह नुषमा वारी करके पृत्रों कर सम्मारित के वर्षन . वे हैलब् कार्यवाहियां करता हो।

वर्ष कम्पृतिक के वर्षन के बम्बन्य में कोई भी बाक्षेप:~-

- (क) इस व्यमा के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष् स्थना की तामील से 30 दिन की ब्रह्मि, को भी वर्षि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृत्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रह्मशः
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवकृत्र किसी बन्य व्यक्ति इवारा वभाहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा करेंगे।

स्यध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों भीर पदी का, जा उपके विभिन्नक, के अध्याद 20-क में प्रिकाधिक इ, बड़ी कर्ष होगा जो उस अध्याद में दिना सवा है।

भनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/7159/84-85 जो अन्तूबर, 1984 को सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), प्रार्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

म्ननिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

दिनांक 17-5-1985 मोहर:

# प्रकष् आह्राँ द्वी पुन पुस ..-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 मई, 1985

निर्वेश सं० 37ईई/663/84-85—श्रतः मुझे अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं 47/22, एरन्डबना, लॉ कालेज, रोड, टी०पी० स्कीम, नं 1. पूना-4 है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धश्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मिंघकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्य-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त वर्षिनियम को अभीन कर देने के सन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे वथने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, स्वतः अधिनियमं कौ धारा 269-ग कौ अनुसरण में, मैं, स्वतः अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) वे अधीन, निम्निसिखन व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री बी० की० कर्चे,
 47/22 इ एरन्अवना, पूना-4

(मन्तरक)

ग्रोम इन्जीनियर्स एण्ड बिल्डर्स,
 43/4, एरन्डबना, पूना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याद 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्त्रक्षी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/663/84-85 जो मई, 1985 को सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, पूना के बफ्तर में लिखा गया है।

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेंग रेंज, पूना

दिनांक 1*7-5*-1985 **भोड**र : प्रकप मार्वं टी.एन . एव . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायकत (निर्देशका)

मर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 जून, 1985

निदेश सं 37ईई/7730/84 85 - मत: मुझे मनिम

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- एः. से अधिक हैं

भीर जिसको सं० सी० एस० नं० 2043, भींघ रोड, पूना 3 तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक मनुसूरी में ग्रीर जो पूर्ण का से वर्णित है) रिजस्ट्रीत्सी मधिकारी के कार्याक्ष्य सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (िरोक्षण) ग्रजेंन रेंज, पूना में रजिन्द्रोक्ररण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम 🔻 अपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ह<sup>4</sup> कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित **काजार म्**ल्य, उसके **र**श्यमान प्रतिफल इनुवोदय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नरि संतरक (अंतरकों) और अंत्रिती (**संतरितियाँ)** के भीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिविक ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट् प्रतिशत से अधिक 🧗 **नहीं किया गया है:--**

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में बुविधा केलिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अञ्च आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुविधा को लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के मधीन, निम्नलिबित त्यक्तियों, वर्धात् :---

1. श्री हतीम भाई, तुराभाई बोपडावाला, घोर घल्य 1571, शुक्रवार पेठ, पूना।

(धन्सरक)

2. श्रो इकराम मालिक खान, 1202/5, धोले, रोड, पूना-4

(धम्सरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां चुक्त करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या दत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्योंक न्यन्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर जक्त स्थाबर संपत्ति में हितबबुब किसी अन्य स्थिक्त व्वारा अभोहस्ताकारी के पांच लिखित में किए जा सकींगे।

रमञ्जीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों सप्र, को सक्स अधिलियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वही अर्थ होगा जो उस वभ्याय में दिया मया है।

# मनुसुची

बैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/7735/84-85 जो नवम्बर, 1984 को सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> धनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण) अर्खन रेंज, पुना

विनोक 17-5-1985 मोडर :

प्रकल्प मार्च टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

्र निदेश सं० 37ईई/11739/84-85---श्रनः मुझे भानेल कुमार

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जित्तका सं० पत्रैट नं० 5-2रा मंजिता, दाक्षित बाग, भर्य टेमेन्ट्स, सो० टा० एत० नं० 69 डी/2 बा, नई सदा यव पठ, पूता में है तथा जो पूता में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध भनुसूत्रा में भीर जो पूर्ण कर सर्वाणित है। रिजिस्ट्री कर्ता मधिक री, कार्यात्रा सहावक आवक्द आयुन्त (जिरीक्षण), अर्जन रेज पूना में रोजस्ट्रा करण भिधानियम 1908 (1908 का 16) के भक्षान दिनांक अर्थन, 1984

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित आजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधिक ही आप अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से क्रिंबत नहीं किया गया है :--

- शुक्त) भन्वरण वं हुई किसी बाय की बाबस्, उपस वीर्धानयम के अधीन कर दोने क बन्दरक की बाजरभ में केमी कडने वा उच्छे शुक्त में सुविधा कास्पु; बडि√वा
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिनां भन्ने, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या धन-कर जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, कियान में सृत्धि। औ विद्या

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृक अन्तरण में, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— डा० ग्रावनाश बंद० द क्षित,
 836, सदाशिय पेट, पूना 30

(श्रन्तरक)

 श्री विनय बाबूराव काले ग्रीर ग्रन्य "विश्वनाथ सदन" खारकन लेन, थाना ।

(भ्रन्तिर्द्धः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप गुल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- भव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकारणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याम में दिया गमा है।

# अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/11939/84-85 जो मधैल, 1984 की सहाय के आय कर आयुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, पूना के धफ्तर में सिखा गया है।

भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पून

ं दिनोक 31 5 1985 मोहर प्ररूप आइं.टी.एन.एस,. ------

शायाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

**गारत सरकार** 

कार्याज्य, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निवेश सं० 37ईई/10041/84-85—-श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पतेट नं० 34, दूसरा मंजिला, नवधर लैन्ड पार्क में, बाई रोड, सर्वे नं० 46 (भागा, प्लाट नं० 8, श्राहत्व नगर, योजना, सवहर बमई, तथा जो बसई में स्थित हैं (और एमसे उपाबद अनुसूख में श्रीर जो पूर्ण हप से वणित हैं) राजिरद्रीत्ती श्रीक्ष रो के वायाच्य सवायर श्राह्म श्रीर में (लिर्क्षण), श्राजेत रोड, पूना में रिष्ट्रितिरण श्रिक्तिरम, 1906 (1908 का 16) के श्रिक्षन दिनार नवस्बर, 1984

का भ्वाक्स सम्पास के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि एनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुदंकिसी आब की वावत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- [ख] एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिएने में मृतिधा के लिए:
- े। त्या अभिनियम की धारा 269-**ग क अनुसर्फ** जी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) हे अधीत, निस्तिबित व्यक्तियों, अर्थात —

 मैपर्स व्ही० एस० इन्टरप्राइजेज, कोर्ट वेम्बर्म, दूपरा मंजिला, नया मरीना लाईस्स, बम्बई 6 ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती खतीजा बीबा, इसाख ममता, श्रीर श्रान्य, दूसरा मंजिला, एल० जे० कास रोड, नं० 2, माहम, बम्बई-16

(मन्तिरती)

की बार मंचना पारी करके पूर्वोतल भम्पत्ति के बर्जन के निर् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की अविधि या तरपम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की नामील से 30 दिश की ब्रविधः, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्रवृक्ति व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वाना के राजपथ में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पास निवित्त में किए जा सक्षेत्र।

स्पष्टिकरण:—-इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषिक ह', बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मो दिसा वसर हैं।

# **क्रम्भ**ः

(जैना कि रिजिस्ट्रेंग्डन करु सं० 37ईई/10041/84-85 जो नवस्थर, 1984 को सङ्घड प्रायटर ग्रायुक्त (निरक्षण) भर्जन रोज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार नक्षम प्राधिकारी सहाय : आयावर आयुक्त (विरीक्षण) श्रजन रॉज, पूना

दिनोक: 31-5-1985

मोहर:

परूप नार्च . टी . एन . एस . -------

बाधकर विधित्तयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तन) मर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 31 मदी, 1985

निवेश सं० 37ईई/9620/84-85—अतः मुझे **ध**निल कुमार

बावकर बीधानवज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विस्थात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मन्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं और जिसकी से.

भीर जिसकी सं० फलाट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, लाट नं० 27, रेड, रोज, को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी स्केयर नं० 2 बसई, नया बम्बई है तथा जो बसई में स्थित है (भीर इससे उपाबक भनुसूक में भीर जो पूर्ण रूप से वांणत है) रजिस्ट्रेक्ता भे कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिश्चिमम, 1908 (1908 का 16) के अधीन धिनांक शक्तुबर, 1984

को पर्नोशत सम्मित के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमाण प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से एसे दश्यमान प्रतिकल का क्ष्मह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब वाबा गया प्रतिकल, जिम्मितिश्वत उद्योग्य से उच्त कन्तरण सिश्चत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबस, उक्स अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजाने में सुविचा के मिए; बॉर/या
- (क) एंदी किसी अप या किसी धन या अन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गंवा था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में किय;

 रेड रोज, को-मापरेटिव हार्ज्सग सोताबटी, लि०, पलाट णं० 27, सोतल, बसई, नया बम्बई । (झन्तरक)

2. श्री मनू, के० सोबर्ता, मनू मह्ल, किग्स, सर्केल, मतुंगा, बम्बई-18 (ग्रागरिका)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए -कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवार;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# मनुसुची

्रजैसा कि रजिस्ट्रीइत क० 37ईई/9620/84-85 जो भन्तूबर, 1984 की सहाय है स्वाय हर स्राप्तुबत (निरोक्षण) भर्जन, रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन र्रेज, पूना

ब्रह्म बर, उक्त अधिनियम की पारा 269-व के अनुसरण क्षेत्र की जन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवास (1) के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 31-5-1985 मोक्टर 2

# इच्य बार्च , ब्रीन दक्ष पुर हुन्-----

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुचना

# नारव वरकार

सहायक श्रायकर भायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० 37ईई/6524/8485—-श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव गाला नंव 8 श्रीर 9, श्राउड पलोग्नर गायली रोड, बसई (पूर्व), थाना में है सथा जो नवधर बसई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुस्वी में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रोत्रद्धा हर्ना श्रीव हारों के हार्यात्रय, सहायक श्रायकर श्रायकन (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रिधीन दिनोंक मई, 1984

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान असिफ सं के लिए अन्तरित की गई है कि मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण में सिष्ठतिय वाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उज्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वत में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया ववा है दं—

- (क) बन्तरण से हुइ किती बाब की बाबत, अकत विधिनवब के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में भूतिथा के सिए; बीट्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना था, छिपाने में सिव्धा के निता;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अथित् :——
43—176GI/85

गायती बिल्डर्स,
 विकास उद्योग नगर, रेलवे ऋ।संग के पास,
 भागंदर, (पूर्व), जिला थाना ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स, फ़ामनियूटिकल्स, श्रौर सर्विसेस इक्वीपमेन्ट, बां1/10, बा, जम्बो दर्शन, को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोक्षायटा, गल्ली, नं० 2, श्रंधेरी, (पूर्व), (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकाँगे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क कि पिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस कध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(जैसा कि रिजिस्ट्रोफ़ित %० 37ईई/16524/84-85, जो मई, 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), श्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी गहायक आकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

दिनांक : 21-5-1985

मोहर 🖫

# प्रस्प भाइ. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारतं सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना

पूना दिनांक 31 मई, 1985

निदेश सं० 3.7ईई/3408/84-85---अतः मुझे अनिल कुमार

भाष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें समके पदकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा त्या के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिगका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं फ्लैंट नं ए 1/104, "ए" बिल्डिंग, में पहला, मंजिला, तन्नावर नगर, बम्बर्फ, पूना रोड, मुम्बरा, ितः थाता, (श्रीत क्ला 848.50 वर्ग फुट) है, तथा जो थाता में स्थिन है (श्रीर इपये उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के कप्यमान प्रतिप्तल के लिए अन्दरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मृत्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है किए अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के गीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

हत. अ.अ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) म्मिनिक स्वितिका स्वितियों, अर्थात् !----  मैससं राजस्थान बिल्डसं, ए/2, स्वाति विल्डिंग, जुहलेन, ग्रंधरी, (पश्चिम), बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री मेहबूबी गालीग्राम चौधरी, नुरुल हुछा मस्जिद के पास, सोसियल नगर, काला किला, धारबी, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसंची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईडी/13408/84-85—जो मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक :31-5-1985 मो**हर** : प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

असमकर मिश्रिनियस, 1961 (1961 का 43) कर्न धारा 269-भ (1) के मधीन स्थाना

#### नारत सरकार

# कार्जाजय, सहायक भायकर बायक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज' पूना, पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10803/84-85—अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, गीताली बिल्डिंग, में, उत्तरी भाग पर दूसरें मंजिल, 42, 768-9-10-15-16, शिवाजी नगर, पुना-4 में है तथा जो पूना में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

हो पूर्विकत तस्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास रने का कारण है कि सथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और न्द्रारिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब ागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण पिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की, बाबत, उनते अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा अस्य बास्तिमों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिश्चम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्चम, या धन- कर अधिनिश्चम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा केलिए;

कतः जव, उक्त जिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) स्थीन, विक्रनिजिसिक स्थितियों, अर्थात :--- 1. वास्तुशिल्प,

93/2ए, एरन्डवना, पूना-4

(अन्तरक)

सुशीला दीनकर बेडेकर,
 1259/2, जे० एम० रोड,पुना-4

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकांग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेंग्यों उस अध्याय में विया गया है:

#### BERT THE

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/10803/84-85 जो मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण), म्रजंम रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 31-5-1985 **मोहर** ः

# प्रकार कार्यः टी. **एव**. **एक**्नान्यन्यस्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकात

# कार्याज्य, शृह्यायक जायकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देश सं० 37 \$ \$ / 11028 / 84 - 85 - - अतः मुझे अनिल कुमार

णाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सदाम प्राधिकारी की, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं० 301, कदम अवार्टमेन्ट में, सर्वे नं० 214, पर्वती पूना 9, बांधा हुआ भाग 680 है, जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उवाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिप्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीव दिसांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंशरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उप्त अधि-नियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायिख मों कमी करने या उससे अधने मों सुविधा के लिए; अपिन्या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः, वन, उक्त विधितिसम् की भारा 269-म के अन्यरण मों, मों, उक्त अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अधात् :---  श्री राजकुमार जे० अग्रवाल, मैसर्स राज विल्डर्स, सर्वे नं० 9/3, एरवडा, पूना-6

(अन्तरकः)

 श्रीमती लक्ष्मी बाई, चन्द्रकांत सुनार, 955, बुधवार पैठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :---

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उत्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उप अध्याय में दिए म्या है।

# अमुस्ची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत करु मं 37ईई/11028/84-85 जो मार्च, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में निखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 31-5-1985 मोहर:

# प्रकृत नार्च . टी . एन .. एव् . अन्नन्नन

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

# भारत एरकार

# कार्यास्रय, सहायक जायकर जावुक्त (विद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 मई 1985

तुना, प्यनाक 31 मुद्र 1983 निर्देश सं० 37-ईई/10864/84-85--- स्रतः मुझे,

स्रतिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उशके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- क. से अधिक ही

श्रीर जिनकी ए० पर्यंट नं० सो०--17, तीसरी मंजिला, हरमन काम्बलैंक्य में एफ० पी० नं० 203, संगमवाडी, टी० पी० स्कीम, तथा सर्वे नं० 349 श्रीर 349-ए०-1 क्राला नं० 6, भंडारघर रोड, पूना (बाधा हुन्ना भाग-590) है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता स्विकारों के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, पूना, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, तरीख मार्च 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूनों कर संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, असके क्ष्यमान शितफल से, एसे क्ष्यमान शितफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्थ पाया दश शितफल, निम्नसिवित अव्वदेश से उच्च क्ष्यरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- ्रिक) अभ्यारण से हुक किसी आग की आवत अवड अर्थिनस्थ की अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा
- (सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए भा स्थिपने में सुविधा के किए;

बतः बदः उनतं विभिनियमं की भारा 269-म के वनुसरण हो, जी उपना अभिनियमं की भारा 269-म की उपचारा (1) कें अभीन, जिल्लीसिंशतं क्योंनियमं, अभीन क्लान  श्रो श्रार० एन० ठक्कर, मेसर्स ह्रमस एजन्सीज, 793. फ़ीमिली हाउस, बम्बई-141

(ग्रन्तरक)

श्री नौशद हुसेनली वझीर
 36, वन्डरलॉड,
 एम० जी० रोड, पुना।

(ग्रन्तिरतीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां एक करता हूं।

उन्त राज्यित के अर्जन के सम्बन्ध में क्षोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यमा में शकायन की उत्तांत के 45 दिन की जनभि ना तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षण की वानीस से 30 दिन की अनिध, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्षणिसादों में से किसी व्यक्ति क्षण रहा
- (क) ध्व नुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 4'5 धिन के भीकर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितयद्भ किसी अन्य स्थानक ध्वाच वृशहस्ताक्षरी के पास लिखित भे किए का सर्कों थे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं 1

# अन<u>ु</u>स्**ची**

(जैसा कि प्रशिस्ट्रीकृत कि 37-ईई०/10864/84-85 गो सार्च 1985 को महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (िरक्षिण) श्रर्जन रोंज, पूना

तारीख: 31-5-1985

मोहर ᠄

# इक्त बाह् हो. युन . युन . -----

# धायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-भ (1) के अभीन स्थान

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनां ह 31 मई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/12874/84-85---श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जियकी सं० फ्लैंट नं० 108, पहला मजला, फ्लैंट नं० 9, सर्वे नं० 44 ग्रीर 46 नवघर वसई थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री इर्ती श्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पुना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16 )के श्रिधीन नारोख फरवरो 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाप्बेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिद्धित उद्वरेश से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुन् किसी जाव की वायस, उपस् अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक की वायस्य में कमी करने वा उपने वचने में सुविधा वे जिए: और/वा
- (क) एसी किसी नाव वा किसी भन वा नन्य जास्तियों को, जिल्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसल जिथिनियम, वा भनकर जीभिनियम, वा भनकर जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने जे सुनुषा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों वर्षात ह—  मेसर्स ह्वी० एस० एन्टरप्राईजेस कोर्ट चेम्बर्स दूसरा मंजिला नया मरीन लाईन्स बम्बई-20।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सी० जे० मुखतानो 7 तुलगी महाल. तीसरा मंजिला राघवजी रोड सेंट्रल बैंक ग्राफ इण्डिया के सामने बम्बई - 36।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त बम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेंद ह--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकादन की तारीच से 45 विन की अवधि या तुत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तामीज से 30 दिन की अवधि, वो भी सवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा चा उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(जैसा कि रिजस्ट्रोक्टत ऋ०सं० 37-ईई/12874/84-85 जो फरतरी 85 को महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज,पूना

त(र)ख: 31-5-1985

मोहर ः

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्गर, दिनांक 3 जून 1985

निदेण स० आई० एस० सी० /एकुजिसव कटक-1/85-86/245-47---अत: मुझें, आर० सी० मेठी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्एत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 5325 है जो विसींनावर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कटक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मटत्र सेम पिता डा० गोगेक्य पेन, कमला सेन स्वामी नटवर रेन काठनड़ा साही थामा पूरीघाट पोस्ट डिस्ट्रिक्ट अटह (उड़ीसा)।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द प्रकाण मोडा पिता गोकुल चन्द मोड़ा काठगड़ा, णाही थाना पूरीघाट. पोस्ट/डिस्टिक्ट कटक (उडीसा)।

(अन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) एस स्चिता के राजपण में प्रकाशन की नारील से
45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रोक्त

व्यक्तियों मां से किसी व्यक्ति दवारा;

(ल) इस मून्ता के राजपत्र मों प्रकाशन की प्रारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति मों हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित सों किए जा सकींगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन श्रीर घर कटक जिला में स्थित है । ताउजी नं० 2489, कटक थाना नं० 204, वाखराबाद, मउजा टाउन सिमीनावर (काठगड़ामाही) खाता नं० 928 प्लाट नं० 634 एरिया ए० सी० श्रो० 287 उसमें दक्षिण पूर्व माप के अनुसार ए० मी० श्रो० .035.5 महित एक पुराना दो महीना कोठा. घर नं० 230, प्लाट नं० 13, कटक मुनिसिपलिटी ।

आग्र० सी० मेठी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधोनः, निम्नीलस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 3-6-1985

मोहर :

# SUPREME COURT OF INDIA

## New Delhi, the 10th July 1985

No. F.6[85-SUA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri A. S. V. Raghvan and Shri R. S. Suri, Deputy Registrars to officiate as Joint Registrars in this Registry with effect from the forenoon of July 1, 1985 until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri S. S. Srivastava, Assistant Registrar to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of July 1, 1985 vice Shri A. S. V. Raghvan promoted as Joint Registrar.

R. SUBBA RAO Registrar

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th April 1985

No. A.19011|3|85-Admn.I.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri A. N. Varma, IAS, as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 25th April 1985, until further orders.

M. P. JAIN Under Secy. (Adam.) her Chairman Union Public Service Commission

#### New Delhi-110 011, the 25th June 1985

No. A-32013|1|85-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Mukul Chatterjee, a permanent Section Officer of CSS Cadre of UPSC, included in the Select List for Grade I of CSS for the year 1984 (No. 9) as Under Secretary in the Commission's Office on a regular basis with effect from 6th May 1985, until further orders, subject to para 2 of Department of Personnel & Training's O.M. No. 4|15|84-CS(I), dated 18-4-1985.

# The 1st July 1985

No. A.38013|10|84-Admn.HI.—The President is pleased to nermit Shri R. K. Gaur, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. order of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33|12|73-Ests(A), dated the 24th November 1973.

No. P.1790|Admn.HI.—On reversion from deputation on foreign service terms from Delhi Electric Supply Undertaking, Shri Kailash Chandra has joined as Section Officer in the office of Union Public Service Commission w.e.f. the afternoon of 14th June 1985.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

# New Delhi, the 21st May 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each of until further orders, whichever is earlier:—

\_\_\_\_\_\_

SI. Name No.			Period		
1. Kum Bharati Nara	asimi	ha.		1-5-85 to 30-6-85	
2. Shri Bir Inder				1-5-85 to 30-6-85	
3. Smt. Molly Tewari				16-5-85 to 30-6-85	
4, Shrl H.C. Sharma				20-5-85 to 30-6-85	
5. Shrì Pahlad Singh				1-6-85 to 14-7-85	
6, Shri A.S. Bedi				16-5-85 to 29-6-85	
7. Shri S.B. Gupta				16-5-85 to 29-6-85	
8. Shri Tara Singh (So	<b>C</b> )			16-5-85 to 14-6-85	

# The 17th June 1985

No. A. 32014/1/85-Admn, III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. Name	Period
No.	
1. Shri K.V. Tewani .	10-6-85 to 25-7-85
2. Shri Tara Singh (SC)	15-6-85 to 12-7-85

S. BANERJEE, Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hydenabad-500 252, the 11th June 1985 ESTABLISHMENT ORDER

No. 15011|20|85-Estt.—On relief from the Technical Group FME. Headquarters Delhi Cantt-110 010—Shri B. R. K. Murali, optical Cameraman assumed charge of the post of photographic officer in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad in the forenoon of 1st of June 1985.

2. Shri Murali, will be on deputation to the Academy for a period of three years with effect from 1-6-85 and will draw pay in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1200 with other allowances as admissible under the Central Government Rules.

# The 21st June 1985

# OFFICE ORDER

No. 15011|16|85-Fstt. O.B. No. 125.—Shri Rustam Ali, Company Commander 3rd R.A.C. Jaipur (Rajasthan) joined duty as Chief Drill Instructor in the Academy on the 9th of June 1985, forenoon.

2. Shri Rustam Ali will be on deputation to this Academy as Chief Drill Instructor (Deputy Superintendent of Police) for a period of three years in the first instance from 9-6-1985 and will draw pay in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 plus special pay of Rs. 100-month.

G. C. SINGHVI Director

# DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 9th July 1985

No. D.1-6|85-Estt-I.—The strivices of Shri Balbir Singh, Dv. S.P., 62 Bn, CRPF, are placed at the disposal of Ministry of Home Affairs, on deputation basis, with effect from 1-6-1985 (AN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

#### DIRECTORATE GENERAL

# CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th July 1985

No. E-32015(4)|17|85-Pers-I.—President is rleased to appoint Shri R. D. Pal, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit HZI. Tundoo with effect from the forevoon of 18th May 1985 on purely ad hoc basis and temporary upto 24-9-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 11th July 1985

No. E-32015(4)|19|85-Pers-I .-- President is pleased to appoint Shri K. K. Niranjan on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit, NALCO, Angul with effect from the forenoon of 16th May 1985 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24-9-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

> Sd|- ILLEGIBLE Director General CISF

# MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 9th July 1985

No. 7(59)|2985.—In supersession of this office Notification No. 7(59)|7707 dated 8-11-84 Shri Rajkumar, Foreman (Production) is appointed as Assistant Chief Chemist on regular basis with effect from 1-1-1984. He will be on probation for a period of two years.

> S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 8th July 1985

No. 1371-CA.1/167-69.—On his attaining the age of superannuation Shri P. N. Gupta, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service with effect from 30-6-1985 A.N.

# The 9th July 1985

No. 1379-CA.I|200-69.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri M. A. Siddiqui, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit-I), Andhra Pradesh, Hyderabad to retire voluntarily from Govt. service under provision of Rule 48 of CCS(P) Rules 1972 with effect from 1-6-1985 (FN).

> K. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Commercial)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A|CS) I BIHAR

Ranchi, the 10th July 1985

O.O. No. Admn-Confirmation-228.—The Accountant General (Accounts) I Bihar Ranchi is pleased to appoint the following officiating Accounts Officers in substantive capacity in the same cadre with effect from 1-6-1985.

St. No. Name

SIShri

- 1. Kshiti Runjan Gupta.
- 2. Sushil Kumar Mukherjee.
- 3. Nagendra Kishore Mandal.
- 4. Bhairab Chandra Dutta.
- 5. Hari Pada Roy.

SAMIR BANERJEE

Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) II, BIHAR

# (LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi, the 11th July 1985

No. I.A. Admn. J. Estt. J.-AO (Prem.) - 1370.—The Accountant General (Audit) II, Bihur has been pleased to promote Shri Bhola Prasad Asstt. Audit Officer of Local Audit Wing to officiate as an Audit Officer in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 8-7 1985 (F.N.) until further orders.

D. MUKHERJEE Fxaminer of Local Accounts, Bihar

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GFNERAL (AUDIT-I) KARNATAKA

Bangalore, the 30th May 1985

OFFICE ORDER

AG(Au)1|Admn.1|A-1|85-86|131.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote the following two
(2) Assistant Audit Officers as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking over charge.

S[Shri

- 1. G. V. Nagaraja,
- 2. T. S. Krishna Rao.

# The 1st June 1985

OFFICE ORDER

No. AG(Au)-I|Admn.I|A-1|85-86|136.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote the following two (2) Assistant Audi, Officers as Audit Officers in the scale Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors if any, with effect from the date of their taking over charge.

SShri

- 1. S. Narasimhan (1),
- 2. MC Sridhara Murthy.

Consequent on their promotion as Audit Officers the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below FR 22 (C), Swami's Compilation (VIIth Edition) (G.I.M.H.A. Department of Personnel & AR OM No. F-7 | t | 80 Fstt. P.I. dated 26th September 1981) should be exercised within one month from the date of promotion.

#### The 10th June 1985

No. AG(Au)1|Admn.I|A1|85-86|156.—The Accountant General (Audit-I) is pleased to promote Sri G. C. Shivarama Sharma, Asstt. Audit Officer as Audit Officer in the scule of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of his seniors if any, with effect from the date of his taking over

Consequent on his promotion as Audit Officer the option for fixation of pay in the higher scale as per Govt. of India decision (15) below FR 22 (c) Swamy's Compilation (VII Edition) (G.I.M.H.A. Dept. of Personnel & AR O.M. No. F. 71 1/80-Estt.P.I., dated 26th September 1981) should be exercised by him within one month from the date of promotion.

> Sd - ILLEGIBLE Dy. Accounant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I

### MADHYA PRADESH

Gwalior, the 11th July 1985

No. O.E. XI/Gr. II A/AAO-SO/1985-86/12/Prom. Gazette/ 113/231 -The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Section Officers as Assit. Audit Officers in an officiating capacity

44-176 GI 85

n the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the dates noted against each:

Sl. Name No.			Permanent No.	Date of joining as Asstt. Audit Officer	
- <del>1</del>	2		 3	4	
 S/	Shri		 02/		
1. G	.L. Jain		1506	26-3-1985 F.N.	
2. F.	C. Deogan		513	15-4-1985 F.N.	
3. S.	C, Gupta		545	17-5-1985 F N.	
4. M	ohan Das		1567	17-5-1985 F.N.	
5. H	.P. Shrivasta	va	1790	10-6-1985 F.N.	

M. DEENA DAYALAN. Dy. Accountant General/(Admn.)

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 10th July 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6|1074|75-Admn(G)|3424.—On attaining the age of superannuation, Shri Niroti Lal Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th June 1985.

No. 6|1434|83-Admn(G)|3435.—On attaining the age of superannuation, Shri B. K. Mehra Controller of Imports and Exports in this officio retired from Government Service with effect from the afternoon of the 30th June 1985.

S. KUJUR Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 10th July 1985

No. 17011|191|81|A6.—Shri A. T. Ghosh, Officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta expired on the 12th June 1985.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Admn.)
for Director General, Supplies and Disposals

New Delhi-110 001, the 13th June 1985

No. A.17011|158|79-A6.—The President is pleased to appoint Shri Sunderlal, Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspecting Service, Group 'A') (Textiles Branch) to efficiate as Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600 with effect from the forenoon of 27th April, 1985 and until further orders.

2. Shri Sunder Lal relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Textlies) in the Office of Director of Inspection, Calcutta on the afternoon of 26-4-1985 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Textlies) in the office of Director of Inspection, Kanpur on the forenoon of 27-4-1985.

# The 3rd July 1985

No. A-17011|177|80-A6.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Datta, a candidate Selected by UPSC, to officiate as Assit. Director of Inspection (met) in the Metialaogical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Group 'A') with effect from 20-5-1985 (FN) and until further orders.

2. Shri R. N. Datta has relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (met) on the Forenoon of 20-5-85 in the office of Director of Inspection, Jamshedpur and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (met) in the same office on 20-5-85 (F.N.).

# New Delhi, the 10th July 1985

No. C-18011|5|79-A6.—In supersession of the Directorate General of Supplies and Disposals Notification No. A6|247 (388) dated 4-2-82, the President is pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri S. C. Anand to the post of Dy. Director of Inspection (Engg.) in Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) shall be 10-3-1970 (F.N.).

2. This issues in pursuance of the judgment direction dated 14-3-85 of Delhi High Court in Civil Writ Petition No. 403 85 filed by Shri S. C. Anand.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 5th July 1985

No. EI-2(1)|85.—The undersigned hereby appoints Shri S. C. Mukherjee, to officiate in the post of Assistant Iron and Steel Controller in this office w.e.f. 1-7-1985 (F.N.) on temporary basis against leave vacancy.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

# GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th July 1985

# CORRIGENDUM

No. 6961B|A-19012(1-NM)|83|19A.—The date of appointment of Shri N. Maran, Assistant Geologist in the Geological Survey of India may be read as 12-9-84 (F.N.) instead of 16-8-84 (F.N.) as notified in this office notification No. 7728B|A-19012/1-NM)|83-19A dated 16-11-84.

# The 12th July 1985

No. 7103B|A-19012(OS)|31|19B.—Shri M. Ghosh, S.T.A. (Survey), Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G.S.I. as officer surveyor in the same department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200|- in an officinting capacity with effect from the forenoon of 22-5-85, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

# INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th July 1985

No. A-19012(164) 84-Estt.A. PP.—On his voluntary retirement on 1st July, 1985 (Forenoon) Shri R. A. Menghani, Permanent Store Keeper and officiating Assistant Stores Officer has been relieved of his dutles from the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1-7-85 and accor-

dingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this Department from the said date.

# The 11th July 1985

No. A-19011(56) 84-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Sesiadri, permaneut Senior Mining Geologist to the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19th June, 1985, for a period of 6 months or till the regular officer joins, whichever is earlier.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 2nd July 1985

No. 17/17/85-SIV.—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in a temporary capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further orders:—

S, No.	Name	Stations/Offices	Date of joining
	= 6/Shri		
1. V	/.P. Sehgal	AIR, Suratgarh	6-5-85 (FN)
2. F	. Bhaskaran Nair	DDK, Gauhati	20-5-85 (FN)
	mt. Sushila Krishna- noorthy	AIR, Madras	5-6-85 (FN)
4. S	h, Jawahar Lai Singh	HPT, AIR, A:igarh	30-4-85 (FN)
5. S	h, P. Veeraiah	LPT, TVRC, Dibrugarh,	10-6-85 (FN)
6. S	h, T.V. Vaidyanathan	DDK, Rajkot	5-6-85 (FN)
7. S	h. K.S. Prakasha Rao	LPT (TV) RC, Bellary,	31-5-85 (F <sub>1</sub> 4)
8. S	h. Naresh Bhan Sadh	AIR, Lucknow	10-6-85 (FN)

B.S. JAIN
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 9th July 1985

No. 4 (33) 82-SI.—Consequent on her marriage, Kum. M. Kalavathi, Programme Exacutive, All India Radio, Madras has changed her name of "Smt. Kala Ravi" and will be known as such in future.

Dy. Director of Administration for Director General

#### FOREST SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 9th July 1985

No 4-2|81-Adm.—Shri B. M. Dev, Asstt. Conservator of Forests of Tripura Forest Department, who was working as Asstt. Director in Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta on deputation basis, has been relieved of his duties from Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta w.e.f. the afternoon of 14th June, 1985 and his services have been replaced at the disposal of the Govt. of Tripura.

D. B. MISRA Director

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 9th July 1985

No. PA|73(7).85-R-IV|687.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr.Bhanudas Govinda Ranpise as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 24, 1985 for a period of three years.

No. PA|73(7)|85|R-tV|688.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Mukesh Dodeja as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 17, 1985 for a period of three years.

M. D. GADGIL Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 10th June 1985

No. DPS|41|17|85-Adm.|4654.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Sattar Haider Shaikh, a permanent Asstt. Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 14-5-1985 (FN) to 12-6-1985 (AN) in the same Directorate.

#### The 4th July 1985

No. DPS|41|2|85-Adm.|3903.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. B. Wadke a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-819-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 13-5-1985 (FN) to 21-6-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri L. H. Bagwe, Asstt. Stores Officer granted leave.

#### The 9th July 1985

No. DPS|41,18|85-Adm.|4615.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. G. Gidwani a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-5-1985 (FN) to 7-6-85 (AN) in the same Directorate vice Shri Sadananda, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS[41[2]85-Adm.]4621.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Kuppuswamy a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-3:-880-40-1000-FB-40-1200 from 6-5-1985 (FN) to 7-6-1985 (AN) in the same Directorate vice Smt. Aley Mathew, ASO granted leave.

P. GCPALAN
Administrative Officer

#### CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombny-400 994, the 4th July 1985

No. CED|A|2(16)|4387.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri V. V. Mohanan, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group, as Assistant accounts Officer in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10-6-85 to 10-7-85 vice Shri N Parthipan, Assistant Accounts Officer granted leave.

S. K. KAPUR Administrative Officer

# MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 12th July 1985

No. A. 32013 (Mct. I)/7/83-E.I. – The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade II Assistant Meteorologists to officiate as Meteorologist Grade I' in the same Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders: –

S. Name No.	-	 Date from which offi- ciating as Meteorologist Grade I
1. Shri K. Ramachandran		10-9-1984
2. Shri Lakhmi Singh		1-10-1984
3. Shri K. Ratnam .		29-6-1984
4. Shri P.N. Khanna .		25-2-1985
<ol><li>Shri K.K. Chakraborty</li></ol>		25-2-1985
6. Shri B.K. Hazra .		25-2-1985
7. Dr. B.K. Basu .		25-2-1985
8. Shri R.D. Vashistha		25-2-1985
9. Shri B.V. Singh .		29-4-1985
10. Shri A.B. Mazumdar		27-2-1985
11. Shri V.P. Verma .		21-3-1985
12. Shri R.K. Bansal .		26-2-1985

S.K. DAS, Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th July 1985

No. A. 32013/7/83-EC (.). In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/7/83-EC dated the 26th Nov. 84, the President is pleased to appoint the following two Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.c.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each:

Sl. Name No.	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
. S/Shri 1. S.S. Kang	ACS,	RCDU, New Delhi	8-3-85
2. H.C. Sachdeva	ACS, Jammu	ACS, New Delhi	20-5-85

2. The ad-hoc appointment of the abovementioned officers in the post of Technical Officer in the Civil Aviation Department shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on ad-hoc basis shall not count for seniority in the grade of Technical Officer or for eligibility for promotion to the next higher grades in the Civil Aviation Department.

V. JAYACHANDRAN, Assistant Director of Administration

New Delhi, the 11th July 1985

No. A. 32013/2/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Airworthiness Officer for a further period of one year

four months i.e. with effect from 1-5-1984 to 31-8-1985 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

- 1. Shri S.S. Nat
- 2. Shri S.S. Kuner
- 3. Shri Anupam Bagchi
- 4. Shri P.M. Goyal
- 5. Shri H.M. Phull
- 6. Shri Mohd, Mustafa
- 7. Shri L.A. Mahalingam
- Shri Deba Prasanna Ghosh
   Shri L.M. Mathur
- 10. Shri D.P. Ghosh
- 2. The President is pleased to continue ad-hoc appointment of Shri S.L. Vohra in the grade of Senior Airworthiness Officer for a period of seven months from 1-5-84 to 30-11-84.

M. BHATTACHARJEE
Assistant Director of Administratio n

#### CENTRAL EXCISE COLLECT) RATE

### Kanpur, the 21st June 1985

No. 2/85.—The following Group 'B' Officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each.

S. Name of officer a No. held at the time	•		Date of retirement	
S/Shri	<del></del>	<b>-</b>	<del>-</del> - <del></del>	
1. Shanti Swaroop,	Supdt. Gr. 'B'	Hdqrs. Office Kanpur	31-1-84	
2. I.M.K. Sheopuri	Do.	Kanpur-I Divn.	31-1-84	
3. M.N. Katru	Do.	Bareilly Divn,	31-3-84	
4. J.P. Srivastava	Do.	Kanpur-I Divn.	31-5-84	
5. G.R. Anand	Do.	Sitapur Divn,	31-5-84	
6. P.S. Awasthi	Dυ	Hdqrs. Office Kanpur	30-6-84	
7, P.S. Vyas	Do.	Agra Divn,	30-6-84	
8. S,Z. Ali	Do.	Sitapur Divn,	31-8-84	
9. H.C. Das Amba	Do.	Agra Divn	31-8-84	
10. A.P. Sinha	D٥,	Hdqrs, Office Kanpur	31-10-84	
11. C.L. Dubey	Dэ.	Aligarh Divn,	31-12-84	
12. S.K. Ghoshal	Do.	Kanpur-f Diva.	31-1-85	
13. P.S. Saxenti	Do,	Kanpur-I Divn.	28-2-85	
		0.5	MADIGE	

G.S. MAINGI Collector

# Nagpur, the 10th July 1985

No. 5|85.—Shri N. D. Meshram, Assistant Collector of Central Excise Gr. 'A' of this Collectorate having attained the age of Superannuation retired from Government Service on 30 6-85 (A.N.).

R. K. AUDIM Deputy Collector (P. & E.)

# MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTOR GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 8th July 1985

No. 11-1R(2)|85.—The Fresident is pleased to appoint Shri S. K. Mazumder as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad-hoc basis with effect from 10-6-1985 (F.N.) until further orders.

No. 11-TR(3)|85.—The President is pleased to appoint Shri Amitava Banerjee as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad-hoc basis with effect from 1-5-1985 (F.N.) until further orders.

#### The 9th July 1985

No. 7-(R(8))85.—The President is pleased to appoint Capt. A. K. Malhotta as Nagueal Officer on T. S. Rajendra, Bombay on deputation from Shipping Corporation of India, Bombay, for a period of one year with effect from 15-6-1985 (F.N.).

A CHANDRA Dy. Director General of Shipping

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 9th July 1985

No. As 19012 | 1103 | 85-Fatt.V. Chairman, Central Water Commission appoints Smt. Rena Mal, Design Assistant, to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on an ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 24-5-1985 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA Unde<u>r Se</u>cy.

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Ramal & Company Ltd.

Madras-600006, the 24th June 1985

No. DN|220z|560(3) 85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 500(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ramal & Company Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of PV.E. Transports Pvt. Ltd.

## Madros-600 006, the 24th June 1935

No. DIN 560(3) 85. Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date of hereo; the name of P.V.S. Transportrs Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Saikiran Papers Pvt. Ltd.

### Madras-600006, the 24th June 1985

No. DN 7624 560(3) 85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Saikiran Papers Pvt. Ltd.,

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Assit. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act, 1956 and in the matter of Kankill Rubber Factory Private Limited

Cochin-602011, the 9th July 1985

No. 3345|Liq.|560(3)|4979|85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kaitali Rubber Factory Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Janapada Shree Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 16085|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M|s. Janapada Shree Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Gossen & Co. (India) Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 17646|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M[s. Janapada Shree Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved,

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Glass Syndicate Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 17683[560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Glass Syndicate Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the natter of Companies Act, 1956 and of M/s. Paul Brothers (Umbrella) Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 22316|550(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Paul Brothers (Umbrelle) P. Ltd. has this day been struck off the Register and the scid Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mis. Film Kraft Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 24568|500(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Film Kraft Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Everest Wood Products & Allied Industries Pvt. Ltd.

Calcutta, the 5th July 1985

No. 30228|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Everest Wood Products & Allied Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the mat er of Companies Act, 1956 and of M/s. Alaknanda Engineers Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 30776|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alaknanda Engineers Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Scientific Software Private Limited

Calcutta, the 5th July 1985

No. 32375|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Scientific Software Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Eastern Concessions Private Ltd.

Calcutta, the 5th July 1985

No. 9552|560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Eastern Concessions Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. DAS GUPTA Asstt. Registrar of Companies West Bengal

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sheela Cine Company Pvt. Ltd.

Gwalior-474009, the 9th July 1985

No. 2337 PS 1627.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sheela Cine Company Pvt. Ltd., Gwilior, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Chandi Production Private Limited

Jalandhar, the 10th July 1985

No. Stat|560|3127|3296.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Chandi Production Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sungold Finance & Investments Limited

Jalandhar, the 10th July 1985

No. G|Stat|560|5228|3298,—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sungold Finance & Investments Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Lakhbir Finance Traders and Exporters Pvt. Ltd.

Jalandhar, the 10th July 1985

No. Stat | 560 | 4538 | 3300.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Lakhbir Finance Traders and Exporters Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s, B, D. Chit Fund & Financiers Pvt. Ltd.

Jalandhar, the 10th July 1985

No. G|Stat|560|3091|3302.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of B.D. Chit Fund, & Financiers Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Puniab, H.P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mss, Shamlal Janakraj Private Limited, Indore

Gwalior, the 12th July 1985

No. 1024|PS|CP|1041.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Shamlal Janukraj Private Ltd., Indote has this day been struck off the Register and the sa d Company is dissolve I.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 196 BAPUJINAGAR, BHUBANESWAR-9 (ORISSA)

Bhubaneswar-9, the 3rd June 1985

Ref. No.IAC|Acq|CTC-1|85-86/245-47.—Whereas I, R. C SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing 5325, situated at Bisinabar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Cuttack on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Natabar Sen s/o Late Dr. Gopeswar Sen and (Transferor)

(2) Shrimati Kamla Sen woo Shri Natabar Sen of Kathagarasahi, P. S. Purighat, P.O. Cuttack-1 Dist. Cuttack (Orissa).

(Transferee)

(3) Shri Ananda Prakash Moda s/o Shri Gokul Chahnd Moda of Kathagarasahi, P.S. Purighat, P.O Cuttack-1, Dist. Cuttack (Orissa).

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with Building in District town and sub-registry, Cuttack Touzi No. 2489 Thana Cuttack number 204 Ph. Bakharabad, Mouza town Bishnabar popularly known as Kathagerasahi, Khata No. 928 C.S. Plot No. 634 total area Ac. 287 out of which only southern eastern corner measuring AO. 053.5 docimals with an old double storied building bearing holding No. 230 in Ward No. 13 of Cuttack Municipality.

R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhubaneswar-9

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269°D of the Said Act to the following persons, namely :---

Date: 3-6-1985

Seal :

# FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 196 BAPUJINAGAR, BHUBANESWAR-9 (ORISSA)

Bhubaneswar-9, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC|Acq|CTC-3|85-86/342-48.—Whereas I, R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the interpretation of the said 'Act') have reason to believe that the said 'Act' in the said 'Ac

w as the said Act) have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 5203, situated at Mouza Bakharabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Cuttack on 7-11-1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faillitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bijaya Kumar Singh, slo Shri Rhabagrahi Singh. Uchha Sahi, P.O. Ruzi Buzar. Dist. Cuttack (Orissa).

(Transferor)

PART III -- SEC 1

(2) 1. Sri Rohitash Singh s/o Ramdhan Singh, Ghatsher, P.O. Chitra P.S. Nangal Choudhury, Dist. Mohindergarh (Haryana). 2 Sri S. K. Abuzaffar s/o Late S. K. Sarifudhin r/o Sayadpur, P.O. Ps. Binjharpur, Dist. Cuttack (Orissa). 3. Sri Bir Singh s/a Umrao Singh r/o Village Nangal P.O. Rasulpur P.S. Kanina, Dist. Mohindergarh (Haryana). 4. Sri Pratap Singh s/o Sri Prabbatilal, r/o Nangal, P.O. Rasulpur, P.S. Kanina, Dist. Mohindergarh (Haryana). 5. Sri Badra Alam s/o S. K. Abuzaffar, r/o Sayadpur, P.O. P.S. Binjharpur, Dist. Cuttack (Orissa).
6. Husnara Begum d/o Late Md. Ershad Alir/o P.O. Choudakulat, P.S. Pattamundai, Dist. Cuttack (Orissa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Mouza Bakharabad, Town Bisinabar Commonly known as Rausapatna P.S. No. 204-C.S. Khata No. 1599, Plot No. 1833 area Ac 0.083 dec. and C.S. Khata No. 1610, Plot No. 1835, Ac 0.217 dec. Total Ac 0.300 Dec. Rent Rs. 3.50 with building having Holding No. 182/A Ward No. 19 of Cuttack Municipality. Municipality.

> R. C. SETHI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> Delhi|New Delhi

Date: 3-6-1985

Scal 1

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th July 1985

Ref. No. III-973 Acc. /85-86.—Whereas I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-

tion Range, Bihar Patna Holding No. 5, Jubilet Road P.S. Bistupur, Jamshedpur

situated at Beldih Triangle area, Jamshedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jamshedpur on 13-11-1984 Jamshedpur on 13-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor W
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the follow-

--: ארספים אי mely :--

(1) Shri Dohrab Phiroz Daroga s/o Late Mr. Phiroz Jamshed Daroga, r/o No. 5, Block A, Koramangala, Bangalore-560 034.

(Transferor)

(2) Mr. Yazed Sam Kapadia s/o Mr. Sam Sorabji Kapadia, Beldih Lake, P.S. Bistupur, Jamshedpur. 2. Mr. Noshir Ardeshir Piroshaw, s/o r/o No. 12 Beldih Lake, Jamshedpur.

(Transferce)

(3) Mr. Dorab Manekshaw Mistry, s/o Late Maneckshaw Dorabji Mistry, 12 Hill View Road, Jamshedpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring .321 acres with double stroyed building with an out house (Super structures) on holding No. 5, Jubilce Road, situated at Beldin Triangle area P.S. Bistupur, Jamshedpur, Dist. Singhbhum and more fully described in deed No. 6519 dt. 13-11-1984 registered with S.R. Jamshed-

> P. K. DUBEY
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-7-1985

Scal:

45---176 GI|85

#### FORM ITNS-

(1) Shri Narendra Sharma of Dharari, P.S. Ghosi, Dist. Gaya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dudheshwar Nath Pandey of Pawar, P.S. Sandesh, Dist. Bhojpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 10th July 1985

Ref. No. III-974|Aco/85-86.—Whereas I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna holding No. 169|290 C type-C, Block-C, plot No. 29, Ward-3, Kankerbagh, Patna, situated at Kankerbagh, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Calcutta on 16-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas and odd with single storeyed building situated at Sector C, Kanktrbagh, Patna and more fully described in Deed No. 13699 dated 16-11-1984 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intilate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

Seal :

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1985

Ref. No. 168/November/84.—Whereas I, K. VENU-GOPALA RAJU.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Door No. 11, situated at Moore Street, Madras-1 (and more full ydescribed in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer Madras North (Doct. No. 3211/84)

on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. N.S.A. Jahabar Sathick, s/o N. S. Abdul Gaffoor.
  - A. Noorjahan, d/o Abdul Mohamed, Market Street, Manjakkollai, Nagapattinam Taluk, Thanjavur District.

(Transferor)

(2) K. M. Pathumal, d/o K. M. M. Mohamed Sheriff, No. 14, Pandithar Hammed Street, Ilayangudi, Ramnad District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 11, Moore Street, Madras-1 S.R., Madras North. Doct. No. 3211/84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 12-7-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1985

Ref. No. 160/November/84.—Whereas I, K. VENU-

GOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,-

and bearing No.

Door No. 3, Sunkurama Chetty Street, situated at Madras-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 3182/84)

on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Parijatham Nagaraj, Taylor's Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) 1. S.A.S.M. Aminathu Rathuma, 2. S.A.S.H. Sithi Mursitha

3. A. Aysath Vajiha

4. A. K. M. Sithi Nazecra, No. 11, Armenian Street, Madras-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, Sunkurama Chetty Street, Madras-1.

S.R. Madras North. Doct. No. 3182/84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1985

Seal:

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1985

Ref. No. 172/November/84,-Whereas I, K. VENU-GOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1000001, and heaving

Rs. 1,00,000|- and bearing
Survey No. 39/2, situated at Thiruvottiyur Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Registering Officer at
Madias North (Doct. No. 2998/84)
on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  M/s. K. R. Sundaram Industrial Estate Private Limited, Kasi Koil Kuppam Street, Thiruvottiyur, Madras-600 019.

(Transferor)

(2) Sri P. Govindaswamy,
 s/o Planiswamy,
 No. 22, Poondi Thangammal Street,
 New Washermanpet, Madras-600 081.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Thiruvottiyur Village, Madras. (Survey No. 39/2).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 12-7-1985

Seal :

### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

() ちょうかん みにはこと イベーター シェイ・メート ビート としている Wind Line Action Line (1995年)、JARDIE MARGINETT AND THE OFFICE TO A THE OFFICE THE OFFICE

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR** 

Jalandhar, the 28th June 1985

Ref. No. A.P. No. 5817. - Whereas I, J. L. GIRDHAR, situated at Jalandhar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plos No. 2 34, situated at Bock No. 2 Kirti Nagar Scheme

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax Act., 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kalu Ram s/o Sh. Assa Nand, r/o W.G. 480, Mohalla Suraj Ganj, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh s/o Shri Jaswant Singh, Smt. Baljit Kaur w/o Gurcharan Singh, r/o 338, Guru Teg. Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferco)

(3) As S. No. 8 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property House area 6 Mls. 115 S. ft. situated at Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3271 of November, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-6-1985

Seal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 11th July 1985

Ref. No. A.P. No. 5820.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. as per schedule situated at Kat kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kasturi Lai, Ram Narain, Chanan Ram ss/o Gauri Datt s/c Tulsi Ram, r/o Kot kapura, Distt. Faridkot.

(2) Shrivaati Sheela Devi d/o Chanan Ram, s/o Rodu Mal (w/o Sh. Om Parkash Bausal, s/o Sada Ram), r/o Bansal Street Kot kapura, Distt, Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shaft have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property Plot situated in Kot kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2644 of November, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. S. AHLUWALJA Competent Authority
> ng Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 11-7-1985

Scal:

# FORM ITNS (1) Shrimati Mani Devi wd/o Jassi Ram.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th July 1985

Ref. No.  $\Lambda.P.$  No. 5821 and 5822.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000—and bearing No. as per schedule

situated at Budhlada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Budhlada on November, & December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Mani Devi wd/o Jassi Ram, (R.D. No. 976) and Danesh Kumar s/o Shiv Charan Dass (R. D. No. 1125), r/o Eudhlada Disti. bhadida.

(Transferor)

(2) Shri Jagroop Singh s/o Chetan Singh, r/o Grain Market, Dudhlada, Distt. Bathinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid Acts shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property shop situated in Grain Market, Budhlada and persons as mentioned in the registered sale Deed Nos. 976 of 11/84 and 1125 of 12/84 of the Registering Authority, Budlada.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

Seal:

(1) Jay Pali Builders.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virendra Surendra Raj-purkar.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGELY, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13223|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000)- and bearing

Rs. 1.00,0000|- and bearing
No. Flat No. 133, 4th floor, "Dwarka Apartments", Jay Pali
Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at

at Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

46—176 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

# THE SCHEDULE

Flat No. 133, 4th floor, "Dwarka Apartments", Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV(37-EE|13223|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-I, Combay.

Date: 12-7-1985

Seal t.

(1) Mis. Vijay Nagar Corporation.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramlal Mundhra & Others.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGELY, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV 37-EE(13127)84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 1407, 14th floor, Bldg. No. 57/53, Yogi Nagar, Eksar Road, Plot No. 57/58, Hissa No. (Pt.) 5,3,14 & 17, Survey No. 66, Borivali (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at at Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1987);

# THE SCHEDULE

Flat No. 1407, 14th floor, Bldg. No. 57|58, Yogi Nagar, Eksar Road, Plot No. 57|58, Hissa No. (Pt.) 5, 3, 14 & 17, Survey No. 66, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37 EE|13127|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGEIV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13428|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000]- and bearing
No. Flat No. 41, 4th floor, Dattani Nagar Bldg. No. 4,
S.V. Road, Borivli (Wost). Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temport of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:

- (1) Mrs. Madhuri Bhatia.
- (2) Mr. Shantikumar S. Kapadia & Others.
- (3) M|s. Dattani Enterprises.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Dattani Nagar Bldg. No. 4, S. V. Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37-EE|13428|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 12-7-1985

FORM ITNS-

(1) Sh. Murlidhar Gangaram Kalra.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Yogeshchandra Chunanlal Shah & Ors. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGELY, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13342|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000]— and bearing
Rs. 1,00,0000]— and bearing
Rs. 1,00,0000]— and bearing
Rs. 1,00,t0000]— and bearing
Rs. 1,00,t00000]— and bearing
Rs. 1,00,t00000]— and bearing
Rs. 1,00,t0000000

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, A-Wing, Borivli Godhavari Co-op. Hsg. Society Ltd., 1st Carter Road, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|13342|84-85 on 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

Scal:

# FORM ITNS----

(1) Shri V.M. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R.N. Modi.

(3) Shri V.M. Doshi.

(Transferee)

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGEIV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13535|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000|- and bearing
No. Flat No. 32, A-Bldg, Punita Flat Owners Co-op. Hsg.
Society Ltd., S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 32, A-Bldg., Punita Flat Owners Coop. Hsg. Society, Ltd., S.V. Road, Kandivii (W), Bombay67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV]37EE:13535|8485 on 1-11-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1985

Seal

(1) Sh. Shukla Anilkumar Chaudrakant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hemant Ramlal Padhya.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGELV, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV[37EE]13489[8485.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Rs. 1,00,0000]- and bearing
Rs. 1,00,0000]- and bearing
No. Flat No. 15, VingB, Veera Sadan, Zaver Baug, S.V.
Road, Kandivlee (West), Bornbay400 067
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair carket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . --

(a) facinisting the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arising from the 'ransfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 15, WingB, Veera Sadan, Zaver Baug, S.V. Road, Kandivlee (West), Bombay67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37EE 13489 8485 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1985

# FORM 1. f.N.S.---

(1) Jay Pali Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avinash S Kulkasni

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGERY, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. ARIV[37EE]13158[8485.— Who.cas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000]- and beating
No. Flat No. 117, 4th theor. 'Dwaraka Aparlment', Jay Pali
Hill, Near Shanti Ashram, Boriyi (W), Bombay92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flait No. 117, 4th floor, 'Dwaraka Apartment, Jai Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Auhoriv, Bombay under No. ARIV]374:E[J3158]8485 on 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1985

(1) Sh. Arvind Kumar K. Solanki.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. M. R. Shah.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGELY, BOMBAY

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. AR.ΙΠ[37ΕΕ]14860[8485.— A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tag Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 5, Chandra Darshan Coop. Hsq. Ltd., 148, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay 62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer,

to facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-han Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Fla No. 5, Chandra Darshan Hsg. Ld., 148, Jawahar

Nagar, Goregaon (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14860|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 12-7-1985

(1) Mr. Jacob Percy Elijah

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR.III 57-FE 14076 84-25. Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,0000]- and bearing No. Flat No. 201, Bldg. No. 18-B. Gok ildham. Housing

Complex, Village Dindhoshi & Chincholi, Goregaon, Born-

(and more fully described in the schedule anexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Fair Market Value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Conwood Interior Decorators Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, Bldg. No. 18-B, Gokuldham Housing Complex, Village Dindhoshi & Chincholi, Borivli Taluka, Gore-

gaon-Mulund Link Road, Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III|37EF|14076|84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-47-176 GI[85

Date: 12-7-1985

Scal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th June 1985

Ref. L. C. No. 759|85-86.-Whereas, 1, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

Las been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at West Hill on 12-11-1984

West Hill on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any rachitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Ambali Madhavi, Rep. by Sri A Karthikeyan (Husband), 1/10-A, Beach Road, Calicut.

(Transferor)

- (1) 1. Rafecque (Minor) Rep by Smt. Ayishu, Guardian,
  - 2. Rafe-na (Minor) Rep. by Smt. Ramla, Guardian, Pothikandiyil, Kolavallur, Kannangode,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1|20 share over 41.09 cents of land and two buildings in Sy. No. 19-21-605 of Calicui Corporation, registered in SRO, West Hill, as per Doc. No. 998 dated 12-11-1984,

(MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 24-6-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAY ANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th June 1985

Ref. No. 1..C. No. 760|85-80.--Whereas, I. Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here:nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. 100, 05 per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at West Hill on (2-11-1984)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evas:on of the fiability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Smt. Ambali Madhavi,
 Rep. by Sri Karthikeyan, Husband,
 1/10-A, Beach Road,
 Calicut.

(Transferor)

- (2) 1. Rafeeque (Minor) Rep. by Smt. Ayishu, Guardian,
  - Rafeena (Minor) Rep. by Smt. Ramla, Guardian, Kothikandiyil, Kolavallur, Kannangode.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

19|20 share over 41-09 cents of land and two buildings in Sy. No. 19-21-605 of Calicut Corporation, registered in SRO, West Hill, as per Doc. No. 1002 dated 14-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date: 24-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th June 1985

Ref. No. L.C. No. 761/85-86.-Whereas, I. Mrs. S. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as th 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation

(and more fully described in the Schedule annexed here o) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

West Hill on 12-11-1984 & 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only exated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nd/er
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section' (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ambali Madhavi. Rep. by Sri Katthikeyan, Husband, 1 10-A, Beach Road. Calicut.

(Transferor)

Rafeeque (Minor) Rep. by Smt. Ayishu,
 Rafeena (Minor) Rep. by Smt. Ramla,
 Pothikandiyil, Kolavallur, Kannangode.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/20th share over 41.09 cents of land and two buildings as per Doc. No. 998 dt. 12-11-84 and 19 20th share over 41.09 cents of land with two buildings as per Doc. No. 1002 dated 14-11-84 of West Hill. This property is situated in Sy No. 19-21-605 of Calicut Corporation.

> (MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ernakulam

Date: 24-6-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. No. 747 85-86.—Whereas, I. Mrs. S. CHAUDHURI,

Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinester reserved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|, and bearing Sy. No. as per schedule situated at Mattamcherry (and more fully described in the Schedule at more fully described in the Schedule at more fully described in the Schedule at market.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay max under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been an which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri E. N. Vijayan, 12|1303, Fait Price Shop No. 17, Panayappally, Cochin-2.

(Transferor)

(2) J. Dr. M. C. Prabhakar, 2. Mrs. Savitha Prabhakar,

3. Praveen Prabhakar and 4. Prasanna Prabhakar (Minors) Rep. by Dr. M. C. Prabhakar, Guardian, Laxmi Nursing Home, Panayappally, Cochin-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

184 cents of land with an old residential building No. XII|1203, and four shop rooms bearing CC. No. 12|1301, 12|1302, 12|1304 & 12|1305 in Sy. No. 728|1 of Mattancherry village, registered in SRO, Cochin, as per Doc. No. 3316 dated 12-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-6-1985

#### FORM I.T.N.S.——

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. No. 756|85-86.--Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI,

Mrs. S. CHAUDHURI, Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and beating Sy. No. as per schedule situated at Cophin Corporation. at Cochin Corporation

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Cochin on 14-11-1984

Cochin on 14-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sarada. Wo Late Srcenivsa Rao, H. No. VIII 1229, Mattancherry.

(Transferor)

(2) Smt. E. K. Panchayani, Wo Vadavathu Parameswara Menon, Vadavathu, Document Writer, Mattancherry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8.37 cents of land with a building No. VIII 1229 in Cochin Corporation, registered in SRO, Cochin, vide Doc. No. 3353 dated 14-11-1984.

> (MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 21-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# Smt. E. K. Panchayani, W|o Vadavathu Parameswara Menon, Moolamkuzhi, Cochin-2.

(2) Sri E. N. Vijayan, Fair Price Shop No 17, Panayappally, Cochin-2.

(Transferee)

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. 757|85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Sy. No. as per schedule situated at Cochin Corporation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cochin on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

3 cents of land with a building No. 14|628 in Cochin Corjoration registered in SRO, Cochin, as per Doc. No. 3394 dated 14-11-1984.

(MRS.) S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-6-1985

#### FORM ITNS----

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCH(N-682016

Cochin-628016, the 21st June 1985

Ref. No. L.C. No. 758|85-86.--Wherens, I, Mrs. S. CHAUDHURI,

26724

Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. As per Schedule situated at Compin Corporation. at Cochin Corporation

(and more fully described in the schoduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Cochin on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect the any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. F. K. Panchavani, Wlo Vadavathu Parameswara Menon. Vadavathu, Moolamkuzhi, Cochin-2.

(Transferor)

(2) Sri E. N. Vijayan, Fair Price Shop No. 17, Panayappally, Cochin-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the aforegati persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8.900 cents of land in Cochin Corporation, registered in SRO, Cochin, vide Doc. 3450 dated 21-11-1984.

> (MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority
> Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 21-6-1985

FORM ITNS——— (

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF THEFE

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th June 1985

Ref. No. L.C. No. 754|85-86.-Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-that Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatic referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode Town

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 29-11-1984

the an apparent consideration which is less than the fair on the value of the aforesaid property and I have reusen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the bubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not bees or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian I reconsectax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the sold Act to the following persons, namely,:--

48-176 GI|85

(1) 1. S|Sri Mathew; 2. Paul; 3. Joy; 4. Smt. Annamma, Pariners of Calicut Leather Mart, S. M. Street, Calicut.

(Transferor)

(2) Smt. Imbichi Pathuruma, Dio Sri A. V. Koya Moideen & Wio V. K. Ahammed Barami, Seyali House, Kottaram Road, Calicut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.99 cents of land and five shop rooms in Survey No. 6-8-170 of Kozhikode Town. Kalathilkunnu Desom, registered in SRO., Kozhikode as per Doc. No. 1056 dated 29-11-84.

> (MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Ernakulam

Date: 18-6-1985

# FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 'NARAYANI NILAYAM' WARRIAM ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th June 1985

Ref. No. L.C. No. 755|85-86.—Whereas, I, Mrs. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Sy. No. as per schedule situated

at Franskulam village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at at Ernakulum village

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Thampi Thomas alias Yohannan, Advocate, Nechupadam, Kadayiruppu kara, Kottayam Dist., Pin. 682 311.

(Transferor)

Mrs. Maya Gopalan, Vadavattathu Veedu, Ayyampilly, Ernakulam District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

6.537 cents of land with a double-storeyed building in Sy. No. 343|1 of Ernakulam village, registered in SRO., Ernakulam, vide Doc. No. 3797 dated 28-11-1984.

> (MRS.) S. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ernakulam

Date: 18-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st July 1985

No. IAC. ACQ. 14/20/85-86. -- Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. 152 5 situated at Mouza, Somalwana Tah, & Dist. Naggar

(and more tuny nescribed in the Schedule annexed hereto), has been and red under the Registration Act, 1908 (16 Unit of the Registering Uniter at of 1908) ก

Nagpur on 19-11-84 for an apparent consultration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforespic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been utily stated in the said mattument of transfer with the object of .--

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is out of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shakuntalabai Deorao Chandankhede.

Smt. Girja Urkydass,
 Shri Sudhir

4. Sanjay 5. Shekher

---sons Deorao Chandaukhede Laskanibagh, Nagpuc

(Transferor)

(2) The Modern Co-op, Housing Society Ltd., through Shri P. M. Ingole, President Bajaj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3.00 acres of non-agricultural land vide Kh. No. 152|5 situated at Mouza Somalwada, Tah. & Distt. Nagpur.

> M. C. JOSHI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 1-7-1985

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 3rd July 1985

No. IAC|ACQ|15|21|85-86.--Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value

as the said Act.) have leasted to believe that the immovable property, having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing MM. 140, 200 plus 0 plus 2 situated in Tlinki, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office o, the Registering Office at Nagpur on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Art 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

 Shri Sharfuddin Karim Chavan, Opp. Anand Bhandar, Dharampeth, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shi Navendra Ramdas Gupta, Timki Bazar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable arountly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

A nouse ten log MM. No. 200 plus 0 plus 2 situated in fimki, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

Scal:

the second to the contract of the contract of

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 Or 1961)

GOVE NOT THE SE INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITE COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st July 1985

No. IAC|ACQ|13|20|85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Component rection in many section 2005 of the income-tax Act, 1951(43 of 1961) thereinafter referred to us the 'soid Act), have reason to believe that the immov-

as the Soid Act.), have reason to selecte that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1.00 080; and bearing the No. 152;5, situated at Mouza, Somalwada Tah. & sisti. Magnur,

and more fully described in the Schalule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagary on 19-11-54.

1908) in the Office of the Registering Officer at Nagour on 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the along a door per year! I have reason to believe that the fair market value of the property as abcressful exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other armets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in prevenance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the state of this section under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Fakirchand Ragunath Chandan Khade;
 Sunil Ragunath Chandan Khade;
 Chandarn g.u., Nagpur.
 Smt. Ahilya Bai Yeshuant Jinane;

Untthanl, Nagpui.

4. Smt. Changona Bai Naresh Sontakke; Dharampeth, Nagpur.

(Transferor)

(2) The Modern Coop. Housing Society Ltd. through Shri P. M. Ingale, President Bajaj Nagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which wer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

3.00 Areas of non-agricultural land vide Kh. No. 152]5 situated at Mouza, Somalwada Tah. & Distt. Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 1-7-1985

## FORM I.T.N.J.

(1) Ratnadeep Coop. Housing Society Ltd., through its President Shri V. M. Guha, Sheikh Colony, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Prithipal Singh, Bachattarsingh, Byramji Town, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 1st July 1985

No. IAC|ACQ|12|20|85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Plot No. 4 and house thereon situated in Byramji-Town,

Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nagpur on 19-11-84

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act

in respect of any income arising from the transfer,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- . (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Plot No. 4 and house thereon situated in Byramji Town, Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pulsuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-7-1985.

## FORM ITNS------

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT, OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th July 1985

F. No. IAC.ACQ[19]22]85-86. - Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. Kh. No. 237 & 250 situated at Zangabai Takali, Tah. & Distt.

Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per dead registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 14-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Avchitrao

THE CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

s o Damdun Raut

(2) Shii Laxman

s¦o Damduji Raut

(3) Smt. Annapurnabai

wdlo Damduji Raut

(4) Smt. tijabai w]o Krishnarao Dhoble

(5) Smt. Mirabai wo Manoharrao Bhange Zingabai Takali

Teh. & Distt. Nagpur.

Transferors)

(2) Rajaram Coop. Housing Society Ltd., through Shri T. S. Mankar, President, Civil Lines, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

9.00 Acres of Agricultural land vide Kh. No. 237 & 250 situated at Mouza, Zingabai Takali, Nagpur.

M C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-85.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DECOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 9th July 1985

No. (AC.)ACO|18|21|85-86.--Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Jact), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Mpi. House No. 4880 on plot No. 43 situated in Chakradhar

Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registerice Officer at Nagpur on 27-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); (i) Sh'i Damodhai Laxmanrao Kalamkar, 43, Chakradhar Nagar, Nagpur.

(Transferor)

(2) Snit. Minakshi Suresh Dotlikar, 43, Chukradhac Nagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by pay wher nerves interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION to The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same magning to even in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A house bearing Mol. No. 4880 on Plot No. 43 situated in Chakradhar Nagar, Nagaur

> M C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rature Nagpur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-7-85

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th July 1985

No. IAC, II | Acq | 16 | 21 | 85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-uz Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 10 in building No. 541, on plot No. 2 situated at Wadr No. 70 on West High Court Road, Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Register-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15-11-84

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trainy stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

49—176 G1|85

1. Shri Madhaorao Narayarrao Ghatate,
 2. Shri Shridharrao Madhaorao Ghatate,
 R/o Civil Lines,
 Nagput-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jantao Shamraoji Savankar, Laxmi Bhawan Chowk, Gotmare Bldg. Dharampeth, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10, in Building No. 541 on plot No. 2 sinated at Wd. No. 70 on West High Court Road, Nagpur admeasuring 77.899 Sq. Meters in Mauja Gadga, Sheet No. 5 Chatta No. 162 and city Survey No 89.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 10-7-85.

(1) 1. Smt. Asha Narayan Navangul, 2. Shri Narayan R. Navalgul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sujata Kamlakar Kulkan, 11, Shankar Nagar, Nagour.

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 9th July 1985

No. IAC|ACQ|17|21|85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 02 on Plot No. 291, situated at Laxminagar,

Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nagpur on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than th fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 02 on Plot No. 291 situated in Laxminagar, Nagpur.

THE SCHEDULE

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-85.

the object of :---

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ASSISTANT COMMIS-CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-23|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liabil of the transferor to pay tax under the said Ast, ect of any income arising from the
- (h) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-an Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Sri Benoy Kr. Pal of Block No. 1, Flat No. 123, 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 123 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 13734 of S.R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date : 19-6-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-22|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

of 1900) in the consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Sri Samaresh Sengupta of 3, Bidhan Sishu Sarani, Flat No. 601, Calcutta-54.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One flat No. 601 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I 13737 of S.R.A., Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-21 [R-11] Cal [85-86 —Whereas, I, SHA1KH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.
  - (Transferor)
- Sri Biman Chandra Mukherjee of Flat No. 413, Aelite,
   Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercacid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One flat No. 413 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. 1 13827 of S.R.A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 19-6-1985

# FORM ITNS----

(1) Aelite Co-operative Housing Society Ltd. of 3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Sri Biman Pal of Block-2, 2nd floor, Flat No. 223,3, Bidhan Sishu Sarani, Calcutta-54.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 19th June 1985

Ref. No. AC-20|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 3 situated at Bidhan Sishu Sarari, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-11-84

at S.K.A., Calcutta on 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

One flat No. 223 measuring area 1130 Sft. situated at 3, Bidhan Sishu Sarani, Block No. 2, Calcutta-54. More particularly described in Deed No. I-13735 of S.R.A., Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-6-1985

Scal:

(1) Smt. Sukti Goswami, Wlo Sri Ajay Kumar Goswami, Balagarh, Chinsurah, Hooghly.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sri Ramendra Sundar Ganguly Sri Ramendra Kishore Ganguly Sri Ramendra Ratan Ganguly all of 13 A 6, Raja Peary Mohan Road, Uttarpara, Hooghly.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 3rd June 1985

Ref. No. AC-2|Acqn B-IV|Cal|85-86.--Whereas, I, SANKAR K. BANERIEE. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

situated at Balagarh, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Hooghly on 23-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 4 cottabs with building, Mouja-Balagarh P.S. P.S. Chinsurah, Hooghly Deed No. 7215 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985.

# FORM I.T.N.S.-

(1) Western India Commercial Company Ltd., of Didwana, Rajasthan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dunbar Mills Ltd., of 21, Strand Road, Calcutta-1.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1985

AC-25[R-H]Cal|85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 5|7, situated at Huroshibtala Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 20-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

11 Bighas 4 Cottans land with structure situated a 5/7, Buroshibiala Main Road, P.S. Behala, Calcutta, Registered before Competent Authority on 20-11-84 Vide Sl. No. 31.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Raff Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th July 1935

Ref. No. AC-24|R-II|Cal|85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-and bearing

No. 162 s'iuated at G-Block New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Registrar of Assurance on 20-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—50—176 GI|85

 Sri Prodyut Kumar Mukherjee of No. 162, G-Block, 1st floor, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rajdev of Clo Sri B. D. Rajdev, No. 162, G-Block, 3rd floor, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1389 Sft. Flat situated at No. 162, G-Block, New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in Deed No. I 13849 of R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 10-7-85

#### FORM ITNS ---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1985

Ref. No. AC-5 Acq. R-IV Cal. 85-86.—Whereas, I SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. 49, situated at Ladanda Road, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R.A. (Cal.) on 28-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ivy Leonora Patton, 10/117, Perouse Road, Renevick New South Walse, Australia.

(Transferor)

(2) Grindlays Bank 19, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a vertod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 3 K-12 Ch.-3 Sqft. of land with building. Address: 49, Ladanda Road, P.S. & Dt. Darjeeling. Deed No.: 14266 of 1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 12-7-85

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Shakuntala Gupta

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Banwari Lal Keriya

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. B-130 Acq.-Whereas, I MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

A three storeyed house situated at Gola, Pargana-Hyderabad, Distt. Sltapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sitapur in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notes
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-- The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A three storeyed house situated at Gola, Pargana-Hyderabad, Tchsil-Mahammadi, Distt. Situpur, registered by the Registering Authority, Sitapur, on November, 1984 (as mentioned in 37G Form No. 5573).

> (MRS.) U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-7-1985

(1) I. Shri Sita Ram 2. Shri Man Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Chandausi Industrial Cooperative through Chairman, Shri Kamlesh Chandra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. C-46|Acq.-Whereas, I

MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Land No. 445|1 situated at Village Dewarkhera, Tehsil-

Bilari, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 26-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ha respect of any income arising from the transfer; MEG/C1

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land No. 445|1, measuring 2-01 decimal, situated at Village—Dewarkhera, Pargana and Tchsil—Bilari, Distt. Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad on 26-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 2625).

THE SCHEDULE

(MRS.) U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

Scal :

(1) 1. Shri Gopal Chand 2. Shri Radhey Shyam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hari Chand Gupta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57. RAM TIRTH, MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

Lucknow, the 2nd July 1985

Excellow, the zata July 1989

G. I. R. No. H-56|Acq.—Whereas, I
Mrs. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Bhumidhari Arazi Nos. 58, 60 and 61 situated at Village
Dhanipur, Pargana-Khairabad, Distt. Sitapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registering Officer at
Sitapur on 14-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

Bhumidhari Arazi No. 58, 60 and 61 measuring 1.31 acres situated at Village—Dhanipur, Pargana—Khairabad, Distt. Sitapur, registered by the Registering Authority, Sitapur, on 14-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 3641).

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shri Kalam Singh Mian

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Khetan Refractories (P.) Ltd., Lucknow. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G: I. R. No. K-154|Acq.--Whereas I,
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Land No. 101A situated at Village-Manihar Got, TehsilKhatima, Distt. Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Sitarganj on 26-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land No. 101A, measuring 1 Bigha 18 Biswa 11 Biswansi and Land No. 100, measuring 3 Bigha 3 Biswa and ½ Biswansi, total 5 Bigha 1 Biswa 11½ Biswansi situated at Vill—Manihar Got, Tehsil—Khatima, Distt. Nainital, registered by the Registering Authority, Sitarganj on 26-11-1984.

(MRS.) U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

# FORM ITNS----

(1) Shri Madan Lai Rastogi

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) 1. Shri Kunj Behari Singh 2. Smt. Ketki Devi

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. K-155 Acq.—Whereas, I Mrs. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

A double storeyed house No. 59 situated at Collectorganj,

Distt. Fatchpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Fatchpur on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market ralue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ras) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Warner top Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 59, situated at Collectorganj Distt. Fatchpur, registered by the Registering Authority Fatchpur on 15-11-1984 (as mentioned in 37G Form No 3357).

(MRS.) U. KANJILAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometa:
Acquisition Range, Lucknow

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Haji Ashaq Husain

Haji Ashaq Husain
 Mohd. Farooq
 Haji Mohd. Yamin
 Haji Mohd. Irfan
 Smt. Akila Begum

6. Smt. Noor Jahan Begum

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Suleman Khan

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. M-223 Acq.—Whereas, I MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Oone house situated at Mohalla-Daulatbagh, Moradabad (and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belt ve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

One house measuring 214-26 sq. mtrs. situated at Mohalla-Daulatbagh, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 8173) registered by the Registering Authority, Moradabad, on November, 1984.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following pervors, namely :-

Date: 2-7-1985

(1) 1. Shri Tarsem Singh

2. Shri Sarvajeet Singh 3. Shri Harjinder Singh

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. National Lamps Industries Ltd., Ghaziabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. N-95 Acq.—Whereas, I MRS. U. KANJILAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

Land situated at Manza-Bameta Bangar Khima, Tehsil

Haldwani Ivainital

(and more fully described in the Schedule sumexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and situated at Mauza-Bameta Bangar Khima, Pargana-Bhabar Chhakata Tehsil—Haldwani, Distt. Nainital, registered by the Registering Authority, Haldwani on 29-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 2304).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :---

51—176 GI185

Date: 2-7-1985

FORM ITNS----

(1) Sint Hai Pyari Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Sheikh Abdul Mutallib 2, Smt. Ashraf Jahan

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. S-369/Acq.—Whereas, I MRS. U. KANJILAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

A double storeyed house No. 102144 situated at Shivaji Marg

P.S. Kniserbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at 1 ncknow on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vasce of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the reporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 102/44, measuring 1700 sq. ft. situated at Shivaji Mang, P.S. Kaiserbagh, Lucknow, registered by the Registering Authority. Lucknow, on November, 1984 (as mentioned in 37G Form No. 9939).

MRS. U. KANIILAI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

Date: 2-7-1985 Seal

(1) Shri Daya Shanker

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (4.) OF 1961)

(2) Shin Suresh Kumar Singh Chauhan

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1983

G. I. R. No. S-370|Acq.—Whereas, I MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inshovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

House No. 352D situated at rhanharganj Distt. Fatehpur (and more fully described in the Schedule americal hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fatehpur on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per early of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said marriagers of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reductio or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice on the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 352D situated at Harihargani, Distt, Fatchpur measuring 2334 sq. ft, registered by the Registering Authority, Fatchpur (as mentioned in 37G Form No. 370).

MRS. U. KANJII AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

Seeal :

#### FORM ITNS-

(1) Shri Balak Ram Rastogi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Shyam Sunder Kapoor2. Shri Vinod Kapoor

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G I. R. No. S-371 Acq.—Whereas, I

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

one house situated at Mohalla-Baksaria, Distt. Sahajahanpur (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sahajahanpur in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ..... may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house with land measuring 140 sq. mtrs. situated at Mohalla—Baksaria, Distt. Sahajahanpur, registered by the Registering Authority, Shahiahanpur (as mentioned in 37G form No. 5023), on November, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:-

Date: 2-7-1985

(1) Km. Rashmi Singh

(Transferor)

(2) Snft. Satyawati Devi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

G. I. R. No. S-372 Acq. -- Whereas, 1

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Arazi situated at Rara, Pargana-Gopamau, Tehsil & Distt.

Hardoi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Arazi measuring 19 Bigha, 13 Biswa and 10 Biswansi s'tuated at Rara. Pargana—Gopamau, Tehsil and Distt. Hardoi registered by the Registering Authority, Hardoi on 23-11-1984 (as mentioned in 37G Form No. 3578).

MRS. U. KANJII.AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-7-1985

# FORM LT.N.S.——

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 0-41/Acq.—Whereas, 1, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterned to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Entire Flat No. 3 situated at 3, Kokhale Marg, Lucknow

Entire Flat No. 3 situated at 3, Kokhale Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) furthering the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prakash Murthi.

(Transferor)

(2) Shri Umakant Chaturvedi.

(Transferce)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Entire flat No. 3 on the first floor of the building situated at 3. Gokhale Marg, Lucknow, and 1|6th share of the land on which the building is situated, registered by the Registering Authority, Lucknow, on 15-11-1984.

MRS. U. KANJILAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-7-1985

Scal ;

#### FORM ITNS----

# (1) 1. Mirza Hameedullah Beg

Attorney for Mirza Rasheedullah Beg.

2. Mirza Ameerullah Beg

Tarique Mirza Asadullah Beg. 4. Amina Razia Raft Naz Begum,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION' RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 3rd July 1985

Ref. o. G.I.R. No. 83|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJII AI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property is a fair market value and the immovable property in the said and property, having a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing No. Land on plot No. 16 situated at 24, New Borry Road,

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered us 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984

for an in areal consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer suits the chieft of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; `und /or

h) facelitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1, Smt, Kausbalya Devi.

Pushpinder Kumar Agarwal, Baloinder Kumar Agarwal, Mohinder Kumar Agarwal,

Smt. Mānorma Sharma.
 Km. Sujata Sharma.
 Rajeev Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Land on plot No. 16, measuring 40,000 sq. ft. situated at 24, New Berry Road, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, uner Sl. No. 98, dated 30-11-1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-7-1985

Scal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following negating damely :--

(1) Shri Bunwari Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s, Eaxena Farms, Bareilly.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 3rd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 84|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

Income tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to us the baid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-

Agricultural land situated at Vill Deshnagar, Teh-Nawab-

ganj, Distt, Bareilly.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is tegistered 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Lucknow on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

. FXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas 13 Biswas situated at village Deshnagar, Tehsil Nawabganj, Distt. Bareilly. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under St. No. 99 dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1985

(1) Mis. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) 1. Smt. Kamleen Saluja.2. Master Jasjit Singh Saluja Through Father and N. G. Shri Prith Pal Singh

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 85|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office Nos. 21, 22, 23, 24 (a) (b) (c) situated at 11, M. G.
Marg, Hubibullah Compound, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule amexed hereto),
has been transforred and the agreement is registered and (and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; iid/a
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immoable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 21, 22, 23, 24 (a) (b) (c) on the second floor measuring 1192.27 sq. It. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 100 dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJII.AL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1985

Seal:

52—176GI|85

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratgavi, Lucknow.

(Transferor).

(2) Sardar Ishwar Singh Saluja, Kanpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Tucknow, the 2nd July 1985

Ref. No. G.I.R. No. 86[37EE]Acq.—Whereas, I, MRS., U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing Office Nos 12 and 3 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound. Luck row.

Compound, Lucknow.

(and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the LT. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any lucome or any moneys or other assets which have not been or which quent to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that, Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 12 and 13 on the IInd floor measuring 1003.68 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been régistered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 101, dated 30-11-1984.

MRS. U. KANJILAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-7-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

\*\*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1353.-Whereas, 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 203 on 2nd floor of 616 sq. ft. in bldg. No. situated at 47.48, Pragati House, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bitween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followir persons, namely :---

(1) M/s. Savita Enterprises, 203, Pragati House, 47-48, Nchru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Resistoflex Vibrasorb (Pvt.) Ltd., D-414, Defence Colony, New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203 on 2nd floor of 516 sq. ft. area in building No. 47-48, Pragati House, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1)Shri Ashok Kumar and Shri Suresh Kumar Kakkar, R|o E-499, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Mrs. Kauta Goel Wlo Shri O. P. Goel, K-8, N.D.S.E. II, New Delhi-49.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|11-84|1354.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 603-A, Nehru Place, mg. 352 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in November,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cone of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 603-A. 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 352 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, manely :-

Date: 8-7-1985

(1) Shri Shekhar Mehra. E-1|105, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Pushpa Agarwal Wlo Shri V. M. Agarwal, Miss Geetanjali Agarwal, Master Agarwal,
Master Sowrab Agarwal sons and
Do Shri V. M. Agarwal,
C-65, Soami Nagar,
Delhi-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1355.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. 303 in 40-41, Nehru Place, mg. 571 sff. ft. situated

at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in November, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Flat No. 303 in 40-41 on 3rd floor of 571 sq. ft. Nehru Place, New Dehli.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Skipper Sales Private Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Rita Dua, FF-11, Bajaj House, 97, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1356.-Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 1124, 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 150 eq. ft. situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in November. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter RMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1124, 89, Nehru Place, New Delhi-19, measuring 150 sa. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 8-7-1985 Seal :

, for my langer than the transfer of the way of the first than the

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43.0F 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1357.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and heaving

and bearing Plot No. \$-339, Greater Kailash-II, mg. 870 sq. ft. situated

at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreal to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Panjwani Builders, through Shri Man Singh S|o Shri Chandi Ram, R|o B-5|63, Azad Apartments-III, New Delhi-16.

(Transferor)

 Mr. Manmohan Maini and Sanjeev Maini R|o Tyagi Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. S-339, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 870 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4|14-A, Asaf Alı Road
New Delhi

Date: 8-7-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Panjwani Builders, through Mr. Man Singh, R|o B-5|63, Azad Apartment-3, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. P. K. Bansal, M-43, Greater Kailash-I Mkt., New Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1358.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. S-339, Greater Kailash-I, Mkt. mg. 900 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. S-339, Basement Greater Kallash-II, New Delhi, measuring 900 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

#### FORM I.T.N.S.-

Mrs. Neera Saigal, 6|15, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Jupiter Machines (P) Limited, S-206, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1359.—Whereas, I, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 620 sq. ft. on the F-F. 320 sq. ft. on Mez. floor situated at The building situated at 108, Surya Kiran Building, K. G. Marg. New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I. T. Ac', 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I on November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

620 sq. ft. on the First floor, 320 sq. ft. on the Maznine floor, the building situated at 108, Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range ! Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following nersons namely :- 53--176GI|85

Date: 8-7-1985.

(1) Gedore Tools (India) Pvt. Ltd. 51-52, Gedore House, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shokila Devi Wo Shri Madan Lal and Smt. Rabel Devi Wio Shri Dwarka Nath, D-649, Chittranjan Park, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. 1AC|Acq.I|37EE|11-84|1362.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. G5B mg. 553.81 sq. ft. in 51-52 Gedore House
situated at Nehru Place, New Delhi
(and more fully des rib d in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at IAC|Atq. Range-I on November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such than for a agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G5B measuring 553.81 sq. ft. in 51-52, Gedore House, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Aggarwal Hou 4|14-A, Asaf Ali Royl New Delid

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALL ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1363.--Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section

269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 405 Nirmal Tower Building 26, B. K. Road, situat-

ed at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at LAC Acg. Range-I on November,

1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer: and/orn
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri L. R. Luthra, A-10, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vinod Vadera, Wo Shri Gajinder Vadera, Ro 16/16, Sham Nath Marg, Delhi-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

1 share in fiat No. 405, Nirmal Tower Building, 26, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 1 of 235 sq. ft.

> R. P. RAJES<sup>1</sup>. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Aggarwal Hou-4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985.

(1) Shri Om Prakash Gupta and Shri Narinder Kumar Gupta, Rlo N-99, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Amit Tyagi and Master Anuj Tyagi, Rlo M-83, Saket, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1364.-Whereas, L R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the freeme-tax Act, 1761 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. GF-5, situated in Anupam Cinema Community Centre rejected at Select New Delbi

situated at Saket, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instantment of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

GF-5, Situated in Anupam Cinema Community Centre, New Delhi, Saket, measuring 164 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1365.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00|- and bearing

One room No. B-2 in the basement floor mg. 315 sq. ft. situated at 18, Todar Mal Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. Tfl Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely :--

(1) Brij Enterprises Pvt. Ltd. E-4|15, Jhandewalan Extn., New Delhi-55.

(Transferor)

26769

(2) Mohd. Salim, 7627-P, Darogha Street, Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One room No. B-2 in the basement floor measuring 315 sq. ft. at 18 Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1366.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

One room No. B-4 in the basement floor mg. 433.7 sq. ft. situated at 18. Todar Mal Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in November,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the corr alment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Brij Enterprises Pvt. Ltd., E-4 15, Jhandewalan Extn. New Delhi-55.

\_(Transferor)

(2) Mohd, Irshad 7627-P. Darogha Street, Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

One room No. B-4 in the basement floor measuring 433.7 sq. ft. at 18 Todar Mal Road, New Delhi.

> R, P, RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Now Delhi

Date: 5-7-1985

# FORM ITNS --- --

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1374.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the itemorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000; and bearing Space No. 20, L.O.F. 17, B. K. Road, mg. 178 sq. ft. situat-

ed at New Delhi.

(and more titly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November, 1984.

apparent consideration which is less the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1944 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infinite proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ms. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi-110001,

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Anand and Mrs. Geeta Anand, Rlo A-69, Group Industrial Area Wazirpur, Delhi-52.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are detired in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 26, on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' building, 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 178.8 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent\_ Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf All Road New Delhi

Date: 5-7-1985

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1367.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing
One room No. B-3, in the basement floor mg. 315 aq. ft. situated at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November, 1984 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Brij Enterprises (P) Ltd., E-4|15, Ihandewalan Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Aslam, 7627-P, Darogha Street, Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One room No. B-3, in the basement floor measuring 315 sq. ft. at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 5-7-1985

#### FORM ITNS----

NULICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1368.-Whereas, I.

R. P. RAJESH.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
One room No. B-1, on
Situated at 18, Todar Mal Road, New Delha, on

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1951 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—54—176GI|85 (1) M|s. Brij Enterprises (P) Ltd., E-4|15, Jhandawalan Extn., New Delhi-55.

(Transferce)

(2) Mohd. Khurshid, 7626-P. Darogha Street, Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One room No. B-1, in the basement floor, measuring 650 sq. ft, at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Computent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_ = -----

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.l|37EE|11-84|1369.—Whereas, I, R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

shop No. 24 (G.F.) Ajit Arcade Complex, Kailash situated at Colony, New Dehli-48, mg. 224 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at JAC|Acq. Range-I in November, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Devender Kumar Anand, F-I|100, Lajpat Magar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vinay Sukhani, B-31, Kailash Apartment, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greatly or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 24 (G.F.) Ajit Arcade, Complex. Kailash Colony, New Delhi-48, measuring 224 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 5-7-1985

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1370.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. D-423, Determe Colony, New Delhi, mg. 361 sq. yds. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ram · Kumar Behl (Wing Commander Retired), No. 2, Reviera, Marine Drive, Bombay-400020,

(2) Shri Dinesh Kumar Jain (HUF), D-422, Defence Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. D-423, Defence Colony, New Delhi, mg. 361 sa. vds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 5-7-1985

#### FORM NO. ITNS----

(1) Mis. Supra Enterprises, 32-33, Nehru Place, Flat No. 403, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Panjana Lakhtakia, Kmari Deepti Lakhtakia, Kmari Jyoti Lakhtakia, III 37. Canal Colony, Muzaffarnagar (U.P).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1371.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Building No. 19, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delbi.

at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in November,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said in the said instrument of transfer with the chieft of the said in the sai instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building No. 19, Barakhamba Road, New Delhi mg. 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 5-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1373.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing S-267, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 2100 sq. ft. situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in November, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Kaushalya Constructions, A-7/2. New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sri Bane Chand Malu, 11, Ashoka Road, 5B, Sriniket, Alipore, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. III on the Rear 1st Floor & Front portion of the 2nd floor (Barsati) at the Building under construction of S-267 Greater Kaliash-II, New Delhi, measuring 2100 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I
Aggarwal House
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now derefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 7 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Brig. M. R. Dutt and Mrs. Kaushalya Dutt Ro C-12. Chirag Enclave, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Dulari Gupta, W|o Shri Ram Rattan Gupta, R|o T-12, Green Park, New Delhi-110016.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.1]37EE[11-84]1375.—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (necentaiter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

Flat No. 5A, G. F. Bajaj House, 97 Nehru Place situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule appexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in November,

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettz.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5A, Ground Floor, Bajaj House, 97, Nehru Place, New Delhi, mg. 310.35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 fereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
85—166GI[85]

Date: 5-7-1985

#### CORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4]14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|11-84|1376.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Ac!'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. S-375, Greater Kailash, New Delhi, mg. 950 sq. ft. situat-

ed at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/m
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ms. Zakaria Shahid Impex Pvt. Ltd., 97, Ali Umar Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Master Umar Latif Slo Shri Inamul Haq, 2. Master Fahad Ikram Slo Shri Ikramul Haq, Rlo Bhatti Street. Moradabad-244001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

App. 950 sq. ft. Flat No. E, IInd Floor, S-375. Greater Kailash, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1377,---Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable accretity, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing

App. 950 sq. ft. Flat No. D. 1st Floor S-375 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Zakaria Shahid Impex Pvt. Ltd., 97, Ali Umar Street, Bombay.

(2) Habib Ur Rehman Clo Mls. Zakarason Impex, Lal Bagh, Moradabad.

(Transferce)

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

App. 950 sq. ft. Flat No. D, 1st floor, S-375. Greater Kallash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggawal House
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1378.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]- and bearing No. W-65, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 1025 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Man Mohan Chatrath, 23, Park Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mis. Kamal Developers & Contractors (P) Ltd., G-48, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Approximately 4|5th interest in Vacant land at W-65, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 1025 sq. yds. and one flat of 2400 sq. ft. covered area on the property under construction.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggawal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

Scal:

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 QF 1961)

(1) M/s. Guiral Estates (P) Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Gian Singh Slo Mr. Sardar Singh, Rlo 37-A, Gobind Nagar, Dehra Dun.

(Transferce)

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1379.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

K. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]- and bearing

Space No. 12 on First Basement in 'VIJAYA' building stiuated at 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring 221.4 sq. ft.

(and more fully described in the School of the second of

(and more fully described in the Schedule annexered hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in November, 1984.

para supparent consideration which is less than the fair district value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937); THE SCHEDULE

Space No. 112 on First Basement in 'VIJAYA' building at 17, B. K. Road, New Delhi, measuring 221.4 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggawal House 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|11-84|1380,--Whereas, I, Whereas, I, B. P. RAJESH, whereas, I, B. P. KAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. situated at One flat of 2600 sq. ft. to be constructed at W-65, C. K. I. New Polisi

G. K.-II. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Aut, 1961 in the

Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ablsing from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-lan Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Man Mohan Chatrath, 23, Park Street, Calcutta & Kamal Developers & Contractors (P) Ltd. G-48, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sri Arjun Chatrath, C-168, Defence Colony, New Delhi.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of '50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saule meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One flat of 2600 sq. it, to be constructed at W-65, Greater Kailash-II, New Delhi.

> ≀R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 I4A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

Soal:

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Gujral Estate (P) Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Ved Rattan Agarwal Slo Mr. Prakash Chand Agarwal, Rlo B-179, Greater Kailash-I New Delhi-48.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1381.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'aid Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Space No. 7 on L.G.F. in 'Vijaya' Bldg. at 17, B. K. Road
situated at New Delhi, measuring 137 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that 'he
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Space No. 7 on Lower Ground Floor in 'Vilaya' building at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 137 eq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Assi Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1382.—
Whereas, I, R.| P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 25, total plinth area 1820 sq. ft. in proposed
multi-storyed Group Housing Scheme Gauri
Apartments at 3 & 4 South End. Lane, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 1.T. Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Kuilash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Ihala, Flat No. 4-B, 33, Prithvi Raj Road, New Delhi-110001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A residential Flat No. 25, a servant quarters & open terrace, total plinth area 1820 sq. ft. in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme Gaurl Apartments at 3&4, South End Lane, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Baljit Brar Wlo Group Capt. P. S. Brar, Rlo F-30, Pragati Vihar, New Delhi.

(Transferor)

M|s. Chondak Enterprises.
 V-37, Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1385.--Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. FF-110, on 1st floor mg. 393 sq. ft. in Mansarover situated at 90. Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said instrum of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or sage moneys or other assets which have not been extended by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Burlamation :- The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First Floor 110; on lat floor, measuring 393 squar, in Mansarover, 90,, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 8-7-1985 Seal :

The real service bearing an extra con-

#### FORM ITNS-

 M|s. D. S. Builders, A-2|140, Safderjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Rani & Murli Dhar Agarwal, R|o 105, Nehru Nagur, Agra-28002.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq I|37EE|11-84|1386.— Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Rear Portion of 2nd floor of house No. W-165, G. K.-JI. situated at New Delhi. measuring 800 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Runge-I, on November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Rear Portion of Second floor of house No. W-165, Greater Kailaah II, New Delhi, measuring 800 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4]14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

26788

GOVERNMENT OF INDIA

 Mls. Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th floor. Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2' M|s. Devika Estate Management Pvt. Ltd. Devika Tower, 6. Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|11-84|1387.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Booked space for the Air Conditioning Plant & Water
tanks in Basement and on terrace, Devike Tower
6m, Nehru Place, N. Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Booked Space for the Air Conditioning Plant & Water tanks in Basement and on terrace, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M(s. Gujral Estate (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Surinderjit Singh Slo Mr. Gopal Singh Rlo E-569, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC]Acq I|37EE|11-84|1388.-Whereas, I, R. P. RAJFSH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- bearing Space No. 8 on L.G.F. in 'Vijaya' bldg., 17 B. K. Road, situated at New Delhi, measuring 266,3 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexure hereto)

has been transferred under the I.T. Act 1961 in the

Office of the registering Officer at IAC|Acq, Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 56—176GI[85]

# THE SCHEDULE

Space No. 8 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' Building at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 266.3 sq.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq I|37EE|11-84|1389.— Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable repoperty, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing No.

Space No. 17 on L.G.F. in Vijayn bldg., 17, B. K. Road, situated at New Delhi, measuring 178.8 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at LAC]Acq. Runge-1, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

conster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Gujral Estate (P) Ltd. 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Surinder Jit Singh Slo Mr. Gopal Singh, Rlo E-569, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 17 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' building 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 178.8 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

(1) Mls. Elite Developers (P) Ltd., 115, Ausal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Champawati, Clo Dr. Chaman Lal Malhotra, Professor & Head of Head of Pharmacology. Christion Medical College, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE]11-84]1390.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 303, in proposed Elite House at Plot No. 36,
situated at Community Centre, Kailash Colony Extension
(Zabroodpur) New Delhi,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the
Office of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303 in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extension (Zamroodpur) New Delhi, measuring 492 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-7-1985

 Mls. A. B. Estates, 208, Surya Kinan, K. G. Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Vinod Khanna Slo Late Sh. Madan Mohan Khanna Rlo F-437B, New Rajinder Nagar, New Delhi-60.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|11-84|1392.—
Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 20. L.G.F. in Vipaya Bldg. 17. B. K. Road, situated at New Delhi, mg. 178.8 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act. 1961 1961 in the Office of the registering Officer at JAC|Acq. Range-I, on November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weight Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20 on Lower Ground Floor in Vijaya at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 178.8 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 | 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following acroons, namely —

Date: 8-7-1985

= ==== =====

# FORM ITNS

## OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq,1|37EE|11-84|1394.—
Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. C-302 (Second Floor) in Palam Apartments, 328|1, situated at Bijwasan. New Delbi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I. on November 1985 fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Chopra Promoters & Builders, 7-Al27, W. E. A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss. K. R. Vaidehi, E-9|19, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-302, Second floor in Palam Apartments, at 328 1, Bijwasan, New Delhi, mg. 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
4|14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-7-1985

# FORM ITNS----

(1) M/s. Chopra Promoters & Builders, 7-A/27, W. E. A., Karol Bagh, New Delhi,

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE UNCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•

(2) Mr. Sunil Mukherjee, Clo Mls. Arora & Associates GL-2, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi-110001

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1395,---Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. K-202 (F.F.) in Palam Apartments at 328[1, situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 1961 in the of the registering Officer at IAC[Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. K-202, First Floor in Palam Apartments 328/1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Assf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NFW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|11-84|1396—
Whereas. I. R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|-and bearing No.
Hat No. M-103, (G.F.) in Palam Apartments, 328|1,
situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mls. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Kapur, E-258 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No. M-103, (Ground Floor) in Palam Apartments, 328 1, Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-7-1985

#### FORM I.T.N.S.-

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

'Ref. No. IAC|Acq,I|37EE|11-84|1397.—
Whereas, I. R. P. RAJESH.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.
Flat No. C-101 (G. F.) in Palam Apartments, 328|1, situated at Bijwasan. New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exmeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mls. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. K. L. P. Finance Ltd., E-29, South Extension Fart-II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-101, Ground Floor in Palam Apartments at 328|1, Bijwasan, New Delhi, measuring 350 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-7-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1398.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Flat No. C-202 (F.F.) Palam Apartments, Bijwasan, situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 850 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57—176GI/85

 M|s. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27, W. E. A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

 Dr. Anil Garg & Mrs. Alka Garg, E-69, Greater Kailash Enclave-J, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C-202 (First Floor) Palam Apartments. Bijwasan New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-7-1985

Seal ;

### FORM JINS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Mls. Chopra Promoters & Builders, 7-A|27, W. E. A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. V. K. Kapur, E-258, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-84|1399.—
h ras. I. R. P. RAJESH,
b ing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|-and bearing No.
Flat No. M-204 (F.F.) Palam Apartments, 328|1,
situated at Bijwasan, New Delhi, measuring 580 sq. ft.
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I. T. Act. 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC|Acq. Range-I, on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and express are defined in Chapte Act, shall have the san in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

"Flat No. M-204 (First Floor) Palam Apartment, 328[1, Bijwason, New Delhi, measuring 850 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.J|37EE|11-84|1400,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000[-and bearing No.

G. F. Flat No. B. 5, having drawing cum-dining, kitchen, 2 bed rooms, attached bath, one servant room with WC with WC Kailach Apartments Lajpat Rai Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at of the registering Officer at

IAC Acq. Range-I, on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

(1) Km. Veena Chaudhary Do Ch. Harpal Singh, Kailash Apartments, New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Master Chiraj Passi (minor) Slo Sh. Harish Kumar Passi, Rlo B-8, Kailash Apartments, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground Floor, Flat No. B-6, having drawing-cum-dining, kitchen, 2 5ed rooms, attached bath one servant room withh WC. Kailash Apartments, Lajpat Rai Road, New Delhi-48, mg, 1000 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-7-1985

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Unitech Builders (P) Ltd. 702, Vishal Bhawan, 95, Nehru Place, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Mr. Subir Kumar Dhawan & Mrs. Primla Dhawan, Clo Sh. B. L. Khanna & Sons, 61|2165, Gurdwara Road, Karol Bagh. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq,I|37EE|11-84|1401,——
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 11 Friends Colony mg. Approx. 1827 vg. ft.

Flat No. 11. Friends Colony, mg. Approx. 1827 sq. ft. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acq. Range-I, on November 1984

IAC Acq. Range-I, on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiet of he said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ender the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not bren or which bught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937),

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, Friends Colony, New Delhi-65, mg. 1827 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

Date: 8-7-1985 Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5810.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exc Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land Kh. No. 347|1|2 situated at Vill, Bavadiyakalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said intrument between the of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) S|Shri Jeetmal, 2. Nandkishore, 3. Ramnarayan So. Shri Hazarilal R o Bavadiyakalan, Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Chairman, The Holi Cross Co-op. Housing Society Ltd., Bhopal (Thro' Chairman).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 347|1|2 is situated at village Bayadiya Kalan, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE RIJOPAL, M.P.

Phopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn.Bpl|5810.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Single storeyed building situated at Bhopal (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair tanket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Shouk Thajab
 Wo Shri Khalil Ahmed Ansari
 Ro Chouki Talaiyya, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Parvez Hussain Wo Shri Jabbar Hussain & Smt. Fardana Wo Shri Javed Ali, Ro Noor Mahal, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg, on Plot No. 33 is situated at C-sector Indrapuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills,
BHOPAL

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5811.—Whereas, J, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Land Kh. No. 466 2, 463, 464, 464 4 situated at Vill. Salaiyya, Dist. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under seasection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mangilal Slo Shri Bonderlal R|o Salaiyya, Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Malviya Slo Shri Pyarelalji & Shri B. N. Jaiswal President & Vice-President, Sahsra Bahu Grih Nirman Sahkari Samiti Sanstha Maryadit, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proporty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Clexette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the valid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 466|2, 463, 464|4 & 464 is situated at Vill. Salaiyya, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 5-7-1985

#### FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5812.—Whereas, I S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|-and bearing No.

Plot No. 10 & building thereon situated at Vill. Anand Nagar, Dist, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in November 1984

Bhopal in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Krishna Bhasme Slo Shri Binoba Bhasme. Ro Tulsi Bhavan, Anand Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Gopal Litoriya S|o Shri Bhaiyalal Litoriya, R|o Qr. No. 72|2, N-2-B-sector,... Govindpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 10 & building thereon is situated at village Anaud Nagar, Bhopal This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 5-7-1985

# FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF TINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

in the second control of the second control

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5813.—Whreeas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.060[-and bearing No.

H. No. 26 situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as according to between the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt Col. Madan Mohan Mukherji, So Late Shri Jyotish Chandra Mukherji Ro. 129, DDA (MIG) Flats Sheikh Sarai-J, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daulat Kunwar Wlo. Thakur Prithviraj Singhji Bidwal, Ro 171, Anoop Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 26 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 8-176GI/85

Date : 8-7-1985 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5814.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Land Kh. No. 311/2 situated at

Vill. Nainodh, Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in November, 1984

Indore in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Daulatbai Do Shri Shlvramsinghji Thakur, Ro Chouthi Palton, Khasbardar Line, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ushabai Wlo Shri Vijaysingh Rlo 59 Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore. 2. Smt. Pramiladevi Wlo Shri Kailashchandra

Smt. Framiladevi Wo Shri Kailashchandra Rod 42 1. Shakkergani, ndore.
 Shri Sanjaysingh So Shri Vijaysingh (Minor) through Vijayasingh So Manna Singh, Ro. 59, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore,
 Smt. Chhaya Wo Shri Gopal Shrivastav, Rod 130, Rupram Nagar, Indore.
 Shri Dharamdev So Shri Murlidhar, Rod 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
 Smt. Janki Bai Wo Shri Ramchandra Kalyani, Rod 72 2, Shakkergani, Indore.

· (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 311|2 is situated at Vill. Nainodh, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 8-7-1985

#### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.|Bpl|5815.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referent to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property laving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Land Kh. No. 311|1 situated at
Vill. Nainodh, Teh. Indore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer te pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any inseme or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the treatfers for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferencia property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Pratap Singh S|o Shri Hanumansinghji Thakur, R|o Gandhi Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ushabai Wo Shri Vijayasingh
Ro 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
2. Smt. Pramiladevi Wo, Shri Kailshchandra Yadav,
Ro 43/1, Shakkerganj, Indore.
3. Shri Sanjaysingh So Shri Vijaysingh (Minor)
through Vijayasingh So Manna Singh,
Ro 56, Mahavir Marg, Gandhi Nagar, Indore.
4. Smt. Chhaya Wo Shri Gopal Shrivastava
Roo, Rupram Nagar, Indore.
5. Shri Dharamdev So Shri Murlidhar,
Ro, 56, Mahavir Marg, Ganlhi Nagar, Indore.
6. Smt. Janki Bai Wo, Shri Ramchandra,
Ro 72/2, Shakkerganj, Indore.
(Transferee)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be saide in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gamete.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning by given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 311 1 is situated at Vill. Nainodh, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 8-7-1985

# FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5816.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value

H. No. 221, Khatiwala Tank (Scheme No. 44) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties h as not been truly stated in the said instrume of

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Abdul Wahab Khan s|o Sh. Abdul Wahid Khan, R|o 222, Khatiwala Tank, Indore on behalf of Shri Ratanlal s|o Shri Chhogmal Jain, R|o 19-A. Mahesh Guard Lines, Indore.

(Transferor)

 Shri Abdul Majid s|o Mohd. Ishaq R|o 37|3, Mohanpura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 221, is situated at Khatiwala Tank, (Scheme No. 44), Indore. This is the immovable property which has been described in form number 37G duly verified by the transtransferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

New, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal (M.P.), the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|5817.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Land Kh. No. 291 situated at Aimagard, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Madanlal soo Shri Bhogilal Seth, Ro Sindhipura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) The Indian labour co-op. Housing Society,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Land Kh. No. 291 is situated at Aimagard, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 8-7-1985

# FORM ITNE-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Haji Khuda Baksha Shah Mohd. Chowk, Burhanpur.

# (Transferor)

(2) Smt. Vimladevi w o Shri Shripalji Jain, Lalbag Road, Burhanpur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal (M.P.), the 8th July 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5818.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. 75 1 (Block No. 30) situated at Chowk, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred under the Pariettetion Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Burhanpur on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 75 1 (Block No. 30) is situated at Chowk, Burhanpur in Nov. 1984 described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the followar persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5819.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

bearing No. House property known as 'Mukut Talkies' situated at Shanker Ward, Bhatapara, Dist. Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatapara in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons. namely:-

(1) 1.Kesoji Bhai Solankii Mukut Bhai Solanki
 Chatawar Singh Solanki
 Shankar Ward, Mukut Talkies, Bhatapara, Dist. Raipur (M.P.).

(Transferor)

 Satishkumar S|o Sh. Jagish Prasad Agarwal
 Sh. Mohanlal S|o Sh. Puranlal Agarwal
 Sh. Biharilal S|o Sh. Puranlal Agarwal Clo Shankar Ward, Mukut Talkies, Bhatapara, Dist. Raipur,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property known as 'Mukut Talkies' is situated et Shanker Ward, Bhatapara, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No: 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-task Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5820.—Whereas, I, S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land Kh. No. 1295 (P.H. No. 78, B. No. 269) situated at

Naya Amapara, Durg

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Ganeshilal & Shri Ramesh Prasad S|o Sukhdeo Pd. Gupta, R|o Sanichari Bazar, Durg.

(Transferor)

(2) Gajanan Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd. Amapara, Mohan Nagar, Durg. Through President Shri Vithal Slo Krishnarao Sakharkar, Rlo Mohan Nagar, Amapara, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1295 (P.H. No. 78, B. No. 269) is situated at Naya Amapara, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5821.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Ground floor of triple storeyed bldg, bearing Mun. Corporation No. 1071 (Lajpat Kunj)

situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—176GI|85  Bhagwandas Roopchandani So Bhoolchand Roopchandani 1071, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)

(2) Sunil Kumar Jain So Late Sh. Garib Das Parwar, Ro 87, Narmada Road, Jabalpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SHEDULE

Ground floor of 3 storeyed bldg, bearing Municipal Corporation No. 1071 (Lajrat Kunj) is situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 8-7-85 Seal;

(1) Vishambar Narain Slo Ramnarain Tiwari, R|o 102, 102|1, Lordganj, Jabalpur (MP).

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 (2) Kasturchand S|o Gopaldas Jain
 2. Sheelchand 3. Pannalol 4. Kaluram 5. Rajendra
 All sons of Kasturchand Jain S|o Shahpura Bittoni, Teh. Pattan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5822.-Whereas, I, S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00]- and bearing No. 102, 102|1 situated at Lordganj Ward, Jabalpur and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at of 1908) in the office of the Registering officer at

Jabalpur on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to at acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Bldg. Bearing No. 102 & 102 1 is situated at Lordganj Ward, Jabaleur. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transforce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-85.

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5823.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

House at Lind Kh. No. 1799 situated at Vill. Korinbhata, G. E. Road, Rajnandgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the consideration the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 249d /OF
- 'b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Shakuntala W'o Shri Shyamcharan Devalia, Clo Shei Victor Ginny Christian Colony, Sagar (MP).

(Transferor)

- (1) 1. 1.Dr. Prabhat Kumar Tiwari, So Sh. Kashi Prasad Tiwari, Chief Medical Officer, Balaghat.
  - 2. Smt. Jaya Tiwari Wo Dr. P. K. Tiwari, 3. Sh. Sunil Kumar, Slo Dr. P. K. Tiwari, Rlo Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed nouse at Kh. No. 179 is situated at v lage Korinbhata, G. E. Road, Rajanandgaon (MP). This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 8-7-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5824.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Building, Double Story situated at Civil Station Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Rajeshkumar Vyas Rlo Hospital Ward, Raja Talab, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Allaudin Farishta 1. Shif Ahaddin Farishta
2. Anwarali Farishta
3. Amir Ali Farishta
4. Arif Ali Farishta
5. Murad Ali Farishto, all 1/0
2/2, Shailendra Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by of the aforesaid persons within a period forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building is situated at Civil Station Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Date: 8-7-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 8th July 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5825.—Whereas, I, C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Bidg. bearing Mun. No. 14|206 & 14|231|2 (Nazil Plot No. 2|115, Block No. 77) situated at Jaisthambh Chowk, Modahapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on Nov 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; PDJ /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Yashwant Amarsingh Rathore Father & Guardian Amarsingh So Aamji Rathore, Ro Fafadih Chowk, Raipur (MP).

(Transferor)

(2) Mis. Farishta & Farishta, Partners—Shri Amir Ali Farisha, Slo late Shri Wazir Ali Farishta, Rlo Shailendya Nagar, Raipur (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing Mun. No. 14|206 & 14|231|2 situated at Nazul plot No. 2|115 (Block No. 77). Jaisthambh Chowke Modahpara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 8-7-1985

#### FORM IINS-

(1) Shri B. M. Thakre S|o Madhorao Thakre, R|o Vill. Pusad, Maharashtra.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5755.—Whereas I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land & Property (House) situated at Sunder Nagar,

Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 4957);

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Maya Tamrakar, Wo Shri Shankerlal Thamrakar, Thro' Shri J. K. Verma,

Ro Sati Bazar, Raipur.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

from the service of notice on the respective persons

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building is situated at Sunder Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

#### FORM ITNS-

(1) Shri Virm(chand Sio Chajjulalii 12.a., Sanawad, Presently 22/1, Berati Colony, Indors. (Iransietor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Surendrakumar Soo Nirmalkumarji Jain, 181, Bhavani Marg, Sanavad,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5734.--Whereas I, V. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. House at Bhayani Marg, Sanawad situated at Sanawad

No. House at Bhayani Marg, Sanawad situated at Sanawad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) to the office of the Registering Officer at Sanawad on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

This is the immovable property situated at Sanawad the description of which has been given in form No. 37-G duly veried by the transferee,

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby number proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Auqn|Bpl|5735.--Whereas I, V. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Plot at Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 2690 of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sumersingh S|o Thakur Jalamsinghji 15, Kshapnak Marg, Madhav Nagar, Ujjain, (Transferor)

(2) Shri Jawaharlal Slo Shankerlalji Jain, Madhav Nagar, Ujjain,

(Transferee)

Objections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

This is the immovable property located at Azad Nagar, Ujjain. the description of which has been given in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-4-1985

A COLD FOR THE PROPERTY CONTRACTOR OF THE PROPER (1) Shii Dattatieya So Diakar Rao Made, 55, Sebhach Marg, Dh.c.

/Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL IND!A FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5744. - Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A. :.. have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- 25% bearing

No. House bearing Municipal No. 55 situated at Subhash Marg Ward No. 15, Dhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhar on November 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitiants its surveyment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 M (957);

from therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intride naveadings for the acquisition of the aforesaid property by the saus of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-60-176GI 85

(2) Shri Vilas Slo Prabhakar Rao Mungze, Indore Now at Ratiam II. No. 55. Ward No. 15. Subhash Marg, Dhar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquicition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this perms in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55 is situated in Word No. 15, Subhash Marg, Dhar. This is the immo able property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floo: Mills, Bhoral.

Date: 29-4-1985

(1) M|s. Brindawan Apartments
Partner Shri Balkishna Agarwal S|o Daulatram
Agarwal 158, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Shila W|o Dr. Naronha, No. 10, Ranade compound, Old Palasia, Indore.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5737.—Whereas I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 3 on plot No. 77B situated Manshpuri colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November 1984

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on plot number 77-B is situated at Manishpuri colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl]5738.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rev. 100,000/2, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House on Plot No. 893 (Scheme No. 31)

situated at Jecvandeep colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manik Slo Bishan Smt, Shoba Wlo Bishan 893, Jeewan Deep colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dilipkumar Soo Gurumukhdas, 54, Berati colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 893 (Scheme No. 31) is situated at Jeevan Deep colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-4-1985

FORM ITNS ---

(1) Shri Culabrao Sho Keshavrao Gopale, 70, Kalani Nagar, Indore.

26|4, North Raj Mohalla, Indore.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC Acqn sol 5739.—Whereas 1 V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 | and bearing

No. Single storayed bailding bearing Mun. No. 70 on plot No. 99-A situated at Kalani Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been constant under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the college of the Registering Officer at Indore on Nevember 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of it is referred to now tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

tow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said and, I hereby infiste proceedings of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, parely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Smt. Manorama Devi Wo Vishnuprasad Khatri,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed building bearing Municipal No.70 on plot No. 99-A is situated at Kalan Nagar, Indore. This is the immovble property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhoval

Date: 29-4-1985

Seel:

COLUMN TO MANAGEMENT OF PARTIES PARTIES

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. iAC|Acqn|Bpl.|5740.—Whereas I, V. K. BARANWAL

Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000] and bearing No. Flat No. C on 1st floor of the building on plot No. 154-A situated at Scheme No. 44 of Indore Vikas Pradhikaran, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been truns'erred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indote on November 1984

for an appar at consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fisciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shrichand Son Tarachand Chug, Flat No. A&B, Ground floor, 154-M, Khatiwala Tank, Indore.

The second secon

(Transferor)

(2) Shri Gajanan Hudikur, Sio Shri Narain Hadikar, B-17, M.I.G. colony, Jain Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person.
  whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publiation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein aare defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. C a 1st floor of building on plot No. 154-M is situated in Scheme No. 44 of Indore Vikas Pradhikaran, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1985

I ORM ITNS

(1) Shri Rajendra Kudar Shah, 51, Vallabh Nagar Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

No. 1971 The Control of Control of the State of the Control of the

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) President Parshvanath Grin Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Indore S-313-14, Vikas Pradhikaran Bhavan Indore. (Shri Surendra Kumar Sanghi—President). (Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LIPOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC[A:qa[f:pl.]5741.—Whereas I, V, K. BARANWAL

being the Composent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Plot No. 7 situated at Ahilyamata colony, New Dewas

Road, Indore

tand more fully described in me Schedule annexed hereto), has been from forced under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any same, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

& Djections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sociee in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other parson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this name in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7, is situated at Ahilyamata colony, New Dewas Road, Indore. This is the inimovable property which has been described in form No. 37-G duty verified by the

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in restraince of Section 269C of the said Act, I, hereby initials proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following remons, namely:

Dato: 29-4-1935

#### FORM ITNS ----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|BpI|5742.--Whereas I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing

PART III-SEC 11

No. Garage & Structure on plot No. 58 situated at Vidya Nagar colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore

on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducteion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); H. No. 104, Berati colony No. 2, Indore. (Transferor)

(1) Shi Bhayandas So Gyanchradji

(2) Shri Ramnath. Shri Triloknath So Shri Deshraji Chopra, 45, Agarwal Nagar, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, chichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used begin as defined in Chapter XXA of the nass Act, shall have the same totaniers as error in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Garage & structure on plot No. 58 is situated at Vidva Nagar, colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly vertical by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority ispecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhogal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-4-1985

(Transferee)

FORM ITEM (1) Shri Vijay So Shri Laxmanrao Deshpande,

(1) Shri Vijay S|o Shri Laxmanrao Deshuande, R|o 35, Vyas Phala Juni, Indore, indore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5743.—Whereas I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.:1,00,000/-and hearing

No. House on plot No. 122 situated at Anand Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed for to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market. Value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) inciditating the concessment of any income or any moneys so other assets which have not open or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said of the aboundation of the acquisition of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Ramchandra Sharma Slo Shri Laxmanji Sharma, Rlo 44, Bahadurganj, Ujjain.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House on plot No. 122 is situated at Anand Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

B. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-4-1985

(1) Shri Sumersingh S|o Thakur Jalamsinghji 15 Kshapnak Marg, Madav Nagar, Ujjain. (Transforor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jawaharlal Soo Shri Shankerlalji Jain, Madaynagar, Ujjain.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.—5736.—Whereas I, BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot at Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or ε period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

This is the immovable property located at Ajadnagar Ujjaln, the description of which has been given in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-4-1985 Seal:

61-176GI|85

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Pravinchandra Slo Devji Katira 4, allabh Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendrakumar Soo Shri Chandmalji Bandi, 5|3 Malharganj, Indore. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5745.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 196!) (hereinafter referred to Income-tax Act, (43 of 196!) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Plot at Devi Ahilya Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-raid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The plot is situated in Devi Ahilya Colony, Goshala is immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-4-1985

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5746.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

House at Labore Patti situated at Manawar, Dist. Dhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Manawar on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mangilal So Sa darmalji, Manawar Tch. Dist. Dhar.

(Transferor)

(2) Shri Gopalkrishna Slo Bonderji, Manawar Tehsil Dist. Dhar.

(Transferec)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

This is an immovable property situated in Manawar Teh Dist. Dhar, the description of which has been given in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 29-4-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5747.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot at Neemuch situated at Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persents, namely:--

(1) Shri Raghunandanji S|o Nathmalji Verma Smt. Sow. Gulab Devi W|o Shri Raghunandanji Verma, Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Kudbuddin Soo Ishaqali Tayyabaliji Ravtiwala Bohra, Bohra Bakal, Manak Chowk, Ratlam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

This is the immovable property located in Neemuch Cantt, the description of which has been given in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Acquisition Rang Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 29-4-1985

(1) Shri Jawaharlal Slo Kushiramji Somani, 97, Jairampur, Indore.

Shri Chunnilal Slo Arjundasji, Khandwa. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING
> NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

> > Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5748.--Whereas, I, K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House on block No. 36, Plot No. 94 situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khandwa on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shri Beghamal Slo Sugnamalji Binwani, Opposite Sugan Soap Factory, Vittal Mandir Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House (on block No. 36, plot No. 94) is situated at Khandwa City, Khandwa.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal,

Date: 29-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5750.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Part of House No. 6 situated at Race Course Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- no) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferso for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Madanlal S|o Sundelal Garg, R|o 6, Race Course Road (Dr. Roshansingh Bhandari Marg) Indore.

(Transferor)

(2) Shri Narayan S|o Laxmanji Agarwal, R|o 78, Siyagarij, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Part of) House No. 6 is situated at Race Course Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1985

(1) Shri Madhav Prasad Slo Shri Nagjiramji, Rlo 191, Tilak Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5751.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 131 situated at Kailash Park colony (Manorama-

ganj), Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indoor in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of onsfer with the object of :-

\* racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any increme existing from the transfer; and/or

(b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Ratanlal So Ramnath Rathi. 2. Hemlata Wo Brijmohandas Rathi, 3. Anita Wo Satyanarain Rathi, R[o 7-C, Kailash Park, colony Indore, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 131 is situated at Kailash Park colony (Manoramaganj), Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 29-4-1985

Smt. Bhargavi Devi Satpai Wo Laxman Satpai.
 Ro Katora Talab, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Joevanlal Sindhsiya Slo Pirulal Rlo Raja Talab, Raipur

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bp||5752.—Whereas, I, SMT. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (pareinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land Kh. No. 23|113 situated at Shanker Nagar, Raipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 23|113 is situated at Shanker Nagar, Raipur. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-4-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC | Acqn | Bpl | 5753.—Whereas, I, V. K. BARANWAL., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 | and bearing House No. 306-D situated at Shailendra Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the iforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferance/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—176GI|85

 Shri Akshar Kumar Singh Minas, Slo Natha Singh Minas, Rlo Pandritarai, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Tikamdas Thorani S|o Shri Bharomal R|o 306-D, Shailendra Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 306-D is situated at Shailendra Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Dato: 29-4-19#

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE INCOME TAX BUILDING NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5754.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing House No. 15 569 (M. C. Road) situated at Jawahar Nagar

Ward, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-law Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- M|s. Sharda Talkies—firm Partners :—
   Lalitkumar
   Shyamcharan Tiwari

  - 3. Ushadovi

Wo Lalit Kumar. Lavkeshkumar, So Lalitkumar Tiwari, Ro Raja Talab, Raipur.

(Transferor)

- (2) M/s Iristo Electricals—firm Partners:
  - 1. Motilal, & Mojamal, R|o Jawahar Nagar Ward, Raipur.

(Transferee)

(3) Shri Khubchand Uttamchand, H. No. 15|568
Jawahar Nagar, Ward, Ralpur.
2. Smt. Champadovi Wlo late Balkishanlal Dare H. No. 15|569, Jawahar Nagar Ward, Raipur.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: :-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sais Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 15|569 is sittated at Jawahar Nagar Ward, Raipur. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
-INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bp|5756.—Whereas, I.

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 283 situated at Saket agar, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi rad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Pratapsingh Rao S|o Shripatrao Sable R|o 44-B, Rajendra Nagar, Indore Thro' Genl. power of attorney Shri Shantaram S|o Shripatrao Sable, R|o D-2|1, M.O.C. Lines Indore. (Transferor)
- (2) Shri Shantilal S|o Sewaramji Jain, R|o 129, Shastri Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 283 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 29-4-1985

(1) Smt. Shyamarani W|o Arjudev Chopra, R|o 19|2, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Laxmandas Sjo Richumalji Binyani.

- 2. Mukhchand Slo Laxmandas
- 3. Mohanlal So Laxmandas
- 4. Vinodkumar S|o Laxmandas R|o 14, MIG colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
INCOME TAX BUILDING
NEAR CENTRAL INDIA FIOOR MILLS
BHOPAL

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqa|Bpl|5757.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. 240 situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 24 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the tarnsferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5758.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion, of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hiralal S|o Shri Pandurang, R|o 545|7, Nchru Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramji So Shri Jagannath Shanker Kumar Ka Bagicha, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House is situated at Indore. This is the immovable proerty which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th April 1985

Ref. No IAC|Acqn|Bpl|5759.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. N-32 situated at Saket Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Raj Baijamin Wo Shri Baijamin Khan Ro Indore Christian College, Indore.

(Transferor)

(2) S|Shri 1. Jagdish, 2. Bhagwandas Se|o Shri Jhammaklalji Mansukhani, 34, Mangalam, Old Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. N-32 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immoavable property which has been described in form No. 27-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Rango
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 29-4-1985

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5769.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Plot No. 715 tht house thereon (3rd floor, Flat No. 9) situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44 Indore

Plot No. 715 tht house thereon (3rd floor, Flat No. 9) situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Rani Construction Co., Indore Thro' Partner Gopal S|o Ram Sharan Bansal, R|o 9-B, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Upendra Kumar Shah So Shri Natwarlal Shah, Ro 16, Nagar Nigam Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 715 & the house thereon (3rd floor, Flat No. 9) is situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date: 7-5-1985

(1) Shri Mahendra Singh S|o Shri Bhanwarpal Singhji Bhati R|o 149, Katju Nagar, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Samirmal Slo Mangilal Aura, Mahajan, Rlo Mohalla 3, Ramgarh, Rutlam.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Chopal, the 29th April 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5774.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 149 (Part thereof) on plot No. 309 situated at Katju Nagar, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing tot the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticec in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: -
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3 (Part thereof) and house bearing No. 149 is situated at Katju Nagar, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills
> BHOPAL

Date: 29-4-1985 Seal:

#### FORM I'INS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

SOVERNMENT OF IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 18th June 1985

C.R. No. 62|R-1503|37-EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable respective housing a factorial reason to believe that the income tax housing a factorial reason to be a second to b property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing

Apartment No. A-1 situated at Corporation Division No. 53 Oshorne Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1324 84-85 dt. 6-11-1984 to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) modificating the reduction or evacion of the lightlifty of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-63--176GI|85

(1) The Grasmere Housing Co-op. Society Ltd. 57|58 Osborne Road, Bangalore-560042.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashikala N. Ramnath 57|58 Osborne Road, Bangalore-560042.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property cany be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1324]84-85 dated 6-11-1984].

Apartment No. A-1 in the Ground floor in the property bearing Municipal No. 57-57|1-58 (Earlier bearing Municipal No. 57-58 and still earlier bearing No. 5-5|7), Osborne Rd., Corporation Division No. 53, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 18-6-1985

#### FORM 1.T.N.S.——

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th June 1985

C.R. No. 62[45360]84-85]ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of '961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing
No. 233/A/19, situated at 39th Cross Road,
II Block, Rajajinagar. Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Rajajinagar on 21-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be recioned by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri C. Krishnappa, No. 233 A, 30th Cross Road, II Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Smt. B. J. Padma, No. 584, III Elock, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3515|84-85 dated 21-11-84)
Property bearing No. 233|A|19 39th, Cross Road, II Block, Rajajinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th June 1985

C.R. No. 62]45158|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWÁJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 6 A+7, situated at VII Cross, Saraswathipuram,

Chamaraja Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sanster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 I. Shri R. L. Sri Shula,
 R. V. Pramila & 3. Pramoda,
 No. 6|A&7. Saraswathipuram, K.T.G. Mutt Road, C.H. Mohalla, Mysore, (Transferor)

(2) Shri R. S. Kumar & R. S. Shiva Shankar 4, K. Lingaiah Colony, Namarbad Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4104|84-85 dt. 2-11-84)

Property bearing No. 6|A & 7, Saraswathipuram, 7th Cross, Chamaraja Mohalla, Mysore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-6-1985

Settl:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Rakesh Bajpai, No. 651, Koramangala, Block-III, Bangalore.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

1. Shri Vincent James D'Souza
 2. Mrs. Blessom Flavy D'Souza,
 No. 13, Lewis Road,
 Cooke Town, Bangalore-84.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th June 1985

C.R. No. 62|45078|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing
No. 214, situated at Block-I, Koramangala Extn., Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore South Tq. on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 631 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5427|84-85 dt. 30-11-84) Vacant site No. 214, Block I, Koramangala Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1985

### FORM ITNS (1) Shri M, G. Siddiah,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th June 1985

C.R. No. 62|45645|84 85|ACQ|B.—Whereas, I, R. EHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. I, situated at Adupodi Bangalore (and more 1949 described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the efficient the Registering Official at Jayanagar on 8-11 1984

for an apparent consideration which is less than the fall marker value on the adortsaid property and I have reason to reflece the transfer value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for spon markers as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. G. Siddiah, No. 70, Kumaraswamy layout, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. B. A. Padma, No. 6, II floor, II Cross, Lalbagh Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3174|84-85 dt. 8-11-84) Property bearing No. 1, Adugodi, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 14-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th June 1985

C.R. No. 62|44762|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 112, situated at Binnannangala layout, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the recuestion or overloss of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Menezes Cecelia, Who late L. A. Menezes, No. 145, V. Cross, Cambridgelayout, Dulscor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Victor Menezes, No. 145, V Cross, Cambridge layout, Ulsoor, Bangalore.

ngapeneta construenda interpenda interpenda in territoria de la constanta en en alconorma de la companya de la

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
  • tackerer period expires later;
- (b) by any offer person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— the forms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Occument No. 2234/84-85 dt. Nov. 1984) Site bearing No. 112, at Binnamangala layout, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date: 17-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE RECOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

**O**FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th May 1985

C.R. No. 62[45925]84-85]ACQ[B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Corrector Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 1799 situated at ESK II Stage, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Degistration act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration of 17-1-1985

for an appea of confinentian which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such in where is partial to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri T. Krishnappa, No. 28-B, XIV Main XII Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-50.

(Transferor)

(2) Smt. Syeda Hatimunnisa, No. 23, Kanzi Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4101|84-85 dt. 17-1-85) Property No. 1799, BSK II Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income fav
Acquisition Range
Bangalore

Date: 20-5-1985

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd May 1985

C.R. No. 62|46108|84-85|ACO|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 448 situated at HAL III Stage, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Lalitha, No. 421/3, Indiranagar, I Stage, Bangalore.

(Tranderor)

(2) Snit. G. Ventayama & Sri S. N. G. Krishna Rao, No. 101, Asha Kitan, No. 39, K.R. Road, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, \*hichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3283]84-85 dt. 30-1-1985) Property bearing No. 448. HAL III Stage, Bangalore.

R BHARDWAI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 22-5-1985

# FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore, the 13th May 1985

C. R. No. 62|46077|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 11, situated at Kampapura Agrahara, Hosahaly, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(w) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lalithama, No. 343, V Block, Jayanagar South, Blore.

(Transferor)

(2) Shrimati C. P. Suhara, No. 329|9, 17th Main Road, Vijayanagar West, Blore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3514|84-85 dated 18-1-85) Property bearing No. 11, Kempapura Agrahara, Hosahally, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name 64—176G1|85

Date: 13-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th May 1985

C. R. No. 62|4607|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. 9 & 10. situated at II Main Road, Thimanahalli, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the ofor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati N. Kamakanna, No. 19, Pettygrove Street, Seppings Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimathi K. Vijayalakshmi, No. 58 "Health Centre", Agrahara, Dasarihally, Magadi Road, B'lore-22.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as ere defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3312|84-85 Dated 16-1-85) Property No. 9 & 10, II Main Road, Thimanahally, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-5-85

Seal

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Shri Garla Viswanatha Gupta, G. Sadananda Gupta, No. 16, West Circle Road, V. V. Puram, B'lore-4.

(Transferor)

(2) Shri K. Nagaraja, No. 18, West Circle Road, V. V. Puram, Blore-4.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th May 1985

C. R. No. 62|46151|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 18 & 19, situated at V. V. Puram, West Circle Road,

B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Blavanagudi on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes α<sub>λ</sub> 1'> India<sub>λ</sub>. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ω/ 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) hy any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4421|84-85 Dated 31-1-85)
Premises No. 18 & 19, V. V. Puram, West Circle Road,
B'lore-4.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby is diate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-5-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th May 1985

C. R. 62|45930|84-85|ACQ|B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income tax a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 298, situated at Mico layout B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian In come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harichand, slo Lt. Col. Sansar Chand, Village & P.O. Kakou, Dist. Hoshiarpur, Punjab.

(Transferor)

 Shri K. V. Ramanath, No. 896, X Cross, J. P. Nagar II Phase, B'lore-78.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4226|84-85 Dated 24-1-85) Property bearing No. 298, in MICO layout, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-5-85

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th June 1985

C. R. No. 62[46011]84-85]ACQ]B.—Whreas, I R. EHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 302, situated at II floor, Deep Mahal Building, Bopoor village, M'lore City

(and more fully described in the Schedule annexed heretdo), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the Registration Act, 1908, (16 of 1908) M love in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to perween the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Fredrick Pinto, Salvadore Villa Chilimbi, Urva, M'lore.

(Transferor)

Shri Blarve Linnal Pinto,
 Mrs. E. G. Pinto, "Grace Maria",
 Kinnigoly, M'lore Tq., D.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1572|84-85 Dated January, 85) Apartment No. 302, II floor, Deep Mahal building in Boloor village, Derebail Ward, M'lore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-6-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D[1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd May 1985

C. R. No. 62|45960|84-85|ACQ|B.-Whereas, I R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Block--A, Domlur II Stage Extn., B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1967)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shrimati Susheelaban,
  - S. Jayaram,
     S. Kriishna
  - S. Muniraj
    - All are residing at No. 2, Abbaiah Gaden, Doopanahalli, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Terence Alva, Gpa holder: Mrs. Down D'Souza, No. 73, St. Mark's Road, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3098|84-85 Dated 17-1-85) Property bearing No. 2, in Bock-A, Domlur II Stage Extn., Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalora

Date: 3-5-1985 Scal:

#### FORM ITNE-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 13th May 1985

C. R. No. 62|46143|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

No. 1611, situated at BSK II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at the Competent Authority Jayanagar on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any inseems or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. R. Vasudeva Rao, No. 66, III Across Viveknagar, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Satyanarayana, No. 85, XI Cross, Gayuthrinagar, B'lore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3998/84-85 Dated 8-1-85) Property No. 1611, in PSK II Stage, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th May 1985

C.R. No. 62|45923|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 11|01 situated at 40th Cross, VIII Block, Jayanagar, exceeding

B'lore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 17-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) K. Sridhar, A1-4, Central Avenue Continuation, ITI Colony, B'lore-16.

(Transferor)

(2) K. Vijaya Raghavan & Smt, V. Shantha, 3/2, Dewan Madhava Rao Road, Basavanagudi, B'lore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4081)84-85 dated 17-1-1985), Property No. 11|01, 40th Cross, VIII Block, Jayanagar, B'lorc-11.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 16-5-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th May 1985

C.R. No. 62[R-1529[84-85[ACQ]B,---Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. J.00 000]- and bearing No. 1070, situated at 35 'D' Cross, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-41

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore on 6-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—176Cf 85

Shri R. Satyanarayana,
 So. M. Ramaswamappa,
 No. 7, 36th Cross, 9th Block, Jayanagar,
 Bangalore-41.

(Transferor)

(2) Smt. Nagarathramma Wo T. V. Srinivasaiah, Smt. Uma Nagaraj wo S. Nagaraj, 1070, 35D Cross, IV, T Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1326A|84-85 dated 6-11-1984), All that property bearing No. 1076 situated at 35°D' Cross, IV, T Block, Jayanagar, Bangalore-41.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 18-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th June 1985

C.R. No. 62|45790|84-85|ACO|B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

No. 986, situated at "Shadi Mahal" in Madras, Bangalore Road, Kolar

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kolor in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property 25 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Abdul Gaffar,

Mohd. Ibrahim,

Mohd. Sadiq.

Manjoor Ahmed as minor guardian mother Fazalunnisa, Chikkaballapur Chamarajpet Town, Kolar Distt.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Sakina Begum,

2. Mubecda Khan,

3. Liyakat Ali Khan,

G. Rahamathulla a guardian father S. R. Gaffar, S. A. Abdul Saffoor S. Naib Clo. Moosa Khan, Bismilla Silk Grainage,

 $\Lambda$ mmavarapet, Kolar.

(Transferec)

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3013|84-85 dated Nov. 1984). Property bearing No. 986, called "Shadi Mahal", in Madras, Bangalore Road, Kolar.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 24-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th June 1985

C.R. No. 62|45157|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB(i)(b) Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3, situated at Gokulam III Stage, V. V. Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tanker as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or a bach ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. M. Prabhu Swamy, No. 3, Model House, Gokulam III Stage, V. V. Mohalla, Mysore.

(2) Shri K. Prabhakara Shenoy, Manjushree Compound, Milore-1.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4099|84-85 dated 21-11-1984), Property bearing No. 3, Gokulam III Stage, V. V. Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 19-6-1985

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Shri S. C. Kotappa, No. 6, III Cross, Swasthi Main Road, Shanthinagar, B'lore-27.

(Transferor)

(2) Shri S. Bheemanna, No. 6|1. Lakshmi Road, III Cross, Shanthinagar, B'lore-27.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st June 1985

C.R. No. 62|45896|84-85|ACQ|B.-Whereas, I,

R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 2698 of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 6, situated at III Cross, Swasthi Main Road, Shanti-Nagar, B'lore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4323|84-85 dated 12-11-1984). Property bearing No. 6, III Cross, Swasthi Main Road, Shauthinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursulance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely,:--

Data: 21-6-1985

Scal:

(1) Shri G. Krishna Kumar, No. 22, I Main Road, Nanjamba Agrahara, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. S. Sanjeevamurthy, Mls. Murthy Medicals, No. 1008, 26th Main, IV T Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001 the 18th June 1985

C.R. No. 62|45734|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 327 (327|39),

situated at JXth Block, Jayanagar Fxtn. 37th 'B' Cross, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 19-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3325|84-85 Dated 19-11-841 Property Bearing No. 327[39, (327), 37th 'B' Cross, JX Block, Jayanagar, Bangolore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore

Date:: 18-6-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th June 1985

C.R. No. 62/45449/84-85/ACQ/B.--Whereas, I. R. BHAKDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. 90 (147).

situated at 18th Dn., Papanna Lane, Akkipet Cross,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 5-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) 1. Eetappa,

- 2. E. Rajasckhar, 3. E. Vishwanath,

- E. Vishinana,
   E. Kumar,
   E. Guruprasad,
   E. Vijayakumar,
   No. 24, 51st Cross, Siddaramanna Dinne, Rajajinagar, B'lore.
  7. Smt. Jyothumma,

Kum. Malini
 Clo D. B. Srikar, Nagaraja Chemicals, SBW Road, Tinkar.

Cross, Bangalore, Tumkar.

(Transferor)

(2) Sh. S. Sampath, No. 90, Papanna Lane Akkipet, Cross B'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2400[84-85 Dated 5-11-84). Property No. 90 (147), 18th Dn., Papanna Lane, Akkipet Cross, Bangalore.

> R. BHAPDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-6-1985

Seol :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th June 1985

C. R. No. 62|45468|84-85|ACQ|B.—Whereas, I,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. R. S. 115, 114 & TS. Nos. 57 & 58, situated at Attavar
Village, M'lore Tq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sub-Registrar at

M'lore on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Kability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; en4/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Adarsh Enterprises, Canesha Kripa, Opposite Jyothi Talkies, Balmatta, M'lore. repd. by partners:
(1) Mr. H. Jayapitikash, (2) Mrs. Padmavathi -Both residing at Kadri Temple Road, M'lore,

(Transferor)

- (2) Danial Menenzes, Residing Care of Mr. A. D'Souza, May Queen, Bejai New Road, M'lore,
- (3) Purchaser.

(Transferee) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1275 84 85 Dated 17-11 84] Property bearing No. RS. 115, 114 & TS. No. 57, 58, in Attavar Village, M'lore Tq.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-6-1985

Sen1:

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

a medical established and property of the control of the second of the s

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th June 1985

C. R. No. 62|45763|84-85|ACQ|B.-Whereas, L R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000]- and bearing

Khata No. 728, situated at Kadirenahalli Village, B'lore South

Taink (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Tq. 9-11-1984 at B'lore South Tq. on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. Ashtat Ali Khan, No. 39, Upstairs, Tannery Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Noorjan, No. 5]1, II Main Road, Lakkasandra, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6233 84-85 Ented 9-11-84] Property bearing Khata No. 728, Kadirenahalli Village, Bangalore South Taluk,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bangalore

Date: 27-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri G. Satyanarayana, No. 11, VII Cross, Swimming Pool Extn., B'lore.

(2) Shrimati L. Vijayalakshmi, No. 29/8, 38th Cross, VIII block, Jayanagar, B'lore,

(Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th June 1985

R. No. 62|45070|84-85|ACQ|B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 951, situated at Sarakki II Phase, Jayaprakosh Nagar, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

[Registering Document No. 5122|84-85 Dated 24-11-84]

Property bearing No. 951, Sarakki II Phase, Jayaprakashnagar, B'lore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-66-176GI|85

Date : 27-6-1985

# FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|45039|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

No. 1, 2, 3, 4, 5 & 6, at III Main & 4, 5, 7, 8, 9 & 10 at 1

No. 1, 2, 3, 4, 5 & 6, at III Main & 4, 5, 7, 8, 9 & 10 at 1 Cross situated at Gandhinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar with the competent authority under section 269AB, in his office at under Doccment No. 2532|84-85 Dated on 21-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rouses with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Dr. H. G. Sundararama Reddy Dr. Vijayachandru Kum. Vijayalatha Reddy Dr. H. G. Remakrishna Reddy., Mr. H. R. Venkatesh Reddy -Reptd by Power of Attorney Holder Mr. K. C. Sudarshan Reddy., Mrs. Vijayavani Reddy No. 17 1 Ballary Road, Sudashiva Nagar, Bangalore-560080.

(Transferor)

(2) Mr. G. T. Mariswamy Reddy Mr. G. T. Venkataswamy Reddy Mr. G. T. Krishnappa Reddy Mrs. Venkatamma., Mrs. Chennamma Mrs. Leclavathamma

.... .... .... .... .... Bangalore South Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 2532|84-85 Dated 21-11-1984|
Property bearing Old Nos. 41 and 42 and later on assigned as Nos. 41, 45, 45|2, 45|3, 45|4 situated in JII Main Road, Gandhinagar Division No. 22. Bangalore City AND Nos. 40, 40|1, 41|1, 42, 43 and 44 situated in Ist Cross, Gandhinagar, Bangalore and the Other properties are now bearing Municipal Nos. 1, 2, 3, 4, 5 and 6 at JII Main Road Gandhinagar, Bangalore and the Other properties are now bearing Nos. 4, 5, 8, 9 and 10 situated at 1st Cross, Gandhinagar, Bangalore. [Registered Document No. 2532|84-85 Dated 21-11-1984]

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-7-1985

- 1. Dr. Francisco Leao Pinto,
   2. Mr. Thome Jose M. J. Pinto,
   3. Mrs. Edna De Maria J.S.M. Pinto
  - 3. Mrs. Edna De Maria J.S.M. Pinto, Calangute-Goa.

(Transferor)

 M|s Ramesh Kamath & Associates, Panaji-Goa,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore the 10th June 1985

D|R -95|84-85|37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4 situated at "JOSEDNA APARTMENTS", Panaji-Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. D[25 Dated 14-11-1984] Proposed Flat No. F-4 in "Josedna Apartments", Panaji-Got.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62[DR-98]84-85|37EE.-Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovmarket value exceeding able property, having a fair Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. S-3 situated at "JOSENDA APARTMENTS" Panaji-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) 1. Dr. Francisco Leao Pinto,

2, Mr. Thome Jose M.J.M. Pinto, 3. Mrs. Edna De Maria J.S.M. Pinto, Calangute, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Agostinho Domingons Vaz, Slo. Pedro V. Vaz., Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registering Document No. D|27|Nov., 84 Dated 14-11-84] Proposed Flat No. S-3 in "Josedna Apartments" Panaji-Goa., measuring 74.10 M2.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bangalore

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN ANDHI NAGAR OPP. LANIN P**ARK,** KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-16291|84-85.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000|- and bearing
No. 8|25 situated at Raj Nagar Ghaziabad
(and mor fully described in the schedule below)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ghaziabad under registration No. 36905 date 19-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforethen fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfest and/or

(t) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vimal Sapra Woo Sri K. G. Sapra A-15, New Rajendra Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sikhar Chand Jain so Late Sri Gooran Lal Jain & Smt, Veena Jain Wo Sri Sikhar Chand Jain II-B|R-5, Nehru Nagar, Sector-2, Ghazlabad.

(Transferce)

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property).
(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. R-8|25 at Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-6|85-86,—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 5|6 situated at Vill. Tilayti Kanrawas
(and mor fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 6856 date 29-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Shri Daya Ram & Fireram So Hayub Singh Vill. Tilyta Karanwas, Teh. Dadri Distt Ghaziabad.

(Fransferor)

(2) Shree Ram Faibers Ltd. Co., Regd. Office Express Building 9 10, Bahadur Sah Jafar Marg, New Delhi.

(3)

(4)

(Transferee) ---do---

(Person(s) in occupation of the property). ---do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture Land at VIII Tilayti Karanwas Teh. Dadri, Diett. Ghaziahad

> H. R. DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, thereties, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-7-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-9|85-86.--Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

SC-8 situated at Shastri Nagar Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 37489 date 27-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Usha
 W|o Sri Dinesh Mohan
 Avas Vikas, Civil Lines,
 Moradabad.

(Transferor)

(2) Smt, Chandrakala D|o Sri Ahand Kishore W|o Sri Gopi Chand R|o Ram Kumar Bhawan, Sarai Kaji Moradabad.

(3) ---do-

(Person(s) in occupation of the property).

interested in the property)

(4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

House No. SC-8 at Shastri Nagar, Ghaziabad.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

# FORM ITNS (

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 1st July 1985

Ref. No. M-14|85-85.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have property and bearing Rs. 1,00,0001- and bearing

No. situated Vill. Pathaupura
(and more fully described in the schedule below)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 10479 date 11-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evamon of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Dr. Nalinesh Kumar Slo Late Dr. Budha Prakash Moti Bhawan, Ravi Bazar, Seharanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Man Kauri
Wo Sri Ramji Lal Verma
Ram Nagar,
Court Road,
Saharanpur.

(3) —do—

(4) (Person(s) in occupation of the property).

—do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot at Vill. Pathaupura, Ahmad Bagh Dist Saharanpur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

Scal

# 

Shri Samer Chand
 So Sri Har Saran Das Jain,
 Ro Chipi Bada,
 Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISETION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-40|85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. situated at Murari Puran, Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Meerut under registration No. 16474 date 12-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideation
and that the consideration for such transfer as agreed to between the ransferor(s) and transfere(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nerver namely:—67—176 GI85

(2) Shri Om Prakash Batra Slo Shri Amir Chand Batra, Rlo Tahir Hussain Kele Waligali, Mecrut City.

(Transferect

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House at Murari Puran Behind Amrapali Talkies, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Sesistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanour

Date : 1-7-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK. KANPUR-208 012

> > Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-42/84-85.--Whereas, I,

Ref. No. M-42/84-85,—whereas, 1,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000[- an bearing
No. 2 situated at Civil Lines, Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Meerut under registration No. 16393 date 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Shri Sudhir Kumar Slo Shri Vishnu Saran Gupta, 345, Western Kachehri, Meerut City.

(Transferer)

(2) 1. Madhu Gupta
W o Sri Ram Kisan Gupta,
2. Sri Sanjay Gupta
slo Shri Ram Kisan Gupta, 70-A, Alampura, Moerut Cantt.

(Transferee)

(3) ---Do--(Person(s) in occupation of the property)

(4)-Do-(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 2 at Civil Lines, Meerut City,

Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-43|85-86.--Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- an bearing

No. 165 situated at at Patel Nagar, Meerut

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mecrut under registration No. 16722 date 15-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limblity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traumfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Umesh Chand Agrawal, Se Shri S. S. Agrawal, 88, Pt. Sharma Road, Meerut.

(Transferor)

(2) 1. Kisan Lal, Slo Gokal Chand, 2. Smt. Sarika Pal Dlo Sri Kishan Lal, 842, Bagpat Gate, Meerut.

(Transferee )

(3) 1. Kisan Lal So Gokal Chand, 2. Smt. Sanka Pal

Do Sri Kishan Lal, 842, Bagpat Gate, Mecrut.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) 1. Kisan Lal Slo Gokal Chand,

2. Smt. Sarika Pal Dlo Sri Kishan Lal, 842, Bagpat Gate, Mecrut.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 165 at North Patel Nagar, Meerut City.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

Scal:

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106|282, KANCHAN BHAWAN. GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-48|85-86.-Whereas, I,

Ref. No. M-48/85-80.—whereas, 1.

H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- an bearing
Rs. 3.7 situated at Deo Nagar, Meerut
Rorivli (West), Bombay-92,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Meernt under registration No. 16925 date 19-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Smt. Atar Kali Wo Sri Asharfi Lal, 37, Deo Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Devi Dlo Sri Godhan Das. 37, Deo Nagar, Meerut.

(Transferce)

(3) Smt. Basanti Devi Dio Sri Godhan Das. 37. Deo Nagar, Meerut.

(Person(s) in occupation of the property) (4) Smt. Sasanti Devi

Dio Sri Godhan Das, 37, Deo Nagar, Meerut.

(Persons whome the undersigned knows to be Interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 37 at Deo Nagar, Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 1-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-49 85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,010]- and bearing No. 37 situated at Deo Nagar, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Mercut under registration No. 16924 date 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Atar Kali Wlo Late Sri Asharfi Lal Verma, 37, Deo Nagar, Meerut.

(2) Shri Gordhan Das Slo Shri Ferumal, 10, Bagpat Gate, Meerut.

(Transferce)

(Transferor)

(3) Shri Gordhan Das Slo Shri Ferumal, 10, Bagpat Gate, Meerut.

(Person(s) in occupation of the property)
(4) Shil Gordhan Das

Slo Shri Ferumal, 10, Bagpat Gate, Meerut.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House at 37, Deo Nagar, Meerut,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Kanpur

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-56|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'spid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000%and bearing No.

situated at Khadı (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office in the Registering

Kaitana under registration No. 6049 date 14-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property sa aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteens per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

to the same of the (1) Smt. Saroj Bala Wlo Sri Harpal Singh, Vill, Khadi Karam, P.O. Shamli, Distt, Muzaffar Nagar.

(Transferor)

(2) Mls. Gokhla Franciscan Society, H.O. 13, Mahatma Gandhi Path, Bhagalpur (Bihar).

(Transferee)

(3) Mls. Gokhla Franciscan Society. H.O. 13, Mahatma Gandhi Path, Bhagalpur (Bihar).

(Person(s) in occupation of the property) (4) M/s. Gokhla Franciscan Society, H.O. 13, Mahatma Gandhi Path, Bhagalpur (Bihar).

> (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agriculture Land at Vill, Khadi, P.O. Shamli, Distf. Muzaffer Nagar.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanpur

Date: 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-58|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, how in a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- an bearing

situated at Sarwan Nath Nagar, Haridwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Unicer at Hardwar under registration No. 2399 date 6-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

(1) Shri Manohar Lal Khanna & others, Slo Sri Godha Ram Khanna, Rlo Sarwan Nath Nagar, Haridwar, Distt, Saharanpur.

(Transferor) (2) Akhil Bhartiya ji Nagar Samaj Dharamsala, Haridwar, Distt. Saharanpur.

through Sci Kanahiya Lal, Gai. Sec.

(Transferce) (3) Akhil Bhariiya ji Nagar Samai Dharamsala, Haridwar.

Distt. Saharanpur, through Sri Kanahiya Lal, Gai. Sec.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Akhil Bhartiya ji Nagar Samaj Dharamsala. Haridwar,

Distt. Saharanpur, through Sri Kanahiya Lal,

Gai. Sec.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of a discrete in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of going on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazefte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

House at Sarwan Nath Nagar, Mayapur, Haridwar, Distt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 1-7-1985

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 Q12, the 1st July 1985

Ref. No. M-61|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 193 situated at Begum Bagh, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meerut under registration No. 16392 date 12-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tota Ram Slo Sardar Nirmal Singh, Rlo Begum Bagh, Meerut.

(Transferer)

(2) Shri Uttam Singh Sio Sardar Nirmal Singh, Rio Begum Bagh, Meerut.

(Transferec)

(3) Shri Uttam Singh S|o Sardar Nirmal Singh, R|o Begum Bagh, Meerut.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Uttam Singh Slo Sardar Nirmal Singh, Rlo Begum Bagh, Mecrut.

> (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

House No. 193 at Chota Begum Bagh, Mcerut.

Competent Authority
temperating Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. 73|-85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

No. 825|1 situated at Mohd, Ismail Khan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 337 date 23-11-1984

for apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—68—176GI|85

Smt. Jai Prakash
 Slo Shri Suraj Bhan,
 369, Ram Nagar,
 Ghaziabad.

(Transferor)

 Narendra Swarup Slo Shri Cheda Lal,
 Gopal Krishan Slo Shri Cheda Lal, Rlo Patpara Danker, Distt, Bulandsahar.

(Transferce)

 Narendra Swarup Slo Shri Cheda Lal,
 Gopal Krishan Slo Shri Cheda Lal, Rlo Patpara Dankor, Distt. Bulandsahar.

Distt. Bulandsahar.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) 1. Narendra Swarup S|o Shri Cheda Lal,
2. Gopal Krishan S|o Shri Cheda Lal, R|o Patpara Dankor, Distt. Bulandsahar.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 825|1 at Mohd. Ismail Khan, Ram Nagar, Ghaziabad.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Kanpur

Dalo : 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. J.ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-74 85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000 and bearing No. 94 situated at Hardev Sahai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the resustration

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under regiestration No. 36751 date 17-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Shri Ratan Lal
 Sho Shri Vidhawamal,
 Hardev Sahai,
 Ghaziabad.

(Transferer)

(2) Smt. Sarita Devi Agrawal Wo Shri Gulab Chand, 329, Gopuri, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Smt. Sarita Devi Agrawal Wo Shri Gulab Chand, 329, Gopuri, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Sarita Devi Agrawal Wio Shri Gulab Chand, 329, Gopuri, Ghaziabad.

(Persons whome the undersigned knews to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective namons, whichever period expires later;
- (b) by any other pt alted in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 94 at Hardev Sahai, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-79|85-86.--Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable immovable in the income of property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. situated at Vill, Pasouda Distt. Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Ghaziabad under registration No. 304 date 11-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Jai Prakash & Co. R-6, Nehru Enclave, Kalkaji, New Delhi, through Sri Jai Prakash Goel.

(Transferer)

(2) M|s. Amrit Schkari Avas Samiti Ltd., having its office at Punjab & Sind Bank Building, G. T. Road, Pasouda, Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

- (3) M|s. Amrit Sehkari Avas Samiti Ltd., having its office at Punjab & Sind Bank Building, G. T. Road, Pasouda, Distt. Ghaziabad. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Ms. Amrit Sehkari Avas Samiti Ltd., having its office at Punjab & Sind Bank Building, G. T. Road, Pasouda, Distt. Ghaziabad. (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Vill. Pasouda, Pargana-Loni Tehsil & Distt. Ghaziabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Каприг

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1985

Scal :

interested in the property)

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

Ref. No. M-82|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable of the said Act'. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. 1389 situated at Vill. Kanwali

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Dehradun under registration No. 8630 date 9-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Banwari Lal & Mukund Lai Slo Snri Lal Singh, Vill. Kanwali, Central Doon, Debradun.

(Transferer)

(2) Doon Engineers Co-operative Housing Society Ltd. T-15, Yamuna Colony, Dehradun. through its Secretary Sri R. S. Gunsola,

(Transferee)

(3) Doon Engineers Co-operative Housing Society Ltd. T-15, Yamuna Colony, Dehradun, through its Secretary Sri R. S. Gunsola. (Person(s) in occupation of the property)

(4) Doon Engineers Co-operative Housing Society Ltd. T-15, Yamuna Colony, Dehradun, through its Secretary
Sri R. S. Gunsola.

(Persons whome the undersigned knows to be

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 1389 at Vill. Kanwali Central Doon. Dist. Debradua.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanour

Date: 1-7-1985

Scal :

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-83|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating

No. 1173 situated at Vill. Kanwali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Dehradum under registration No. 8976 on 20-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granster with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby innuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ganesh Singh alias Gunesh Singh Gahlot & others Slo Rajpal S.ngh 339, Chukuwala, Dehradun.

(Transferor)

(2) Doon Engg. Cooperative Housing Society Ltd. T-15, Yamuna Colony, Dehradun.

(Transferee)

(3) Doon Engg. Cooperative Housing Society Ltd. T-15, Yamuna Colony, Dehradun. (Person in occupation of the property)

(4) Doon Engg. Cooperative Housing Society Ltd. T-15, Yamuna Colony, Dehradun. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agriculture land No. 1173 at Vill. Kanwali Central Doon Distt. Dehradun.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

(Transferec)

### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-122|85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. KH-34 situated at Kavi Nagar Ghaziabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ghaziabad under registration No. 37427 on 26-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranjit Kishore Rana S|o Shri J. B. Rana, 2339|15, Bidanpuru, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- 1. Smt. Shanti Devi Wo Shri Salig Ram Ro Rajdwar, Rampur,
   2. Smt. Urmila Saxena Wo Harish Chandra Bihari Para, Civil Lines, Barrielly.

(3) Smt. Shanti Devi Wo Shri Salig Ram Ro Rajdwar, Rampur.

- Smt. Urmila Saxena Wo Harish Chandra Bihari Para, Civil Lines, Barrielly. (Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Shanti Devi W|o Shri Salig Ram R|o Rejdwar, Rampur.
  - Smt. Urmila Saxena W|o Harish Chandra Bihari Para, Civil Lines, Barrielly. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same messing as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

House No. KH-34 at Kavi Nagar Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-121|85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. KK-62 situated at Kavi Nagar, Ghazubad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 37474 on 26-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Sadhu Ram Agrawal Slo Shri Durga Prasad Agrawal & others. N-196, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mradula Tayal Wo Shri Prem Narain Tayal Nav Niketan, Mohalla-Mahadipur, Distt. Gorakhpur.

(Transferce)

(3) Smt. Mradula Tayal Wo Shri Prem Narain Tayal Nav Niketan, Mohalla-Mahadiour, Distt, Gorakhpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Mradula Tayal Wo Shri Prem Narain Tayal Nav Niketan, Mohalla-Mahadipur, Distt. Gorakhpur.

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. KK-62 at Kavi Nagar, Gahizadba.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-149|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. KE-92 situated at Kavi Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Ghaz'abad under registration No. 35934 on 30-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Sarla Mehter Wo Major Gen. B.K. Mehta. (Retd.) Ro D-136, Defence Colony, New Delhi-(Transferor)
- (1) 1. Smt. Sharda Devi Jain Wo Lala Shree Chand Jain 2. Shree Chand Jain So Shri Jai Prakash Jain, Ro Kothi Abhiyadan Lalda Colony, Nishat Ganj, Lucknow.

(Transferee)

(3) 1. Smt. Sharda Devi Jain Wo Lata Shree Chand Jair 2. Shree Chand Jain So Shri Jai Prakash Jain, Rlo Kothi Abhivadan Lalda Colony, Nishat Ganj, Lucknow. (Person in occupation of the property)

(4) 1. Smt. Sharda Devi Jain Wo Lala Shree Chand Jain 2. Shree Chand Jain So Shri Jai Prakash Jain, R|o Kothi Abhivadan Lalda Colony, Nishat Ganj, Lucknow.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCEHDULB

Plot No. KE-92 at Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th June 1985

No. M-152|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authrity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said het), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and hearing
No. -- situated at Vill. Chukna, Pan Loni,

Distt, Gaziabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Ghazinhad under registration 36461 on 14-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said rect, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—176GI[85]

(1) Shri Jaspal Singh S|o Shrai Kunwar Sain 150, G.T. Road, Ghaziabad,

(Transferor)

(2) Vishwa Dharma Academy, New Delhi through its Executive Director Fr. Varghese Austin Kalapur S|o Shri M. Augustin Kalapur, R|o S-102, Greater Kalash, New Delhi.

(Transferee)

- (3) Vishwa Dharma Academy, New Delhi through its Executive Director Fr. Varghese Austin Kalapur Slo Shri M. Augustin Kalapur, Rlo S-102, Greater Kailash, New Delhi. (Person in occupation of the property)
- (4) Vishwa Dharma Academy, New Delhi through its Executive Director Fr. Varghese Austin Kalapur Slo Shri M. Augustin Kalapur, Rlo S-102, Greater Kailash, New Delhi.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agriculture land at Village-Ghukna, Pargana-Loni Tehsil & Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK . KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-155|85-86.—Whereas, 1,

H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000!- and bearing No.

57 situated at Noida, (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Noida under registration No. 2224 on 28-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Anji Kumar Sharma D-122, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(2) Shri Nikhil Nagpal & Shri M. L. Nagpal. S-298, Panchaheel Park, New Delhi. (Transferee)

- (3) Shri Nikhii Nagpal & Shri M. L. Nagpal S-298, Panchsheel Park, New Delhi. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Nikhil Nagpal & Shri M. L. Nagpal S-298, Panchsheel Park, New Delhi. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter. are defined in Chapter XXA of the said Act,

### THE SCHEDULE

Plot No. 57, Sector No. 15-A, Noida Distt, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Autherity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur-

Date: 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-159|85-86.---Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000l- and bearing No.

value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 51 situated at Industrial Estate, Loni, Sahadra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Ghaziabad under reg stuttion No. 37537 on 27-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s Rakesh Engg. Works, Gali No. 4, Paharganj, New Delhi through Sri Radhey Shyam (Partner). (Transferor)
- (2) 1. Dr. Purshottam Lal Sachdeva Slo Sri Aaya Ram
  2. mt. Sushma Sachdeva Wlo Dr. P. L. Sachdeva
  1635|33, Nall Wala, Karol Bagh, New Delhi-5.
  (Transferce)
- (3) Dr. Purshottam Lal Sachdeva Slo Sri Aaya Ram
  2. Smt. Sushma Sachdeva Wlo Dr. P. L. Sachdeva
  1635|33, Nall Wala, Karol Bagh, New Delhi-5
  (Person in occupation of the property)
- (4) Dr. Purshottam Lal Sachdeva Sjo Sri Aaya Rum
  2. Smt. Sushma Sachdeva Wo Dr. P. L. Sachdeva
  1635/33, Naff Wala, Karol Bagh, New Delhi-5
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 51 at Colony Arya Nagar Industrial Estate, Loni, Sahdara.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Kan v.

Date: 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-192|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. 20, 21, 23 & 24 situated at Vill. Dehra Khas (Dehradun) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Dehradun under registration No. 8675 on 12-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Apar Singh So S. Sardul Singh Rlo 21, Jurzon Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. B. J. Akbar Do Sardar Sher Ahmad Khan 75, Rajpur Road, Dehradun, 2. Mrs. Nanhi Nigam Do Mr. Zameer Hussain

7-A. Rajpur Road, Dehradun,

(Transferce)

(3) J. Mrs. B. J. Akbar D|o Sardar Sher Ahmad Khan 75, Rajpur Road, Dehradun,
 2. Mrs. Nanhi Nigam D|o Mr. Zameer Hussain 7-A, Rajpur Road, Dehradun.

(4) 1. Mrs. B. J. Akbar Dlo Sardar Sher Ahmad Khan 75, Rajpur Road, Dehradun,
2. Mrs. Namhi Nigam Dlo Mr. Zameer Hussain 7-A, Rajpur Road, Dehradun.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plos at Dehra Khas, Pargana-Pachhwadoon Distt. Dehradun.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Runge, Kanpur

Date: 1-7-1985

#### FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-195 85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan maket value exceeding

Rs. 1,00,00 - and bearing

transfer with the object of-

situated at Deulatoura Ghaziabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration

Act. 1908 (16 of 1958) in the office of the

Registering Officer a. Ghoziabad under a general No. 36550 on 15-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the normal croperty and I have reason to believe that the rain ranker while of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) tacintaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Ranji Lal Sons (HUF). through Sri Vijay Naresh Gupta 168, Rightganj, Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Ram Sakal Singh, Mantri, Chetriya Shree Gandhi Ashram, G.T. Road, Chaziabad.

(Transferce)

(3) Shri Ram Sakal Singh, Mantri, Chetriya Shree Gandhi Ashram. G.T. Road, Ghaziabad.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Ram Sakal Singh, Mantri, Chetriya Shree Gandhi Ashram, G.T. Road, Ghaziabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Daulatpura, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-196|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000]- and bearing
No. 471103M situated at Mauze, Dalanwala Dehiacun, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Dehradun under registration No. 8529 on 15-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. S. K. Gupta Slo Late Sri B. P. Gupta, 1-A, Race Course, Dehradun,

(Transferor)

(2) M[s. Bansal & Associates 2, Middle van Row, Plat No. 7, 2nd Floor, Calcutta-16, B.O. 15|1, Tyagi Reud, Dehradun.

('Eransferce)

(3) Mps. Banjal & Associates, 2, Middle Fan Row, Flat No. 7, 2nd Floor, Calcutta-16, B.O. 1511, Tyagi Roud, Dehradun. (Person in occupation of the property)

(4) M/s Bansal & Associates.
2, Middle Fan Row, Flat No. 7, 2nd Floor, Calcutta-16,
B.O. 15|1, Tyagi Road, Dehradun.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NEA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agriculture Land at Mauza—Dalanwala Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282. KANCHAN BIIAWAN GANDHI NAGAR OPP. J.ANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-231|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Siad Act'), here reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 36|410 situated at Vill. Shadeara (Meerut),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the

Registering Officer at Dadri under registration No. 6225 on 15-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) "neilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby in tiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the isname of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parsons, namely:—

 Smt. Rajkaur Wo Sri Likha, Vill. Milk Khandera, Teh. Dadri, Distt, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Singh, Brijendra Singh Slo Sri Ranjit Singh Vill, Khandera, Teh. Dudri, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Shri Rajendra Singh, Brijendra Singh S|o Sri Ranjit Singh Vill, Khandera, Teh, Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Rajendra Singh, Brijendra Singh Slo Sri Ranjit Singh Vill, Khandera, Teh. Dudri, Distt, Ghaziabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No. 36 at Vill. Khandera Teh, Dadri Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

#### White adjustment to the control of t FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-232|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. W-8 situated at Noida

No. W-8 situated at Noida.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the regist ation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Noida under registration No. 2216 on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s J. I. Harkin Crafts, C-33. Nizamudoln Estate New Delhi through Sci M. K. Jain,

(Transferor)

(2) Mls R. C. Labric Pvt. Ltd. 5808, Sacta Lazar, Dethi, through Sr. I. K. Win.

(Transferee)

(3) Mis R. C. Fabrics Pvt. I'd. 5808, Sador Bazar, Dethi. through Sri L. K. Jain.

(Person in occupation of the property)

(4) Ms R. C. Rabrics Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this matice in the difficult Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Charte

THE SCHEDULE

Plot at Noida Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 1-7-1985

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106[282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. 1 AIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-288 012, the 1st July 1985

F. No. 233|85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and hearing No.

and bearing No. No. 92 situated at Beej Godau, Sikandrabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandarabed under registration No. 3112 on 30-11 1984

Sikandarabad under registration No. 3112 on 20-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Inder Swarup Bhatnagar So Shri Sunder Swarup 458, Sector No. 17, Faridabad (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Lal
 S|o Shri Beni Ram
 2. Shri Kedar Nath
 S|o Shri Banarshi Das
 R|o Sikandarabad,
 Distt. Bulandshar (U.P.).

(Transferee)

(3) —do—
(Prson(s) in occupation of the property)

(4) —do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 92 at Kayasthwaok Teh. Sikandarbad, Bulandshar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely:—

70—176GI 85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
106|282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st July 1985

No. M-237 85-86.--

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000 and bearing No. 243 situated at Vill. Adho wala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 9255 on 29-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hauskawr Gupta Slo Shri Tirlok Chand Gupta Il-F-72, Nehru Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kant S|o Shri Janardan Prasad General Manager, ONGC Najira, Distt. Shiv Sagar (Assam).

(Transferee)

(3) —do— (Prson(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi at Adhoiwala, Distt. Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. I.AIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 1st July 1985

No. M-242|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 926|927 situated at Vill. Ahmadpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Om Prakash Arora Slo late Shri Bhola Das Railway Road, Jawalapur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri A. C. Dubey Office Incharge, Municiple Board, Haridwar.

(Transferee)

(3) —do—
(Prson(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 926|927 at Vill. Ahmadpur Khurd, Distt. Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kunpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr—of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per our namely:—

Date: 1-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012 the 1st July 1985

No. M-246|85-86.—Whereas, I,, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing No. 1615 situated at Nai Abrdi, Pilkhua (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur under registration No. 8864 date 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

(1) Sh.i Bundu & Yunus Slo Shri Mohd, Ismail Rlo Shivaji Nagar, Pikhua, Par-Dasna, Tch. Hapur, Dist., Ghaziabad,

(Transferor)

(2) Shri Badri Prasad S|o Shri Luirao Singh R|o Arya Nagar, Pilkhua, Teh. Hapur, Dist. Ghazjabad.

(Transferor)

- (3) —do—
  (Prson(s) in occupation of the property)
- (4) ---do-(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable per city, within 45 days from the date of the public of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture Land at Pilkhua, Teh. Hapur, Distt. Ghazia-bad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-31|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)—and bearing No. 876 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed heretod), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 21129 on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Gori D|o Shri Ranvir Singh Towki, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath S|o Shri Ram Veer Singh Pont—Dewi, Distt. Agra.

(Transferee)

(3) -do-

(Prson(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 876 situated at Agra.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-7-1985

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106 282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-52|85-86.--Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. 475 situated at Nagla (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 20892 on 5-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. Jaswant Kaur Wo Sardar Pirtam Singh Ro Nagla Padi, Agra.

(Transferor)

(2)Smt. Krishan Pachori Wlo Hari Babo Pachori Rlo Hingki Mandi,

(Transferce)

(3) --do--

(Prson(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 475 situated at Nagla, Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-7-1985

# FORM ITNS----

Shri Gauri
 S|o Ran Vir Singh
 Amatpura,
 Tewki, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE

106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-54|85-86.—Whereass I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

876 situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Acra under registration No. 21128 on 15:11-84

Agra under registration No. 21128 on 15-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Asha Devi, Smt. Indra Devi, Do Ran Vir Singh Ro Chaman Pura, Majra Mauja, Tewki Fatehabad, Agra.

(Transferee)

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) ---do--(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 876 Plot Per situated.

H. R. DAS
Competent Authority
Imagecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, GANDHI NAGAR CPP. LANIN PARK 106|282, KANCHAN BHAWAN, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-57|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

situated at Kakredha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 21107 on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax \*at 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Sanehi Slo Par Sadi Rlo Kakriiha, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Maharish Sahakari Ltd., through...Deneh Chand Singh S|o Shri Kapoor Chand New Barta, Loha Mandi, Agra.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do--

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jaidad Baky, Village Kakredha, Distt. Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME YAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-60|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

876 situated at situated at Bombay

fond more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 21177 on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely :— /1—176GI|85

(1) Sh:i Gori So Ran Vir Singh Chamarpura, Toki Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bhart Singh Shri Ran Vir Singh Villago Chamarpura; Fatchabad, Agra,

(Transferee)

(3) ---do---(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do —

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House No. 876, Plot No. per situated.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, known

Date: 3-7-1985

#### FORM TOWN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-62|85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

924 situated at Mawana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registed under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 20966 on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreet to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Radha Swami Sat Sang Shaha Dayda Bagh, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Raja Balwant Singh Sahkari Awash Samiti Ltd. Agra,

(Transferee)

(3) —do—

(4) —do—

(Person(s) in occupation of the property

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said expressions used herein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji Ag. Village Mow Mustkill.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur\_

Date: 3-7-1985

#### FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd July 1985

No. A-63|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

ment of transfer with the object of :-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, naving a tair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No.

737 s.tuated at Chowk Dran Mandi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) and office of the Registering Officer at Agra under registration No. 74790 on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Girsh Mal Chali Mal Othus, Mathura.

(Transferor)

(2) Dr. K. G. Bansal s o Kailash Chand Mandi Ramdas, Mathura.

(Transferee)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) ---do---

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Tal No. 737, Chowk Daran Mandi, Mathura,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, samely :---

Date: 3-7-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Aligarh.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rJ July 1985

No. A-78[85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No.

402 situated at New Visnopuri, Aligarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 8099 on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration inferior by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aroung from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax A.t. 1957 (27 of 1957); (2) Smt. Vina Gupta Wo Shri Surender Kumar Ro New Visnopuri, Aligarh.

(1) Shri Hari Shanker Gupta S|o Late Dori Lal R|o New Visnopuri,

(Transferee)

(3) Do.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 21154, Vinopuri, Aligarh.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

per contract to the second of the second of

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-79 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 3|144 nituated at Ramghat Aligarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh

under registration No. 9008 date 30-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under supsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shilla Kumar Wo Aswani Kumar Ram Ghat Road—Aligarh.

(Transferor)

(2) Rajender Prasadgang Slo Bismehar Dayal Gang Kawdia Gang—Aligarh,

(Transferee)

(3) Rajender Prasad Gang Slo Bismehar Dayal Gang Kawdia Gang-Aligarh.

(Person in occupation of the property)

(4) Rajender Prasad Gang Slo Bismehar Dayal Gang Kawdia Gang—Aligarh.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Home Ramghat Road Aligarh,

H. K. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-7-85

#### FORM ITNS-----

(1) Sukhni Davi Wo Sh. Rewati Singh, Village—Utra Atrawli—Aligarh.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. Λ-83|84-85.---Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. situated at Dodpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (15 c. 1908) in the office of the Registering

Officer at Aligarh under registration No. 9177 on 24-11-84 for an appoint consideration which is less than the fair market value of the aforesid market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforc-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Nasim Igathar Wlo Kaji Igatar Nawie Sidhqu Ro Nagina—Bijnor.

(Transferee)

(3) Nasim Igathar Wo Kaji Iqatar Nawie Sidhqu R|o Nagina—Bijnor, (Person in occupation of the property)

(4) Nasim Iqathar Wo Kaji Iqatar Nawie Sidhqu

Ro Nagina—Bijnor.

(Persons whom the undersigned in the property). knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One House, village-Dodpur Aligarh.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kampur.

Date: 3-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-85|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding situated at Mow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Alignets

Officer at Aligarh

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property—as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sau Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Nehali Bewa Shiveya Rlo Mow, Distt. Agra.

maken kay manangan ing tanggaran na ang manangan na manangan na manangan kanangan kanangan kanangan kanangan k

(Transferor)

(2) Daya Nand Nagar Sahkari Awash Sammit 2--D Through Sh. Ron Bir Singh Verma Slo Sh. Ihaliy Singh, Rjo Prakash Nagar, Bhogipura Адга. (Transferee)

(3) Daya Nand Nagar Sahkari Awash Sammit 2—D Through Sh. Ran Bir Singh Verma Slo Sh. Ihally Singh, Rlo Prakash Nagar, Bhogipura  $\Lambda gra.$ 

(Person in occupation of the property) (4) Daya Nand Nagar Sahkari Awash Sammit 2--D Thiongh Sh. Ran Bir Singh Verma Slo

Sh. Jhaliv Singh, Ro Prakash Nagar, Bhogipura Agra.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Jaidat Jarin No. 7002 Sq. M. Village-Mow-Distt.-Agra,

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Co ami states of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-89|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 31/71 situated at Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra

Uniter at Agra under registration No. 27125 on 15-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Brjender Pal Sharma Master Ram Ji Pal Rlo-Khalsa Gali, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Mith Desh Jain, Wlo Santosk Kumar Jain Rlo Luhari Gali, Agra.

(Transferee)

(3) Smt. Mith Desh Jain Wo Santosk Kumar Jain Rlo Luhari Gali Agra.

(Person in occupation of the property)

43) Smt. Mith Desh Jain Wlo Santosk Kumar Jain

R|o Luhari Gali, Agra,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Home No. 31/71 Luhari Gali, Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kampur-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3:d July 1985

Ref. No. A.90|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competen. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

situated at M. G. Road, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Agra

under registration No. 114 on 11-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestic moperty and I have reason to believe that the fair reachet value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer of or yes test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 2011, 1987 (27 of 1957);

(1) Kouina Sahkari Awash

(Transferor)

(2) Rajni Devi Wo Sh. Vinod Kumar Agrawal others R o Mahavir Nagar Firozabad—Agra.

(Transferee)

(3) Rajni Davi Wo Sh. Vinod Kumar Agrawal others Ro Mahavir Nagar Firozabad—Agra.

(Person in occupation of the property)
(4) Rajni Davi Wo Sh. Vinod Kumar
Agrawal others Ro Mahavir Nagar Firozabad—Agra.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Dharma Inclave M.G. Road, Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistan: Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

72-176GI|85

Date: 3-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1985

Ref. No. A-92/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.- and bearing No.

Situated at Daimpear Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mathura under registration No. 7077 on 23-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-

(1) Phool Chand Garg Slo Sh. Lala Nar Singh Rlo Daimpear Nagar, Mathura

(Transferor)

(2) Rakesh Kumar Slo Mr. Devidas Ji Rlo Daimpear Nagar, Mathura

(Transferee)

(3) Rakesh Kumar Slo Sh. Davidas Ji Rlo Daimpear Nagar, Mathura.

(Person in occupation of the property)

(4) Rakesh Kumar Slo Sh. Davidas Ji Rlo Daimpear Nagar, Mathura (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Jaidad Daimpear Nagar, Mathura.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kampur.

Date: 3-7-85 Seal:

#### FORM ITMS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. A-94|85-86,—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 23 situated at MG Road Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra

under registration No. 113 on 11-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandios
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kavira Sahkari Awash Samit L.T.D. Agra.

(Transferor)

(2) Ganesh Chand Slo Ramesh ChandRlo Mohalla-Gang, Firozabad, Agra.

(Transferce)

(3) Ganesh Chand Slo
Ramesh Chand
Rlo Mohalla-Gang, Firozabad, Agra.
(Person in occupation of the property)

(4) Ganesh Chand Slo
Ramesh Chand
Rlo Mohalla-Gang, Firozabad, Agra.
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 423, Dharma Inclave, M.G. Road, Agra.

H. R. DAS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-7-85

THE CANADOMINAN OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. 97/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and

bearing No. 326 situated at Inclave Ramji Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

under registration No 120 on 12-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Kavira Sahkari Awash Samit Ltd.—Agra.

(Transferor)

(2) Sarswati Devi Wo Sh. Munna Lai Ro 237 Jalesan Road, Firozabad.

(Transferee)

(3) Sarswati Devi Wo Sh. Munna Lal Ro 237 Jalesan Road—Firozabad. (Person in occupation of the property)

(4) Sarswati Devi Wo Sh. Munna Lal Ro 237 Jalesan Road, Firozabad. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of motion on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other purson interested in the said immovable persons whin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have she same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 326, Inclave M.G. Road, Agra.

H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-7-85

#### FORM NO. ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. 99[85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 24 situated at M.G. Road Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra

under registration No. 112 on J1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; east /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander sub-Bection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kavira Şahkari Awash Samit L.T.D. Agra.

(Transferor)

(2) Ramesh Chand Sharma So Late Sri Ram Sharma, Jasrana Mainpuri

(Transferee)

(3) Ramesh Chand Sharma, So Late Sri Ram Sharma, Josrana Mainpuri.

(Person in occupation of the property)

(4) Ramesh Chand Sharma Slo Late Sri Ram Sharma Jasrana Mainpuri.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a seriod of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 24. Dharma Incalave, M.G. Road, Agra.

H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge, Kanpur.

Date: 3-7-85

[PART III—SEC. 1

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. A-100|85-86. - Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 14, 21, 22, 23, situated at Bhopatti (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the efficiency of the Property of the p 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Furrukhabad

furthinabact under registration No. 7823 on 5-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such that the consideration for such transfer as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Lalit Kumar Goinka Soo Godhar Goinka other Co Bhagwan Cold Storage, Furrukhabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Kumar Rastogi Slo Sh. Shiv Narain Rastogi Rlo Seth Hukum Chand F.B.D. For Sushila Cold Storage, Gurrukhabad.

(Transferce)

(3) Shri Rajiv Kumar Rastogi S|o Sh. Shiv Narain Rastogi R o Seth Hukum Chand F.B.D. For Sushila Cold Storage, Furrukhabad.
(Person in occupation of the property)

(4) Shri Rajiv Kumar Shri Rajiv Kumar
Rastogi S|o Sh. Shiv Narain Rastogi
R|o Seth Hukum Chand F.B.D. For
Sushila Cold Storage, Furrukhabad.

(Persone whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 14, 21, 22, 23, Mayati Furrukhabad.

H. R. DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. A-101[85-86,-Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immercial property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 109 situated at Rahchati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sikohabad

sikonabad under registration No. 5078 on 5-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ram Bhoshay Lel Slo Shiv Prasad Yadwa Sikohabad—Mainpuri.

(Transferor)

(2) Jawahar Sahkari Girh Nerman Samit Ltd. Sikohabad.

(Transferee)

(3) Jawaher Sahkari Girh Nerman Samit Ltd. Sikohabad.

(Person in occupation of the property)

(4) Jawaher Sahkari Girh Nerman Samit Ltd. Sikohabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Aq. No. 109 M. Vilage Rahchati, Sikohabad,

H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 3-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3th July 1985

Ref. No. K-36|85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and

bearing No. 496 Scheme-7 situated at Guttaiya

Swaroopnagar

(and more fully described in the Schedule below). has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannur

under registration No. 19736 dated 26-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Suman Basman Wo Atul Kumar 7|32 Tilak Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Sangamial Gupta, Banwarilal Gupta, Kishori Lal Gupta So Munnalal Gupta 76[174 Sabzi Mandi Каприг,

(Transferee)

(3) Sangamlal Gupta, Banwarilal Gupta, Kishori I al Gupta So Munnalal Gupta 76 174 Sabzi Mandi Kanpur

(Person in occupation of the property)

(4) Sangamlal Gupta, Banwarilal Gupta, Kishori Lal Gupta So Munnalal Gupta 76 174 Sabzi Mandi Kanpur,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 496, Block C Scheme No. 7 Guttaiya Swaroop Nagar, Kanpur.

> H. R. DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :-

Date: 3-7-85

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, |GANHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-38|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1038 situated at Vill. Chandari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kanpur under registration No. 20008 on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:—

73—176GI|85

 Hukum Chand Jalswal, Slo Suraj Pd. Jalswal, Rlo 30|99 Maheswari Mahal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath Pd. Rastogi and Smt. Swaraj Rani Rastogi, 105|689 Kalpi Road, Bhanara Purwa, Kanpur.

(Transferee) (Transferee)

- (2) —Do—
  (Person in occupation of the property).
- (4) —Do—

  (Persons whom the undersignedknows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ag. land No. 1038 of Vill. Chandari, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-7-1985

Ceal:

DUKM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-40|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1038 situated at Vill. Chandari

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 20028 on 27-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hukum Chand Jaiswal, S|o Suraj Pd. Jaiswal, R|o 30|99 Maheswari Mohal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath Pd. Rastogi and Smt. Swaraj Rani Rastogi, 105|689 Kalpi Road, Bhanara Purwa, Kanpur.

(Transferce)

(2) —Do—
(Person in occupation of the property).

(4) —Do—

(Persons whom the undersignedknows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ag. land No. 1038 of Vill. Chandari, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-7-1985

#### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282 KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref No. K-41|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 240|241 situated at Old Kanpur (and wore fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19422 on 12-11-1984 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Smt Rannoo Devi Bajpai,
 Smt. Abha Shukla,
 Km. Achala Bajpai,
 8 136 Patkapur, Kanpur.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Kumar Sureka, 3A]185, Azadnagar, Kanpur.

(Transferee)

(2) —Do—
(Person in occupation of the property).

(4) —Do—
(Persons whom the undersignedknows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

240|241, Block West, Scheme 26, Old Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-7-1985

(1) Shri Hargun So Bansi, Ro Jogai Purwa, Kanpur.

(Transferor)

(2) Nehru Smarak Sahkari Avas Samiti, through Prem Prakash Tripathy, Society 128/35, G-Block. Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(2) —Do—

(4)

(Person in occupation of the property).

(Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-43|85-86.—Whereas, I, H R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

1004, 1005 situated at Jogaipura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the regisatration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Kanpur under registration No. 19310 on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Ag. land No. 1004, 1005, at Jogai Purwa, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 4-7-1985

\_\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-45/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereusafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai under registration No. 2232 on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Basant Lal Sjo Shri Chaturbhuj, Rjo Vill. Vuthaunda, Per-Orai, Dis.t. Jalaun.

(Transferor)

(2) Shri Kishna & Manak & Shri Pratap, So Indraject, Pramodh & others, Ro Vill. Kuthounda, Per-Orai, District Jalaun.

(Transferee)

(2) —Do—
(Person in occupation of the property).

(Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(जैसाकि रिजस्ट्रीकृत क. 37 इंड / 10869/84-85 जो मार्च 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के द्रप्तर में लिखा गया है।

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-52|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 128|F|68A situated at Kidwai Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19595 on 13-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Roop Kishore Agarwal, Slo late Shri Mohan Lal Agarwal, Rlo 30/33, Maheswari Mohal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Harilal Gupta S|o Gulzari Lal Gupta, R|o 87|319 Acharya Nagar, Kanpur.

(Transferce)

- (2) —Do—
  (Person in occupation of the property).
- (4) —Do—
  (Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 28|F|68A, Kindwai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

Soal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th July 1985

Fef. No. K-53|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have meason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. 10|429 situated at Khalari Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19835 on 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sardari Lal Soo Late Shri Jhanda Ram, 11|311 Souterganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Manoher Lal Santwari, Slo Late Shri Iai Kishan Dar, 7/188 Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (2) —Do—
  (Person in occupation of the property).
- (Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 10|429, Khalari Lines, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 4-7-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Knnpur-208 012, the 4th July 1985

Ref. No. K-54|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

10|429 situated at Khalari Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 19832 on 26-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Sardari Lal So Late Shri Jhanda Ram, 11|311 Sootergani, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Santwani, Slo Late Shri Jai Kishan Dar, 7/188 Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (2) —Do—
  (Person in occupation of the property).
- (4) Do—
  (Persons who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10|429, Khalari Lines, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

feal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8062/1984-85.—Whoreas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 110 in Sagar Apartments, 926 Synagogue Street, Pune-1, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act. in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—176GI[85]

 Shri P.V. Mahadkar & Sons, 926, Synagogue Street, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Ahmed Sharif Muhammad Usman, Mrs. Mumtez Ahmed Sharif, Both residing at 398 Nana Peth, Punc-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 110 in Sagar Apartments, 926 Synagogue Street, Pune-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8062/1984-85, in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7729/1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Plot 45, A/2A-1 Bopodi, Pune, situated at Pune and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, Pune in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Shri Narayan Ramanna Gajbare,
 Elphinston Road, Bopodi, Pune.

(Transferor)

(2) M/s Laxmi Construction Co., by its parter Dayalji Mohan Rathod, 782 Raviwar Poth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot 45 A/2A-1 Bopodi, Pune. (Area 6500 sq. ft.)

(Prophty as decribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7729/84-85 in the month Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# 9FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, PUNE

Pune, 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7488/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

- . S. No. 104/1/1 (Part) Erandwans, Pune-4, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
- at Pune in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 M/s Deodher & Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Ramdas Baburao Ponkshe, 1630 Sadashiv Peth, Pune-3.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4. (Area—)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7488/84-85 in the month of Nov 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June, 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7822/1984-85.—Whereas I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

I'A.C. Acqn' Range, Pune in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Deodhar & Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Yeshwant R. Gokhale, 176/A/1 Parvati, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Frandwana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7822/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# M/s Deodhar & Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

 Shri A.S. Joshi, Sunder Niwas, Kothrud, Punc-29.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7823/1984-85.—Whereas, J, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 104/1/1 (Part) Frandwana, Punc-4, situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C. Acqn, Range Punc on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwane, Pune-4. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7823/84-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquivition Range, Poona

Date: 7-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/15322/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the snoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Plot No. 57, Survey No. 43, Navghar Village, f Tal Vasai, Dist. Thane, situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sharda Yograj Bhandari,
 D-21, Punjab Housing Society,
 Tagore Road, Santacruz (W) Bombay-54.

(Transferor)

(2) M/s Seema Construction Co.5/4 Kajal Apartment (A), 53Anand Nagar (Navghar) Vasai Road, (W)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 57, Survey No. 43, Navghar Village, Tel. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15322/1984-85 in the month of April 1985)

ANIL KUMA R
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/16378/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Bungalow No. 43 of IBS Type on Plot No. 43 of Built up area 1013 sq.ft. situated at Village Waliv Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s Dedhia & Associates,
 Kirti Vajay, Sewri Naka, Bombay-15.

(Transferor)

(2) Shri Ani! Keshavji Purecha23 Ramoshwar, Ramgalli, S.V. Road, Kandivli(W) Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bungalow No. 43 of IBS type on Plot No. 43 of Built up area 1013 sq.ft. situated at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area 1013 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16378/84-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
: Acquisition Range, Poo a

Date: 4th June 1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9781/1984-85.—Whore as, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 414 Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Liberty Investments Pvt. Ltd.
- 302 Dalamal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Satter Ibrahim Dossa, 32/36 Babula Tank Cross Road, Bombay-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 414 Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the f.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9781/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

ub- Da

Date: 11-6-1985

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### FORM I'INS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/9779/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 411 Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—176GI 85

(2) Shri Ibrahim Oomar Dossa, 32/36 Babala Tank Cross Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 414, Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9779/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poon a

Date: 11-6-1985

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **PUNE** 

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9778/1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 413, Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed heteto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Razak Ibrahim Dossa, 32/36 Babla Tank Cross Road, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as mid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 413, Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9778/1984-85 in the month of Oct. 1934).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 11-6-1985

Scal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following Bersons, Bamely :-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10291/1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incon.e-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Flat No. 106, Plot No. 17, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov, 1984

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income trising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Liberty Investments Pvt. Ltd.
 302 Dalamal House,
 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. A. Natarajan, A/27 Endeyour Society, Mulund, (E) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, Plot No. 17, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.D.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10291/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 12th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EL/9075/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. 10 on ground floor located in Shailesh Industrial Estate No. I situated at Plot No. 15-16 on S.No. 31, 34, 35, 36 (Part) of village Navghar, Tal. Vassai, situated at Vasai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at 1.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shree Constructions, 106 K.T. Chamber, Vasai Road (W).

(Transferor)

(2) M/s Deevee Moulders & Electricals, 212 Sunil House, New 11th Road, Chembur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as men in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 10 on ground floor located in Shailesh Industrial Estate No. 1 situated at plot No. 15-16 on S.No.. 31, 34, 35, 36 (Part) of village Navghar Tal. Vasai, Dist. Thana.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, und er document No. 9075/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 12th June 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6928/84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 7 having carpet area on 3rd floor @ 510 st. worth west side at S. No. 27/1-A Frandwane, Pune structed at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at LA.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Mayuresh Enterprises, 722/45 Gangadher Laxmi Park, Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Malhotra & Mrs. Saroj Raj Malhotra, E-6 Shankar-chayya Society, Erandwana, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ohimal Gazine or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7 having curpet area on 3rd floor @ 510 sft. Worth west wide at S. No. 27/1-A Erandwana, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6928/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANNE

PUNE

Pune, the 6th June 1985 Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/437/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 4 on the first floor Wing B in Dhanashti Apartments Plot No. 16, Oke Colony, Near Dena Vijay Colony, Trimbak Road, Nashik cituated at Nashik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 M)s. Sule Constructions, 38 Pradhan Park, Mahatma Gandhi Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Suresh Patuskar, 1895 Parvati Sadan, Tiwandha Lane, Nashik City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the first floor Wing "B" in Dhanashri Apart ments, Plot No. 16, Oka Colony, Near Dena Vijay Colony, Trimbak Road, Nashik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 437/1984-85 in the month of Nov. 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-6-1985

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 260D(1) № THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANW COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 $\pm$ E/408/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 100,000|- and bearing

Flat No. 7, Gopika Apartment Co-operative Housing Society of S. No. 622/4 Plot No. 2A & S. No. 622/5 Plot No. 2B, Nashik situated at Nashik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ingran Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sant Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Snit, Vimal Madhukar Shirset, Flat No. 7, Gopika Apartment Society, Tidke Colony, Nashik-2.

live light teach terminal in the contract of the contract of

(Transferor)

(2) M/s. Nirman Buildere, 4612-K Poddar Bhaven, Old Agre Road, Panchaveti, Neshik-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7, Gopika Apartment Co-operative Housing Society of S. No. 622/4 Plot No. 2A and S. No. 622/5, Plot No. 2B, Nashik.

(Area 540 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 408/84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poor.

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th June 1985

Rof. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9594/1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 6, Building No. B-1, Plot No. 5, S. No. 114, 115-2B, 116 1 to 6, Village Kofi ad Tal. Vasai, Distt. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Rango, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Paranjape Construction Co. 34 M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57

(Transferor)

(2) Shr S. L. Karulkar, 6/125 Vijny Nagar, Andheri (E), Bombay

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flt No. 6 Building No B-1, Plot No 5, S. No. 114, 115-2B, 116 1 to 6, Village Kofrad, T-1. Vasai, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9594/1934-85 in the month of Oct. 1984).

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dato: 11-6-1985

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/C -5/37EE/6860/1984-85,---Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 11 & 12 Kamal Tara Apartments, Dhole Patil Road, Pune-1 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
76—176GI|85

 Shri Madan Tarachand Semant, Flat No. 11 & 12, 191 Dhole Patil Road, Punc-1.

(Transferor)

(2) Shri Jayshri P. Chhabria, Five Star Apartments, 4/7 Bund Garden Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 & 12 Kamal Tara Apartments, Dhole Patil Road, Pune-1.

(Area 1780 sq. ft.)

(Property a described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6860/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 6-6-1985

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/7025/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. 11+12 Ideal Colony, Survey No. 129, Kothrud, Pune-29 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

 Shri M. S. Godbole, 98/2 Erandwana, Prabhat Road, Punc.
 Shri U. S. Godbole, : 493 Model Colony, Punc-16.

(Transferor)

(2) Chaphalkar Laddha & Co., 215 Parvati, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 11+12 Ideal Colony, Survey No. 129, Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7025/84-85 in the month of Oct. 1934).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
cognisioner Reage, Focase

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6906/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

veing the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Shop No. 6 & 7 on ground floor, situated at C. T.S. No. 1303 Salashiv Peth, Near Godbole Hospital, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been stransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. 4.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Mrs, Nandakini Krishneshwar Dravid, C/o M/s. Dhoot Agencies,
 Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Chhaya Prakash Pawar, 307/B Shukrawar Peth, Pune-2

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of that said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 6 & 7 on ground floor, situated at C.T.S. No. 1303, Sadashiv Peth, Near Godbole Hospital, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6906/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Pount

Date: 6-6 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th June 1985

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6701/1984-85,--Whereas, I MNIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Ownership flat No. 8 on 3rd floor having carpet area @ 55 sft. west side at S. No. 27/1-A Erandwana, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mayuresh Enterprises, 722/45 Laxmi Park, "Gangadher" Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Shantayya Basayya Mathapati, E/2 Shanker-Chhaya Co-operative Housing Society, Karve Road, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Ownership flat No. 8 on 3rd floor having carpet area @ 550 s. ft. west side at S. No. 27/1-A Erandwane, Punc. (Area 550 s. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6701/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspectifig Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Poofia

Date: 6-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. 1AC  $\Delta$ CQ/C $\Delta$ -5/37EE/7241/1984-85.—Whereas, 1 ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B, 4th floor, Win 3-1, at Thackers House, 2418 General Thimayya Road, Camp, Pune-1 situ ted at Pune (and more fully described in the senedule annexed hereto) has been transferred under the Registration (let 1903) (16 of 1903) in the office of the Registering Oct 221 at 4, 5.2., Acqu. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such to fer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of (---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

(1) Thacker & Parmar Properties Pvt. Ltd., 116/118 1st Marine Street, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Mr. Rashid Sharif Najati, Guru Nanak House, Parwani House, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B, 4th floor, Wing-1, at Shackers House, 2418 General Thimayya Road, Camp, Pune-1.

(Area 1610 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7241/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poone

Date: 4-6-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANME PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10765/1984-85.—Whereas I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

CTS No. 966/A, F. P. No. 894/A Flat No. 1, Shivajinagar Pune-16 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Rajaram Shirole & Associates, Plot No. 394/A Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri Sadashiv Narayan Kharche, Shri Vishnu Narayan Kharche, Smt. Pushpa Diokar Kharche, Mukkam Post, Shelgaon Bazzar, Tal. Motala, Distt, Buldhana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

CTS No. 966/A, F. P. No. 894/A Flat No. 4, Shivajinagar, Pune-16.

(Area 770 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10765/34-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1985

FURNITINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# FOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/10792/1984-85.—Where as ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-3 on 1st Floor in "Kshitija" Apartments situated at S. No. 116/1+2+150+/53A, Plot No. (2 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

of the Registerifig Officer at LAC Acqn. Plange, Pune on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any manage or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 20% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property here its issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. K. Promoters & Builders, 58/A Kasturba Housing Society, Vishrantwadi, Poona.

(Transferor)

(2) Mr. L. T. Mathai & Mrs. Ponnamma L. Mathai 22 Bombay-Poona Road, Khadki, Pune-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-3 on 1st floor in "Kshitija Apartments" situated at S. No. 116/1+2+150+53A, Plot No. 12.

(Area 780 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered 7 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10792/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10325/1984-85.—Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 107 on 1st floor Shree Niketan Plot No. 2 & 4 Behind Parvati cinema vasa (w) distt, Thane Situep at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shree Enterprise, 161 Panjra Pole Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Mr. Manoj Roy, E-30 Century Mill Staff Quarters, P. B. Marg, Worli, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 107 on Ist floor Shroe Niketan Plot No. 2 & 4 Behind Parvati Cinema, Vasai (W) Distt. Thane. (Area 630 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10325/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Committee Authority
Inspecting Assistant Committee of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

# NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12434/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. D-7/8 on second Floor, in the building Hermes Complex situated at Old S. No. 122, New S. No. 349 and part of 349 A/1 Sir Bhandarkar Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income orising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

77-176GI[85]

 M/s. Hermes Agencies, 793 Family House, Jame Jamshed Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh G. Sujunani & Mrs. G. R. Sujunani, Deviram Mansion, Quarter Gate, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. D-7/8 on Second floor, in the building Hermes Complex situated at Old S. No. 122, New S. No. 349, and Part of 349 A/1, Sir Bhandarkar Road, Pune-1.

(Area 1700 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12434/1984-85 in the month of May 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

Scal;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 12th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 EE/13254/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Residential block of 858 sq. ft. built up area in B Wing on S. No. 261A (P) of Virar situated at Virar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as after-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 M/s. Shree Ganesh Builders, C/o M. N. Samant & Co., Agashi Road, Virar (W)

(Transferor)

(2) Manohar A. Mestry & Meghana M. Mestry, Sukhsagar Gaothan, Virar (W)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential block of 858 sq. ft. built up in B Wing on S. No. 261A (P) of Virar.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13254/1983-85 in the mouth of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 12-6-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1775/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A plot of land bearing S. No. 349 H. No. 1 and S. No. 350 (Original plot No. 145) F. P. No. 226 sub plot No. 9 situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facultating the concealment of any moome et any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ravi Industries Pvt. Ltd. 372 Narshi Natha Street, Bombay-9.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Enterprises, 3/83 Anubhav Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of land bearing S. No. 349 H. No. 1 and S. No. 350 (Original plot No. 145) F. P. No. 226 sub plot No. 9 situated at Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1775/1985-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 24-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 21st June 1985

Ref. No. IAC ACQ/3A-5/37EE/10269/1984-85.--Whereas, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Unit 7, Ground floor, Village Navghar, Tal. Bissein, Distt. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhansukhlal M. Talik, Partner Dhanlaxmi Builders, 82 Rammandir, Road, Vile Parle (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Atmaran Bhage, 105 Omkareswari Jivan Vikas Kendra Marg, Vile Parle, Bombay-57.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit 7, Ground Floor, Village Navghar, Taluka Bassein, Diett. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12069/1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Date: 21-6-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Tarabai Nandram Bibawe & Others.
 431 Kasba Peth,
 Pune-11.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Bullders, 408/6 Gultekad Road, Pune-37.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 EE/311/1985-86.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000- and bearing No.

S. No. 678/1 Bibawe wadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Agan. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) Incilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULE

S. No. 678/1 Bibawewadi, Pune-37. (Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Puna, under document No. 311/1985-86 in the month of April 1985

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 19-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37 EE/10324/1984-85.Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Flat No. 2, First floor, Angels-84 Apartments, Plot No. 6 (Part-D), S. No. 30, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent 'consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ravilndra Joshi & Co. 425/25 T.M.V. Colony, Pune-37.

(Transferor)

 J. S. Banwasi, Plot No. 1011/10 Raghunandan,
 Mitra Nagar Co-operative Society, Pune-16 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, First floor, Angels-84 Apartments, Plot No. 6 (Part-1) B. S. No. 30 Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10324/1984-85 in the month of Feb. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 25-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA \*\*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10531/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, First Floor, "Brahmha Darshan" Sub plot 2 and 3, 10 Oswal Park, Shiv ijinagar, Pune-5, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on February, 1985

for an apparent consideration which is less than—the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and make the consideration for such transfer as agreed to between a parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

Bramha Builders,
 Oswal Park, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Mr. Malik Jogdand and Smt. Silmeeta Jogdand, 30 Jawahar Nagar, Pune-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, First floor, "Bramha Darshan" Sub Plot No. 2 and 3 10, Oswal Park, Shivajinagar, Punc-5.

(Area 515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10531/1984-82 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 24th June 1985

 M/s Deodhar & Joshi, Promoters & Builders, 1295, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil R. Page, 1847 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7824/1984-85.—Whereas, Ir ANIL KUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing No. S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana Pune-411004, situated atPune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4. (Area 599 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7824/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1985

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

PUNE Pune, the 24th June 1985

Rcf. No. JAC ACO/CA-5/37EF/11075/1984-85.—Whereas, I, ANJI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 405 on 4th floor in Building Lok Shilip at Vashil, Plot No. 59, sector 17, DBC, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A. C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any meome or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76 —176GI/85

 Mr. Lalit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilip Co-operative Housing Society Ltd. 14 Vishal Shopping Centre, Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Rumdus Dayananda Kutya & Mr. Devdas Dayananda Kudva, 11 Ali House, Ram Nagar, Opp. Victoria House, Byculla, Bombay-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 405 on 4th floor in building "Lok Shilip" at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.

(Arca 880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11075/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 24th June 1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8081/1984-85.---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing No.

S. No. 104/1/1 (Tart) Erandwana, Pune-4, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) in has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax-under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Deodhar & Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri R.D. Jadhav, 18 Queen's Garden, C/10, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4. (Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8081/1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-6-1985

 M/s Rajasthan Builders, A/2 Swati Bldg. Juhu Lane, Andheri West, Bombay.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Muttamma Chillayya, Near Nurul Huda Mosque Social Nagar, Kala Killa Dharavi, Bombay-17.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/27EE/13369/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Premises consisting of residential flat bearing No. A1/103 on 1st floor of "A" Building known as TANWAR Nagar, situated at Bombay Poona Road, Mumbra, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu Range, Pune on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising (rose the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises consisting of residential flat bearing No. A1/103 on 1st floor of "A" Building known as TANWAR NAGAR, situated at Bombay Poona Road, Mumbra, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13369/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 14th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10297/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Flat No. 309, Shreyas, Plot No. 21, sector 17, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice innder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 M/s Shah & Vora Contractors Private Ltd.
 Nanabhoy Mansion, Sir P.M. Road, Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Nivrati Thukaram,
 Rajpur,
 G-170-171 APMC Market, Thurbe, New Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 309 Shreyas Plot 21, Sector 17, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 10297/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-6-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

#### PUNE

Pune, the 14th June 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/11820/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Unit Nos. 10, 11, 12 & 13 on first floor located in Sheetal Industrial Estate No. 2, situated at Plot No. 34, S. No. 30, 31 (pt.) 35 (pt.) and 55-C (pt) of Village Bayghar, Tal. Vasai, Disti. There situated at Thone (and more fully described in the schedule annexed here(o) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AC, Acqn. Range, Pune on Jon. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section \$69°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Swastik Developments,
 Dubash Lane,
 P. Road,
 Bombay-4.

(Transferor)

(2) Samor Enterprises,
 Prop. Abdul Karim Haji Ahmed Samar,
 6 Tulloch Road,
 National House,
 1st Floor, Bombay.

(Transferee)

Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit Nos. 19, 11, 12, & 13 on first floor located in Sheetal Industrial Estate No. 2, situated at Plot No. 34, S. No. 30, 32 (Pt.) 35 (Pt.) and 55-C (Pt.) of Village Navghar, of Tal. Vesai Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 10820/1984-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 14-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### M/s. Rekson Enterprises, 361/32 Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Shirish P. Yadwad, 84 Navi Peth, L.B. Road, Punc-30.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7468/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11 in Savali Apartmen ts, Flat No. 7t, Sr. No. 121, 122 Rambaug Colony, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the schedulo annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 24 I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, in Savali Apartments. Flat No. 71, Sr. No. 121, 122 Rambaug Colony, Punc-29.

(Area 592 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7468/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, narrely:—

Date: 10-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/155574/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 132, Hissa No. 28, at Katenavali, Kalyan situated at Kalyan (and more fully described in the schedule hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Ramesh Laxman Huwdle, Mr. Shyam Sudam Huwale, Railway Quarters, RB-1/Room No. 11, Kalyan.

(Transferor)

(2) R. K. Developments, at Raye, Post Khadwali, Tal. Kalyan, Distt. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 132, Hissa No. 28 at Katennawali, Kalyan. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 15574/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Deodhar & Joshi, Promotocs & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Sint. Vatsalabai P. Sangle, A6/4 Anchal Co-operative Housing Society, Kothrud, Pune-29.

(Transferee).

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/8077/1984-85.—Wherevs, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4 situated at Pune (an more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4. (Property as pescribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8077/1984-85, in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-6-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9942/1984-85,--Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, "Vishal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10), (11) &) 12 Part, Sai Nagar Scheme, Vasai (W), Distt.fThane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto. has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Punc on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Vishal Construction Co. 137 Jawaharnagar, Goregaon (W) Bombay-52.

(Transferor)

(2) Shri Manjitsingh Mohansingh Bhasin, C/o P. S. Sethi, "Anand Sagar", 1st Floor, Vallabh Bhai Road, Vile Parle (W), Bombay-56,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, "Vishaal Darshan" Plot No. 33, S. No. (10) (11) & (12) Part, Sai Nagar Scheme, Vasa, (W), Distt. Thane. (Arca 670 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under documents No. 9942/1984-85 in the month of Nov. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

79—176GI 85

Date: 10-6-1985

#### FORM ITEM

 Shri Ram Charan Shree Ram Pandit, M/s. Maturukripa Constructions, Joshibaug, Kalyan,

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanda Kiran Jain, C/o Matrukripa Construction, Joshi Baug, Kalyan,

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9453/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

26974

Flat admeasuring about 557 50 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshibaug, Kalyan situated at Kalyan (and more fully described in the schedule annexed heroto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat admeasuring about 557:50 sq. ft. in a proposed building

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9453/1984-85 in the month of Oct. 1984).

on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaiad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, PUNE

Pune, the 13th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9455/1984-85—— Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat admeasuring about 573 '75 sq. Ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan situated at Kalyan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer the Competent Authority

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Charan Shree Ram Pandit, M/s Matrukripa Constructions, Joshi Baug, Kalyan.

(Transferor)

(2) Smt Bhagubhai Bhabutmal Jain, C/o Matrukripa Constructions, Joshi Baug, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat admeasuring abut 573 · 75 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug Kalyan.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under documet No. 9455/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-test
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 13-6-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RRANGE, PUNE

Pune, the 13th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9454/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing No.

Flat admeasuring about 557 50 sq. ft. in a proposed on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqu. Range, Pune on Oct 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Charan Shree Ram Pandit, M/s Matrukripa Constructions, Joshi Baug, Kalyan;

(Transferor)

(2) Smt. Dhakabai Tarachand Jain, C/o M/s Matrukrlpa Constructions, Joshi Baug, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be said in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat admeasuring about 557.50 sq. ft. in a proposed building on CTS No. 2909 at Joshi Baug, Kalyan.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under No. 9454/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast. So the following persons a namely:—

Date: 13-6-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.—

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th July, 1985

No. IAC ACQ/C-5/37EE/6813/1984-85— Whereas I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Survey No. 116 + 150+153 Plot No. 1, Yerwada, Pune

 $\overrightarrow{1+2}$   $\overrightarrow{1}$ 

C.T.S. No. 2762 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune, on October 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Mr. S. N. Khedekar,
 as a partner of
 M/s K. Promoters & Builders,
 58/A Kasturba Housing Society, Vishrantwadi,
 Pune-15.

(Transferor)

(2) Mr. Mukund Moreshwar Gore, Railway Quarters No. K. B.-II, A-9, Tadiwala Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No.  $\frac{116 + 150 + 153}{1+2}$  Plot No. 1, Mohanwadi,

Yerwada, Pune C.T.S. No. 2762.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 6813/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date.: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1985

No .IAC ACQ/CA-5/37EE/9247/1984-85—Wheresas, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. M. H. 519 pt. CTS No. 8010 A Village Gousri Pada, Ajanta Compound, Old Thana Road, Bhiwandi situated at Bhiwandi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
Seal:

 Shri Lachmandas Shirumal Gwalani, Smt. Mohoni Lachmandas Gwalani, 12/325 Forward House, Behind Agarwal School, Wadala, Bomaby.

(Transferor)

(2) Moonfields Trading & Investments Pvt. Ltd. 161 Lovely Home, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

M. H. 519 pt. C. T. S. No. 8010 A village Gousri Pada, Ajanta Compound, Old Thana Road, Bhiwandi.

(Property as described in the agreement to sale regist ered in the office of the 1. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9247/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Puna.

Date: 12-6-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 6th June 1985

No. IAC ACQ/CA-51/37EE/6637/84-85---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 13, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) M/s Tamhankar Disa & Associates, 1535 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Swapnagandha Vishnu Vaidya, 1332 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13 S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9. (Area 811 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6637/1984-85 in the month of Oct. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date.: 6-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 13th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6583/1984-85—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Plot No. 16, at Survey No. 116

153 Mohanwadi

 $\frac{-1}{1+2} + 150 + \frac{133}{1}$ 

Yerawada, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mr. S.N. Khodekar (HUF)
 Prop. K. Construction,
 58/A Kasturba Housing Society,
 Vishrantwadi,
 Pune-15.

(Transferor)

(2) Smt. Scethalakshmi Parameswaran, Punjab National Bank, Pune Camp, Punc.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mohanwadi, Yerawada, Puno-6.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6583/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date: 13-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 12 June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9644/1984-85-Whereas,

seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 41/62 in Building No. B-3 Plot No. 4, S. N. 144, 115, 2-B, 116 1 to 6-Village Kofrad, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J. A.C. Acqn. Range, Pune on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:--

80-176GI|85

(1) M/S Paranjape Construction Co. 34 M. G. Road, Vile Parle (East) B ombay-57.

(Transferor)

(2) Kishor S. Medhi, C/o P. G. Kulkarni, 9 Sharce Society, Opp. Parushna Main Post Office, Vile Parle (E) Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41/42 Building No. 2-3 Plot No. 4, S. No. 114 115 2B, 116 1 to 6-village Kofrad Tal. Vasai, Dist. Thanc. (Built up area 720 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9644/1984-85 in the month of Oct. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune 12th June 1985

No. IAC/CA-5 9291/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Block No. 8, Blding No. 2 1st floor Shri Vallabh Nagar, Opp., Purnima Tlakies, Murbad Road, Kalyan, City Survey No. 3138A, 3149, 3141P. 3126, 3124, 3154 (P) situated at Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C., Acqu. Range, Pune on Oct. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/S Vallabh Builder, Opp. Purnima Talkies, Murbad Road, Kalyan

(Transferor)

(2) Smt. Suprabha D. Mohta, In the capacity of logal & natural guardian of MISS Swati D. Mehta. Block No. 8, Shri Vallabh Nagar. Opp. Purnima Talkies, Kalvan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 8, Building No. 2, 1st floor, Shri Vallabh Nagar Opp. Purnima Takies, Murpad Road, Kalyan. City Sualryey Nos. 3138A, 3139, 3141P, 3126, 3124, 3154(P).

(Area 615 sq.ft.)

(Property as uescribed in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, dedocumen No. 9391/84-85 in the month of Oct. 84).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acoquisition Range, Poons

Date: 12-6-1985

 Shri Indraraj Sheshmel Parmar, 809 Budhwar Poth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Parmar Associates, 1153/B Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 12th June 1985

No. IAC Acq. CA-5/37EE/7112/1934-85—Whorecas, I, ANIL KU 4A3

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Surevy No. 93 A/3 Bhamburde, Plot No. 3025/9 Tal. Heveli, Poons-4 situated at Pune

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wentth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 93 A/3 Bhamburde, Plot No. 3025/9 Tal. Havell, Poona.

(Proparty as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, unde document No. 7112/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acoulsition Range, Poona

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 12-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13, June 1985

No. IACACQ/CA-5/37EE/7157/1984-85-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. S. No. 47, Sub Plot No. 7, C. T. S. No. 3715 9.

Pune-9 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Regitsreing Officer at LA.C., Acquisition Range, Pune in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratoin and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subservion (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) 1 Smt. Savitribai M. Jodhwani, 406 Nana Peth, Pune-2. 2 Shr Kishanchand Dwarkadas, Relwani, : 634 Wallabh Patel Street,

(Transferor)

(2) 1 Smt. Rukminibai S. Nirwan, 208 Rasta Peth. Punc. 2 Mrs. Anuradha G. Bangade, 478 B/6 Parvati Anurag Society, Pune-9

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 47, Sub Plot No. 7, C.T.S. No. 3746 of Parvati, Puno-9.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7157/1984-85 in the month of Oct. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acouisition Range, Poona

Date: 13-6-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 10th June 1985

No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/9066/1984-85— Whercas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 301 on 3rd floor, situated at "GIRNAR MAHAL' on plot No. 20 & 21 S. o. 19, 25, 26 and 30 of Village Di wanman, Tal. Vasai, Dist, Thane

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn, Range, Pune on Oct, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion et the linblity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s GIRNAR BUILDERS, K.T. Chambers, 1st floor, Station Road, Vasai (W) Dist. Thane

(Transferor)

(2) Mr. Narayan Nagappa Shiralikar, C.G.S. Colony, S.M. Plot., Block No. 29/1006 Sion Koliwada, Antop Hill, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ary defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd floor situated at "GIRNARMAHAL" on Plot No. 20 & 21, S. No. 19, 25, 26 and 30 of Village Diwanman, Tal Vasai, Dist. Thane.

(Are: 530 sq. ft.)

(Property as described in the agreement the sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document no. 9066/1984:85 in the month of oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Poona

Date: 10-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
Acquisition Range, Punc

Pune, the 12th June 1985

No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9029/1984-85— Whoreas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Property situated at 597 Sadashiv Peth, Punc-30 situated at Punc.

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn., Range, Pune on Oct., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other a sers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Laxmibai Ganesh Datar & Dr. Kamlakar Ganesh Datar, Madhura Sty. Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) M/s Porwal Builders, "White House" 1482 Sadashiv Peth, Tilak Road, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at 597 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the Egreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9029/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 12-6-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7023/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Ownership flat under construction at Bibvewadi, Ketki Apartment Plot No. 9, 692/1/6 Bibvewadi, Pune-37 situateda at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s S.K. Engineers, 613 Nana Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Smt. Krishnabai Maruti Bendbhar, Block No. 6, Room No. 357, Swargate Police Line, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ownership flat under construction at Bibvewadi, Ketki Apartment Plot No. 9, 692/1/6 Bibewadi, Pune-37.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 7023/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9103/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00.000|- and bearing

No. 1/10 at Plot No. 62/13 at Kulgaon situated at Kulgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registoring Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Renuka Builders, Kulgaon Post, Tal. Ulhasnagar,

(Transferoi)

 (2) Mr. Sunil Gopalkrishna Ullal, B-15 Ganesh Prasad,
 10 Sleater Road, Grant Road, (West) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

I/10 at Plot No. 62/13 at Kulgaon.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9103/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 10-6-1985

#### FORM ITNE

Liberty Investments Pvt. Ltd.
 302 Dalamal House,
 206 Nariman Point,
 Bombay-21.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Majid Ibrahim Dossa, 32/36 Babala Tank Cross Road, Bombay.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9780/1984-85— I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 412, Plot No. 16, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay situated at New Bombay.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerring Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
81—176GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of

  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 412, Plot No. 16, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the f.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9780/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June, 1985

Ref. No. 1AC  $\triangle CQ/CA-5/37EE/8947/1984-85$ —Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 13, Liberty complex, Plot No. 17, DBC, Cl DCIO, Vashi New Bombay situated at New Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalmal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Papindersingh K. Batra, Flat No. 13, Liberty Complex, Plot No. 17, DBC, CIDCO, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia! Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13, "Liberty Complex" Plot No. 17, DB C, CIDCO Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 8947/1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1985

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7024/1984-85—Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

No. Flat No. 1, Sweet Home Apartments, Plot No. 9, S. No. 49, Kothrud, Pune-29 situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chaphalkar Laddha & Co., Promoters & Builders, 215 Parvati, Pune-9.

(Transferor)

(2) V.N. Joshi, No. 3 Sneha Apartments, Plot No. 27, S. No. 88/3 Chintamaninagar, Pune-9.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 Sweet Home Apartments, Plot No. 9 S. No. 49, Kothrud, Puno-29.

(Area 807 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7024/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Poona)

Date: 11-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9498/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Village Tulinj, Nala Sopara (E) Gram Panchayat Tulinj, Dist. Thane situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tukaram N. Jadhav, Mrs. Prabhavati N. Jadhav, Shri Suresh T. Jadhav, Thane

(Transferor)

(2) Swati Property Developments, 39 Malad Shopping Centre, Ground Floor, S.V. Road, Malad (W), Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Village Tulinj, Nala Sopara, Gram Panchayat Tulinj, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9498/1984-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poon

Date: 13-6-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune

Punc, the 6th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/7220/J984-85—Whereas, I, ANIL KUMÁR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. C-2 on the Africa floor in Hermes Grace House No. 1974 Gaffar Beg Street, Pune situated at Pune

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

LA.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984.

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) farilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely.—

(1) M/s Ramesh Builders, 618 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Yusuf Hathembhai Lakadwala, 363 B of Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-2 on the IIIrd floor in Hermes Grace Building House No. 1974 Gaffar Beg Street, Pune-1.

(Area 1050 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7220/84-85 in the month of Nov. 1984)

(ANJL KUMAR)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona)

Date: 6-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th June, 1985.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7825/1984-85---Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. S. No. 104/1/1/ (Part) Erandwana, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the schedule unnexed hereto) has been transferred and the agreement is Registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984 ·

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid enceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 264D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Deodhar & Joshi, Promoters & Builders, 1298 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

 (2) Rama Hanmanta Alkunti, Health Camp,
 Opp. Chawl No. 4,
 Naregal Math. Wadarwadi, Pune-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 104/1/1 (Part) Erandwana, Pune-4. (Arca 430 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7825/1984-85 in the month of Dec. 1984)

(ANIL KUMAR)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-6-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7165/1984-85—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No.

CTS No. 235 A Parvati, Pune-9 on this one flat on fourth storey having an area about 717:50 sq. ft, situated—at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(0) M/s V.C. Diwane & Associates,
 21 Matru-Chhaya Society,
 Nagar Road,
 Pune-14.
 Prop. Mrs. Vijaya C. Diwane.

(Transferor)

(2) Shri Chandrashekhar Shrirang Nikam, 52 Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

CTS No. 235-A Parvati, Pune-9. (Area 717:50 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7165/1984-85 in the month of Oct. 1984.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-6-1985

#### FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/10490/1984-85—Whereas, I ANIL KUMAR;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing F. No. 5 in Bldg. No. A in "Paya" Housing Complex at S. No. 2|1|-2, Aundh, Pune situated at Pune

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair which of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferso for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Porwal Builders, "White House, 1482 Sadashiv Peth. Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh C. Tiwari, AL-1-21 Staff Flats, Telco Colony, Pimpri, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. 5 in building No. A in "Paya" Housing Complex at S. No. 2/1+2 Aundh, Pune.

(Area 726 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 4.4 C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10490/1984-85 in the month of Feb. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Manish Industrial Development 126/128 Sheikh Memon Street, Jst floor, Bombay-2.

(Transferor)

 (2) Maharashtra Chem-Aux Industries, 205/2 Faiz-E-Qutabi, 375 Narsi Natha Street, Bombay.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 4th June 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/13852/1984-85—Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Industrial Unit bearing No. 8 on ground floor Bldg. No. 4 on plot No. 184 to 189 S. No. 31, 34, 35, 36 & 37 at Village Navghar, Vasai(E) Dist. Thane situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range,, Pune on Mar. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) hacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
82—176G185

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial unit bearing No. 8 on ground floor at Building No. 4 on Plot No. 184 to 189 S. No. 31, 34, 35, 36 & 37, at Village Navghar, Vasai (E) Dist. Thane.
(Area 670 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13852/1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s Suniti Enterprises, 110 Javeri House, Nagindas Master Road, Bombay-23.

(Transferor)

(2) M/s Divya Builders, 12-A Shri Diamond Centre, L.B.S. Marg, Vikroli, Bombay.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12074/1985-86—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Plot of land at Village Bori Pakhadi in Uran and bearing S. No. 88, Hissa No. 7 City S. Nos. 924, 928, 929, 930 and 931 as per the weaker Section Scheme No. 111 C/PA/F-62/SR-8 situated at Village Borl Pakhadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in suspect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Right to develop and construct building on a plot of land at Village Bori Pakhadi in Urban and bearing S. No. 88, Hissa No. 7, City S. Nos. 924, 928, 929, 930 and 931 as per the weaker Section Scheme No. ULC/PA/F-62/SR-8/10th Oct. 1979.

(Property as described in the agreemnet to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12074/1984-85 in the month of January, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range Pune

Pune, the 26th June 1985

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/13265/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Land bearing Survey No. 735 situated at Village Mira Taluka and Dist. Thane situated at Thane

Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., q & n Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the parties has not been truly stated in the said instrument of object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bhaskar Navshya Babar, C/o M/s Sheikh Constructions, 32 Ibrahim Rehmatullah Road, Bombay-3.

(Transferor)

(2) M/s Shelkh Constuctions, 32 Ibrahim Rehmatullah Road, Bombay-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 735 situated at Village Mira, Taluka and District Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13265/1984-85 in the month of February, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 26-6-1985

### FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th June, 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13271/1984-85 - Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

No. Land bearing Survey No. 200 situated at Village Mira Taluka and Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (27 of 1957):

(1) Shri Balkrishna Rawji Kulme & Others. C/o M/s Sheikh Constructions, 32 Ibrahim Rehmatullah Road Bombay.

(Transferor)

(2) M/s Sheikh Constructions, 32 Ibrahim Rehmatullah Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Land bearing Survey No. 200 situated at Vi lage Mira Tal and Dist. Thane. (Property as descri; bed in the agreement to sale registered

in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1327i/1984-85 in the month of February, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority (Inspecting Assistant Commiss ioner of Income-tax, Acquisition Range, Poone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Nana Navshya Babar and Others, C/o M/s Sheikh Constructions,
 Ibrahim Rehmatullah Road, Bombay.

(Transferor)

 M/s Sheikh Constructions, 32 Ibrahim Rehmatullah Road, Bombay.

(Tranfsferec)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune

Pune, the 27th June 1985

Ref No. IAC ACQ CA-5/37EE/13269/1984-85 -Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Lands bearing Survey Nos. 75 Hissa No. 1, Survey No. 190 situated at village Mira Taluka and Dist. Thane situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, Pune in Feb. 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the case of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Lands bearing Survey No. 75 Hissa No. 1, Survey No. 190 situated at Viljage Mira, Taluka and District Thane. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 13269/1984-85 in the month of February, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poone

Date: 27-6-1985

Scal :

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Pune

Pune, the 27th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1198/1984-85 -- Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Naupada, Thana with temporary Huts and one permanent structure situated at Thana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Dattatraya Ramchandra Patil, Shri Balkrishna Ramchandra Patil, Kum. Suman Ramchandra Patil, Smt. Sujata Prabhakar Varadkar, Dada Patil Wadi, Naupada, Thane.

(Transferor)

(2) M/s Maruti Builders, Shop No. 2, Mochi Building, N.S. Road, Mulund (W) Bombay-80

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Naupada, Thana with temporary Puts and one permanent

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1198/85-86 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-198

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Pune

Pune, the 27th June 1985

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/13270/1984-85—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Lands bearing Survey Nos. 744, 746, 747 and 748 situated at Village Mira Tal and Dist. Thane, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred ander the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqun. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Apt, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nana Navshya Babar & Others, C/o M/s Sheikh Constructions, 32 Ibrahim Rehnitullah Road, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s Sheikh Constructions, 32 Inbrahim Rehmatullah Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lands bearing Survey Nos. 744, 746, 747 and 748 situated at Villagee Mira Taluka and District Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13270/1984-85 in the month of February 1985)

> ANIL KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-6-1985

### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Pune

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7703/1984-85—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 114, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on No. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Tamhankar Disa & Associates, 1535 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferor)

(2) Mr. Raveendra Vyankatesh Tilak, 1015 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 114, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune-9 (Area 776 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7703/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

Seal;

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMEN SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11267/1984-85—Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelastfor referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. Flat No. 5 on 1st floor in "Gaurav Apartment" situated at S. No. 113, Kalas, Pune-15, Plot No. 16 situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Mar. 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly visted in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 40d/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other senets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesiti-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---83--176 GH85

(1) M/s K. Promoters & Builders, 58/A Kasturba Housing Society, Vishrantwadi, Punc-15.

(Transferor)

(2) Mr. R.T. Choudhary and, Mr. S.R.R. Choudhary, R. No. 9, Pandurang Nivas, Jadhav Vasti, Kalas, Pune-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 1st floor in "Gaury Apartment" situated at S. No. 113, Plot No. 16, Kalas, Pune-15.

(Arca 782 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11267/1984-85 in the month of March 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 19-6-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10711/1984-85—Whereas,

I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saki Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Shop No. 34 on ground floor in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector, 17 Vashi, New Bombay situated

at New Bombay.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Officer of the Registering officer

at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(?) M/s Vardhaman Constructions, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M.V. Road, (A (Andheri-Kurla Road) Andheri (E) Bombay-69.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Quram Mohd. Ilias, Son of Ali Kasan, Djamond Zadar Stores, jai Shankar Building, Sanghani Estate, LBS Marg, Ghatkopar (W) Bombay-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 34 on ground floor in Vardhaman Market at Plot No. 75 Sector 17, Vashik New Bombay.

(Area 480 sq. ft,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10711/1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pooa)

Date: 14-6-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, tho 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10852/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Property situated at Village Dombivli, Tal, Kalyan bearing Survey No. 293, Hissa No. 6 situated at Kalyan

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indlan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Utvi Builders. 1/5 Maya Nagar, Thane (E)

(Transferor)

(2) Mrs. Vimal Kanta Kathe, Block No. 10, Godavari Society, Dombivli(E)

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at Village Dombivli, Tal. Kalyan, bearing Survey No. 293, Hissa No. 6.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 10852/1984-85 in the month of Dec. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 24-6-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10183/1984-85——Whoreas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Mini Market bearing No. 43 in the plan amount ground and first floor No. 29 in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acım. Rage, Pune in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less thahn the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Samely:

(1) M/s Vardhaman Constructions, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M.V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri(E), Bombay-69.

(Transferor)

(2) M/s Roshan Enterprises Plot No. 697, Katrak Road, Wadala, Bombay-31

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mini Market bearing No. 43 in the plan annexed hereto consisting of Basement, ground and first floor No. 29, in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Proporty as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Rang, Pune, under document No. 10183/84-85 in the Month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poons

Date: 12-6-1984

Senl:

-----

### FORM ITNS -

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION, RANGE, PUNE

Pune, the 28th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13523/1984-85--Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 307 Saidham Apartments, Plot No. 40, Sector-17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Mar. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Saibaba Enterprises,
 Ashiyana,
 N.S. Road No. 10,
 J.V.P.D. Schome,
 Vile Parle (W),
 Bombay-58.

(Transferor)

(2) Mr. Ismail Y. Modak, C/o A.K. Modak, C-5/9/11 Sector-I A. C.B.D. Belapur, New Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

307 Saidham Apartments, Plot No. 40, Sector-17, DBC Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13523/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition n oona

Date: 28-6-1985

 M/s Dhanlaxmi Builders, by partner D.M. Tank, 82 Ram Mandir Road, Vile Parle (E) Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Narayandas Prasad Luharka prtner Rishu Engineering Works, Gala No. 5 at Dhanlaxmi Industrial Estate, Navghar, Vasai (E) Thane.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/10320/1984-85--Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Gala No. 5, at Dhanlaxmi Industrial Estate, Plot No. 105 106, and 107 S. No. 31 (Part) S. No. 34, 35 & 36 parts of Navghar, Uasai (E) Dist Thane, situated a Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune, in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or Gala No. 5 at Dhanlaxmi Industrial Estate, Plot No. 105, 106 and 107 S. No. 31 (Part) S. No. 34 35 & 36 parts of Navghar, Vasai (E) Distt. Thanc.

(Area 1040 Sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 100320/1984-85 in the month of Nov. 1984)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (21 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-6-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th Ju 198

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11733/1984-85W—hereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Flat No. 8, Second floor, Mohit Park, Plot No. 140, Lullanager, Pune-40, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LA.C. Acqn. Range, Pune on April 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, decelore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

 M/s Five Star Builders, 10, Kamal Chembers, 38 M.G. Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Shakeela Jameel Ahmed, 916, Synngogue Street, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Second floor, Mohit Park, Plat No. 140 ,Lullanagar, Pune-40.

(Arca 690 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11733/1984-85 in the Month of April 1985).

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poon<sub>a</sub>

Date: 27-6-198°

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 21th June 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12071/1984-85.. Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Unit No. 6, Ground floor, Village Navghar, Tal. Bassein Distt. Thane, situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune, in Jan 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomic arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhansuk'ılal M Talik, Partner Dhanlaxmi Builders, 82, Røm Mandir Road, Vile Parle (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shi T Santhianath, Karta for M/s Keru H.U.F., M/s Hiplast, 169/B Andheri Ind. Estate, Veer Desai, Road, Andheri (W), Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 6, Ground floor, Village Navghar, Tal. Bassein, Distt. Thene.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12071/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggisition Range, Poons

Date: 21-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Puna Pune, the 14th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11819/1984-35-Whereos,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Unit Nos. 15 16 17

No. Unit Nos. 15, 16, 17 & 18 on first floor, located in Sheetal Industrial Estate No. 2 situated in Plot No-34, S No 30,31 (pt) 35 (pt) 55-C (pt) of Village Navghar. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn Range, Pune in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons, namely:-84-176 GI/85

(1) Swastik Developments, 12 Dubash Lane, V.P. Road, Bombay-4.

(Transferor) >

(2) Regency Textile Mills, 39 Meadows House, Nagindas Master Road, Bombay-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires luter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No.s 15, 16, 17 & 18 on first floor located in Sheetal Industrial Estate No. 2 situated at Plot No. 34 S. No. 30, 31 (pt), 35 (pt), 55-Cy(pt) of Village Navghar Tal. Vasai, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No 11819/1984-85 in the Month of January 1985.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poon?

Date: 14-6-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range Punc

Pune, the 7th June 1985

Ref. No. IA**C/ACQ/CA-**5/7606/1984-85—Whereas, I, ANIL KUMAR<sub>\$</sub>

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

S. No. 26, Plot No. 149, Dahanukar Colony, Kothrud, Puno, 29, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C Acqu Range, Pune in Nov. 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) M/s Atul Enterprises, 31 Sheela Vibar Colony, Punc-4
- (Transferor)
- (2) Mr. Manual Shantanurao Poharkar & Mrs. Ushabai Manual Poharkar, 85 Kothrud, Pune,-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

S. No. 26, Plot No. 149 Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29.

(Area 723 sq. ft.)

(Property as describedt in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7606/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poor

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1985

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 27th June 1985

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/11604/1984-85.—Whereas, JANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-and bearing No.

Room Flat, Back side on 1st floor, S. No. 47/6 B-2, Plot No. 1, Erandwana, Punc-38 situated at Punc-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Aprli 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

M/s. Radhika Apartment,
 S. No. 47/6 B-2, Plot No. 1,
 Erandwana,
 Punc-38.

(Transferor)

(2) Shri Kumar Jeenadatta Thote, 1194/24 Ghole Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 Room flat, Back side on 1st floor, S. No. 47/6, B-2, Plot No. 1, Erandwana, Pune-38.

(Area 805 sq. f(.)

(Property at described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11604/1984-85 in the month of April 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pcona

Date: 27-6-1985

#### FORM ITNE

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th June 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12248/1984-85.—Whereas, 1 ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No 603 on 6th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Bombay situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Lulit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd., 14 Vishal Shopping Centre. Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Lalitha V. & Mr. R. Vasudeven,5 Sangam, Ghokle Road, Chembur, Bombay-71.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 603 on 6th floor in building Lok Shilp at Vash! Plot No. 59, Sector 17, DBC Bombay.

(Area 640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12248/84-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax 
Acquisitio n Isange, Poon

Date: 24-6-1985

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th May 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/785/1985-86.--Whereas, f ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and hearing No.

Plot No. 58, S. No. 89-90, Lockmanya Colony, Kothrud, Pune Area 1018 sq. metres situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Rango, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Kantilal Narsi Shah, 18, Ajit Society, Near Bhagwan Nagar, Tekkara, Paldi, Ahmedabad-380007

(Transferor)

(2) M/s. Ankur Pramoters, 1226-C, Shukrwar Peth, Subhash Nagar, Lane No. 4, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 58, S. No. 89-90 Lockmanya Colony Kothrud, Рипс-29.

(Admeasuring 1018 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale in registered in the Office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under No. 78/5 85-86, May, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dite: 18-5-1985

Scal:

 Mrs, Sushilabai Govind Ekabote, Railway Quarters, Bhusawal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. B. Associates, 1206/23, B. Shivajinagar, Pune-4.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th May 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/10379/84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,00,000|- and bearing

Plot No. 110, S. No. 26, Village Kothrud, Punc- 7280 sq. ft. situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 110, S. No. 26, Village Kothrud, Pune. (Admeasuring 7280 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale in registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Pune under No. 10379/84-85 in the month of February 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date : Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 17th May 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7159/84-85,—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

First No. T-3 on Hird Floor at S. No. 42A/18, Erandawana Pune-4 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 M/s. Natekar Gandhi And Co. 1206 B/15, Shivajinagar, D. G. Pune.

(Transferor)

(2) Shri Dhanaanjai Vinayak Jong,53, Shree Niwas Modi Baugh,Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by sky of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. T-3, on third floor at S. No. 42A/18, Erandawan Pune-4. Free hold.

(Property as described in the agreement to sale in registered in the Office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under his No. 7159/84-85 October 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 17th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/663/85-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

47/22, Erandawane, Law College Road, T. P. Scheme No. 1, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at IAC, Acquisition Range, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. D. Karvo, 47/22, Erandawano, Punc-4.

(Transferor)

(2) Om Engineers & Builders, 43/4, Erandawane, Pune.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

47/22, Erandawane Law College Road, T. P. Scheme No. 1, Pune-4.

Total Built up area 1894 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 663/85-86—May 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dato: 17-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GCVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

PUNE

Pune, the 17th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/7736/84-85,---Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  $N_{\rm C}$ .

C. S. No. 2043, Aundh Road, Pune-3 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per coal of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Hatimbhai Turabbhai Chopdawala & Others 1571 Shukrawar Peth, Punc.

(Transferor)

(2) Mr. Ikram Malik Khan, 1202/5, Ghole Road, Punc-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

### THE SCHEDULE

C. S. No. 2043, Aundh Road, Pune-3. Free hold.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under his No. 7736/84-85—Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-5-1985

Sea!

85-176 GI]85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EL/11939/1985-86, -- Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act) have reason to believe that the immovable property having a frir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5-II floor, Dikshit Baug Apartments at CTS No. 96D/2-B Navi Sadashiv Peth situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

 Dr. Avinash B. Dikshit through M/s. Leela Constructions (P) Ltd., 836 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Vinay Baburao Kale & Mrs. Vidula Vinay Kale, "Vishwanath Sadan", Kharkar Lane, Thane,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5-II floor, Dikshit Baug Apartments at C.T.S. No. 96D/2-B Navi Sadashiv Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11939/85-86 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 31-5-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10041/84-85.— Whereas, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 34 on 2nd Floor in 'Landmark' at Navghar, Vasai Road, S. No. 46 (Part) Plot No. 8, Anand Nagar Scheme, Villag Navghar (Vasai) (E) situated at Vasai (Navghar) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 M/s. V. S. Enterprises, Court Chambers, 2nd Floor, New Marine Lines, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Khatija Bibi Esooq Mamsa & Mr. Mohmud M. Mamsa Tansim 2nd Floor, L. J. Cross, Road, No. 2, Mahim, Bombay-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 34 on 2nd Floor in 'Landmark' at Navghar, Vasai Road, S. No. 46 (Part) Plot No. 8, Anand Nagar Scheme, Village Navghar Vasai (E), Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under No. 10041/84-85 on Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-5-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/9620/84-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3 Ground Floor, Plot 27, Red-rose Co-operative Housing Society, Sector-2, Vashi, New Bombay situated at Vashi, New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Red Rose Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 27, Seetal, Vashi, New Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Manu K. Sobti, Manu Mahal, Kings Circle, Matunga, Bombay-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Plot No. 27, Red-rose Cooperative Housing Society, Sector-2, Vashi, New Bombay.

(Area 751.5 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 9620/84-85 on Oct. 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Ref N.o. IAC/ACQ/CA-5/37EE/to524/84-85. —Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 8 & 9 Ground Floor, Gayatri Industrial Estate, Plot No. 7/19, Village Navghar, Vasai Road, Vasai (E), Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acquisition Range, Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gayatri Builders,
Vikas Udyog Nagar,
Near Railway Crossing,
Bhayander East,
Distt. Thane.

(Transferor)

(2) M/s. Pharmaceutical & Surgichem Equipments, B1/10, Bee Jambo Darshan Co-operative Housing Society ,Koldongeri, Lane No. 2, Andheri (E).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period anytees later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 8 and 9 ground floor, area 107.86 sq. mtrs. Gayatri Industrial Estate, Plot No. 7/19, Village Navghar, Vasai Road, Vasai (E), Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 16524, dt. May, 1985).

ANIL LUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang., Poona

Date: 31-5-1985

Scal ·

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/13408/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Residential Flat bearing No. A1/104 on 1st floor of "A" Building known as Tanwar Nager situated at Bombay Poona Road, Mumbra, Distt. Thane situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqm. Range Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afovesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Rajasthan Builders, A/2 Swati Building, Juhu Lane, Andheri West, Bombay.

(Transfer)

(2) Smt. Mehboob BI W/o Saligram Chowdhry, Near Nurul Huda Mosque, Social Nagar, Kala Killa, Dharavi, Bombay.

(Trønsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential flat bearing No. A1/104 on firs fl Building known as Tanwar Nagar situated at Bombay Poons Road, Mumbra Distt. Thane.

(Area 858-50 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 13408/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent At therity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 31-5-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE

#### PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/C $\Lambda$ -5/37EE/10803/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plat No. 12 on the North Side on second floor of Geetali building at 708-9-10-15-16 Shivajinagar, Pune-4 situated at Puno (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of .922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:—

(1) Vastushilp, 93/2A, Erandwana, Punc-4.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Dinkar Bodekar, 1259/2, J. M. Road, : Punc-4.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1? on the North side on second floor o' Geetali Building at 708/9-10-15-16 Shivajinagar, Punc-4.

Property a described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Ptitle, under document No. 10803/84-85 in the month of March 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-5-1935

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/11028/1984-85,---Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 301 in Kadam Apartment at S. No. 214, Parvati, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) ficilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajkumar J. Agarwal, M/s. Raj Builders, S. No. 9/3 Yerwada, Punc-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmibai Chandrakant Sutar, 955 Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferee

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of retice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301 in Kadam Apartment at S. No. 214, Parvati Punc-9.

(Built up Area 680 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 1028/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-5-1985

ing energy of the second of th

TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX 5 CT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri R. N. Thakkar, M/s. Hermes Agencies, 793 Family House, Bombay-14.

(Transferor)

(2) Noushad Husainali Vazir, 36 Wonderland,7 M. G. Road, Pune-1.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/10864/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C-17 on the 3rd floor in Hermes Complex situated at F. P. No. 203 of Sangamwadi T. P. Scheme New S. No. 349 & Part of 349-A-1 Bunglow No. 6, Pune and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C-17 on the IIIrd Floor in Hermes Complex situated at F. P. No. 203 of Sangamwadi T. P. Scheme, New S. No. 349 & Part of 349-A-1 Bunglow No. 6 Sir Bhandarkar Road, Pune.

(Area 590 Built up)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 10864/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-5-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12874/84-85.--Whereas, TANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 108, on 1st Floor, Plot No. 9, S. No. 44 & 46 at Navghar, Vasai, Distt. Thane situated at Vasai. Distt. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acquisition Range, Pune in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. V. S. Enterprises, Court Chambers, 2nd Floor, New Marine Lines, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Mrs. C. J. Multani, 7, Tulgi Mahal, 3rd Floor, Raghavji Road, Opp: Central Bank of India, Gowalia Tank, Bombay-36,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

07)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 108, on 1st Floor, at Navghar, Vasai Road, Plot No. 9, S. No. 44 & 46, Distt. Thane.

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No 12874/84-85, on February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango, Poona

Date: 31-5-1985